



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० ३६]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर ६, १९७५/भाद्र १५, १८९७

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1975/BHADRA 15, 1897

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह भ्रष्ट संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संबंध राज्य और प्रशासनों को छोड़कर) केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए साधारण प्रावेश और प्रधिकृच्छनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

मन्त्रिमण्डल मन्त्रिवालय

कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, १९ अगस्त, १९७५

का०प्रा० २८६४—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, १९४६ (१९४६ का २५) की धारा ३ द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित अपराधों का उन अपराधों के रूप में विवरिष्ट करती है जिनका अन्वेषण दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा किया जाना है, अर्थात्—

- (क) अतिरिक्त परिलक्षित (अनिवार्य जमा) अधिनियम, १९७४ (१९७४ का ३७) के अधीन वण्णनीय अपराध, और
- (ख) खण्ड (क) मेर वर्णन किसी अपराध तथा उन्हीं तथ्यों में उद्भूत संव्यवहार के अनुकूल के किये गये किसी अन्य अपराध के बारे में या उसके सबध मे प्रयत्न, वृष्ट्रेण और षड्यन्त।

[संख्या २२८/१३/७४-एवीडी-२]
बी० सी० बन्जारी, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 19th August, 1975

S.O. 2864.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of

1946) the Central Government hereby specifies the following offences as the offences which are to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely:—

- (a) offences punishable under the Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 (37 of 1974); and
- (b) attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with any offence mentioned in clause (a) and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/13/74-AVD. II]
B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निवाचन आयोग

प्रावेश

नई दिल्ली, ४ अगस्त, १९७५

का०प्रा० २८६३—यत् निवाचन आयोग का समाधान हो गया है कि १९७४ मे हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निवाचन के लिये ३४-मुरावाबाद वेहात निवाचन-क्षेत्र से चुम्बक लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुहम्मद यामीन, ग्राम व बाकाबाना पीपलसाना, जिला मुरावाबाद उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ तथा तद्वीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचन व्यवों का कोई भी लेखा वालिय करने मे असफल रहे हैं;

मौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, उपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मुहम्मद यामीन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स० 34/74(33)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1975

S.O. 2865.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohammad Yamin, Village and P. O. Pipalsana, District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 34. Moradabad Rural assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohammad Yamin to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/34/74(33)]

आदेश

का०प्रा० 2866.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 41-नग्नूर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रईस अहमद, मुहम्मद सुडा वाई नं० 1, डाकखाना गुन्नौर जिला बदायूँ उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वितीय बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं:

मौर, यतः उक्त उम्मीदवार के अध्यावेदन पर विचार करने के बाद निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रईस अहमद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स० 41/74(36)]

ORDER

S.O. 2866.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rais Ahmad, Mohalla Munda, Ward No. 1, P. O. Gunnaur, District Budaun, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 41.

Gunnaur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, after considering the representation of the said candidate the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rais Ahmad to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/41/74(36)]

आदेश

का०प्रा० 2867.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 32-मुरादाबाद पश्चिम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नर्थु सिंह, आम समाज, पोस्ट पाकबड़ा, जिला मुरादाबाद, उ० प्र० 30 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वितीय बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं;

मौर, यतः उक्त उम्मीदवार के अध्यावेदन पर विचार करने के बाद निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नर्थु सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स० 32/74(37)]

ORDER

S.O. 2867.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Natthu Singh, Village Samathal, P. O. Pakwara, District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 32. Moradabad West assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, after considering the representation of the said candidate, the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Natthu Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/32/74(37)]

आदेश

का०प्रा० 2868.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 32-मुरादाबाद पश्चिम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लक्ष्मण सिंह, आम बहाउरपुर, राजपुत, डाकखाना रत्नपुर कला, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वितीय बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रीत, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अधिकारण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं हैं;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बाड़क सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिकारण परिषद के सदस्य चुने जाने पर और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष भी कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०म० 32/74(38)]

ORDER

S.O. 2868.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kharak Singh, Village Bahadurpur Rajput, P.O. Ratanpur Kalan, District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 32-Moradabad West assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kharak Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/32/74(38)]

आदेश

का० आ० 2869.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 32-मुरादाबाद पश्चिम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुमेरा, ग्राम ईसापुर फर्लीथा, डाकखाना फरेहपुर विधानोई, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीत बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन अधिकारियों का कोई भी सेवा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रीत, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अधिकारण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं हैं;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुमेरा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिकारण परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स० 32/74(39)]

ORDER

S.O. 2869.—Whereas the Election Commission satisfied that Shri Sumera, Village Isapur Faleda, P.O. Fatehpur Vishnoi, District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from

32-Moradabad West assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sumera to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/32/74(39)]

आदेश

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1975

का० आ० 2870.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 43-बिल्सी (ग्र०आ०) निर्वाचन-क्षेत्र से विधान सभा के लिये चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गंगा राम, मुहस्सा बहामुर गंज, उज्ज्वली, जिला बाढ़ी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीत बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन अधिकारियों का कोई भी सेवा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रीत, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अधिकारण स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं हैं;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गंगा राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिकारण परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स० 43/74(45)]

ORDER

New Delhi, the 5th August, 1975

S.O. 2870.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ganga Ram, Mohalla Bahadurganj, Ujhani, District Budaun Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 43-Bilsi (SC) assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ganga Ram to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/43/74(45)]

आदेश

का० आ० 2871.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 25-मस्मरोहा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार

श्री दिनेश कुमार, मोहल्ला बेगम सराय कला, अमरोहा, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित नहीं हैं;

ग्राम, ग्राम, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री दिनेश कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने पर और होने के लिये इस आयोग की तारीख से तीन वर्ष की कालाकार्धि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/25/74(46)]

ORDER

S.O. 2871.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dinesh Kumar, Mohalla Begum Sarai Kalan, Amroha, District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 25-Amroha assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dinesh Kumar to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/25/74(46)]

आदेश

ग्रा० ग्रा० 2872.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 25-अमरोहा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रूप सिंह, मुहल्ला पचडेला, अमरोहा, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमोंद्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिय जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित नहीं हैं;

ग्राम, ग्राम, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रूप सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने पर और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाकार्धि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/25/74(47)]

ORDER

S.O. 2872.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Roop Singh, Mohalla Pachdevla, Amroha, District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 25-Amroha assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Roop Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/25/74(47)]

आदेश

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1975

ग्रा० ग्रा० 2873.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 51-परेली कैंटूमेंट निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एन०एन० शुक्ला, 25-मधी नाथ रोड, बरेली उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमोंद्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, नियमोंद्वारा अपेक्षित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित नहीं हैं;

ग्राम, ग्राम, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एन०एन० शुक्ला को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने पर और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाकार्धि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/51/74(48)]

ORDER

New Delhi, the 6th August, 1975

S.O. 2873.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri N. S. Shukla, 25-Madhi Nath Road, Bareilly, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 51-Bareilly Cantonment assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri N. S. Shukla to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/51/74(48)]

आदेश

का० आ० 2874.—यतः, निर्बाचिन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचिन के लिए 44-बाबायूं निर्बाचिन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शंकर लाल, ग्राम हरगनपुर, तहसील सहसवान, जिला बदायूं, उत्तर प्रदेश, सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्बाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचिन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायैचित्य नहीं है ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्बाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शंकर लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/44/74(49)]

ORDER

S.O. 2874.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shanker Lal, Village Harganpur, Tahsil Sahaswan, District Budana, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 44-Budana assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shanker Lal to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/44/74(49)]

आदेश

का० आ० 2875.—यतः, निर्बाचिन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचिन के लिए 53-नवाबगंज निर्बाचिन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नेम चन्द, ग्राम कचनेरा, तहसील नवाबगंज, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश, सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्बाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचिन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायैचित्य नहीं है ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्बाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नेम चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[सं०उ०प्र०-वि०ग०/53/74(54)]

ORDER

S.O. 2875.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nem Chand, Village Kachnera, Tahsil Nawabganj, District Bareilly, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 53-Nawabganj assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nem Chand to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/53/74(54)]

आदेश

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1975

का० आ० 2876.—यतः, निर्बाचिन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1974 में हुए उड़ीसा विधान सभा के निर्बाचिन के लिए बालीपटना (ग्रजा) निर्बाचिन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुयाला मलिक, बाबागाडा, पतालय सुरीनगरी, जिला पुरी (उड़ीसा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्बाचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचिन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायैचित्य नहीं है ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्बाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुवाला मलिक को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्रहित घोषित करता है ।

[सं० उडीसा-वि० स०/49/74(1)]

ORDER

New Delhi, the 14th August, 1975

S.O. 2876.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Subala Malik, Al-Pubagada, P.O. Turintira, District Puri (Orissa), a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from Balipatna (SC) constituency, held in February 1974 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri

Subala Malik to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/49/74(1)]

आदेश

का० आ० 2877.—यतः, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि करवरी, 1974 में हुए उडीसा विधान सभा के निर्बाचन के लिए कालीपटना (ओरिसा) निर्बाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सर्वेश्वर भोई, गोटालाप्राप्तम, पो० सत्यभामाडुर, जिला पुरी (उडीसा) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्वर तथा रीति से अपने निर्बाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार, ने उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यौचित्य नहीं है ;

यतः, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री सर्वेश्वर भोई को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उडीसा-वि०स०/49/74(2)]

ORDER

S.O. 2877.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sarbeswar Bhoi, At—Gotalagram, P.O. Satyabhamapur, District Puri (Orissa), a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from Balipatna (SC) constituency held in February, 1974 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or jurisdiction for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sarbeswar Bhoi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/49/74(2)]

प्रादेश

का० आ० 2878.—यतः, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचन के लिए 106 मोहन लाल गंग (प्र०जा०) निर्बाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रभु दयाल, कस्ता व डाकखाना अमेठी, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्बाचन व्ययों का लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यौचित्य नहीं है ;

यतः, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रभु दयाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/106/74(61)]

ORDER

S.O. 2878.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prabhu Dayal, Qasba and P.O. Amethi, District Lucknow, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 106-Mohanlalganj (SC) assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prabhu Dayal to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/106/74(61)]

प्रादेश

का० आ० 2879.—यतः, निर्बाचित आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचन के लिए 102-लखनऊ पश्चिम निर्बाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुवामा प्रसाद निषाद, 510/151, न्यू हैदराबाद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्बाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्बाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यौचित्य नहीं है ;

यतः, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्बाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुवामा प्रसाद निषाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/102/74(66)]

ORDER

S.O. 2879.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sudama Prasad Nishad, 510/151, New Haidarabad, Lucknow, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 102. Lucknow West assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Sudama Prasad Nishad to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/102/74(66)]

आदेश

का० प्रा० 2880.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 60-पूरन पुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सीता राम, प्राम बबूरा, तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीयन बनाए गए नियमों द्वारा आयोग के लिए निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रीत, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, प्रीत, निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यूनीत्य नहीं है;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सीता राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने प्रीत होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/60/74(67)]

ORDER

S.O. 2880.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sita Ram, Village Baboora, Tahsil Bisalpur, District, Pilibhit, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 60-Puranpur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sita Ram to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/60/74(67)]

आदेश

का० प्रा० 2881.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 60-पूरन पुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरबन्स सिंह, ग्राम दुमेरा, डाकखाना व जिला बदायूं उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीयन बनाए गए नियमों द्वारा आयोग के लिए निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रीत, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, प्रीत, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यूनीत्य नहीं है;

प्रीत निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यूनीत्य नहीं है;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरबन्स सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने प्रीत होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/60/74(68)]

ORDER

S.O. 2881.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harbans Singh, Village Begpur Kunda, Tahsil Puranpur, District Pilibhit, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 60-Puranpur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Harbans Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/60/74(68)]

आदेश

का० प्रा० 2882.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 48-आवालां निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मोहन लाल वर्मा, गांव डुमेरा डाकखाना व जिला बदायूं उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीयन बनाए गए नियमों द्वारा आयोग के लिए निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रीत, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, प्रीत, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यूनीत्य नहीं है;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मोहन लाल वर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने प्रीत होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/48/74(69)]

ORDER

S.O. 2882.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohan Lal Verma, Village Dumera, P.O. & District Budaun, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 48-Aonla assembly constituency, has failed to lodge an account of

his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohan Lal Verma to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/48/74(69)]

आदेश

का० आ० 2883.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 58-बरखेरा (प्र० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कोमिल प्रसाद, ग्राम भोहलिया, डाकखाना ईट गांव, जिला पीलीभीत, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित अपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यौचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री कोमिल प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/ 58/74(72)]

ORDER

S.O. 2883.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Komil Prasad, Village Mahulia, P.O. Intgaon, District Pilibhit, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 58-Barkhera (SC) assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Komil Prasad to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/58/74(72)]

आदेश

का० आ० 2884.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन

के लिए 114-कुण्डा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामेश्वर प्रसाद ग्राम भृष्टि, पोस्ट कुसुबापुर, जिला प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित अपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री रामेश्वर प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/ 114/74(73)]

ORDER

S.O. 2884.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rameshwar Prasad, Village Bhaddiv, P.O. Kuswapur, District Pratapgarh, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 114-Kunda assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rameshwar Prasad to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/114/74(73)]

आदेश

का० आ० 2885.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68 शाहजहांपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री काशी नाथ, हाजी विलाई, सदर बाजार, शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवित अपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री काशीनाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/ 66/74(74)]

ORDER

S.O. 2885.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kashi Nath, Haji Building, Sadar Bazar, Shahjahanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 66-Shahjahanpur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kashinath to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/66/74(74)]

आदेश

का० आ० 2886.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-शाहजहांपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रमाकर, मस्जिद गंज, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा धाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः और, यतः उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं विधान सभा के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य ने जो और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्दित धोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/66/74(75)]

ORDER

S.O. 2886.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rama Shankar, Masjidganj, Shahjahanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 66-Shahjahanpur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rama Shankar to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/66/74(75)]

प्रादेश

का० आ० 2887.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 101-लखनऊ पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सतीश अन्न अग्निहोत्री, जूरियन टोला, 10 मकानूल गंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा धाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं विधान सभा के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य ने जो और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्दित धोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/101/74(76)]

ORDER

S.O. 2887.—Whereas the Election commission is satisfied that Shri Satish Chandra Agnihotri, Jurilan Tola, 10. Maqboolganj, Lucknow, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 101-Lucknow East assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Satish Chandra Agnihotri to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/101/74(76)]

प्रादेश

का० आ० 2888.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 226 काराकट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवनन्दन राम, ग्राम घनाव, नासरीगंज, शाहबाज विहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा धाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं विधान सभा के किसी

भी सदत के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस भारेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं. बिहार—वि. सं. 226/72 (214)]

ORDER

S.O. 2888.—Whereas the election Commission is satisfied that Shri Sheo Nandan Ram, Village Dhanaw Nasariganj Shahabad, Bihar who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 226-Karakat constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sheo Nandan Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/226/72(214)]

भारेश

मई दिल्ली, 16 अगस्त, 1975

का० घा० 2889.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103—लखनऊ मध्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री उमेश कुमार श्रीवास्तव, 83 गुइन रोड, लखनऊ उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अवैधित घपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्भव सूखना दिये जाने पर भी, घपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकार्य नहीं है;

यतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10 के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री उमेश कुमार श्रीवास्तव को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भारेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ० प्र०—वि. सं. 103/74(81)]

ORDER

New Delhi, the 16th August, 1975

S.O. 2889.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Umesh Kumar Srivastava, 83, Guine Road, Lucknow, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U. P. Legislative Assembly from 103, Lucknow Central assembly constituency, has failed to lodge an account of his

election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he had no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Umesh Kumar Srivastava to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/103/74(81)]

भारेश

का० घा० 2890.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 103—लखनऊ मध्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ब्रह्म दत्त वाजपेयी, 346/30 मेहन्ती गज, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अवैधित घपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्भव सूखना दिये जाने पर भी, घपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन भायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकार्य नहीं है;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10 के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्वारा उक्त श्री ब्रह्म दत्त वाजपेयी को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भारेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ० प्र०—वि. सं. 103/74(82)]

ORDER

S.O. 2890.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Brahm Dutt Vajpai, 346/30, Mahaniganj, Lucknow, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U. P. Legislative Assembly from 103, Lucknow Central assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Brahm Dutt Vajpai to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/103/74(82)]

भारेश

का० घा० 2891.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन

नो. लिए 103 लखनऊ मध्य निर्वाचन सीट से भूताव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लड्डन, 26-रसी बटान, जिला लखनऊ उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचन अधिकारी को कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रोर, यह: उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्मक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधिकारी स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निवाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकार्य नहीं है;

भ्रत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लड्डन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस भारतीय से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ०प्र०-वि०स०/103/74(83)]

ए० एन० सैन, सचिव

ORDER

S.O. 2891.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laddan, 26-Rassi Batan, Lucknow Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 103, Lucknow Central assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laddan to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/103/74(83)]

A. N. SEN, Secy.

पृष्ठ मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1975

का० आ० 2892.—इतियन इत्या एण्ड फार्मस्ट्रॉटिक्स लिमिटेड, हैदराबाद के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री मोहम्मद अली, पार्ट० पी० एन० 31 जम्बवारी, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय घोषणागिक सुरक्षा बल, इतियन इत्या एण्ड फार्मस्ट्रॉटिक्स लिमिटेड, हैदराबाद में पदेन उप-महानिरोक्षक नहीं रहे।

[संख्या ई०-17017/1/75-प्रशासन-1 (पंस-1)]

पी० क० जी० काइमल, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 18th August, 1975

S.O. 2892.—Shri Mohammed Ali, IPS' Chief Security Officer, Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited, Hyderabad, ceased to hold ex-officio appointment of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Indian Drugs

and Pharmaceuticals Limited, Hyderabad with effect from the afternoon of 31st January, 1975.

[No. E-17017/1/75-Ad. I(Per. I)]
P. K. G. KAIMAL, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1975

प्राप्त-कर

का० आ० 2893.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था को भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् विहित प्राधिकारी द्वारा, प्राप्त कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोगान्वय, अनुमोदित किया गया है। संस्था अपने द्वारा एकत्रित निधियों और उनके उपयोग की रीति के बारे में एक वाचिक रिपोर्ट भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् को देगी।

संस्था

श्री गिरिवनवारी प्रगति मंडल, मुम्बई

प्रधिसूचना 1-4-75 से 31-3-78 तक प्रभावी होगी।

[सं. 961/का० सं. 203/79/75-आई.टी.०.ए०२]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

New Delhi, the 11th July, 1975

INCOME TAX

S.O. 2893.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961. The institution shall send to the Indian Council of Social Science Research an annual report regarding the funds collected by them and the manner in which they were utilized.

INSTITUTION

Shri Girivanavasi Pragati Mandal, Bombay
The notification will be effective from 1-4-75 to 31-3-78.

[No. 961/F. No. 203/79/75-ITA. II]

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1975

का० आ० 2894.—सर्व सधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को भारतीय विकास अनुसंधान परिषद् विहित प्राधिकारी, द्वारा प्राप्त कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोगों के लिए अनुमोदित किया गया है।

संस्था

गांधी संसारक कूष्ठ प्रतिष्ठान, वर्धा

यह प्रधिसूचना 1 अप्रैल, 1975 से प्रभावी होगी।

[सं. का० संख्या 203/97/75-आई.टी.ए. II]

टी० पी० मुनम्मनवाला, सचिव।

प्रधिसूचना सं० और तारीख
सं० 37 (फां सं० 404/32/71-
आई.टी.सी.सी) तारीख 11
फरवरी, 1971।
3. यह प्रधिसूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त होगी।

2. The appointments of Shri S. K. Sabharwal made under Notification No. 138 (F. No. 404/255/72-ITCC) dated the 14th July, 1972, Shri H. R. Chhabra under Notification No. 810 (F. No. 404/221/74-ITCC) dated the 1st January, 1973 and S/Shri N. B. Dass and R. L. Bali under Notification No. 448 (F. No. 404/177/73-ITCC) dated the 27th August, 1973 are hereby cancelled with effect from the date the officers in paragraph 1 take charge as Taz Recovery Officer.

3. This Notification shall come into force with effect from the date the officers in paragraph 1 take over as Tax Recovery officers.

[No. 983 (F. No. 404/35/75-ITCC)]

का० आ० 2899—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एन० सौरीराजन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसुली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करते के लिए प्राधिकृत करती है।

२. प्रधिसूचना संख्या ४९ (फा० सं० ४०४/५५/७०-प्राइ०टी०सी०सी०) तारीख २३ अप्रैल, १९७० के प्रधीन की गई श्री ए० वी० कुण्डराव की नियुक्ति उस तारीख से रद्द की जाती है जिस तारीख से श्री एन० सौरीराजन कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य-भार ग्रहण करते हैं।

3. यह अधिकृतना उस तारीख से प्रवृत्त होगी जिस तारीख से भी एम० सौरीराजन कर यस्ती अधिकारी के रूप में कार्य-भार प्रहृण करते हैं ।

[सं० ९८५ (फा० सं० ४०४/१३१/७५-प्राई०टी०सी०सी०)]

टी० आर० अपवाल-उप सचिव

S.O. 2899.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri N. Sourirajan, who is a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri A. V. Krishna Rao, made under Notification No. 49 (F. No. 404/55/70-ITCC) dated the 23rd April, 1970 is hereby cancelled with effect from the date Shri N. Sourirajan takes over charge as Tax Recovery Officer.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri N. Sourirajan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 985 (F. No. 404/131/75-ITCC)]

T. R. AGGARWAL, Dy. Secy.

मर्दि दिल्ली, 29 जूलाई, 1975

[सं० ९८३ (फा० सं० ४०४/३५/७५-माई०टी०सी० सी०)]

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2898.—In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri I. L. Gauba, Kartar Singh, R. L. Bajaj and J. S. Sharma who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

उक्त अधिनियम के प्रधीन कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1975 से प्रवृत्त होती।

[सं० 991(फा० सं० 404/77/75 आई०टी०सी०सी०)
बी० पी० मित्तल, उप सचिव।

New Delhi, the 29th July, 1975

S.O. 2900.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorizes S/Shri Sankar Kumar De, Nripendra N. Saha, Subodh Kumar Gupta, Pabitra Kumar Banerjee, Charu Sekhar Mandal, Indu Bh. Das, Asoke Kumar Roy, Bhupati P. Mukherjee, Promotha Ranjan Bose, Amal Kumar Sarkar, Mihirilal Gain, Benoy Krishna Roy, Khagendra N. Haldar, Ramesh Ch. Saha, Sukhamoy Haldar, Sudhir Kumar Das, Abani Ranjan Sarkar and Biswanath Murari, who are Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the 1st August, 1975.

[No. 991 (F. No. 404/77/75-ITCC)]
V. P. MITTAL, Dy. Secy.

भारतीय

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1975।

स्टाम्प

का० आ० 2901—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के अण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार उस शुल्क से, जो इण्डियन रिकार्ड्सन कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता द्वारा बचन-पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले वो कोड पचहत्तर लाख रुपये मूल्य के 6 प्रतिशत-10 वर्षीय बधायन, 1985 (द्वितीय आवाल) पर उक्त अधिनियम के प्रधीन प्रभाव है, छूट देती है।

[सं० 35/75-स्टाम्प-फा० सं० 471/66/75-सीमा शुल्क-7]
बी० पी० मेहरा, उप-सचिव।

STAMPS

ORDER

New Delhi, the 21st August, 1975

S.O. 2901.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the 6 per cent—10 year Bonds, 1985 (Second Series) of the value of two crores and seventy five lakhs of rupees, to be issued by the Industrial Reconstruction Corporation of India Ltd., Calcutta, in the form of pro-missory notes are chargeable under the said Act.

[No. 35/75-Stamp-F. No. 471/66/75-Cus-VII]

O. P. MEHRA, Dy. Secy.

बैंकिंग विभाग

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1975

का० आ० 2902—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के अण्ड (क) और उप-धारा (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, श्री के० आर० पुरी को 19 अगस्त, 1975 को कार्य समाप्ति के बाद से एक वर्ष की प्रवधि के लिए, एतद्वारा, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के पद पर नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 7/11/75-बी० शो०]

एम० जी० बालसुब्रामण्यम, अपर सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 18th August, 1975

S.O. 2902.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) and sub-section (4) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby appoints Shri K. R. Puri as the Governor of the Reserve Bank of India for a term of one year with effect from the close of business on 19th August, 1975.

[No. F. 7/11/75-BO. I]

M. G. BALASUBRAMANIAN, Additional Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

का० आ० 2903—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अगस्त 1975 के दिनांक 8 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा दण्ड विभाग

देवताएं	रुपये	रुपये	प्राप्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में					
रक्ते हुए नोट	18,58,37,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
संचालन में नोट	6380,93,85,000		(ब) भारत के बाहर रखा हुआ		..
जारी किये गये नोट			विदेशी प्रतिभूतियां	121,73,97,000	
कुल नोट	6399,52,22,000				जोड़ 304,26,55,000
			रुपये का सिक्का		9,87,32,000
			भारत सरकार की संपत्ति प्रति-		
			भूतियां		6085,38,35,000
			वेशी वित्तिमय विल और बूसरे		
			बाणिज्य धन		
कुल देवताएं	6399,52,22,000		कुल प्राप्तियां		6399,52,22,000

दिनांक : 13 अगस्त, 1975

[ए०एफ० 10(1)/75-बी०प्र० I]

8 मंगस्त 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

वेयताएँ	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
चुकाता पूँजी	5,00,00,000	सोड	18,58,37,000
भारतीय निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	4,08,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि	334,00,00,000	छोटा सिक्का खरीदे और भुताये गये बिल (क) देशी	4,55,000 38,39,65,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	140,00,00,000	(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय ग्रौषोगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि	390,00,00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल विवेशों में रक्षा हुआ भकाया*	765,63,44,000 428,18,40,000
जमा राशियाँ :—		निवेश**	882,94,10,000
(क) सरकारी		ऋण और प्रग्राम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	52,50,70,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	8,34,17,000	(ii) राज्य सरकारों को @	80,17,00,0000
(ख) बैंक		ऋण भवार अधिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	552,10,96,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को †	63,99,50,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	16,66,31,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को ‡	281,95,80,000
(iii) और अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,58,15,000	(iii) दुसरों को	9,65,61,000
(iv) अन्य बैंक	84,83,000	(क) ऋण और अधिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	69,64,00,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	12,87,74,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिकान्वयक बैंकों को	..
		(iv) हृषि पुनर्वित निगम को	87,20,00,000
(ग) अन्य	1049,04,51,000	(ख) केन्द्रीय भूमिकान्वयक बैंकों के विवेशों में निवेश	10,60,13,000
देय बिल	135,65,91,000	राष्ट्रीय हृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और प्रग्राम	
अन्य वेयताएँ	667,84,33,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और प्रग्राम	92,62,12,000
		राष्ट्रीय ग्रौषोगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि से	
		ऋण, प्रग्राम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम	315,09,96,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये मांडो/डिवेंचरों में निवेश	..
		अन्य आस्तियाँ	345,95,02,000
रुपये	3503,59,47,000	रुपये	3503,59,47,000

* मकदू, आवधिक जमा और कस्पकालीन प्रतिशुतियाँ शामिल हैं।

** राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि और राष्ट्रीय ग्रौषोगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@ राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि से प्रवस्त ऋण और प्रग्राम शामिल नहीं है, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ग्रोथर-ड्राफ्ट शामिल है।

† भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को भीयादी बिलों पर अधिम दिये गये 39,42,00,000/- रुपये शामिल हैं।

‡ राष्ट्रीय हृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि और राष्ट्रीय हृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रवस्त ऋण और प्रग्राम शामिल नहीं हैं।

एन० सी० मैन गुप्ता, गवर्नर

[10(1)/75-ब० प्र०-१]

च० ब० मीरजनवामी, अध्यक्ष मण्ड़ि

RESERVE BANK OF INDIA

S.O. 2903—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 8th day of August 1975

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department			Gold Coin and Bullion:—		
Department	18,58,37,000		(a) Held in India	182,52,58,000	
Notes in circulation	6380,93,85,000		(b) Held outside India	..	
Total notes issued	6399,52,22,000		(c) Foreign Securities	121,73,97,000	
			Total	304,26,55,000	
			Rupee Coin	9,87,32,000	
			Government of India		
			Rupee Securities	6085,38,35,000	
			Internal Bills of exchange and other commercial paper	..	
Total Liabilities	6399,52,22,000		Total Assets	6399,52,22,000	

Dated the 13th day of August 1975.

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 8th August 1975

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	18,58,37,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	4,08,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	334,00,00,000	Small Coin	4,55,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	140,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	390,00,00,000	(a) Internal	38,39,65,000
Deposits :—		(b) External	..
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	765,63,44,000
(i) Central Government	52,50,70,000	Balances Held Abroad*	428,18,40,000
(ii) State Governments	8,34,17,000	Investments**	882,94,10,000
(b) Banks		Loans and Advances to:—	
(i) Scheduled Commercial Banks	552,10,96,000	(i) Central Government	..
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	16,66,31,000	(ii) State Governments@	80,17,00,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,58,15,000	Loans and Advances to:—	
(iv) Other Banks	84,43,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	63,99,50,000
(c) Others	1049,04,51,000	(ii) State Co-operative Banks†	281,95,80,000
Bills Payable	135,65,91,000	(iii) Others	9,65,61,000
Other Liabilities	667,84,33,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to:	
		(i) State Governments	69,64,00,000
		(ii) State Co-operative Banks	12,87,74,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) Agricultural Re-finance Corporation	87,20,00,000

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
		(b) Investment in Central Land Mortgage Banks Debentures	10,60,13,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	92,62,12,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	315,09,96,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		Other Assets	345,95,02,000
Rupees	3503,59,47,000	Rupees	3503,59,47,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

† Includes Rs. 39,42,00,000/- advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

N. C. SEN GUPTA Governor.

Dated the 13th day of August, 1975.

[No. 10(1)/75-BO-I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1975

(आय-कर)

का०आ० 2904.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 के अधीन जारी की गई बोर्ड की प्रधिसूचना सं० 6 (का० सं० 187/18/72-II (ए०आ०) तारीख 16 सितम्बर, 1972 में, निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे।

आय-कर आयुक्त दिल्ली-I, II, III और IV, नई दिल्ली की अधिकारिता में आने वाले मामले के स्थान पर,

दिल्ली में सभी आय-कर आयुक्तों की अधिकारिता में आने वाले मामले, पहें।

[सं० 959 (का०सं० 187/10/75-II (ए०आ०))]

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 9th July, 1975

(Income-tax)

S.O. 2904.—In the Board's Notification No. 6(F. No. 187/18/72-IT(AI) dated 16th September, 1972 issued u/s. 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the following amendment shall be made.

69 GI/75-3

For Cases falling in the jurisdiction of Commission of Income-tax, Delhi-I, II, III & IV, New Delhi.

Read Cases falling in the jurisdiction of all the Commissioners of Income-tax in Delhi.

[No. 959 (F. No. 187/10/75-II(AD))]

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1975

(आय कर)

का०आ० 2905.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सर्कियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना संख्या 679 (का० संख्या 187/2/74-आ०टी० (ए०-1) तारीख 20 जून, 1974 से उपायदृ अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है:—

1. क्रम संख्या 20 के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के अधीन विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी:—

प्रायकर आयुक्त	मुद्रालाय	अधिकारिता
1	2	3
20. राजस्थान-I	जयपुर	1. वेतन सर्किल, जयपुर। 2. केन्द्रीय सर्किल, जयपुर। 3. कम्पनी सर्किल, जयपुर।

1	2	3	1	2	3
			4. विशेष सर्वेक्षण संकाल I और II, जयपुर।		4. Special Survey Circles I and II, Jaipur.
			5. ग्राम्यक नियंत्रक, सम्पदाभूल्क।		5. Asstt. Controller of Estate Duty.
			6. कोटा (सालाशाह और बूद्धीजिये सम्मिलित हैं)।		6. Kota (including Jhalawar and Bundi Districts).
			7. सवाई माधोपुर।		7. Sawai Madhopur.
			8. अलवर।		8. Alwar.
			9. बीकानेर।		9. Bikaner.
			10. हनुमानगढ़।		10. Hanumangarh.
			11. श्रीगंगानगर।		11. Sriganganagar.
			12. चूल।		12. Churu.
			13. मनसून।		13. Jhunjhunu.
			14. नारोर।		14. Nagaur.
			15. सिकार।		15. Sikar.
राजस्वान-II		जयपुर	Rajasthan-II		Jaipur.
					1. A, B, C, D, E, F, G, H and J Wards, Jaipur.
					2. Special Ward, Jodhpur.
					3. Special Ward, Ajmer.
					4. Ajmer.
					5. Udaipur.
					6. Chittorgarh.
					7. Bhilwara.
					8. Beawar.
					9. Jodhpur.
					10. Pali.
					11. Barmer.
					12. Jalore.
					13. Sirohi.
					14. Bharatpur.
					15. Chief Auditor, Jaipur.
					16. I.T.O. (Internal Audit) Jaipur.

This Notification shall take effect from 7-7-1975.

[No. 949 (F.No. 187/2/74-IT (AI).]

T. P. JHUNJHUNWALA, Secy.

प्रादेश

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1975

का० का० 2906.—आय-कर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहिया) नियम, 1962 के नियम 6 के अनुसरण में, केन्द्रीय प्रश्नकर बोर्ड निवेश करता है कि सर्वेशी एम० दयाल और डी० कुमार, जिन्हें केन्द्रीय सरकार ने आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वी भाग 2 के छंड (44) के उपरांण (iii) के अधीन कर वसूली अधिकारियों की वक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया है, साथ-साथ बिहार राज्य में सभी राजस्व जिलों की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. बोर्ड के प्रादेश सं० 546 (का० सं० 404/16/74-आई०टी० सी०सी०), तारीख 23 जनवरी, 1974 और सं० 673 (का० सं० 404/16/74-आई०टी०सी०सी०), तारीख 10 जुलाई, 1974 के अधीन सर्वेशी पी० डी० दयुष्या और एच० याल को प्रवत्त अधिकारिता उस तारीख से धापस ली जाती है जिस तारीख को पैरा 1 में के अधिकारी कर वसूली अधिकारियों के रूप में कार्य-भार प्राप्त करते हैं।

3. यह आदेश उस तारीख को प्रवृत्त होगा जिस तारीख को सर्वेशी एम० दयाल और डी० कुमार का वसूली अधिकारियों के रूप में कार्य-भार प्राप्त करते हैं।

[सं० 966 (का० सं० 404/95/75-आई०टी०सी०सी०)]

Income-tax Commissioner.	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
20 Rajasthan-I.	Jaipur.	1. Salary Circle: Jaipur. 2. Central Circle, Jaipur. 3. Company Circle, Jaipur.

ORDER

New Delhi, the 17th July, 1975

S.O. 2906.—In pursuance of Rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that S/Shri M. Dayal and D. Kujur authorised by the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall concurrently exercise jurisdiction in respect of all the Revenue Districts in the State of Bihar.

2. The jurisdiction conferred upon S/Shri P. D. Audhya and H. Lal under Board's order No. 546 (F. No. 404/16/74-ITCC) dated 23rd January, 1974 and No. 673 (F. No. 404/16/74-ITCC) dated 10th July, 1974 is hereby withdrawn with effect from the date the officers in paragraph 1 take over as Tax Recovery Officers.

3. This Order shall come into force with effect from the date S/Shri M. Dayal and D. Kujur take over as Tax Recovery Officers.

[No. 966 (F. No. 404/95/75-ITCC)]

आदेश

का० प्रा० 2907.—ग्रायकर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियां) नियम, 1962 के नियम 6 के अनुसरण में, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निर्देश देता है कि श्री एन०पी० वरधीस, जिसे केन्द्रीय सरकार ने ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया है, साथ साथ केरल राज्य के समस्त राजस्व जिलों और लक्ष्मीप संघ राज्य क्षेत्र तथा पाण्डुचेरी संघ राज्य क्षेत्र में माहे की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. बोर्ड के आदेश सं० 382 (का० सं० 404/176/73-ग्राइ०टी० सी०सी०) तारीख 15 जून, 1973 के अधीन श्री टी० जीसेफ मैथू को प्रदत्त अधिकारिता उस तारीख से बापस ली जाती है, जिस तारीख से श्री एन०सी० वरधीस कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालते हैं।

3. यह आदेश उस तारीख से प्रवृत्त होगा जिस तारीख से श्री एन०पी० वरधीस कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालते हैं।

[सं० 968 (का०सं० 404/85/75-ग्राइ०टी०सी०सी०)]

ORDER

S.O. 2907.—In pursuance of Rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Shri N. P. Varghese authorised by the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall concurrently exercise jurisdiction in respect of all the Revenue Districts of Kerala State and the Union Territory of Lakshadweep and Mahe in the Union Territory of Pondicherry.

2. The jurisdiction conferred upon Shri T. Joseph Mathew made under Board's Order No. 382 (F. No. 404/176/73-ITCC) dated the 15th June, 1973 is hereby withdrawn with effect from the date Shri N. P. Varghese takes over charge as a Tax Recovery Officer.

3. This Order shall come into force with effect from the date Shri N. P. Varghese takes over as a Tax Recovery Officer.

[No. 968 (F. No. 404/85/75-ITCC)]

आदेश

का० प्रा० 2908.—ग्रायकर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियां) नियम, 1962 के नियम 6 के प्रत्यक्ष कर बोर्ड निर्वेश देता है कि श्री

पी०पी० जार्ज, जिसे केन्द्रीय सरकार ने, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया है, साथ साथ केरल राज्य के समस्त राजस्व जिलों और लक्ष्मीप संघ राज्य क्षेत्र तथा पाण्डुचेरी संघ राज्य क्षेत्र में माहे की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. बोर्ड के आदेश सं० 307 (का० सं० 404/32/71-ग्राइ०टी०सी०सी०) तारीख 3 नवम्बर, 1971 के अधीन श्री पी०पी० विजयराघवन को प्रदत्त अधिकारिता 1 अगस्त, 1975 से बापस ली जाती है।

3. यह आदेश 1 अगस्त, 1975 की प्रवृत्त होगा।

[सं० 970 (का०सं० 404/85/75-ग्राइ०टी०सी०सी०)]

ORDER

S. O. 2908.—In pursuance of Rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Shri P. A. George authorised by the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall concurrently exercise jurisdiction in respect of all the Revenue Districts of Kerala State and the Union Territory of Lakshadweep and Mahe in the Union Territory of Pondicherry.

2. The jurisdiction conferred upon Shri P. P. Vijayaraghavan under Board's order No. 307 (F. No. 404/32/71-ITCC) dated the 3rd November, 1971 is hereby withdrawn with effect from the 1st August, 1975.

3. This order shall come into force with effect from the 1st August, 1975.

[No. 970 (F. No. 404/85/75-ITCC)]

आदेश

नई विल्ली, 23 जुलाई, 1975

का० प्रा० 2909.—ग्रायकर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियां) नियम, 1962 के नियम 6 के प्रत्यक्ष कर बोर्ड निर्देश करता है कि सर्वेशी ग्राइ०एल० गीबा, करतार सिंह, आर०एल० बजाज और जे०एस० शर्मा, जिन्हें केन्द्रीय सरकार द्वारा ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, प्राधिकृत किया गया है, साथ ही साथ, विल्ली संघ राज्य क्षेत्र के भीतर समाप्ति सभी छोतों की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. आदेश सं० 139 (का०सं० 404/255/72-ग्राइ०टी०सी०सी०) तारीख 14 जुलाई, 1972, आदेश सं० 811 (का० सं० 404/221/74-ग्राइ०टी०सी०सी०) तारीख 1 जनवरी, 1975, आदेश सं० 449 (का० सं० 404/177/73-ग्राइ०टी०सी०सी०) तारीख 27 अगस्त, 1973 श्रीरंग पाण्डे सं० 449 (का०सं० 404/177/73-ग्राइ०टी०सी०सी०) तारीख 27 अगस्त, 1973 के अधीन क्रमांक: सर्वेशी एस०के० साभराल, एच० आर० डाकड़ा, एन०पी० दास और आर०एल० बाली को कर वसूली अधिकारियों के रूप में प्रदत्त अधिकारिता उस तारीख से बापस ली जाती है, जिस तारीख को सर्वेशी ग्राइ०एल० गीबा, करतार सिंह, आर०एल० बजाज और जे०एस० शर्मा कर वसूल अधिकारियों के रूप में कार्यभार संभालते हैं।

3. यह आदेश उस तारीख से प्रवृत्त होगा, जिसको सर्वेशी ग्राइ०एल० गीबा, करतार सिंह, आर०एल० बजाज और जे०एस० शर्मा कार्यभार संभालते हैं।

[सं० 984 (का०सं० 404/35/75-ग्राइ०टी०सी०सी०)]

ORDER

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2909.—In pursuance of rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that S/Shri J. L. Gauba, Kartar Singh, R. L. Bajaj and J. S. Sharma, authorised by the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall concurrently exercise jurisdiction in respect of all the areas comprised within the Union Territory of Delhi.

2. The jurisdiction conferred upon S/Shri S. K. Sabharwal, H. R. Chhabra, N. B. Dass and R. L. Bali as Tax Recovery Officers under Order No. 139 (F. No. 404/255/72-ITCC) dated the 14th July, 1972, No. 811 (F. No. 404/221/74-ITCC) dated the 1st January, 1975, No. 449 (F. No. 404/177/73-ITCC) dated the 27th August, 1973 and No. 449 (F. No. 404/177/73-ITCC) dated the 27th August, 1973, respectively is hereby withdrawn with effect from the date S/Shri J. L. Gauba, Kartar Singh, R. L. Bajaj and J. S. Sharma, take over as Tax Recovery Officers.

3. This order shall come into force with effect from the date S/Shri J. L. Gauba, Kartar Singh, R. L. Bajaj and J. S. Sharma take over.

[No. 984 (F. No. 404/35/75-ITCC)]

आदेश

का०आ० 2910.—आयकर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियां) नियम, 1962 के नियम 6 के प्रत्यक्षरण में, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नियम देता है कि श्री एन० सीरीराजन, जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत रावंशी शंकर कुमार द्वे, नुपेन्द्र एन० साहा, सुबोध कुमार गुप्त, पवित्र कुमार बनर्जी, चारु शेखर मंडल, इन्दु भूषण दास, प्रणोद कुमार दाय, भूपति पी० मुखर्जी, प्रमोद रंजन बोस, अमल कुमार सरकार, मिहिर लाल गैन, बिनय कृष्ण राय, अर्गेन्द्र एन० हस्तर, रमेश चन्द्र साहा, सुखमय हस्तर, सुधीर कुमार दास, अबानि रंजन सरकार और विष्वनाथ मुरारी माथ ही माथ परिचमी बंगाल राज्य में सभी शेक्षणों की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. आदेश संख्या 384 (का० सं० 404/173/73-आई०टी०सी०सी०) तारीख 18 जून, 1973 के अधीन श्री ए०वी० कृष्णराव को प्रदत्त अधिकारिता उस तारीख से वापस धी जाती है जबसे श्री एन० सीरीराजन कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हैं।

3. यह आदेश उस तारीख से प्रवृत्त होगा जिस तारीख से श्री एन० सीरीराजन, कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हैं।

[सं० 986 (का०सं० 404/131/75-आई०टी०सी०सी०)]

टी० आर० अग्रवाल, सचिव

ORDER

S.O. 2910.—In pursuance of Rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Shri N. Sourirajan authorised by the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall concurrently exercise jurisdiction in the State of Andhra Pradesh including the Union Territory of Yanam.

2. The jurisdiction conferred upon Shri A. V. Krishna Rao under order No. 384 (F. No. 404/173/73-ITCC) dated 18th June, 1973 is withdrawn with effect from the date Shri N. Sourirajan takes over as a Tax Recovery Officer.

3. This order shall come into force with effect from the date Shri N. Sourirajan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 986(F. No. 404/131/75-ITCC)]

T. R. AGGARWAL, Secy.

आदेश

नई विलासी, 29 जुलाई, 1975

का०आ० 2911.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर (प्रमाण-पत्र कार्यवाहियां) नियम, 1962 के नियम 6 के प्रत्यक्षरण में यह नियम करता है कि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत रावंशी शंकर कुमार द्वे, नुपेन्द्र एन० साहा, सुबोध कुमार गुप्त, पवित्र कुमार बनर्जी, चारु शेखर मंडल, इन्दु भूषण दास, प्रणोद कुमार दाय, भूपति पी० मुखर्जी, प्रमोद रंजन बोस, अमल कुमार सरकार, मिहिर लाल गैन, बिनय कृष्ण राय, अर्गेन्द्र एन० हस्तर, रमेश चन्द्र साहा, सुखमय हस्तर, सुधीर कुमार दास, अबानि रंजन सरकार और विष्वनाथ मुरारी माथ ही माथ परिचमी बंगाल राज्य में सभी शेक्षणों की बाबत अधिकारिता का प्रयोग करेंगे।

2. यह आदेश 1 अगस्त, 1975 से प्रवृत्त होगा।

[सं० 992 (का०सं० 404/77/75-आई०टी०सी०सी०)]

टी०पी० मित्तल, सचिव

ORDER

New Delhi, the 29th July, 1975

S.O. 2911.—In pursuance of Rule 6 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that S/Shri Sankar Kumar De, Nripendra N. Saha, Subodh Kumar Gupta, Pabitra Kumar Banerjee, Charu Sekhar Mandal, Indu Bh. Das, Ashok Kumar Roy, Bhupati P. Mukherjee, Promotha Ranjan Bose, Amal Kumar Sarkar, Mihirlal Gain, Benoy Krishna Roy, Khanganda N. Haldar, Ramesh Ch. Saha, Sukhamoy Haldar, Sudhir Kumar Das, Abani Ranjan Sarkar and Biswanath Murari authorised by the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall concurrently exercise jurisdiction in respect of all the areas in the State of West Bengal.

2. This Order shall come into force with effect from the 1st August, 1975.

[No. 992 (F. No. 404/77/75-ITCC)]

V. P. MITTAL, Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय

बम्बई, 26 जुलाई, 1975

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

का०आ० 2912.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 के अस्तर्गत मुख्य प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय के नियमित्यित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारियों की उनके सम्बन्धित क्षेत्राधिकार में कालम धो में वर्णित नियमों के अधीन "समाहर्ता" की शक्तियों के प्रयोग का अधिकार देता हूँ बशतें कि वे पीछे जुड़ी सारणी के कालम तीन में वर्णित परिसीमा में होः—

अधिकारी का नाम व श्रेणी नियम परिसीमा

1 2 3

उप समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद 173जी (4) उत्पादन, विनिर्माण, भाण्डा-गृहण, डिलिक्टरी अधिकार मालों का निपटान जिसमें कि शुल्केप मालों के विनिर्माण में खपत

1	2	3
		के लिए या अन्य मालों के लिए प्राप्त कच्चा माल है, उसके पास रटाक में उपलब्ध माल/कच्चा माल तथा उसके द्वारा यवधारित एवं प्रदत्त शुल्क सम्बलित है के निजि लेखों को स्वीकार करना।

[सं. सी. ०६० आर. ०/१७३ जी. ० (४)/१९७५/सं. V (३०)/९४/मिस्ट्री/७५]

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Bombay, the 26th July, 1975.

Central Excise

S.O. 2912.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules 1944, I hereby empower the undermentioned officers of Central Excise of the Bombay Central Excise Collectorate to exercise within their respective jurisdictions the powers of the Collector under the rules mentioned in column No. 2 subject to the limitations set out in column No. 3 of the subjoined table:—

Rank and name of the officer.	Rules	Limitations.
1	2	3
Deputy Collector Central Excise	173-G(4)	To accept private accounts of production, manufacture, storage, delivery or disposal of goods, including material received for or consumed in the manufacture of excisable or other goods, the goods and material in stock with him and duty determined and paid by him.

[No. CER/5/173-G(4)/1975/F. No. V(30) 94/Misc./75]

का०प्रा० 2913.—इस समाहतालय की विनाक 2 दिसम्बर, 1971 की अधिसूचना संख्या सी०६० आर०/१७३-जी० (४)/७१ के साथ नवी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं की सूची में आगे निम्नलिखित संशोधन आवेदित किये जाते हैं।

क्रम संख्या 26 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि की जाय:—

कालम 1	कालम 2	कालम 3	कालम 4
(क्रम संख्या)	(टैरिफ मद संख्या)	(विवरण)	(महत्वपूर्ण कच्चे माल का नाम)
27	1-ई	ग्लूकोज तथा डेक्स्ट्रोज तथा उसकी निर्मितियां	(1) मधका स्टार्च (2) आलू स्टार्च (3) दोयियोगा स्टार्च

[सं. जी० एक्स० सी० ६० आर०/१७३ जी० (८)/१९७५/

फा० सं. V (३०) 29/मिस्ट्री/७४]

ज्योतिर्मय बत्त, समाहृता

S.O. 2913.—The following further amendments are ordered in the list of excisable commodities appended to this Collectorate Notification No. CER/173-G(4)/71 dated 2nd December, 1971.

After Sr. No. 26 insert the following:—

Col. 1 Col. 2 Col. 3 Col. 4.

(Sr. No.)	(T.I. No.)	(Description)	(Name of the Important Raw Material).
-----------	------------	---------------	---------------------------------------

27.	1-E	Glucose & Dex- trose & Prepa- rations-thereof	(1) Corn Starch (2) Potato Starch (3) Tapioca Starch.
-----	-----	---	--

[No. C EX. CER/173—G(8)/1975

F. No. V-(30)/29/Misc./74]

J. DATTA, collector

बड़ीदा, 1 अगस्त, 1975

का०प्रा० 2914.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली, 1944 के नियम 5 द्वारा शुल्क प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ीदा समाहृतालय के उप-समाहृतालयों को, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173-जी० उप-नियम (4) के प्रधीन समाहृता की शक्तियों प्रयोग करने के लिए प्रत्यायोजित करता हूँ।

इस समाहृतालय की अधिसूचना संख्या 9-68 दिनांक 23-5-68 को रद्द किया जाता है।

[सं. ३-७५/IV/१६-३६/७३ बि०उ०]

एक्स० आर० सिएम, समाहृता

Baroda, the 1st August, 1975

S.O. 2914.—In exercise of the powers conferred upon me by rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby delegate to the Deputy Collectors of Central Excise in Baroda Collectorate to exercise the power of the Collector under sub-rule (4) of rule 173-G of the Central Excise Rules, 1944.

This Collectorate notification No. 9/68 dated 23-5-68 is cancelled.

[No. 3-75/IV/16-36/73 /MP]

H. R. SYIEM, Collector

आय-कर आयुक्त कार्यालय पटियाला II

पटियाला, 2 जुलाई, 1975

आय-कर

का०प्रा० 2915.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह आवश्यक तथा समीचीन है कि ऐसे निर्धारितियों के गाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य विशिष्टियां प्रशान्ति की जाएँ जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान 5000 रु० से अधूरे प्राप्ति अधिरोपित की गई थी।

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने अपने दिनांक

25 मार्च, 1969 के आदेश द्वारा सभी आयकर प्राप्तियों को, उनके अधिकारक्षेत्र के भीतर ऐसे निर्धारितियों के नाम, पते, हैसियत, निर्धारित वर्ष तथा उद्गमीत शास्त्रियों के ब्यौरे, जिसमें निर्धारितियों से सम्बन्धित शास्त्रियों की राशि तथा उनकी प्रकृति भी शामिल होनी तथा जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान 5000 रु. से अधिक अन्यून की शास्त्रिय प्रधिरोपित की गई थी, प्रकाशित करने के लिए प्राधिकृत किया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके दिनांक 25 मार्च, 1969 के पूर्वोक्त आदेश द्वारा सुने प्रदल शर्कियों का प्रयोग करते हुए, मैं इससे संलग्न अनुसूची-1 में पूर्वोक्त निर्धारितियों के नाम तथा अन्य विशिष्टियां एतद्वारा प्रकाशित करता हूँ।

अनुसूची-1

ऐसे निर्धारिती जिन पर, वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान आय की विवरणी काइल न करने या लेखा बहिया प्रस्तुत न करने हेतु 5000 रु. से अधिक अन्यून शास्त्रिय प्रधिरोपित की गई थी जहाँ अधिकारण को कोई अपील, उसके लिए अनुज्ञात समय के भीतर नहीं प्रस्तुत की गई थी अथवा जहाँ प्रस्तुत की गई अपील का निपटान वित्तीय वर्ष के दौरान करदिया गया था।

क्रम	निर्धारिती का नाम तथा सं०	हैसियत पता	निर्धारण वर्ष सं०	शास्त्रि य की राशि
1.	मैसर्स राम सुप राधा कृष्ण,	फर्म	1970-71	5072 हिसार।

[फ० सं० रैक/प्रकाशन]
एस० एम० माधुर, आयुक्त

Office of the Commissioner of Income-tax Patiala-II
Patiala, the 2nd July, 1975

INCOME TAX

S.O. 2915—WHEREAS the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars relating to assesses on whom penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial year 1973-74;

And whereas in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf the Central Government has by its order dated 25th March, 1969 authorised all Commissioners of Income-tax to publish the names addresses, status, assessment year and details of penalties levied which would include the amounts and nature of penalties relating to assesses, within their jurisdiction and on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial year 1973-74.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred on me by the Central Government by its aforesaid order dated 25th March, 1969 I hereby publish in schedule I, hereto annexed, the names and other particulars of the assesses aforesaid.

SCHEDULE I

Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5 thousand was imposed for failure to file returns of income or to produce books of account during the financial year 1973-74 where no appeal was presented to the Tribunal with in the time allowed therefore or where the appeal presented has been disposed of during the financial year.

Sl. No.	Name & Status. No. address of the assessee.	Asstt. year	Amount of penalty
---------	---	-------------	----------------------

1.	M/s. Ram Rup Radha Krishan, Hissar.	Firm 1970-71	5072
----	---	-----------------	------

[F. No. Rec/Publication]

S. N. MATHUR, Commissioner.

आदेश संवालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

कलकत्ता, 17 महान् दीप्त, 1974

काठगो 2916—सर्वश्री संजय कास्टिंग वर्स, 1, जयपुर रोड, कलकत्ता-30 को गत मेटल बुग और गत मेटल कास्टिंग के विनियमन के लिए तांबे और जस्ते के आयात के लिए 10,000 रुपये मूल्य का एक रिहाई आदेश सं० पी०/एस०/प्रार०/203974/सी०, दिनांक 15-9-72 निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी किया गया था :—

(क) रिहाई आदेश हस्तान्तरणीय नहीं है। इस आवंटन की यह भी शर्त होनी कि प्राप्त किया गया आयातित माल आवंटी द्वारा उसके उसी निजी कारखाने में उपयोग किया जाएगा जिसके पता उस आवंटन पत्र में प्रदर्शित किया गया है जिसके आधार पर आवंटन किया गया है और उस माल का कोई भी भाग किसी भी अन्य पक्ष को न तो बेचा जाएगा न अन्य पक्ष द्वारा उपयोग किया जाएगा, न किसी अन्य तरीके से उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी। आवंटी आयातित माल के उपयोग और उपयोग का सही लेखा आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा कियाविधि पुस्तक, 1971 के परिशिष्ट 19 में प्रशंसित प्रपत्र में निर्धारित तरीके से रखेगा और उस लेखे को लाइसेंस प्राधिकारी, प्रयोजक प्राधिकारी या किसी अन्य सम्बद्ध प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो ऐसे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाए।

(घ) पात्र निर्यात सदन को जारी किया गया रिहाई आदेश इस शर्त के प्रधीन होगा कि प्राप्त किया गया माल केवल निर्यात उत्पादन में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ताओं को बेचा जाएगा या आवंटी के अपने निजी निर्यात उत्पादन के विनियमन के लिए अन्य पार्टियों के संस्थानों में उपयोग किया जाएगा। यह ऐसी अन्य शर्तों के अधीन होगा जो निर्धारित की जाए। आवंटी भी आयातित माल के निपटान और उपयोग का उचित लेखा विदेश व्यापार व्यापार संवालय, नई चिल्डी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित तरीके से रखेगा।

2. उसके पश्चात् एक कारण बताओ नोटिस सं० 197/72/ई० एप्ल० दिनांक 6-8-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि इसके जारी होने की तिथि अर्थात् 20-8-74 तक कारण बताएं कि उनको जारी किया गया उक्त रिहाई आदेश यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (सी सी०) के अनुसार इस आधार पर रद्द की जाएगी कि 1, जयपुर रोड, कलकत्ता-30 स्थित उनके कारखाने का तालाबन्द है और पिछले दो महीनों में उसमें कार्य नहीं किया जा रहा है।

3. सर्वश्री संजय कास्टिंग वर्स, 1, जयपुर रोड, कलकत्ता-30 को भेजा गया पूर्वोक्त कारण बताओ नोटिस “छोड़ दिया” अभ्युक्ति के साथ

विवितित ही बापस आ गया है न ही फैसं ने अधीक्षकारी से व्यक्तिगत मुनाहाई के लिए आवेदन किया है।

4. अधीक्षकारी ने ध्यानपूर्वक स्थिरों की जांच करली है और इस निर्णय पर पहुंचा है कि:-

(क) कारखाने का नाम बन्द है और पिछो गो मशीनों में उसमें कार्य नहीं किया जा रहा है।

(ख) उपर्युक्त रिहाई आवेदन उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिए वह प्रदान किया गया है।

5. पिछों पैरा में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधीक्षकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन रिहाई आवेदन या सो रद्द कर दिया जाना चाहिए या अन्यथा प्राप्तभावी कर दिया जाना चाहिए। इसलिए, आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955 की धारा 9, उपधारा (सी०सी०) के प्रत्यर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधीक्षकारी मर्वंशी संजय कार्टिंग बर्मर्स, 1, जावपुर रोड, कलकत्ता-30 को जारी किए गए 10,000 रुपये मूल्य के रिहाई आवेदन सं० पी०/एस०/आर०/203974/सी० दिनांक 15-9-72 को एतद्वारा रद्द करते हैं।

[सं० 197/72/ई० एण्ड एल०]

एस०के० मत्तल, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS
Calcutta, the 17th October, 1974

ORDER

S.O. 2916.—A Release Order No. P/S/R/203974/C dated 15-9-1972 of the value of Rs. 10,000 for import of Copper & Zinc for the manufacture of Gun metal Bush & G. M. Casting was issued to M/s. Sanjay Casting Works, 1, Jawpore Road, Calcutta-30 subject to the conditions as under:-

(a) The Release Order is not transferable. It shall also be condition of this allotment that the imported materials received shall be used by the allottee in his own factory, at the address shown in the application against which the allotment is made, and for purpose for which the allotment is made and no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner. The allottee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the imported material in the prescribed manner in the proforma appearing in Appendix 19 of the Import Tare Control Hand Book of Rules and procedure, 1971, and produce such account to the licencing authority, the sponsoring authority or any other authority concerned, within such time as may be specified by such authority.

(b) Release Order issued to an eligible export house shall be subject to the condition that the goods received shall be disposed of only to actual users engaged in export production or utilised for export production on the allottee's own account in the manufacturing establishments owned by others. Subject to such other conditions and procedure as may be laid down. The allottee shall also maintain proper account of disposal and utilisation of imported materials in the form and manner prescribed by the Ministry of Foreign Trade, New Delhi.

2. Thereafter, a show cause notice No. 197/72/E&L dated 6-8-74 was issued asking the mto show cause within 15 days from the date of issue i.e. by 20-8-74 as to why the said Release Order in their favour should not be cancelled on the

ground that their factory at 1, Jawpore Road, Calcutta-30 is under lock and key and has not been working for last two months in terms of Clause 9, Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended.

3. The aforesaid show cause notice sent to M/s. Sanjay Casting Works, 1, Jawpore Road, Calcutta-30 has been returned undelivered with the remark "left" nor the firm asked for personal hearing with the undersigned.

4. The undersigned has carefully examined the facts and has come to the conclusion that,-

(a) the factory is under lock and key and has not been working for the last two months.

(b) Release Order mentioned above will not serve the purpose for which it has been granted.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the R.O. in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the Release Order No. P/S/R/203974/C dated 15-9-72 for Rs. 10,000 issued in favour of M/s. Sanjay Casting Works, 1, Jawpore Road, Calcutta-30.

[No. 197/72/E&L]

S. K. MANDAL, Dy. Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

आदेश

मंगलोर, 14 मई, 1975

का०आ० 2917.—मर्वंशी फावर मूलर'स बेरिटेल इंस्टीट्यूशन मंगलोर को हेमियोपैथिक औषधियों के लिए, 1,32,322 रुपए (एक लाख बत्तीस हजार तीन सौ बाईस रुपये मात्र) मूल्य का आयात लाइसेंस संख्या पी०ई० 0219944 दिनांक 24-8-74 और पुस्तकों के आयात के लिए 1687 रुपये (एक हजार छः सौ सतासी रुपये मात्र) मूल्य का आयात लाइसेंस सं० पी०/ई०/0219924 दिनांक 17-7-74 प्रदान किए गए हैं। अब आवेदक कर्म ने पूर्वोक्त लाइसेंसों की अनुलिपि प्रतियों के लिए इस कारण आवेदन किया है कि पूर्वोक्त लाइसेंसों की वीनों में ग्रास विनियम नियंत्रण प्रतियों सीमाशुल्क कार्यालय, मंगलोर में पंजीकृत कराने के बाव और आशिक उपयोग करने के बाद खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई हैं।

उपर्युक्त कारणों की पुष्टि में आवेदकों ने अपेक्षित शपथ पत्र दाखिल किए हैं। मैं संतुष्ट हूँ कि दोनों लाइसेंसों की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियों खो गई हैं और निवेश देता हूँ कि इनकी अनुलिपि प्रतियों आवेदकों को जारी की जाएगी चाहिए।

विषयाधीन लाइसेंसों की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियों एतद्वारा रद्द की जाती है।

[सं० ई०-1/53/ए०एम०-74]

आर० जायराम नाथ०, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE DEPUTY CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS
ORDER

Bangalore, the 14th May, 1975

S.O. 2917.—M/s. Fr. Muller's Charitable Institutions, Mangalore have been granted import licence No. P. E. 0219944

dated 24-8-74 for Rs. 1,32,322 (Rs. One lakh thirty two thousand three hundred and twenty two only) for import of Homeopathic Medicines and P/E/0219924 dt. 17-7-74 for Rs. 1687 (Rs. One thousand six hundred and eighty seven only) for import of books. The applicant firm have now applied for duplicate copies of the aforesaid licences for the reason that both the exchange control purposes copies of the licences referred to above have been lost/misplaced after having been registered with the Customs House, Madras and utilised partly.

In support of the above reasons the applicants have filed the necessary affidavits. I am satisfied that the original exchange control purposes copies of both the licences have been lost and direct that duplicate copies of exchange control purposes copies of the above licences should be issued to the applicants.

The original Exchange control purposes copies of the licences in question are hereby cancelled.

[No. EI/53/A.M. 74]

R. JAYARAMNAIDU, Dy. Chief Controller

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

आवेदन

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1975

का०ग्रा० 2918.—श्री ई०एस० चौहान, सर्वश्री चौहान हुतामा की (इंडिया) प्राइवेट लिं०, सोलन को फिलैण्ड से एरोसाल डब्ल्यू० के 1,00,000 तारों के आयात के लिए 1,93,000 रुपये मूल्य का एक सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं० पी०/जे०/2373689 दिनांक 5-12-70 प्रदान किया गया था जिसका मूल्य बाद में 2,43,000 रुपये किया गया था पार्टी ने उपर्युक्त सीमा-शुल्क निकासी परमिट पर 30,000 रुपये का उपयोग करना शेष छोड़ते हुए 2,13,000 रुपये की सीमा तक उपयोग कर लिया है। अब पार्टी ने पूर्वोक्त सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि जारी करने के लिए इस भाधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट उन से अस्थानस्थ हो गया/खो गया है। तर्क के समर्थन में पार्टी ने 30,000 रुपये की शेष धनराशि के लिए सीमा-शुल्क निकासी परमिट जारी करने के लिए एक शापथ पत्र पर धोखाणा की है। सीमा-शुल्क निकासी परमिट बम्बई पतन पर पंजीकृत किया गया था। मैं संतुष्ट हूं कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं० पी०/जे०/2373689 दिनांक 5-12-70 खो गया/अस्थानस्थ हो गया है और निवेश रेता हूं कि इसकी अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट एलएड्वारा रद्द किया जाता है।

[सं० 9/43/70-71/एम०एल०/1453]

एन०सी० काजीलाल, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 10th July, 1975

S.O. 2918.—Shri D. S. Chohan, M/s. Chohan Huhtamaki (India) Private Ltd., Solan was granted a Customs Clearance Permit No. P/J/2373689 dated 5-12-70 from Finland for the import of 1,00,000 pieces of Aerosol Cans for a value of Rs. 1,93,000 lakh which was subsequently enhanced to Rs. 2,43,000. The party utilised the above Customs Clearance Permit to the extent of Rs. 2,13,000 leaving a balance of Rs. 30,000. Now the party has applied for issue of a Duplicate Customs Clearance Permit for the aforesaid CCP on the ground that the original one has been misplaced/lost by them. In support of the contention, they party has furnished a declaration on an affidavit for the issuing of a Customs

Clearance Permit for the balance amount of Rs. 30,000. The Customs Clearance Permit was Registered with the Bombay Port. I am satisfied that the original Customs Clearance Permit No. P/J/2373689 dated 5-12-70 has been lost/misplaced and direct that a duplicate Customs Clearance Permit should be issued to the applicant. The original Customs Clearance Permit is hereby cancelled.

[F. No. 9/43/70-71/ML. I/453]

N. C. KANJILAL, Dy. Chief Controller

मादेश

नई दिल्ली, 18 प्रगत्त, 1975

का०ग्रा० 2919.—सर्वश्री सुप्रीम इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेरा देसाई रोड, अंडेरी (पश्चिम), बम्बई को ३०० से पूँजीगत उपकरण के आयात के लिए 21, 71, 482 रुपये का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/सी०जी०/2067685/एस०/प्राई०बी०/52/एच०/31-32/सी०जी०-3, दिनांक 21-8-1974 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस (सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति) किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उसका बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गया है/प्रस्थानस्थ हो गया है। इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शापथ-पत्र दाखिल किया है।

2. मैं तत्वनुसार संतुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है। इसलिए, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955, दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9 (सी०सी०) के मन्त्रीगत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर सर्वथी दि सुप्रीम इंडस्ट्रोज लिं०, बम्बई को जारी किए गए उक्त लाइसेंस संख्या पी०/सी०जी०/2067685/एस०/प्राई० बी०/52/एच०/31-32/सी०जी०-3, दिनांक 21-8-1974 (सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति) को इसके द्वारा रद्द किया जाता है।

[सं० सी०जी०-3/21(68)/73-74/1442]

नन्द कुमार, संयुक्त मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1975

S.O. 2919.—M/s. Supreme Industries Ltd., 17/18, Shah Industrial Estate, Vera Desai Road, Andheri (West), Bombay were granted an import licence No. P/CG/2067685/S/IB/52/H/31-32/CG-III dated 21-8-1974 for Rs. 21,71,482 for the import of capital equipments from U.K. They have applied for a duplicate Custom copy of the said licence on the ground that the original licence (Customs Purposes Copy) has been lost/misplaced without having been registered with any Customs authority and utilised all. In support of this Contention, the applicant has filed an affidavit.

2. I am accordingly satisfied that the original licence Custom purpose copy of the said licence has been lost/misplaced. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-clause 9 (cc) of the import (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said licence No. P/CS/2967685/S/IB/52/H/31-32/CG-III dated 21-8-1974 (Custom purposes copy) issued to M/s. The Supreme Industries Ltd., Bombay is hereby cancelled.

[No. CG. III/21(68)/73-74/1442]

NAND KUMAR, Jt. Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात का कार्यालय

आवेदन

फरीदाबाद, 26 जून, 1975

का० आ० 2920.—सर्वेश्वी बर्न एण्ड कम्पनी लि०, आर० एण्ड सी० ग्रुप मार्टिन बर्न हाउस, 12, मिशन रो, फलकता को ग्राहम अलाय स्टील फ्लैट्स के आयात के लिए निर्वाचित उच्चतम सीमा के अधीन 2,10,000 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/झ०/8567588/सी०/एस०एस०/51/ज०/37-38, दिनांक 11-6-74 जारी किया गया था। पार्टी ने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा-गुरुल क्राधिकरण में पंजीकृत कराए जिना चाही है। यह बताया गया है कि लाइसेंस का उपयोग नहीं किया गया था।

2. इसके समर्थन में आवेदक ने एक गपथ-पत्र शाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जो गई है और निरेंग देता हूँ कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करते हुए इसकी अनुलिपि प्रति 2,10,000 रुपये पूर्ण लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य के लिए आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

[सं० पी०/झ० 3/सर/ए०एस०/74/एल० सी० 1/झ०सी०सी०एफ०]

के० एम० कपूर, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE DY. CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS

Faridabad, the 26th June, 1975

ORDER

S.O. 2920.—M/s. Burn and Co. Ltd. R&C Group Martin Burn House, 12 Mission Row, Calcutta was issued an import licence bearing No. P/D/8567588/O/XX/51/J/37-38 dated 11-6-74 under free ceiling for import of Prime Alloy Steel Flats for Rs. 2,10,000. The party have applied for issue of duplicate Exchange Copy of import licence referred to above on the ground that the original Exchange Copy has been lost without having been registered with Customs Authority. It is stated that the licence was not utilised.

2. In support of this the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original Exchange copy of the above mentioned import licence has been lost and direct that the duplicate Exchange Control Purpose Copy should be issued to the applicant in cancellation of the original Exchange copy of the said licence for the full c.i.f. value of Rs. 2,10,000.

[No. P/B. 3/Cer/AM/74/LC. I/DCCF 1182]

K. N. KAPOOR, Dy. Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात का कार्यालय

आवेदन

बंगलौर, 16 जुलाई, 1975

का० आ० 2921.—सर्वेश्वी आस्पा प्रा० लि०, 21/2, बिट्टल नगर, आमराजपेट, बंगलौर को अल्पतम आवि के भीतर उपयोग की जाने वाली

69GI/75—4

मेटेलिक शील्ड के आयात के लिए 6,000 रुपये का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/एस०/1411856/सी०/एस०एस०/52/एस०/37-38, दिनांक 7-8-74 स्वीकृत किया गया था। अब उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-गुरुल प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की उपर्युक्त सीमा-गुरुल प्रयोजन प्रति की मूल प्रति सीमा-गुरुल प्राधिकारी मद्रास के पास पंजीकृत कराने के बाद और उसका 6000 रुपये के लिए उपयोग करने के बाद जो गई अस्थानस्थ हो गई है और अब अनुलिपि सीमा-गुरुल प्रयोजन प्रति की आवश्यकता प्रैल-मार्च, 75 अवधि के प्रथम अर्थ वर्ष के लिए 3000 रुपये के लिए स्वीकृत आवृत्ति प्रचालन का साम उठाने के लिए है।

उपर्युक्त तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक गपथ-पत्र शाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-गुरुल प्रयोजन प्रति जो गई है और निवेश देता हूँ कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करते हुए इसकी अनुलिपि प्रति 2,10,000 रुपये पूर्ण लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य के लिए आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-गुरुल प्रयोजन प्रति इसके द्वारा रद्द की जाती है।

[सं० प्रा०टी०सी०/एस०एस०आई०/झ० 846/ए०एम०एन०पी०]

आर० जयराम नायडू, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE DY. CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

ORDER

Bangalore, the 16th July, 1975

S.O. 2921.—M/s. Aspa Private Ltd., 21/2, Vital Nagar, Chamarajpet, Bangalore-18 were granted import licence No. P/S/1411856/C/XX/52/X/37-38 dated 7-8-74 for Rs. 6,000 for import of Metallic Shield used inside Bulbs etc. They have now applied for duplicate copy of Customs Purpose copy of the above licence on the ground that the original of the above Customs Purpose copy of the licence has been lost/misplaced having been registered with the Customs Authorities at Madras and utilised to the extent of Rs. 6,000 and that the duplicate copy of Customs Purpose copy of the above licence now required is for availing the repeat operation allowed for 1st half of April-March 75 period for Rs. 3,000.

In support of the above contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original Customs Purpose copy of the above licence has been lost and direct that a duplicate copy of Customs Purpose copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose copy of the above licence is hereby cancelled.

[No. ITC/SSI/B/846/AM/74/NP]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात का कार्यालय

आवेदन

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1975

का० आ० 2922.—सर्वेश्वी इलेक्ट्रिकल कन्ड्रोल गोयर प्रा० लि०, ग्रहमदाबाद को लाइसेंस के लिए सलग सूची के अनुसार कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए 39,300 रुपये का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/झ०/1400928/आर०/आई० एन०/52/एच०/37-38, दिनांक 2-8-74 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन

फिया है कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति भ्रष्टानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा प्राप्त यह प्रतिवेदित किया गया है कि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति किसी भी सीधारुक्त प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए जिना और उसका विलक्षण उपयोग किए जिना ही भ्रष्टानस्थ हो गई है।

अपने तके समर्थन में ग्रावेंड के एक शपथपत्र वांचित किया है। अधोलिखित संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या ३१०/३०/१४००९२८/आर०/आई० एन०/३२/एच०/३७-३८, दिनांक २-८-७४ की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति भ्रष्टानस्थ हो गई और निवेश देता है कि उन्हें उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है। आमत लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति भ्रष्टानस्थ हो गई है।

[संख्या : ३१(३)/७३-७४/भार० एम०-६]
ए० एन० चटर्जी उप-भूष्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 5th August, 1975

S.O. 2922.—M/s. Electric Control Gear Pvt. Ltd., Ahmedabad, were granted licence No. P/D/1400928/R/IN/52/H/37-38 dt. 2-8-74, for Rs. 39,300 for import of Raw Materials/Components as per list attached thereto. They have requested for issue of duplicate Exchange Control Copy of the said licence on the ground that original Exchange Control Copy has been misplaced by them. It has further been reported by the licensee that the Exchange Control copy has been misplaced without having been registered with any Customs authority and without having been utilised at all.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Copy of the licence No. P/D/1400928/R/IN/52/H/37-38 dt. 2-8-74, has been misplaced/lost and directs that duplicate Exchange Control copy of the said licence should be issued to them. The original Exchange Control Copy is cancelled. Duplicate Exchange Control Copy of the Import Licence is being issued separately.

[No. Swg. 31(3)/73-74/RM 6]

A. N. CHATTERJI, Dy. Chief Controller

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

शुद्ध-पत्र

मई दिल्ली, 18 अगस्त, 1975

का० आ० 2923.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा ३ की उप-धारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला सुरेन्द्रनगर: तालुका मूली के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड ३(ii) के पृष्ठ संख्या १५० से १५६ तक दिनांक ११-१-७५ को प्रकाशित का० आ० संख्या १२१ के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की प्रधिकूपना संख्या १२०१७/५/७५-एल एच० एल दिनांक २६-१२-७४ के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर प्रब्ल से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

प्रनुसूची

गांव : उमरवा के तालुका : मूली जिला : सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य : के लिये पड़े

क्रम संख्या	तक	क्र० सं०	तक
27	9-36-14	27	0-36-41
गांव : गौतमगढ़ तालुका : मूली जिला : सुरेन्द्रनगर गुजरात			
के लिये			पड़े
392	0-0-12	392	0-10-12
गांव : दिग्सर तालुका : मूली जिला : सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य			
के लिये			पड़े
गिरसर			गिरसर
गांव : देनावदा तालुका : मूली जिला : सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य			
के लिये			पड़े
555	1-06-07	555	0-06-07
717	18	717	0-15-18
929/2	0-0-01	929/2	0-01-01

[संख्या १२०१७/५/७५-एल एच० एल० I]

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS
(Dept. of Petroleum)

ERRATUM

New Delhi, the 18th August, 1975.

S.O. 2923.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/5/74-L&L/1 Dt. 26-12-74 published vide S. O. No. 121 dated 11-1-75 from page No. 150 to 156 of the Gazette of India Part II, Section 3(ii) for Taluka Muli Dist. Surendranagar Gujarat State, under sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village: Umarda Taluka: Muli Distt. Surendranagar, Gujarat State :

For	Read
S. No.	Extent
27	9-36-14
Village: Gautamgadh Taluka: Muli Distt.: Surendranagar, Gujarat State :	
For	Read
392	0-0-12
Village: Digsar Taluka: Muli Distt.: Surendranagar, Gujarat State :	
For	Read
Gigsar	Digsar
Village: Danavada Taluka: Muli Distt.: Surendranagar, Gujarat State :	
For	Read
555	1-06-07
717	18
929/2	0-0-01

[No. 12017/5/74-L&L/1

गुह्य-पत्र

का० आ० 2924.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला खेदा, तालुका नेवियाव के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 156 से 165 तक विसंक 11-1-75 को प्रकाशित का० आ० संख्या 122 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12017/5/74 एल० एण्ड एल०-II दिनांक 26-12-74 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव: महेमदपुर तालुका: नेवियाद जिला: खेदा
गुजरात: राज्य

क्र०सं०	तक
एच ए वर्गमील	
33/3	0-01-40
33/2	0-14-24
33/1-4-5-6	0-02-00

[संख्या 12017/5/74 एल० एण्ड एल०-II]

CORRIGENDUM

S.O. 2924.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/5/74-L&L/II Dt. 26-12-74 published vide S.O. No. 122 dated 11-1-75 from page No. 156 to 165 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) for Taluka Nadiad Distt. Kheda Gujarat State, under sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village: Mahmedpura Taluka: Nadiad Distt. Kheda State: Gujarat

S. No.	Extent H.A.Sq.M.
33/3	0-01-40
33/2	0-14-24
33/1-4-5-6	0-02-00

[No. 12017/5/74-L&L/II]

गुह्य-पत्र

का० आ० 2925.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 5) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला खेदा तालुका नेवियाव के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 156 से 165 तक विसंक 11-1-75 को प्रकाशित का० आ० संख्या 122 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12017/5/74-एल० एण्ड एल० III दिनांक 26-12-74 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव: महेमदपुर तालुका: नेवियाद जिला: खेदा	तक		
गुजरात राज्य			
के लिये	पढ़े		
क्र०सं०	तक		
क्र०सं०	तक		
एच ए वर्गमील	एच ए वर्गमील		
31/1	0-09-20	37/1	0-09-20
गांव: नरसन्दा तालुका: नेवियाद जिला: खेदा	गुजरात राज्य		
0696/2	0-03-95	696/2	0-03-96
659	0-38-14	659	0-38-64
गांव: देविया तालुका: नेवियाद जिला: खेदा	गुजरात राज्य		
483/1	0-00-76	483/4	0-00-76

[संख्या 12017/5/74-एल० एण्ड एल० III]

ERRATUM

S.O. 2925.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/5/74-L&L/II Dt. 26-12-74 published vide S.O. No. 122 dated 11-1-75 from page No. 156 to 165 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) for Taluka Nadiad Distt. Kheda Gujarat State, under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village: Mahmedpura Taluka: Nadiad Distt. Kheda, Gujarat State.

For	Read		
S. No.	Extent H.A.Sq.M.		
31/1	0-09-20	37/1	0-09-20
Village: Narsanda Taluka: Nadiad Distt. Kheda, Gujarat State			
696/2	0-03-95	696/2	0-03-96
659	0-38-14	659	0-38-64
Village : Davia Ta. Nadiad Distt. Kheda, Gujarat State			
483/1	0-00-76	483/4	0-00-76

[No. 12017/5/74-L&L/III]

गुह्य-पत्र

का० आ० 2926.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला सुरेन्द्रनगर तालुका-सखतर के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 1704 से 1710 तक विसंक 3-5-75 को प्रकाशित का० आ० संख्या 1391 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12017/5/74-एल० एण्ड एल०-III दिनांक 16-4-75 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव: नागावकपटी (सखतर) तालुका: सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य

के लिये	पढ़े		
क्र०सं०	तक		
एच ए वर्गमील	एच ए वर्गमील		
55/1	0-16-19	56/1	0-16-19
गांव: धानकी तालुका: सखतर जिला: सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य			
268	0-45-55	268	0-45-53

[संख्या 12017/5/74-एल० एण्ड एल०-IV]

ERRATUM

S.O. 2926.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/5/74-L&L/III, Dt. 16th April, 75 published vide S.O. No. 1391 dated, 3-5-75 from page No. 1704 to 1710 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) for Taluka Lakhtar, Dist. Surendranagar, Gujarat State, under sub-Section (1) of Section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village: Nagadkpati (Lakhtar) Ta. : Lakhtar Distt. Surendranagar, Gujarat State.

For	Read		
S. No.	Extent H.A.Sq.M	S. No.	Extent H.A.Sq.M
55/1	0-16-19	56/1	0-16-19
Village: Dhanki Ta. : Lakhtar Distt. : Surendranagar, Gujarat State.	0-45-55	268	0-45-53

[No. 12017/5/74-L&L/IV]

पुद्दिपत्र

S.O. 2927.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला खोदा तालुका: नेविआद के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 165 से 171 तक दिनांक 11-1-1975 को प्रकाशित का। आ० संख्या 123 के द्वारा भारत सरकार पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या 12017/5/74-एल० एण्ड० एल०-III दिनांक 26-12-74 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर भ्रम से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

प्रत्यक्षी

गांव: बजरंगपुरा तालुका: लखतर जिला: सुरेन्द्रनगर
गुजरात राज्य

क्र० सं०	तक	क्र० सं०	तक
एच० ए० वर्ग मील		एच० ए० वर्ग मील	
1	2	3	4
61	0 34	61	0-29-34
गांव: नागादकपटी (लखतर) तालुका: लखतर जिला: सुरेन्द्रनगर			
गुजरात राज्य			
नागादकपटी (लखतर)	नागादकपटी (लखतर)		
12	9-47-55	12	0-47-55
गांव: केसरिया तालुका: लखतर जिला: सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य			
गुजरात राज्य			
245	0-43-50	235	0-43-50
गांव: सीलापुर तालुका: लखतर जिला: सुरेन्द्रनगर गुजरात राज्य			
214/2/पी०/बी०	0-0-01	214/2/पी०/बी०	0-0-01
203/1	0-25-18	203/1	0-15-18
98/10	0-13-15	98/1	0-13-15

1	2	3	4
गांव: ओलक	तालुका: लखतर	जिला: सुरेन्द्रनगर	गुजरात
357	9-09-11	357	0-19-11
गांव: भास्करपारा	तालुका: लखतर	जिला:	सुरेन्द्रनगर
गुजरात राज्य			
36/1	9-14-16	36/1	0-14-16
गांव: बाबाजीपारा	तालुका: लखतर	जिला:	सुरेन्द्रनगर
गुजरात राज्य	के लिए		पढ़ें
11/पी०	0-62-05	111/पी०	0-62-05

[संख्या 12017/5/74-एल० एण्ड० एल०-IV]

ERRATUM

S.O. 2927.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/5/74-L & L/III, Dt. 26-12-74 published vide S.O. No 123, dated 11-1-75 from page No. 165 to 171 of the Gazette of India Part II Section 3(ii) for Taluka Lakhtar Dist. Surendranagar Gujarat State, under Sub-Section(1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed thereto.

SCHEDULE

Village : Bajarangpura Taluka : Lakhtar Dist. Surendranagar Gujarat State

For	Read		
S. No.	Extent H.A.Sq.M.	S. No.	Extent H.A.Sq.M.
61	0 34	61	0-29-34
Village : Nagadkpati (Lakhtar) Ta. : Lakhtar Dist. Surendranagar Gujarat State, Wagadkpati (Lakhtar)		Nagadkpati (Lakhtar)	
12	9-47-55	12	0-47-55
Village : Kesaria Taluka-Lakhtar Dist : Surendranagar Gujarat State,		245	0-43-50
Village : Lilapur Taluka : Lakhtar Dist. : Surendranagar Gujarat State.		214/2/P/B	0-0-01
		203/1	0-25-18
		98/10	0-13-15
Village - Olak Taluka : Lakhtar Dist : Surendranagar Gujarat State.		357	9-09-11
Village : Bhaskarpura Taluka : Lakhtar Dist. : Surendranagar Gujarat State.		36/1	9-14-16
Village : Babajipara Taluka : Lakhtar Dist : Surendranagar Gujarat State,		11/P	0-62-05

[No. 12017/5/74-L & L/V)]

पुद्दिपत्र

नई विल्सी, 20 अगस्त, 1975

S.O. 2928.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उप-धारा (i) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला खोदा : तालुका मोहम्मदाबाद के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खण्ड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 2078 से 2084 तक दिनांक 7-6-75 को प्रकाशित का। आ० संख्या 1757 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

अधिसूचना संख्या 12017/6/74-एल० एण्ड एल०-१ विनांक 24-5-75 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांवः खुमारवद तालुकः मेहमदाबाद जिला: खेदा	गुजरात राज्य		
के लिये	पढ़ें		
क्र० सं०	तक		
एच०ए०वर्गमील	क्र०सं०		
एच०ए०वर्गमील	तक		
533/4	0-04-96	553/4	0-04-96
गांवः खेदा	तालुकः मेहमदाबाद	जिला: खेदा	गुजरात राज्य
के लिये	पढ़ें		
6653	0-16-80	653	0-16-80
1209	0-07-20	1209/2	0-07-20
गांवः देवदारदा	तालुकः मेहमदाबाद	जिला: खेदा	गुजरात राज्य
के लिये	पढ़ें		
239	0-49-66	239	0-49-76
244	0-15-52	284	0-15-52
गांवः सारसा	तालुकः मेहमदाबाद	जिला: खेदा	गुजरात राज्य
के लिये	पढ़ें		
332	0-11-64	352	0-11-84

[संख्या-12017/6/74-एल एण्ड एल-1]

ERRATUM

New Delhi, the 20th August, 1975

S.O.2928.—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/6/74-L & L/I, Dt. 24-5-75 published vide S.O. No. 1757, dated 7-6-75 from page No. 2078 to 2084 of the Gazette of India Part II, Section 3(ii) for Taluka : Mehmedabad Dist. Kheda, Gujarat State, under sub-Section(1) of Section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1952 (50 of 1962) read as per the Schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village : Khumarvad Taluka : Mehmedabad Dist. : Kheda Gujarat State.		For	Read
S.No.	Extent	S.No.	Extent
	H.A.Sq.M.		H.A.Sq.M.
533/4	0-04-96	553/4	0-04-96
Village : Kheda Taluka : Mehmedabad : Dist. : Kheda Gujarat State.	For	Read	
6653	0-16-80	653	0-16-80
1209	0-07-20	1209/2	0-07-20
Village : Dearda Taluka : Mehmedabad Dist. : Kheda Gujarat State.	For	Read	
239	0-49-66	239	0-49-76
244	0-15-52	284	0-15-52
Village : Sarsa Taluka : Mehmedabad Dist. : Kheda Gujarat State.	For	Read	
332	0-11-64	332	0-11-84

[No. 12017/6/74-L & L/I]

क्र० आ० 2929.—ग्रामः केस्ट्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि रुद्रसागर लक्वा ट्रंकपाइप लाइन-से लक्वा जी० जी० एस० नम्बर 6 का जंकशन पाइप्ट के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गृस आयोग द्वारा विधाई जानी चाहिए;

प्रौर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् या वह अनुसूची में वर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

ग्रामः ग्राम पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 3) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केंद्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आवेदन अवर प्रमणिल पदाधिकारी रुद्रसागर अस्सम के कार्यालय में इस अधिसूचना को तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आवेदन अवर वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी करने करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवसायी की माफ़त।

अनुसूची

रुद्रसागर लक्वा ट्रंक पाइप लाइन से लक्वा जी० जी० एस० नम्बर 6 का जंकशन पाइप्ट पर्यन्त पाइप लाइन

राज्यः आसाम	जिला : शिवसागर	तालुकः शिलाकुटी
ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर
	एरे	सेन्टी-एरे
दिहिगीया कुंवर-गांव	846 ख	0 4 28
	1191 घ	0 2 14
	1190 झ	0 2 41
	1204 ख	0 1 20

[संख्या 12020/3/75 एल तथा एल-1]

S.O. 2299.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Rudrasagar Lakwa Trunk Pipeline to Junction point of Lakwa GGS No. 6 in Sibsagar Dist. : Assam. Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of the Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Lakwa Trunk Pipeline to Junction Point of Lakwa GGS. No. 6.

State : Assam	Dist. Sibsagar	Taluka: Silakuti		
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Dehingia Konwar-Gaon	846 Kha	0	4	28
	1191 Gha	0	2	14
	1190 Kha	0	2	41
	1204 Kha	0	1	20

[No. 12020/3/75-L & L-1]

का० आ० 2930.—मत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि लकवा कूप नम्बर 109,64 से लकवा जी० जी० एस० नम्बर 6 के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए,

ग्रोर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों विछाने के प्रयोजन के लिए एवं या बड़ा अनुसूची में अंजित भूमि के उपयोग का अधिकार वर्जित करता आवश्यक है;

मत: भव पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजन अधिनियम, 1962(1962 का 3 की धारा 3 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अंजितों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आयाय एतद्वारा घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितबद्ध कीई व्यक्ति उस भूमि के सीधे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप अवर प्रमणित पदाधिकारी शिवसागर असम के कायालिय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विर्मिंटिट यह भी कथन करेगा कि वह यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवसायी की मार्फत।

अनुसूची

लकवा कूप नम्बर 109,64 से लकवा जी०जी० एस०नम्बर 6 तक की
पाइप लाइन

राज्य आसाम जिला:—शिवसागर तालुकः—शिला-कुटी

ग्राम	सर्वोनम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टी
1	2	3	4	5

हिहिरीया कुंबर	316 ख	0	1	07
	317 ख	0	1	07
	319 ख	0	1	07
	322 ख	0	1	61
	329 ख	0	1	61
	331 ख	0	2	41
	332 ख	0	2	14
	333 ख	0	2	14

1	2	3	4
334 ख	0	2	14
335 ख	0	4	28
339 ख	0	1	74
340 ख	0	1	74
341 ख	0	1	87
342 ख	0	0	94
345 ख	0	1	61
402 ख	0	2	54
403 ख	0	15	39
416 ख	0	2	14
417 ख	0	2	27
418 ख	0	1	61
419 ख	0	0	94
420 ख	0	2	27
421 ख	0	2	27
422 ख	0	2	81
423 ख	0	0	67
424 ख	0	2	14
483 ख	0	2	14
484 ख	0	3	34
485 ख	0	1	87
486 ख	0	1	20
487 ख	0	2	94
488 ख	0	2	14
489 ख	0	1	20
490 ख	0	0	40
526 ख	0	4	95
527 ख	0	0	67
1178 ख	0	1	47
1182 ख	0	1	47
1183 ख	0	1	34
1185 ख	0	1	74
1186 ख	0	2	81
1187 ख	0	1	61
1207 ख	0	4	55
1260 ख	0	3	21

[संख्या 12020/4/75-एस०तपाएल०-III]

S.O. 2930.—whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lakwa Well No. 109,64 to Lakwa GGS No. 6 in Sibsagar Dist., Assam. Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines, (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object

for the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From-Lakwa well No. 109 (LBD) and 64 to Lakwa GGS No. 6

State: Assam Dist. : Sibsagar Taluk : Silakuti

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
Dehingia Konwar Gaon	316/Kha	0	1	07
	317/Kha	0	1	07
	319/Kha	0	1	07
	322/Kha	0	1	61
	329/Kha	0	1	61
	331/Kha	0	2	41
	332/Kha	0	2	14
	333/Kha	0	2	14
	334/Kha	0	2	14
	335/Kha	0	4	28
	339/Kha	0	1	74
	340/Kha	0	1	74
	341/Kha	0	1	87
	342/Kha	0	0	94
	345/Kha	0	1	61
	402/Kha	0	2	54
	403/Kha	0	15	39
	416/Kha	0	2	14
	417/Kha	0	2	27
	418/Kha	0	1	61
	419/Kha	0	0	94
	420/Kha	0	2	27
	421/Kha	0	2	27
	422/Kha	0	2	81
	423/Kha	0	0	67
	424/Kha	0	2	14
	483/Kha	0	2	14
	484/Kha	0	3	34
	485/Kha	0	1	87
	486/Kha	0	1	20
	487/Kha	0	2	94
	488/Kha	0	2	14
	489/Kha	0	1	20
	490/Kha	0	0	40
	526/Kha	0	4	95
	527/Kha	0	0	67
	1178/Kha	0	1	47
	1182/Kha	0	1	47
	1183/Kha	0	1	34
	1185/Kha	0	1	74
	1186/Kha	0	2	81
	1187/Kha	0	1	61
	1207/Kha	0	4	55
	1260/Kha	0	3	21

[No. 12020/3/75-L & L/II.]

सा० न्मा० 2931 .—यदा० : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि लकबा कूप नम्बर 81 से लकबा जी० जी० एस० नम्बर 7 के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिये ।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिये एतदुपादन्ध अनुसूची में वर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार करना आवश्यक है ।

ग्राम: अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना प्राप्त एतद्वारा अोरित किया है ।

उक्त भूमि में हितबहु कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिये प्राप्तेप्रबद्ध प्रमाणित व्याधिकारी, शिवसागर प्रसाम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

ऐसा प्राप्तेप्रबद्ध करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी करने करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधिव्यवसाई की मार्फत ।

अनुसूची

लकबा कूप नम्बर 81 से लकबा जी० जी० एस० नम्बर 7 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम जिला : शिवसागर तालुक : जिला कुटी

प्राम सर्वे नम्बर लेक्टर एरे सेटी- एरे

सरुमथुरापुर 349 क्ष 0 19 10

[संख्या 12020/3/75-एस००तथा एस० 3]

S.O. 2931—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lakwa Well No. 81 to Lakwa GGS No. 7 in Sibsagar Distt., Assam. Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Lakwa Well No. 81 to Lakwa GGS No. 7

State : Assam District : Taluk : Silakuti
Sibsagar

Village Sur- Hect- Are Centi-
vey No. are are are

1 2 3 4 5

Sorumothurapur 349 Kha 0 19 10

[No. I2020/3/75-L & L/III]

का० ३०:— २९३२ यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि लकवा कूप नम्बर ७९, ८० और ८१ से लकवा डी०जी० एस० नम्बर ७ के बीच पैट्रोलियम उतारों के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेज एवं प्राकृतिक रैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ए इपार्श्व अनुसूची में वर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

ग्रन्त: प्रब पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम १९६२ (१९६२ का ५०) की धारा ३ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप अवधि प्रमाणल पदाधिकारी शिवसागर असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से २१ दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह जाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाई की मार्फत।

अनुसूची

लकवा कूप नम्बर ७९, ८० और ८१ से लकवा डी०जी० एस० नम्बर ७ तक की पाइप लाइन

राज्य: असम	जिला: शिवसागर	तालुकः शिला-कुटी		
ग्राम	सर्वे नम्बर	डेक्टर	ऐरे	सेन्टी-ऐरे
सोला आय बगीचा	९ग	०	२०	६०
	९न	०	२	६८
	९म	०	०	५४
	९ठ	०	६	६९

[संख्या १२०२०/३/७५-एल० तथा एल०-४]
टी० पी० सूब्रह्यान्यन, अवर सचिव

S.O. 2932.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lakwa Well No. 79, 80 and 81 to Lakwa GGS No. 7 in Sibasgar Distt., Assam. Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibasgar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Lakwa Well Nos. 79, 80 and 81 to Lakwa GGS No. 7.

State: Assam	District : Sibasgar Taluk : Silakuti			
Village	Sur- vey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Sola Chah Bagicha	9 Ga	0	२०	६०
	9Na	0	२	६८
	9 Jha	0	०	५४
	9 Tha	0	६	६९

[No. 12020/3/75-L&L/IV]

T. P. Subrahmanyam, Under Secy.

उचित और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति और महाकारिता विभाग)

नई दिल्ली, १६ अगस्त, १९७५

का० ३०:—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविधा (विनियमन) अधिनियम, १९५२ (१९५२ का ७४) की धारा ५ के अधीन वि केसरांज आपार कम्पनी सिं० मेरठ द्वारा मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए विये गये आवेदन पर वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लिये पर और अपना यह समाधान ही जाने पर कि ऐसा करना आपार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा ६ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त कम्पनी को गुड़ की अग्रिम संविधाओं की बाबत १० अगस्त, १९७५ से ९ अगस्त १९७६ तक (जिसमें ये दोनों विन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्राप्त करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के प्रम्यादीन है कि उक्त कम्पनी वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर विये जाने वाले निवेशों का अनुपासन करेगी।

[काइल संख्या १२(१३)-आई०टी०/७५]

य० एस० राणा, उप सचिव,

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

New Delhi, the 16th August, 1975

S.O. 2933.—The Central Government in consultation with the Forward Market Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Kalsenganj Beopar Company Limited, Meerut, and being satisfied that it would be in the interest of the

trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a further period of one year from the 10th August, 1975 upto the 9th August, 1976 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Company shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(13)-IT/75]

U. S. RANA, Dy. Secy.

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1975

का० आ० 2934.—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कागज (उत्पादन का नियंत्रण) आदेश, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है। प्रार्थतः—

1. (1) इस आदेश का नाम कागज (उत्पादन का नियंत्रण) त्रीय संशोधन आदेश, 1975 है।

(2) यह 1 अक्टूबर, 1975 को प्रवृत्त होगा।

2. कागज (उत्पादन का नियंत्रण आदेश) 1974 के खण्ड 7 में उपखण्ड (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उपखण्ड रखा जाएगा, प्रार्थतः—
“(2) येत मुद्रण-कागज समय समय पर भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित प्रवेत मुद्रण कागज के लिए विविवेशों के अनुरूप होगा और उस पर आ० भा० स० का० प्रमाणन-चिह्न होगा।”

[स० 14(20)/75-कागज]

नी० एन० जयसिंह, संयुक्त सचिव

(Dept. of Industrial Development)

New Delhi, the 20th August, 1975

ORDER

S.O. 2934.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Paper (Control of Production) Order, 1974, namely :—

1. (1) This Order may be called the paper (Control of Production) Third Amendment Order, 1975.

(2) It shall come into force on the 1st day of October, 1975.

2. In clause 7 of the paper (Control of production) Order, 1974, for sub-clause (2), the following sub-clause shall be substituted, namely :—

“(2) The white printing paper shall also conform to the specifications for white printing paper notified by the Indian Standards Institution from time to time and shall bear the ISI certification mark.”

[No. 14(20)/75-Paper]
B. N. JAYASIMHA, Secy.

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1975

का० आ० 2935.—केन्द्रीय सिल्क बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उप धारा (3) के नियम (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, प्रौद्योगिक विकास विभाग में निवेशक श्री ए० राय तथा वित्त मंत्रालय व्यवसाय विभाग में अवर सचिव श्री ए० वेर्केट-एवरन को तत्काल से केन्द्रीय सिल्क बोर्ड का सदस्य नामित करती है तथा भारत सरकार, प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचित संस्था का० आ० 482(ख०) दिनांक 12-9-73 में जिसे अधिसूचित (का० स० 6/9/74-स०० एण्ड ए०० द्वारा दिनांक 26 मार्च, 1974 को संशोधित किया गया था वा निम्नलिखित संशोधन करती है। यथा :—

1. श्री ए० के० राय
निवेशक,
उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

2. श्री ए० वेर्केट-एवरन,
अवर सचिव,
वित्त मंत्रालय, (व्यवसाय
विभाग)

अधिनियम की धारा
4(3) (ख) के अधीन केन्द्रीय
सरकार द्वारा नामित

[का० संस्था 6/24/75-स०० एण्ड ए००]
ए०० ए०० ओष, उप-निवेशक

New Delhi, 25th August, 1975

S.O. 2935.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub Section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby nominates Shri A.K. Ray, Director, Deptt. of Industrial Development Ministry of Industry & Civil Supplies and Shri M. Venkateswaran, Under Secretary, Deptt. of Expenditure, Ministry of Finance, as Members of the Central Silk Board with immediate effect and makes the following amendment in the Notification of the Govt. of India in the Ministry of Industrial Development NS.O. No. 482 (E) dated the 12th September, 1973, as modified in the notification (F.No. 6/9/74-C&S) dated the 26th March 1974, namely :—

In the said Notification, the existing entries at Sl. No. 1&2 shall be deleted and, in their places, the following shall be inserted namely :—

1. Shri A.K. Ray, Director,
Ministry of Industry &
Civil Supplies, (Dept. of
Ind. Dev.).
2. Shri M. Venkateswaran,
Under Secretary, Min. of
Finance, (Dept. of Expendi-
ture).

Nominated by the Central
Government under Section
4(3) (b) of the Act.

[F. No. 6/24/75-C&S]
S. N. Ghosh, Dy. Director.

उद्घोग तथा नागरिक पूति भवालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1975

का० प्रा० 2936.—समय-समय पर मंशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 16 जुलाई 1975 से लाइसेंसधारी के अनुरोध पर रह कर दिया गया है :—

अनुसूची

लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक
सीएम/एल-2839 14-12-1971	मैसर्स लीलासेंस ब्रूरीज प्राइवेट लिमिटेड टेल हैंडस्ट्रिल एसिया, भोपाल	बियर ट्रैड मार्क : (1) चैम्सफोर्ड (2) नॉर्थपोल	: 3865-1966

[संख्या एम डी/55:2839].

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 5th August, 1975

S.O. 2936.—In pursuance of Sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the licence, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 16 July 1975 on the request of the licensee :—

Licence No. and Date.	Name and address of the licensee	Articles/Process covered by the licence.	Relevant Indian Standard
CM/L-2839 14-12-1971	M/s. Lilasons Breweries Private Limited, Industrial Area, Govindpura, Bhopal	Beer; Trade Mark : (i) 'Chelmsford' (ii) 'Northpole'	IS : 3865-1966

[No. MDD/55:2839]

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1975

का०प्रा० 2937.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर दे अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों की डिजाइन, उनके शास्त्रीय विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पद	मानक चिह्न की डिजाइन का शास्त्रीय विवरण	शायु होगी की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

1. IS: 2024 सिलिको-कौमियम IS : 2024-1970 सिलिको-कौमियम की विविध (पहला पुनरीक्षण) भारतीय मानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।



2. IS : 2373 (पानी के मीटर) (थोक प्रकार के) IS : 2373-1673 पानी के मीटरों (थोक प्रकार के) की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण) भारतीय मानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।



1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

3. IS : 4072 स्प्रिंग वालरों के लिए IS : 4072--1967 स्प्रिंग वालरों भारतीय मानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें 'IST' 1 अग्र, 1975
 15.4.1972 इस्पात के लिए इस्पात की विशिष्ट मानद होते हैं, स्तम्भ (2) में लिखा है गई शीर्षी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंज्ञा भी गई है।

[सं. सी. एम. डी. / 13:9]

New Delhi, the 8th August, 1975

S.O. 2937.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark (s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS:2024		Silico-chromium	IS:2024—1970 Specification for silico-chromium (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'IST', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Jan., 1975
2. IS:2373		Water meters (bulk type)	IS:2373—1973 Specification for water meters (bulk type) (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'IST', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Jan., 1975
3. IS:4072		Steel for spring washers	IS:4072—1967 Specification for steel for spring washers	The monogram of the Indian Standard Institution consisting of letters 'IST', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 June 1975

[N . CMD/13:9]

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1975

सा. 2938.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के द्वारा दिए गए हैं, 30 अप्रैल 1975 को निर्धारित किए गए हैं;

अनुसूची

क्रम निर्धारित भारतीय मानक की पदसंज्ञा और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए हुए भारतीय मानक की पदसंज्ञा और शीर्षक	विवरण	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 2830—1975 संरचना इस्पात (मानक क्रियम) के रूप में पुनः वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात के विलेट, ब्लूम और सिलिंसियों की विशिष्ट	*IS : 2830—1964 संरचना इस्पात (मानक क्रियम) के रूप में पुनः वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात के विलेट की विशिष्ट	*सा. 2930 संस्था प्रमाणन मुहूर योजना कार्यों के लिए IS : 2830—1964 और IS : 2831—1969 31 जुलाई 1975 तक IS : 2830—1975 और IS : 2831—1975 के साथ-साथ सामूहिक रूप से।	
(पहला पुनरीक्षण)			

1	2	3	4
2. IS : 2831-1975 संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम और सिलियों की विशिष्टि (इस्पात पुनरीक्षण)	*IS : 2831-1969 संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	*मा० सा० संस्था प्रमाणित मुहर योजना; कार्यों के लिए IS : 2830-1964 और JS : 2831-1969, 31 जुलाई 1975 तक IS : 2830-1975 और IS : 2831-1975 के साथ साथ लागू रहेंगे।	

इन भारतीय मानकों की प्रतियोगी बिक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110001 तथा इसके शास्त्रीय कार्यालयों अद्यमदाकाव, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना में उपलब्ध हैं।

[सं० सीएम डी/13 : 2]

New Delhi, 12th August, 1975

S.O. 2938.—In pursuance of the provisions of sub-rule (2) of Rule 3 and sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the schedule hereto annexed, have been established on 31 April, 1975:

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standard No.	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks	
1	2	3	4
1. IS : 2830-1975 Specification for Carbon steel billets, blooms and slabs for rerolling into structural Steel (standard quality) (first revision)	*IS : 2830—1964 Specification for carbon steel billets for rerolling into structural steel (standard quality)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 2830-1964 and IS : 2831-1969 shall run con-	
2. IS : 2831-1975 Specification for carbon steel billets, blooms & slabs for rerolling into structural steel (ordinary quality) (Second revision).	*IS : 2831-1969 Specification for carbon steel billets for rerolling into structural steel (ordinary quality) (first revision).	currently with IS : 2830-1975 & IS : 2831-1975 respectively upto 31 July, 1975.	

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110001 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

[No. CMD/13 : 2]

का० प्रा० 2939.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणित चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के प्रत्युत्तर भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि नीचे प्रत्युत्तरी में जिन मानकों के बारे बिए गए हैं ; 1 फरवरी से 28 फरवरी, 1974 की अवधि में निर्धारित किए गए हैं :

प्रत्युत्तरी

क्रम संख्या	नए भारतीय मानक द्वारा दिए गए भारतीय मानक की पदसंदेश और शीर्षक	संशिष्ट विवरण	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 336-1973 ईंधर की विशिष्टि (इस्पात पुनरीक्षण)	IS : 336-1964 ईंधर की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	इस मानक में ईंधर के विषय में प्रवेशाएं और बानरी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 8.00)	
2. IS : 389-1973 सूती सामग्रियों में सत्पूरिक प्रस्तुति ताइपोक्लोरिक प्रस्तुति की लघु मात्रा की जांच की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 389-1952 सूती सामग्रियों में सत्पूरिक प्रस्तुति ताइपोक्लोरिक प्रस्तुति की लघु मात्रा की जांच की पद्धति	इस मानक में विरंजित और प्रकाशित सूती वस्तुओं में प्रवेशिष्ट सत्पूरिक प्रस्तुति ताइपोक्लोरिक प्रस्तुति की लघु मात्राओं की जांच की पद्धति बताई गई है। (मूल्य रु 2.50)	

4	2	3	4
3. IS : 696—1972 सामान्य इंजीनियरी ड्राइंगों की रीतिसंहिता (इमरा पुनरीक्षण)	IS : 696—1960 सामान्य इंजीनियरी ड्राइंगों की रीतिसंहिता (पुनरीक्षित)	अनुभाग 1 :—संहिता के इस अनुभाग में ड्राइंग के कागजों अर्थात् शीट के साइज, उनके विवास, आयोजना संखांकन संबंध देने तथा प्रिंटों को मोड़ने के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं।	अनुभाग 1 :—संहिता के इस अनुभाग में एमाने प्रचलित रेखाओं के प्रकार और उनकी मोटाइयों और स्टैरिंग के प्रकार और उनके साइज यताए गए हैं।
4. IS : 1141—1973 इमारती लकड़ी के पकाने की रीतिसंहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1141—1958 इमारती लकड़ी के पकाने की रीतिसंहिता (परीक्षार्थ)	अनुभाग 2 :—संहिता के इस अनुभाग में प्रक्षेप की पद्धतियां आरेखन की रुक्क पद्धतियां और काट यताए गए हैं।	अनुभाग 2 :—संहिता के इस अनुभाग में प्रक्षेप की पद्धतियां आरेखन की रुक्क पद्धतियां और काट यताए गए हैं।
5. IS : 1290-1973 खनिज जिप्सम की विशिष्टि (इमरा पुनरीक्षण)	IS : 1290-1965 खनिज जिप्सम की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	अनुभाग 3 :—संहिता के इस अनुभाग में प्रक्षेप की पद्धतियां आरेखन की रुक्क पद्धतियां और काट यताए गए हैं।	अनुभाग 3 :—संहिता के इस अनुभाग में प्रक्षेप की पद्धतियां आरेखन की रुक्क पद्धतियां और काट यताए गए हैं।
6. IS : 1683-1973 रबड़ उद्योग के लिए बेरा-यटीज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1683-1960 रबड़ उद्योग के लिए बेरायटीज की विशिष्टि	अनुभाग 4 :—संहिता के इस भाग में माप देने और घटाए घटाए देने की पद्धतियां दी गई हैं।	अनुभाग 4 :—संहिता के इस भाग में माप देने और घटाए घटाए देने की पद्धतियां दी गई हैं।
7. IS : 1769 (भाग 1)-1973 सिंगार और चुहट की विशिष्टि भाग 1 सिंगार (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1769-1961 सिंगार और चुहट की विशिष्टि	अनुभाग 5 :—संहिता के इस अनुभाग में सतह के खुरदरेपन से संबंधित प्रतीक और प्रतिशिष्ट संकेत निर्धारित किए गए हैं।	अनुभाग 5 :—संहिता के इस अनुभाग में सतह के खुरदरेपन से संबंधित प्रतीक और प्रतिशिष्ट संकेत निर्धारित किए गए हैं।
		अनुभाग 6 :—संहिता के इस अनुभाग में कील काबलों आवि बंधकों, वेलिंग पद्धतियों और धातु के संरचना कार्यों के विषय में समान ड्राइंग रीतियां प्रतिष्ठित की गई हैं।	अनुभाग 6 :—संहिता के इस अनुभाग में कील काबलों आवि बंधकों, वेलिंग पद्धतियों और धातु के संरचना कार्यों के विषय में समान ड्राइंग रीतियां प्रतिष्ठित की गई हैं।
		अनुभाग 7 :—संहिता के इस अनुभाग में सामान्य इंजीनियरी के सिए जिन संक्षिप्तियों और प्रतीकों की सिफारिश की जाती हैं वे दी गई हैं। (मूल्य रु 20.00)	अनुभाग 7 :—संहिता के इस अनुभाग में सामान्य इंजीनियरी के सिए जिन संक्षिप्तियों और प्रतीकों की सिफारिश की जाती हैं वे दी गई हैं। (मूल्य रु 20.00)
		अनुभाग 8 :—संहिता के इस मानक में लकड़ी को पकाने से संबंधित लकड़ी का वर्गीकरण, प्रारम्भिक उपचार और उनके संचारण, पकाने की पद्धतियों, विभिन्न प्रजाति की लकड़ियों को पकाने की भट्टियों की अनुसूचियां, भट्टियों पर काम करने की विधियां और पकी हुई लकड़ी का निरीक्षण, परिवहन और भंडारण के विषय में अपेक्षात बातें दी गई हैं। (मूल्य रु 12.00)	अनुभाग 8 :—संहिता के इस मानक में लकड़ी को पकाने से संबंधित लकड़ी का वर्गीकरण, प्रारम्भिक उपचार और उनके संचारण, पकाने की पद्धतियों, विभिन्न प्रजाति की लकड़ियों को पकाने की भट्टियों की अनुसूचियां, भट्टियों पर काम करने की विधियां और पकी हुई लकड़ी का निरीक्षण, परिवहन और भंडारण के विषय में अपेक्षात बातें दी गई हैं। (मूल्य रु 12.00)
		अनुभाग 9 :—संहिता के इस मानक में खनिज जिप्सम के विषय में प्रपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। इसमें जिप्सम की एक रंग विहीन और पारदर्शक किस्म सिसेनाइट को भी लिया गया है। यह किस्म विशेष रूप से मृतिका चट्टानों में स्पष्ट रूप से नतान्न क्रिस्टलों के विषय में पाई जाती है। (मूल्य रु 3.00)	अनुभाग 9 :—संहिता के इस मानक में खनिज जिप्सम के विषय में प्रपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। इसमें जिप्सम की एक रंग विहीन और पारदर्शक किस्म सिसेनाइट को भी लिया गया है। यह किस्म विशेष रूप से मृतिका चट्टानों में स्पष्ट रूप से नतान्न क्रिस्टलों के विषय में पाई जाती है। (मूल्य रु 3.00)
		अनुभाग 10 :—संहिता के इस मानक में रबड़ उद्योग में काम आने वाले बेराय-यटीज के विषय में प्रपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 3.00)	अनुभाग 10 :—संहिता के इस मानक में रबड़ उद्योग में काम आने वाले बेराय-यटीज के विषय में प्रपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 3.00)
		अनुभाग 11 :—संहिता के इस मानक में भारत में बनने वाली सिंगारों के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 4.00)	अनुभाग 11 :—संहिता के इस मानक में भारत में बनने वाली सिंगारों के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 4.00)

1 2 3 4

8. IS : 1805-1973 पत्थरों से सम्बन्धित IS : 1805-1961 इमारती पत्थरों, प्राप्ति इस मानक में विवरण के कार्य में प्रयुक्त पत्थर, उसकी खुदाई और गदाई से सम्बन्धित शब्दावली जुदाई और गदाई के साथ ही उन कार्यों के लिए प्रयुक्त औजारों के विषय में परिभाषाओं सहित शब्दावली दी गई है। (मूल्य रु 3.00)

9. IS : 1885 (भाग 4 अनुभाग 2)-1973 IS : 1885 (भाग 4 अनुभाग 2)-1965 इस मानक में एक्स-ट्रूवर से सम्बन्धित परिभाषा विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 4 इसैक्ट्रून- सहित शब्द दिए गए हैं। (मूल्य रु 5.50) ट्रूवर अनुभाग 2 एक्स-ट्रूवर

10. IS: 1920-1973 सन की डोरियों की विशिष्ट IS: 1920-1961 सफेद सन की डोरी की इस मानक में तीन पान सन की छह प्रकार की डोरियों विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) की विशिष्ट

11. IS: 2058-1973 ओरिया परियर्ती स्वचल सूती करघों के लिए नाल की विशिष्ट (पहला सूती करघों के लिए नाल की विशिष्ट) इस मानक में ओरिया परियर्ती स्वचल सूती करघों के लिए नालों के विषय में माप सम्बन्धी तथा अस्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु 3.00)

12. IS: 2099-1973 1000-बोल्ट से अधिक ऐसीबोल्टाओं की बुश बंदियों की विशिष्ट IS: 2099-1962 उच्च बोल्टता पोर्सेलेन की बुश बंदियों की विशिष्ट इस मानक में 1000-बोल्ट से अधिक रेटिंग बोल्टता और 15 हर्ट्ज से 60 हर्ट्ज के बीच आवृत्तियों वाली 3 फेज ऐसी धारा प्रणालियों की बुश बंदियों के लिए रेटिंग मान, कार्यप्रदता सम्बन्धी अपेक्षाएं और परीक्षण जताए गए हैं। (मूल्य रु 12.00)

13. IS: 2242-1973 40 और 50 लीटर दूध की बालिट्यों वाले बर्फ कोणों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) IS: 2242-1962 40 और 50 लीटर दूध की बालिट्यों वाले बर्फ कोणों की विशिष्ट इस मानक में IS: 1373-1971 कलई वर्षी मूरु इस्यात की दूध की बालिट्यों की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण), और IS: 1825-1971 एस-मिनियम की दूध की बालिट्यों की विशिष्ट के अनुरूप तैयार 40 और 50 लीटर समाई वाली दूध की बालिट्यों को रखने वाले बर्फ कोणों के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 3.00)

14. IS: 2500 (भाग 1)-1973 बानगी लेने की निरीक्षण सारणियां भाग 1 गुणों और दोषों की गणना द्वारा निरीक्षण (पहला पुनरीक्षण) IS: 2500 (भाग 1)-1963 बानगी लेने की निरीक्षण सारणियां भाग 1 गुणों और दोषों की गणना द्वारा निरीक्षण इस मानक में एक राशि के बाद तुसरी राशि के निरीक्षण की बानगी लेने की निरीक्षण योजना के लिए सारणियां दी गई हैं। ये सारणियां उसी स्थिति में लागू होती हैं जब निरीक्षण गुणों के द्वारा अथवा दोषों की गणना के प्राप्तार पर होता है। (मूल्य रु 16.00)

15. IS: 2833-1973 एनीलीन तकनीकी की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) IS: 2833-1964 एनीलीन तकनीकी की विशिष्ट इस मानक में एनीलीन तकनीकी के विषय में ज्ञाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 16.00)

16. IS: 2911 (भाग 3)-1973 स्थूल नीबों की डिजाइन और तिसांण की रीतिसंहिता भाग 3 अंडर रीम्ड स्थूल नीब इस मानक में अंडर रीम्ड स्थूल नीबों की डिजाइन और मिमरण को सिखा गया है। ये नीबों निप्प-लिंगित प्रकार की हो सकती हैं:—

(क) बेधन द्वारा और मौके पर डाल कर बनाई कंकीट के स्थूल जिनकी सम्भाई में एक या एक से अधिक गुण हों, और

(ख) बेधन द्वारा तैयार किया गया संघनित स्थूल (मूल्य रु 7.50)

1	2	3	4
17. IS: 2928-1973 पीठ पर रखकर चलाए जाने वाले वावधारी स्प्रेयर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2928-1964 पीठ पर रखकर चलाए जाने वाले वावधारी स्प्रेयर की विशिष्टि	इस मानक में भूल्य रूप से कीटनाशक विवरियां तथा अन्य नुकल पश्चार्य छिड़कने के काम आने वाले पीठ पर रखकर चलाए जाने वाले वावधारी स्प्रेयरों के विषय में निम्नांग की सामग्री, अंतर-विनियमता माप सम्बन्धी अपेक्षाएं और कार्यप्रदत्त की परीक्षण पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु. 6.00)	
18. IS: 3329-1973 सूती मोर्जों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3329-1965 मरदाने सूती मोर्जों (हाथ से चक्कते वाली मणीनों पर बने) की विशिष्टि	इस मानक में सीधत सहित सूती मोर्जों के विषय में निम्नांग सम्बन्धी व्यारे तथा अन्य अपेक्षाएं बताई गई हैं। ये मौजे सादे या पट्टीदार बुनाई वाले होते हैं। (मूल्य रु. 5.50)	
19. IS: 3495 (भाग 1 से 4 तक)---1973 मिट्टी की इमारती इंटों की परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3495-1966 मिट्टी की इमारती इंटों की परीक्षण पद्धतियां	इस मानक में मिट्टी की इमारती इंटों में संपीड़न सामर्थ्य जल सोबते की सोना लगाने और सिकु-ड़न की मात्रा ज्ञात करने सम्बन्धी परीक्षण पद्धतियां की गई हैं। (मूल्य रु. 5.50)	
20. IS: 3552-1973 कटर रहित चपटी नोक वाले प्लास की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3552-1966 चपटी नोक वाले प्लास की विशिष्टि	इस मानक में लाम्बे कटर रहित चपटी नोक वाले प्लासों के विषय में माप और अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु. 3.00)	
21. IS: 3600 (भाग 1)-1973 गलन वेलड्रूत जोड़ों और इस्पात में वेलड्रूत की परीक्षण पद्धति भाग 1 सामान्य परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3600-1966 इस्पात में गलन वेलड्रूत जोड़ों और वेल ड्रूत की परीक्षण की रीतिसंहिता	इस मानक में इस्पात में गलन वेलड्रूत जोड़ों और वेल ड्रूत की परीक्षण पद्धतियों को लिया गया है। लेकिन इसमें अनावश्यक परीक्षण नहीं दिया गया है। इसमें विभिन्न परीक्षणों और मानक परीक्षण पद्धतियों के लिए प्रयुक्त मानक परीक्षण नमूनों की आळति और माप भी दिया गए हैं। (मूल्य रु. 8.00)	
22. IS: 3650-1973 संयुक्त पार्श्व कटाई प्लासों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3650-1966 संयुक्त पार्श्व कटाई प्लासों की विशिष्टि	इस मानक में संयुक्त ब्रंगली कटाई वाले प्लासों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु. 3.00)	
23. IS: 3700 (भाग 3)-1973 एक दिशा आलक धानों के अनिवार्य रेटिंग और लक्षण भाग 3 रेक्टीफायर डाइप्रोड (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3700 (भाग 3)-1967 एक विश आलक माधनों के अनिवार्य रेटिंग और लक्षण भाग 3 रेक्टीफायर डाइप्रोड	इस मानक में अलग-अलग एक दिशा आलक रेक्टी-फायर डाइप्रोड के लिए दी जाने वाली अनिवार्य रेटिंग लक्षण और मन्य जानकारी दी गई हैं। इन डाइप्रोडों में रेक्टीफायर डाइप्रोड और नियंत्रित आबेलीस रेक्टीफायर डाइप्रोड भी शामिल हैं। (मूल्य रु. 4.00)	
24. IS: 4095-1973 जम्भूरे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4095-1967 बक्सीयों के जम्भूरे की विशिष्टि	इस मानक में जम्भूरे के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु. 3.00)	
25. IS: 4378-1973 निपस की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4378-1967 निपस की विशिष्टि	इस मानक में दो प्रकार के निपस के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु. 3.00)	
26. IS: 4575-1973 रेशे के रस्सों की धरने उठाने की संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4575-1968 रेशे के रस्सों के धरने उठाने की संहिता	इस मानक में रेशे के रस्सों को नुकसान पहुंचाने वाले कारणों की जांच की गई है और उनकी देखभाल तथा इस्तेमाल में बचाव के लिए उपाय दिया गए हैं। (मूल्य रु. 5.00)	
27. IS: 4764-1973 नवियों, तालाबों आदि में डाले गए भलसाव में छूट सीमाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4764-1968 नवियों, तालाबों आदि में डाले गए भलसाव में छूट सीमाएं	इस मानक में नवियों, तालाबों आदि में डाले गए भलसाव में छूट सम्बन्धी सीमाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु. 2.50)	

1	2	3	4
28. IS: 5000 (भ्रोडी 15)-1973 एक दिन आलक साधनों की रूपरेखा के भाष प्रोडी 15	IS: 5083-1973 चाकू से लगाए जाने वाले पूरक पदार्थ (स्टापर) की विशिष्टि (पहला पूरक पदार्थ (स्टापर) की विशिष्टि	इस मानक में चाकू से भरे जाने वाले पूरक पदार्थ के विषय में व्यवेक्षाएं और बातगी लेने सहा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। ये पदार्थ कुछ और सामग्रियों के साथ छेद और गढ़े भरने के लिए काम आता है। ये पदार्थ रेल के डिब्बों में रंग रोगन में प्रयोग की जाने वाली बस्तुओं में से एक है। (मूल्य ₹ 3.00)	
29. IS: 5182 (भाग 7)-1973 बायू दूषण की माप पद्धतियां भाग 7 हाइड्रोजन ट्रांसफार्मर	IS: 591-1964 इलेक्ट्रॉनिक साज सामान के लिए ड्रांसफार्मरों और प्रेरितों (पावर, श्रवण, स्पंदन और स्विच कारक) की विशिष्टि भाग 2 पावर ड्रांसफार्मर	इस मानक में इसकार्मरों के विषय में एसे पावर ड्रांसफार्मरों के विषय में परीक्षण और प्रेरितों व्यवेक्षण द्वारा व्यवहार की गई है। जिनमें एक वाईंडिंग (स्वचल ड्रांसफार्मर) या दो किंविए से अनधिक पावर तिवेज वाले अधिक वाईंडिंग होते हैं। ये ड्रांसफार्मर रेतियों सेटों, छवनि प्रबलंगों, छीटे ड्रांसफार्मर तथा अन्य साधनों जैसे इलेक्ट्रॉनिक साज सामान में काम आते हैं। (मूल्य ₹ 5.00)	इस मानक में हवा में हाइड्रोजन सल्फाइड की सघनता के मापने की पद्धति दर्शाई गई है। (मूल्य ₹ 4.00)
31. IS: 6297 (भाग 2)-1973 इलेक्ट्रॉनिक साज सामान के लिए ड्रांसफार्मरों और प्रेरितों (पावर, श्रवण, स्पंदन और स्विच कारक) की विशिष्टि भाग 2 पावर ड्रांसफार्मर	IS: 6720-1972 प्लैटिनम 30% रहोडि यम-स्लैटिनम/6% रहोडियम ताप युग्म को सम्बन्धी संबंध सारणियां	इस मानक में एसे पावर ड्रांसफार्मरों के विषय में व्यवहार की विशिष्टि दर्शाई गई है। जिनमें एक वाईंडिंग (स्वचल ड्रांसफार्मर) या दो किंविए से अनधिक पावर तिवेज वाले अधिक वाईंडिंग होते हैं। ये ड्रांसफार्मर रेतियों सेटों, छवनि प्रबलंगों, छीटे ड्रांसफार्मर तथा अन्य साधनों जैसे इलेक्ट्रॉनिक साज सामान में काम आते हैं। (मूल्य ₹ 5.00)	इस मानक में मिश्रण, विलापा, संधनन, उपचार तथा निर्माण सम्बन्धी अन्य पक्षों से सम्बन्धित परिमापा सहित गवावसी दी गई है। (मूल्य ₹ 10.00)
32. IS: 6461 (भाग 7)-1973 सीमेंट क्रॉकीट से सम्बन्धित पारिमापिक शब्दावली भाग 7 मिश्रण विलापा, संधनन, उपचार तथा निर्माण सम्बन्धी अन्य पक्ष	IS: 6749-1972 ग्रालोहल (इथाइल) उच्चों और व्यापार सम्बन्धी पारिमापिक शब्दावली	--	इस मानक में प्लैटिनम/30% रहोडियम प्लैटिनम/6% रहोडियम तापयुग्मों के विषय वात्कृष्णन-ताप सम्बन्धी विवाही शाली संबंध सारणियां दी गई हैं। (मूल्य ₹ 7.00)
33. IS: 6932 (भाग 1 से 10 तक) 1973 इमारती चूने की परीक्षण पद्धतियां	IS: 6940-1973 कीटनाशकों और उनसे बने यौगिकों की परीक्षण पद्धतियां	--	इस मानक में निम्नलिखित से सम्बन्धित ग्रालोहल व्यापार की तकनीकी शब्दावली परिमापाओं सहित दी गई है ; (क) ग्रालोहल किणन और निसवन (ख) ग्रालोहल का उत्पादन और (ग) पेय ग्रालोहल (ज) श्रीघोयोगिक ग्रालोहल, और (झ) ग्रालोहल और ग्रालोहली पेयों के परीक्षण (मूल्य ₹ 16.00)
35. IS: 6967-1973 विजली द्वारा बेलडहूत गोल कड़ी बाली चेत की इस्पात की विशिष्टि	IS: 6967-1973 विजली द्वारा बेलडहूत गोल कड़ी बाली चेत की इस्पात की विशिष्टि	--	इस मानक में इमारती चूने के लिए आवश्यक गुणों के परीक्षण की विभिन्न पद्धतियां दर्शाई गई हैं। (मूल्य ₹ 15.00)
36. IS: 6940-1973 कीटनाशकों और उनसे बने यौगिकों की परीक्षण पद्धतियां	IS: 6967-1973 विजली द्वारा बेलडहूत गोल कड़ी बाली चेत की इस्पात की विशिष्टि	--	इस मानक तकनीकी के ग्रेड के कीटनाशकों और उनसे बने विभिन्न यौगिकों की सामान्य परीक्षण पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 9.00)
37. IS: 6967-1973 विजली द्वारा बेलडहूत गोल कड़ी बाली चेत की इस्पात की विशिष्टि		--	इस मानक में विजली द्वारा बेलडहूत गोल कड़ी बाली चेत बनाने में प्रयुक्त सिलिंडरों और सरियों के रूप में इस्पात के विषय में अपेक्षाएं दर्शाई गई हैं। (मूल्य ₹ 5.00)

1	2	3	4
38. IS : 6973-1973 परिशुद्धता कोण लेटों की विशिष्ट	—	इस मानक में परिशुद्धता कोण लेटों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य ₹ 4.00)	
39. IS : 6977-1973 1.5 आई० अमीनों एवं एन्थानीनों, तकनीजी की विशिष्टि	—	इस मानक में 1.5-आई० अमीनोंएन्थानीनों तकनीजी के विषय में अपेक्षाएं और बातगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 3.00)	
40. IS : 6981-1973 वायु निष्ठवीकृत प्राइमरी कार्सिटिक सोडा नम सेलों के लिए कांच के जार की विशिष्टि	—	इस मानक में वायु निष्ठवीकृत प्राइमरी (कार्सिटिक और नम सेलों के लिए कांच के जार के विषय में अपेक्षाएं और बातगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दताई गई हैं। (मूल्य ₹ 5.00)	
41. IS 6987-1973 इस्पात के परिशुद्धता बहुभूजों की विशिष्टि	—	इस मानक में कोणीय विस्थापन नापने के लिए स्वचल समानतरित के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किए हुए नियंत्रित प्राकार बाते इस्पात परिशुद्धता बहुभूज के विषय में अपेक्षाएं दताई गई हैं। (मूल्य ₹ 5.00)	
42. IS: 6988-1973 अदिया चीनी मिट्टी के डिनर (रात्रि-भोजन) के बर्तनों की विशिष्टि।	—	इस मानक में अदिया चीनी मिट्टी के डिनर (रात्रि-भोजन) के बर्तनों के विषय में अपेक्षाएं और बातगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 6.00)	
43. IS: 6996-1973 कार्डिनेज छुरी की विशिष्टि।	—	इस मानक में कार्डिनेज छुरी के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य ₹ 3.00)	
44. IS: 6998-1973 एस० ए० सी० एच० पाद के लिए विशेष मेंच की विशिष्टि।	—	इस मानक के एस० ए० सी० एच० पाद के लिए बने विशेष मेंचों के विषय में भाप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दताई गई हैं। (मूल्य ₹ 3.00)	
45. IS: 7004-1973 जीयाणुवैज्ञानिक ग्रेड के अमीर सत्र की विशिष्टि।	—	इस मानक में जीवाणु वैज्ञानिक ग्रेड अमीर तत्व के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 3.00)	
46. IS: 7005-1973 दूध के उत्पादन उसके उपचार, परिवहन और वितरण की सफाई सम्बन्धी स्थितियों की संहिता।	—	इस संहिता में दूध के उत्पादन उसके उपचार, भंडारण, परिवहन और वितरण में सफाई सम्बन्धी स्थितियां और रोतियां दताई गई हैं। (मूल्य ₹ 7.50)	
47. IS: 7008 (भाग 1)-1973 आई०एस०ओ० मीटरी समलम्बाभ चूड़ियां भाग 1 बुनियादी और डिजाइन सम्बन्धी सूच रेखाएं।	—	इस मानक में 8 से 300 मिमी० तक के व्यास वाले आई०एस०ओ० मीटरी समलम्बाभ और चूड़ियों के विषय में बुनियादी और डिजाइन सम्बन्धी सूचरेखाओं सहित व्यौरे दिए गए हैं। (मूल्य ₹ 4.00)	
48. IS: 701319-73 डायल लैम्पों की अनुसूची।	—	इस मानक में रेडियो डायल लैम्पों की मामग्री, भाप, टोपियों के ऊपरे तथा बिजली सम्बन्धी आवश्यक लक्षण दताए गए हैं। (मूल्य ₹ 4.00)	

(1)

(2)

(3)

(4)

58. IS: 7014—1973 लम्बाई मरियों की विशिष्टि।

इस मानक में 1200 मिमी तक साइज की बेसनाकार लम्बाई मरियों के विषय में अधेशाएं बताई गई हैं। उनके गमान्तर गिरों के मूल लैपिंग द्वारा पिनिंग किए हुए होते हैं। अन्यें लम्बाई सरियों के दो तिगाइन दी गई हैं एक मादे मिरे के मुखों वाले और दूसरे छहों के एक मिरे पर शब्दवा दोनों गिरों पर बने बूझीदार छेद में भीतर की ओर बने बलयाकार मुखों वाले।

(मूल्य ₹ 7.00)

59. IS: 7016 (भाग 2)—1973 माड़ी चड़े तथा उपचारित वस्त्रों की परीक्षण पद्धतियां भाग 2 फटन सामर्थ्य और दूटने पर बढ़ाव की मात्रा निकालना।

इस मानक में मध्य प्रकार की माड़ी लगे और उपचारित वस्त्रों के टूटन सामर्थ्य और टूटने पर बढ़ाव की मात्रा ज्ञान करने की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य ₹ 2.50)

60. IS: 7016 (भाग 3)—1973 माड़ी चड़े तथा उपचारित वस्त्रों की परीक्षण पद्धतियां भाग 3 फाइने सम्बन्धी सामर्थ्य निकालना।

इस मानक के माड़ी चड़े और उपचारित वस्त्रों के फाइने सम्बन्धी सामर्थ्य ज्ञान करने की तीन पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। ये पद्धतियां परतदार और विना बुनाई वाले वस्त्रों पर नहीं लागू होती।

(मूल्य ₹ 3.00)

52. IS: 7016 (भाग 4)—1973 माड़ी चड़े तथा उपचारित वस्त्रों की परीक्षण पद्धतियां भाग 4 लचकाने से क्षति के प्रति-प्रतिरोधिता।

इस मानक में मध्य प्रकार और उपचारित वस्त्रों के लचकाने से होने वाली क्षति कीप्रति-प्रतिरोधिता ज्ञान करने की दो पद्धतियां निर्धारित की गई हैं।

(मूल्य ₹ 3.00)

53. IS: 7016 (भाग 5)—1973 माड़ी चड़े तथा उपचारित वस्त्रों की परीक्षण पद्धतियां भाग 5 माड़ी के चिपकने की क्षति ज्ञान करना।

इस मानक में ऐसी माड़ी चड़े और उपचारित वस्त्रों में जड़ी हुई माड़ी के चिपकने की क्षति ज्ञान करने की परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं जिनमें स्पष्ट है माड़ी चड़ी हुई हो।

(मूल्य ₹ 3.00)

54. IS: 7016 (भाग 6)—1973 माड़ी चड़े तथा उपचारित वस्त्रों की परीक्षण पद्धतियां भाग 6 फटन सामर्थ्य ज्ञान करना।

इस मानक में माड़ी चड़े और उपचारित वस्त्रों की फटन सामर्थ्य ज्ञान करने की दो पद्धतियां बताई गई हैं।

(मूल्य ₹ 3.00)

55. IS: 7016 (भाग 7)—1973 माड़ी चड़े तथा उपचारित वस्त्रों की परीक्षण पद्धतियां भाग 7 जलसंकरण शक्ति ज्ञान करना।

इस मानक में सभी प्रकार की माड़ी चड़े और उपचारित वस्त्रों के जलसह होने की क्षमता ज्ञान करने की दो परीक्षण पद्धतियां बताई गई हैं।

(मूल्य ₹ 3.00)

56. IS: 7017—1973 टाइथायोन द्वारा भारी धातुओं के अवशेष ज्ञान करने की रंगमाली पद्धति।

इस मानक में भारी धातुओं जैसे सीमा के टाइथायोन पद्धति द्वारा अवशेष ज्ञान करने की रंगमाली पद्धति निर्धारित की गई है।

(मूल्य ₹ 2.50)

57. IS: 7021—1973 शिशुओं और स्कूल पर्व भाग १ वाले वस्त्रों के लिए प्रोटीन बहुल पूरक खाद्य पदार्थों की विशिष्टि।

इस मानक में 18 महीने से 5 वर्ष की उम्र वाले शिशुओं और स्कूल जाने के पूर्व अवस्था वाले वस्त्रों के लिए प्रोटीन बहुल पूरक खाद्य पदार्थों के विषय में अधेशाएं और व्यापारी नेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं।

(मूल्य ₹ 3.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
58. IS : 7022 (भाग 1) — 1973 जल, मर्द और प्रौद्योगिक सावधानी गतिविधि भाग 1	—	इस मानक में जल, मर्द और प्रौद्योगिक सावधानी के विषय में व्यापक रूप से प्रयोग किए जाने वाले शब्द परिभाषा सहित दिए गए हैं। (मूल्य ₹ 10. 50)	
59. IS : 7024 — 1973 घी, खाद्य तंत्रों के टिनों (गोल और बर्गाकार) की विशिष्टि।	—	इस मानक में घी, खाद्य तंत्र बन्द करने के गोल और बर्गाकार कनस्टरों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। इस मानक में गोल टिनों के 4 किंवद्धा०, 2 किंवद्धा०, 1 किंवद्धा० और 0.5 किंवद्धा० क्षमता बाले और बर्गाकार टिन 4 किंवद्धा० और 2 किंवद्धा० क्षमता बाले दिए गए हैं। (मूल्य ₹ 5. 00)	
60. IS : 7025 — 1973 सौर विकिरण परीक्षण सम्बन्धी मांगवर्णन।	—	इस मानक में जमने की गतदृश्य पर इलेक्ट्रॉनिक बिजली के साज सामान तथा उनके पुँजी पर भीर विकिरण के प्रभाव के परीक्षण सम्बन्धी मांगवर्णन प्रदान किया गया है। (मूल्य ₹ 7. 50)	
61. IS : 7027 — 1973 प्रतिदीप्ति ट्रॉफों के लिए ट्रांजिस्टर युक्त बैलास्ट की विशिष्टि।	—	इस मानक में डीसी सप्लाई पर काम आने वाले ऐसे ट्रांजिस्टर युक्त बैलास्ट के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं जिनकी रेटिंग बोल्टता 250 बोल्ट से अधिक न हो और जो पूर्व पायित कैथोड द्वारा प्रतिदीप्ति ट्रॉफों में लगे होते हैं तथा जो बिना किसी स्टार्टर स्विच के काम करते हैं और IS : 2418 — 1964 के अनुसूची होते हैं। (मूल्य ₹ 5. 50)	
62. IS : 7029 — 1973 अंतर्राही छंजन के प्रयोगिक जल के संशारण निरोधन की रीतिविहित।	—	इस मानक में अंतर्राही इंजनों के प्रशीतन प्रणाली की परिषियां साफ करने और उसके पश्चात प्रशीतक यंत्र को संशारण और पपड़ी पड़ने से बचाने के लिए प्रयुक्त वस्तु के पदार्थ द्वारा निरोधित कर देने की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य ₹ 5. 00)	
63. IS : 7035 — 1973 अमाएट्रूण्ड्रूप से बनी वस्तुओं की विशिष्टि।	—	इस मानक में जमाए हुए दूध से बनी वस्तुओं के प्रकार, उनके तत्सम्बन्धी प्रेषकाएं, बानी तंत्र तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 3. 00)	
64. IS : 7038 — 1973 क्लोरोप्लैटिनम (प्लैटिनम क्लोराइड) अम्ल की विशिष्टि।	—	इस मानक में क्लोरोप्लैटिनिक (प्लैटिनम क्लोराइड) अम्ल के विषय में अपेक्षाएं और बानी तंत्र तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 4. 00)	
65. IS : 7041 — 1973 बड़हयों के सांदर्भ में विशिष्टि।	—	इस मानक में बड़हयों के सांदर्भ बमें के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य ₹ 3. 00)	
66. IS : 7042 — 1973 बड़हयों के रेचेट बमें की विशिष्टि।	—	इस मानक में बड़हयों के रेचेट बमें के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य ₹ 3. 00)	

(1)	(2)	(3)	(4)
67. IS : 7046--1973	बन्दरगाहों पर खीचने वाली नावों के चुनाव की मार्गदर्शिका।	--	इस मानक में आधुनिक जलयानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बन्दरगाहों पर रहने वाली खीचने वाली नावों के चुनाव से सम्बन्धित मुख्य बातों के विषय मार्गदर्शन प्रवान किया गया है। (मूल्य रु 5.50)
68. IS : 7047--1973	ओजार उद्योग में प्रयुक्त लकड़ी।	--	इस मानक में ओजार उद्योग में काम आने वाली विभिन्न प्रजाति की लकड़ियों को लिया गया है। इसमें उनके आमतौर पर प्रयुक्त व्यापारिक नाम तथा बनस्पति शास्त्रीय नाम दिए गए हैं। (मूल्य रु 2.50)
69. IS : 7048--1973	इस्पात के लोटे वर्गकार वायुपानी रोक फलक डक्कनों की विशिष्टि।	--	इस मानक में किसी सामान्य मूल डिजाइन के साझों के लिए भी वायु पानी रोक फलक डक्कनों के विषय में माप और अपेक्षाएं बताई गई हैं। इनको लगाने और कसने की व्यवस्था में बड़ी साझों के लिए भी गुणात्मक होती है। (मूल्य रु 4.00)
70. IS : 7049--1973	कुट उत्पादों के धुरने उठाने उपचारण, गुणता, मूल्यांकन तथा भंडारण की रेसिं संहिता।	--	इस सहिता में कुट उत्पादों में भली प्रकार धरने उठाने, उपचारण, गुणता, मूल्यांकन और शीत भंडारण के विषय में मार्गदर्शन दिवांत दिए गए हैं। (मूल्य रु 4.00)
71. IS : 7050--1973	पुरुषों की मनीला कमीजों के माप।	--	इस मानक में पुरुषों के मनीला कमीजों की अच्छी फिटिंग के लिए विभिन्न हिस्सों के माप बताए गए हैं। इसमें शरीर की ऊँचाई छाती की लोडाई की नापों के प्राप्त भी दिए गए हैं। (मूल्य रु 2.50)
72. IS : 7051--1973	भूटे के दाने उतारने की पावर चालित भूटे के दाने उतारने की मशीन की विशिष्टि।	--	इस मानक में पावर चालित भूटे के दाने उतारने की मशीन के विषय में सामग्री, कार्यप्रदत्ता सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु 4.00)
73. IS : 7052--1973	पावर चालित भूटे के दाने उतारने की मशीन की परीक्षण संहिता।	--	इस संहिता में भूटे के दाने उतारने की मशीन की कार्यप्रदत्ता और उसके टिकाऊपन की जांच के लिए परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 8.00)
74. IS : 7053--1973	लोटे पश्चिमों के मांस बेचने के स्टाल के विषय में दुनियादी अपेक्षाएं।	--	इस मानक में भेड़ और बकरी के मांस बेचने के स्टाल के विषय में विनायक सफाई सम्बन्धी स्थितियां और बुनियादी अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु 3.00)
75. IS : 7055--1973	विकलांगता सम्बन्धी नुंडसर कील के पेंचों की विशिष्टि।	--	इस मानक में विकलांगता सर्जरी में काम आने वाले नुंडसर कील पेंचों के सम्बन्ध में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु 3.00)
76. IS : 7056--1973	हृका शैक चुनाई वाली सूती तौलियों की विशिष्टि।	--	इस मानक में हृका बैक चुनाई वाली सूती रंगीन तथा विरंजित तौलियों के विषय में निर्माण सम्बन्धी व्यौरे तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु 2.50)
77. IS : 7057--1973	सूती तुर्की तौलियों की विशिष्टि।	--	इस मानक में सूती तौलियों, रंगीन भ्रथवा विरंजित के विषय में निर्माण सम्बन्धी व्यौरे तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु 2.50)

1	2	3	4
78. IS : 7058--1973 बाने के समय पी जाने वाली प्रारंभों की विशिष्टि।	—	इस मानक में बाने के समय पी जाने वाली प्रारंभों के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 3.00)	
79. IS : 7059--1973 पशुओं को खिलाने के लिए धोलकों द्वारा प्राप्त गाल श्रीओं के आटे की विशिष्टि।	—	इस मानक में पशुओं को खिलाने के लिए धोलकों द्वारा प्राप्त साल के श्रीओं के आटे के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु 3.00)	
80. IS : 7060--1973 पशुओं के आहार के लिए रक्त के चूरे की विशिष्टि।	—	इस मानक में पशुओं के खिलाने के लिए रक्त के चूरे के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 3.00)	
81. IS : 7066--1973 दांत सम्बन्धी औजार कैविनेट की द्वे की विशिष्टि।	—	इस मानक में दांत सम्बन्धी औजार कैविनेट की द्वे के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु 4.00)	
82. IS : 7067--1973 विद्युत लेपत के लिए पलुओ-सोरिक अम्ल और धातु पलुओबोरेट की विशिष्टि।	—	इस मानक में पलुओबोरिक अम्ल और विद्युत लेपत के लिए पलुओबोरेट के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं: (क) सोसा पलुओबोरेट (ख) बंग पलुओबोरेट (ग) ताम्र पलुओबोरेट (घ) जस्ता पलुओबोरेट (ङ) सोडियम पलुओबोरेट (मूल्य रु 8.00)	
83. IS : 7069--1973 बैंजो धायाजिल-2-साइक्लो-हेलिसल सल्फेनामाइड की विशिष्टि।	—	इस मानक में बैंजो धायाजिल-2-साइक्लोहेलिसल सल्फेनामाइड के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। यह पदार्थ रबड़ के धौकिक बनाने की क्रिया विलम्बित करने के नाम आता है। यह मानक केवल इस पदार्थ के खूंसी रूप के लिए है (जिस पर किसी धोलक पदार्थ अथवा चेपक पदार्थ के साथ उपचार न किया गया हो)। (मूल्य रु 4.00)	
84. IS : 7073 (भाग 1)--1973 हृताई जहाज की माल वाहक जौकियों और धारकों सम्बन्धी परिभाषिक इंडिकेली भाग 1 माल वाहक जौकियों।	—	इस मानक में वायुयान की माल वाहक जौकियों के विषय में शब्दावली दी गई है। (मूल्य रु 3.00)	
85. IS : 7085--1973 कमीज के सूती पैलिएस्टर कपड़े की विशिष्टि।	—	इस मानक में पौलीएस्टर रेशे को सूती रेशे के साथ मिलाकर तैयार किए गए धारे से बने कमीज के कपड़े के बाजार में बिकने वाली किसी के विषय में अपेक्षाएं बनाई गई हैं। (मूल्य रु 4.00)	
86. IS : 7091--1973 ऊपर नीचे ही सकने वाले पनंग ऊपर उठाने के गंत्र की विशिष्टि।	—	इस मानक में अस्पतालों में पलंगों के भिरङ्गाने और पैनांगे ऊपर उठाने के काम आने वाले गम्भीरीप गंत्रों के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं बनाई गई हैं। (मूल्य रु 3.00)	

1	2	3	4
87. IS : 7104—1973 पापलीन (बाजार वाली किस्म) की विशिष्टि।	—	इस मानक में बाजार कमीज की सूती पापलीन के विषय में अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
88. IS : 7109—1973 विकलांगता सम्बन्धी स्टैपिल स्टार्टर की विशिष्टि।	—	इस मानक में हड्डियों में स्टैपिलों को नियंत्रित करने के लिए स्टैपिल स्टार्टर के विषय में माप और अन्य अपेक्षाएं बताई गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
89. IS : 7110—1973 मज्जा सम्बन्धी रणनियन की विशिष्टि।	—	इस मानक में विकलांगता सर्जरी में काम आने वाले मज्जा की रणनियनों के विषय में माप और अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
90. IS : 7111—1973 विकलांगता सम्बन्धी स्टैपिल इंस्टार की विशिष्टि।	—	इस मानक में हड्डी स्टैपिल में पुसाने वाले इंस्टार के विषय में माप तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
91. IS : 7116—1973 दाढ़ीयों के छोटे फोर्सेप्स की विशिष्टि।	—	इस मानक में दाढ़ीयों के छोटे फोर्सेप्स के विषय में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
92. IS : 7117—1973 नाल काटने के कैची की विशिष्टि।	—	इस मानक में नाल काटने की कैचीयों के विषय में माप सम्बन्धी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.00)	
93. IS : 7119—1973 पगड़ियों और साफों की सूती कपड़े की विशिष्टि।	—	इस मानक में पगड़ियों और साफों में काम आने वाले विरजित अथवा रंगीन सूती कपड़े के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)	
94. IS : 7131—1973 नाइट्रोफोसफेट से बने गोली-तूमा उर्वरकों की विशिष्टि।	—	इस मानक में नाइट्रोफोसफेट से गोली के रूप में बनाए गए उर्वरकों के विषय में अपेक्षाएं और वानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु० 4.00)	

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, १ बहादुरशाह जफर मार्ग, नई विल्ली तथा इसके प्रावेद्य कार्यालयों प्रहमदायाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, मद्रास पट्टना और चंडीगढ़ में उपलब्ध हैं।

[सं० सी० एम० ई० / 13 : 2]

S.O. 2939.—In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established during the period 1 February 1974 to 28 February 1974.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standard No. Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard.	Brief Particulars	
1	2	3	4
1. IS : 336-1973 Specification for ether (second revision)	IS : 336—1964 Specification for ether (revised)	This standard prescribes the requirements and the methods of samplings and test for ether. (Price Rs. 8.00)	
2. IS : 389—1973 Method of rostimation of small quantities of sulphuric acid and hydrochloric acid in cotton materials (first revision)	IS : 389—1952 Method for establishment of small quantities of sulphuric acid and hydrochloric acid in cotton materials.	This standard prescribes standard methods for the quantitative estimation of small quantities of residual sulphuric acid and hydrochloric acid in scoured and bleached cotton materials. (Price Rs. 2.50)	

(1)	(2)	(3)	(4)
3. IS : 696—1972 Code of practice for general engineering drawing (second revision)	IS : 696—1960 Code of practice for general engineering drawings (revised)	Section 1—This section of the code covers the requirements of sheet sizes, layout of drawing sheets, their planning, numbering, referencing and folding of prints	Section 2—This section of the code covers the scales, types and thickness of conventional lines, and types and sizes of lettering
		Section 3—This section of the code covers methods of projection, conventional representation and sections	Section 4—This section of the code covers the dimensioning and tolerancing
		Section 5—This section of the code specifies the symbols and additional indications of surface roughness	Section 6—This section of the code covers the establishments of a uniform drawing practice for fasteners, welding methods and structural metal works
		Section 7—This section of the code covers abbreviations and symbols, which are recommended for use in general engineering drawings (Price Rs. 20.00)	
4. IS : 1141—1973 Code of practice for seasoning of timber (first revision)	IS : 1141—1958 Code of practice for seasoning of timber (tentative)	This standard covers classification of timbers for seasoning purposes; preliminary treatment and storage; seasoning methods; kiln schedules for seasoning different species of timber; kiln operation procedure; and inspection, transport and storage of seasoned timber (Price Rs. 12.00)	
5. IS : 1290—1973 Specification for mineral gypsum (second revision)	IS : 1290—1965 Specification for mineral gypsum (revised)	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for mineral gypsum. It also covers selenite, a colourless and transparent variety of gypsum which occurs as distinct monoclinic crystals, especially in clay rocks (Price Rs. 3.00)	
6. IS : 1683—1973 Specification for barytes for rubber industry (first revision)	IS : 1683—1960 Specification for barytes for rubber industry	This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for barytes intended for use in the rubber industry (Price Rs. 3.00)	
7. IS : 1769 (Pt. I)—1973 Specification for cigars and cheroots. Part I Cigars (first revision).	IS : 1769—1961 Specification for cigars and cheroots	This standard prescribes the requirements and the methods of test for cigars, manufactured in India (Price Rs. 4.00)	
8. IS : 1805—1973 Glossary of terms relating to stones : Quarrying and dressing (first revision)	IS : 1805—1961 Glossary of terms relating to building stones; Occurrence, quarrying and dressing	This standard covers definitions of terms relating to stone (used for construction purposes) quarrying and dressing including the tools used for these (Price Rs. 3.00)	
9. IS : 1885 (Part IV/Sec 2)—1973 Electrotechnical vocabulary. Part IV Electron tubes. Section 2 X-Ray tubes (first revision)	IS : 1885 (Part IV/Sec 2)—1965 Electrotechnical vocabulary Part IV Electron tubes Section 2 X-ray tubes	This standard covers definitions of terms used in connection with X-ray tubes (Price Rs. 5.50)	
10. IS : 1920—1973 Specification for hemp lines (first revision)	IS : 1920—1961 Specification for white Indian hemp line	This standard prescribes the requirements of six varieties of hawser-laid hemp lines (Price Rs. 3.00)	
11. IS : 2058—1973 Specification for shuttles for pirn-changing automatic cotton looms (first revision)	IS : 2058—1962 Specification for shuttles for pirn-changing automatic cotton looms	This standard gives dimensional details and other requirements for shuttles for pirn-changing automatic cotton looms (Price Rs. 3.00)	

(1)	(2)	(3)	(4)
12. IS : 2099—1973 Specification for bushings for alternating voltages above 1,000 volts (first revision)	IS : 2099—1962 Specification for high voltage porcelain bushings*		This standard covers rated values, performance requirements, and tests, for bushings for three-phase alternating current systems, having rated voltages above 1000 volts and frequencies between 15 Hz and 60 Hz. (Price Rs. 12.00)
13. IS : 2242—1973 Specification for ice chambers for 40 and 50 litre milk cans (first revision)	IS : 2242—1962 Specification for ice chambers for 40 and 50 litre milk cans		This standard specifies dimensions and other requirements for ice chambers for 40 and 50 litre milk cans conforming to IS : 1373—1967 Specification for tinned milk steel milk cans (second revision) and IS : 1825—1971 Specification for aluminium milk cans. (Price Rs. 3.00)
14. IS : 2500 (Part I)—1973 Sampling inspection tables. Part I inspection by attributes and by count of defects (first revision)	IS : 2500 (Part I)—1963 Sampling inspection tables Part I inspection by attributes and by count of defects		This standard provides tables of sampling inspection plans for lot by lot inspection when the inspection is done by attribute or by count of defects (Price Rs. 16.50)
15. IS : 2833—1973 Specification for aniline, technical (first revision)	IS : 2833—1964 Specification for aniline technical		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for aniline, technical (Price Rs. 3.00)
16. IS : 2911 (Part III)—1973 Code of practice for design and construction of pile foundations Part III under reamed pile foundations	—		This standard covers the design and construction of under-reamed pile foundations which may be of following types : (a) Bored and cast in situ concrete piles having one or more bulb(s) formed along the stem, and (b) Bored compaction piles (Price Rs. 7.50)
17. IS : 2928—1973 Specification for pressure-retaining knapsack sprayer (first revision)	IS : 2928—1964 Specification for pressure-retaining knapsack sprayer.		This standard prescribes the material of construction, the necessary dimensions for the purpose of interchangeability, performance requirements and the methods of testing the performance of pressure retaining knapsack sprayer, used primarily for spraying pesticides and other liquids (Price Rs. 6.00)
18. IS : 3329—1973 Specification for socks, cotton (first revision)	IS : 3329—1965 Specification for gent's cotton socks (made on hand-driven machines)		This standard prescribes the constructional details and other particulars of seamless cotton socks knitted in plain or rib stitches having rib top. The socks may be reached or dyed (Price Rs. 5.50)
19. IS : 3495 (Parts I to IV)—1973 Method of tests of clay building bricks (first revision)	IS : 3495—1966 Method of sampling and testing clay building bricks		This standard (Parts I to IV) cover the method of tests of clay building bricks for determination of compressive strength, water absorption, efflorescence and warpage (Price Rs. 5.50)
20. IS : 3552—1973 Specification for flat nose pliers without cutter, long (first revision)	IS : 3552—1966 Specification for flat nose pliers.		This standard lays down the dimensions and requirements for flat nose pliers without cutter, long (Price Rs. 3.00)
21. IS : 3600 (Part I)—1973 Method of testing fusion welded joints and weld metal in steel (Part I) General tests (first revision)	IS : 3600—1966 Code of procedure for testing of fusion welded joints and weld metal in steel		This standard deals with methods for the testing of fusion welded joints and weld metal in steel but does not include non-destructive examination. It specifies the shape and dimensions of the standard test specimens for the various tests and the standard methods of testing (Price Rs. 8.00)
22. IS : 3650—1973 Specification for combination side cutting pliers (first revision).	IS : 3650—1966 Specification for combination side cutting pliers.		This standard lays down the requirements for combination side cutting pliers (Price Rs. 3.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
23. IS:3700 (Part III)-1973 Essential rating and characteristics of semiconductor devices Part III Rectifier diodes (first revision)	IS:3700 (Part III) 1967 Essential rating and characteristics of semiconductor devices Part III Rectifier diodes		This standard covers essential ratings and characteristics and other information to be specified in the case of individual semiconductor rectifier diodes including avalanche rectifier diodes and controlled avalanche rectifier diodes. (Price Rs. 4.00)
24. IS:4095-1973 Specification for pincers (first revision)	IS:4095-1967 Specification for carpenters' pincers		This standard lays down the requirements for pincers (Price Rs. 3.00)
25. IS:4378-1973 Specification for nippers (first revision)	IS:4783-1967 Specification for nippers		This standard lays down the requirements for two types of nippers (Price Rs. 3.00)
26. IS:4575-1973 Code for handling of fibre ropes (first revision)	IS:4375-1968 Code for handling of fibre ropes		This standard examines the causes responsible for damage of fibre ropes and suggests measures for their care and safe use (Price Rs. 5.00)
27. IS:4764-1973 Tolerance limits for sewage effluents discharged into inland surface waters (first revision)	IS:4764-1968 Tolerance limits for sewage effluents discharged into inland surface waters		This standard lays down the tolerance limits for sewage effluents discharged into inland surface water (Price Rs. 2.50)
28. IS:5000(OD15)-1973 Dimensions of semiconductor devices device outline OD15	—		This standard specifies the dimensions of semiconductor devices. (Price Rs. 3.00)
29. IS:5083-1973 Specification for knifing stopper (first revision)	IS:5083-1969 Specification for knifing stopper		This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for knifing stopper. This material is used for filling up dents and uneven spots, in conjunction with other materials. This material constitutes a part of the painting schedule for a rail coach. (Price Rs. 4.00)
30. IS:5182 (Part VII)-1973 Methods for measurement of air pollution Part VII hydrogen sulphide	—		This standard prescribes a method for the measurement of concentration of hydrogen sulphide in community air. (Price Rs. 4.00)
31. IS:6297 (Part II)-1973 Specification for transformers and inductors (Power, audio, pulse and switching) for electronic equipment Part II power transformers	IS:591-1964 Specification for mains transformers for electronic equipment (revised)		This standard lays down the tests and requirements for power transformers with one winding (auto-transformers) or more windings of power input not exceeding 2 KVA intended for use in electronic equipments, such as radio receivers, audio amplifiers, small transmitters and similar other devices. (Price Rs. 5.00)
32. IS:6461 (Part VII)-1973 Glossary of terms relating to cement concrete Part VII Mixing, laying, compaction, curing and other construction aspects	—		This standard covers definitions of terms relating to mixing, laying, compaction, curing and other construction aspects. (Price Rs. 10.00)
33. IS:6720-1972 Reference tables for platinum/30 percent rhodium-platinum/6 percent rhodium thermocouples	—		This standard gives the reference tables of emf-temperature relationship for platinum/30 percent rhodium-platinum 6 percent rhodium thermocouples. (Price Rs. 7.00)
34. IS:6749-1972 Glossary of terms relating to alcohol (ethyl) industry and trade	—		This standard defines the technical terms relating to alcohol (ethyl) industry and trade, covering: (a) alcohol fermentation and brewing, (b) production and distillation of alcohol, (c) beverage alcohol, (d) industrial alcohol, and (e) testing of alcohol and alcoholic beverages (Price Rs. 16.00)
35. IS:6932 (Part I to X)-1973 Methods of tests for building lines	—		This standard specifies various methods for testing qualitative requirements of building lines (Price Rs. 15.00)

1	2	3	4
36.	IS:6940-1973 Methods of tests for pesticides and their formulations	—	This standard specifies general methods of tests for technical grade pesticides and their different formulations. (Price Rs. 9.00)
37.	IS:6967-1973 Specification for steels for electrically welded round link chains	—	This standard covers the requirements for steels for electrically welded round link chains in the form of billets and bars. (Price Rs. 5.00)
38.	IS:9673-1973 Specification for precision angle plates	—	This standard covers requirements for precision angle plates. (Price Rs. 4.00)
39.	IS:6977-1973 Specification for 1,5-diamino-anthraquinone, technical	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for 1,5-diaminoanthraquinone, technical. (Price Rs. 3.00)
40.	IS:6981-1973 Specification for glass jars for air-depolarized primary (caustic soda) wet cells	—	This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for glass jars for air-depolarized primary (caustic soda) wet cells. (Price Rs. 3.00)
41.	IS:6987-1973 Specification for steel precision polygons	—	This standard covers requirements for steel precision polygons of regular form designed for use with an autocollimator in measuring angular displacements. (Price Rs. 5.00)
42.	IS:6988-1973 Specification for fine china dinner-ware	—	This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for fine china dinnerware. (Price Rs. 6.00)
43.	IS:6996-1973 Specification for knife, cartilage	—	This standard covers the requirements for cartilage knife. (Price Rs. 3.00)
44.	IS:6998-1973 Specification for special screw for SACH foot	—	This standard specifies the dimensional and other requirements for special screw for SACH foot. (Price Rs. 3.00)
45.	IS:7004-1973 Specification for yeast extract, microbiological grade	—	This standard prescribes requirements and methods of test for yeast extract, microbiological grade. (Price Rs. 3.00)
46.	IS:7005-1973 Code for hygienic conditions for production, processing, transportation and distribution of milk	—	This code prescribes the hygienic conditions and hygienic practices for production, processing, storage, transportation and distribution of milk. (Price Rs. 7.50)
47.	IS:7008 (Part I)-1973 ISO metric trapezoidal screw thread Part I basic and design profiles	—	This standard details with basic and design profiles for ISO metric trapezoidal screw threads in the diameter range 8 to 300 mm. (Price Rs. 4.00)
48.	IS:7013-1973 Schedule for radio dial lamps	—	This standard prescribes overall dimensions, cap details and essential electrical characteristics for radio dial lamps. (Price Rs. 4.00)
49.	IS:7014-1973 Specification for length bars	—	This standard covers the requirements of length bars of the cylindrical type in sizes up to 1200 mm, having parallel and faces finished by lapping. Two design of length bars have been provided, one with plane faces and the other with annular faces surrounding an internally threaded hole at one end or at both ends of the bar. (Price Rs. 7.00)
50.	IS:7016 (Part II)-1973 Methods of test for coated and treated fabrics Part II determination of breaking strength and extension at break	—	This standard covers methods of test for determination of breaking strength and extension at break of all types of coated and treated fabrics. (Price Rs. 2.50)

(1)	(2)	(3)	(4)
51.	IS : 7016 (Part IID)-1973 Methods of test for coated and treated fabrics Part III determination of tear strength	—	This standard prescribes three methods for determination of tear strength of coated and treated fabrics. These test methods are not applicable for laminated and nonwoven fabrics (Price Rs. 3.00)
52.	IS : 7016 (Part IV)-1973 Methods of test for coated and treated fabrics Part IV determination of resistance of damage by flexing	—	This standard prescribes two methods for determination of resistance to damage by flexing of coated and treated fabrics. (Price Rs. 3.00)
53.	IS : 7016 (Part V)-1973 Methods of test for coated and treated fabrics Part V determination of coating adhesion	—	This standard describes method of test for the determination of adhesion of coating for coated and treated fabrics in which there is a distinct coating (Price Rs. 3.00)
54.	IS : 7016 (Part VI)-1973 Methods of test for coated and treated fabrics Part VI determination of bursting strength	—	This standard describes two methods of determining the bursting strength of coated and treated fabrics. (Price Rs. 3.00)
55.	IS : 7016 (Part VII)-1973 Methods of tests for coated and treated fabrics Part VII determination of water-proofness	—	This standard prescribes two methods of test for determination of water-proofness of coated and treated fabrics of all types (Price Rs. 3.00)
56.	IS : 7017-1973 Method for colorimetric determination of traces of heavy metals by dithizone	—	This standard prescribes the colorimetric method of determination of traces of heavy metals (as lead) by dithizone methods (Price Rs. 2.50)
57.	IS : 7021-1973 Specification for protein-rich food supplements for infants and pre-school children	—	This standard prescribes the requirement and the method of sampling and test for protein-rich food supplements for infants and pre-school children between 18 months and 5 years of age (Price Rs. 3.00)
58.	IS : 7022 (Part I)-1973 Glossary of terms relating to water, sewage and industrial effluents, Part I	—	This standard defines the terms widely used in relation to water, sewage and industrial effluents (Price Rs. 10.50)
59.	IS : 7024-1973 Specification for ghee and edible oil tins (round and square)	—	This standard prescribes the requirements of round and square tinplate containers packing ghee and edible oils. This standard covers 4 kg, 2 kg, 1 kg and 0.5 kg sizes for round tins and 4 kg and 2 kg sizes for square tins (Price Rs. 5.00)
60.	IS : 7025-1973 Guidance on Solar radiation testing	—	This standard gives guidance regarding test for effects of solar radiation on electronic and electrical equipment and components at the surface of the earth (Price Rs. 7.50)
61.	IS : 7027-1973 Specification for transistorized ballasts for fluorescent lamps	—	This specification covers transistorized ballasts for use on dc supplies, having rated voltages not exceeding 250V associated with fluorescent lamps with preheated cathodes, operated without a starter switch and complying with IS : 2418-1964 (Price Rs. 5.50)
62.	IS : 7029-1973 Code of practice for inhibition of corrosion of internal combustion engine coolant water	—	This standard prescribes methods for cleaning of the cooling system of internal combustion engines free from scales and subsequently inhibiting the coolant with suitable material for protection against corrosion and prevention of scale formation (Price Rs. 5.00)
63.	IS : 7035-1973 Specification of fermented milk products	—	This standard prescribes the types, requirements, methods of sampling and test for fermented milk products (Price Rs. 3.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
64. IS : 7038-1973 Specification for chloroplatinic acid (platinum chloride)	—	—	This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for chloroplatinic acid (platinum chloride) (Price Rs. 4.00)
65. IS : 7041-1973 Specification for Carpenters' plain brace	—	—	This standard covers the requirements for carpenters' plain brace (Price Rs. 3.00)
66. IS : 7042-1973 Specification for carpenters' ratchet brace	—	—	This standard covers the requirements for carpenters ratchet brace (Price Rs. 3.00)
67. IS : 7046-1973 Guide for selection of harbour tugs	—	—	This standard provides guidance on the various salient features which have to be considered in the selection of modern harbour tugs to meet the need of the modern ships (Price Rs. 5.50)
68. IS : 7074-1973 Timbers used in instrument industry	—	—	This standard covers the various species of timber used by the instrument industry with their botanical as well as commonly used trade names (Price Rs. 2.50)
69. IS : 7048-1973 Specification for small steel square weather tight hatch cover	—	—	This standard specifies the dimensions and requirements for small weathertight hatch covers for a range of sizes to a common basic design, but with variations in the arrangement of securing and stiffening to suit the increases in size. (Price Rs. 4.00)
70. IS : 7049-1973 Code for handling, processing, quality evaluation and storage of poultry	—	—	This code lays down guidelines for efficient handling, processing, quality, evaluation and cold storage of poultry (Price Rs. 4.00)
71. IS : 7050-1973 Measurements for men's manila shirts	—	—	This standard specifies measurements of different portions of men's manila shirts essential for good fitting. The fit range, namely, height and chest right of body has also been given (Price Rs. 2.50)
72. IS : 7051-1973 Specification for power maize shellers	—	—	This standard specifies the material, performance and other requirements for power maize shellers (Price Rs. 4.00)
73. IS : 7052-1973 Test code for power maize shellers	—	—	This code prescribes method of testing of power maize shellers to evaluate their performance and durability (Price Rs. 8.00)
74. IS : 7053-1973 Basic requirements for a stall for sale of meat of small animals	—	—	This standard covers typical layout plan, hygienic conditions and basic requirements for a stall for sale of goat and sheep meat Price Rs. 3.00
75. IS : 7055-1973 Specification for drivers, kuntscher, nail, orthopaedic	—	—	This standard specifies the dimensional and other requirements of kuntscher nail drivers used in orthopaedic surgery (Price Rs. 3.00)
76. IS : 7056-1973 Specification for cotton huckaback towels	—	—	This standard prescribes the constructional details and other requirements of cotton huckaback towels, bleached or dyed (Price Rs. 2.50)
77. IS : 7057-1973 Specification for cotton Turkish towels	—	—	This standard prescribes the constructional particulars and other details of Turkish towels, bleached or dyed (Price Rs. 2.50)
78. IS : 7058-1973 Specification for table wines	—	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for table wines (still wines) (Price Rs. 3.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
79. IS : 7059-1973 Specification for solvent extracted sal seed meal for feeding livestock	—	—	This standard prescribes requirements and the methods of sampling and test for solvent extracted sal (<i>Shorea robusta</i>) seed meal for feeding live stock. (Price Rs. 3.00)
80. IS : 7060-1973 Specification for blood meal as livestock feed	—	—	This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for blood meal as livestock feed. (Price Rs. 3.00)
81. IS : 7056-1973 Specification for trays, instrument-cabinet, dental	—	—	This standard specifies the dimensions and other requirements for dental instruments- cabinet trays. (Price Rs. 4.00)
82. IS : 7057-1973 Specification for fluoboric acid and metal fluoborates for electroplating	—	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for fluoboric acid and the following metal fluoborates for electroplating : (a) Lead fluoborate, (b) Tin fluoborate, (c) Copper fluoborate, (d) Zinc fluoborate, and (e) Sodium fluoborate (Price Rs. 8.00)
83. IS : 7059-1973 Specification for benzothiazyl-2-cyclohexyl sulphenamide	—	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for benzothiazyl-2-cyclohexyl sulphenamide intended for use in rubber compounding as a delayed action accelerator. This standard is only for the powder form (without being treated with dedusting or binding agents). (Price Rs. 4.00)
84. IS : 7073 (Part I)-1973 Glossary of terms relating to air cargo pallets and containers Part I Air cargo pallets	—	—	This standard covers basic terms relating to air cargo pallets. (Price Rs. 3.00)
85. IS : 7085-1973 Specification for polyester cotton shirting	—	—	This standard prescribes requirements for market varieties of shirting made from yarn manufactured by blending polyester staple fibre with cotton. (Price Rs. 4.00)
86. IS : 7091-1973 Specification for lifter, bed, adjustable	—	—	This standard specifies the dimensions and other requirements for adjustable bed lifter intended for use in hospitals to lift the head and foot end of beds. (Price Rs. 3.00)
87. IS : 7104-1973 Specification for poplin (market variety)	—	—	This standard prescribes the requirements of market varieties of cotton poplin. (Price Rs. 3.00)
88. IS : 7109-1973 Specification for starter, staple, orthopaedic	—	—	This standard specifies dimensions and other requirements for staple starter used for guiding the staple in the bone. (Price Rs. 3.00)
89. IS : 7110-1973 Specification for pins, Rush, intramedullary	—	—	This standard specifies dimensions and other requirements for Rush intramedullary pins used in orthopaedic surgery. (Price Rs. 3.00)
90. IS : 7111-1973 Specification for inserter, staple, orthopaedic	—	—	This standard specifies dimensions and other requirements for staple inserter used for inserting the staples in the bone (Price Rs. 3.00)
91. IS : 7116-1973 Specification for Forceps, midwifery, short	—	—	This standard specifies dimensional and other requirements for short midwifery forceps. (Price Rs. 3.00)
92. IS : 7117-1973 Specification for scissors, umbilical cord	—	—	This standard specifies dimensional and other requirements for umbilical cord scissors. (Price Rs. 3.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
93. IS : 7119-1973 Specification for cotton cloth for Pagris and pags	—	—	This standard prescribes requirements of cotton cloth, bleached or dyed, used for Pagris and PAGS (Price Rs. 2.50)
94. IS : 7131-1973 Specification for nitrophosphate based granulated fertilizers	—	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for nitrophosphate based granulated fertilizers (Price Rs. 4.00)

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110001 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Chandigarh.

[CMD/13 : 2]

का० छा० 2940.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के प्रधीन यहां अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक की पद संख्या	संस्था	जिम राजपत्र में भारतीय मानक के लैयार संख्या और दिनांक करने की सूचना छपी	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
क्रम संख्या	भौर शीर्षक	भौर शीर्षक	भौर शीर्षक	भौर शीर्षक

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 320—1962 उच्च समाव धीतल की छड़ों और सेक्षनों की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एस और 675 दिनांक 29 फरवरी 1964	संख्या 4 जनवरी 1974	(पद्ध 4, खण्ड 1.1 टिप्पणी 2) टिप्पणी को हटा दीजिए और टिप्पणी 1 को केवल 'टिप्पणी' कर लीजिए।	1 जनवरी 1974	
2. IS : 374—1966 छत में लगाने वाले विजारी के पंखों और रेफ्युलेटरों की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	एस और 1533 दिनांक 29 अप्रैल 1967	संख्या 3 मई, 1974	खण्ड 12.1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 मई 1974	
3. IS : 410—1967 बैस्टिल धीतल की पंखों, चद्दर, पत्ती और पस्ती की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	एस और 4633 दिनांक 30 दिसम्बर 1967	संख्या 2	सारणी 2 का संशोधन किया गया है और खण्ड 9.3 में नई सामग्री जोड़ी गई है।	1 दिसम्बर 1974	
4. IS : 841—1968 हाथ के हृषीङों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस और 2766 दिनांक 10 अप्रैल 1968	संख्या 1 अप्रैल, 1974	(1) खण्ड 5.3 के स्थान पर नया खण्ड जोड़ा गया है, और (2) मालिकता 1 का संशोधन किया गया है।	1 अप्रैल, 1974	
5. IS : 942—1966 आग बुझाने के 275-सि/मि. सुखाह पम्प सेट की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	एस और 4023 दिनांक 31 दिसम्बर 1966	संख्या 2 अप्रैल, 1974	खण्ड 4.1.2.4 (सी) की वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है।	1 अप्रैल, 1974	
6. IS : 943—1966 आग बुझाने के 680-सि/मि. ट्रेसर पम्प की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस और 913 दिनांक 18 मार्च, 1967	संख्या 2 मार्च, 1974	खण्ड 4.3.2 (सी) की वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है।	1 मार्च, 1974	
7. IS : 944—1966 आग बुझाने के 1800-सि/मि. आगे ट्रेलर पम्प की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस और 913 दिनांक 18 मार्च, 1967	संख्या 2 अप्रैल, 1974	खण्ड 4.3.2(सी) में वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है।	1 अप्रैल, 1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8. IS : 945—1966 आग बुझाने के लिए एस आरो 913 1800-लि/मि. बाले मोटर इंजिन की विशिष्टि	संख्या 1 प्रभ्रेल, 1974	संख्या 1 प्रभ्रेल, 1974	(1) (पृष्ठ 4, खण्ड 2, 3 पंक्ति 2) — 1 प्रभ्रेल, 1974 “‘17’ की भी” के स्थान पर “‘17’ भी” कर लिजिए। (2) खण्ड 4, 7, 2(ए) (3) में वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है, प्रौर (3) परिशिष्ट ‘भी’ का संशोधन किया गया है।		
9. IS : 946—1959 आग बुझाने के लिए एस आरो 1037 3200-लि/मि. (या 700 गैलन/मि.) विनाक 30 प्रभ्रेल, बाले मोटर इंजिन की विशिष्टि	संख्या 1 जून, 1974	संख्या 1 मार्च, 1974	(1) खण्ड 4, 7, 2(सी) में वर्तमान 1 जून, 1974 सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है। (2) परिशिष्ट ‘भी’ का संशोधन किया गया है। परिशिष्ट ‘भी’ का संशोधन किया गया है। 1 मार्च, 1974		
10. IS : 947—1970 दमकल के लिए ट्रेलर एस आरो 814 पम्प के बाहर टेंडर की विशिष्टि विनाक 15 प्रभ्रेल, 1961	संख्या 1 मार्च, 1974	संख्या 1 प्रभ्रेल, 1974			
11. IS : 948—1970 दमकल के लिए एस आरो 1955 पानी के टेंडर टाइप ‘ए’ की विशिष्टि विनाक 24 जून, 1972 मार्च, 1974 (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 प्रभ्रेल, 1974	(1) परिशिष्ट ‘ए’ में मद 4 के स्थान 1 मार्च, 1974 पर नया मद दिया गया है। (2) पृष्ठ 16 पर नीचे की प्रौर एक नई पाव दिप्पणी जोड़ी गई है। (पृष्ठ 25, परिशिष्ट ए, मद 2, स्लाम्प 1 मार्च, 1974 3) — ‘24 Lengths’ के स्थान पर ‘20 Lengths’ कर लीजिए।		
12. IS : 951—1969 फेन और कार्बनडाइ- एस आरो 3740 आक्साइड बाले संयुक्त कैमा टेंडर की विनाक 9 प्रभ्रूमर, विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 मार्च, 1974	पृष्ठ 2 पर वर्तमान कर्मीदल सूची के 1 फरवरी, 1974 स्थान पर नई सूची दी गई है।		
13. IS : 1148—1973 संरचना कार्यों के लिए गर्म बेलित इस्पात की रिवेट छड़ों (40 मिमी तक व्यास) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 फरवरी, 1974	पृष्ठ 2 पर वर्तमान कर्मीदल सूची के 1 फरवरी, 1974 स्थान पर नई सूची दी गई है।		
14. IS : 1149—1973 संरचना कार्यों के लिए उच्च तानाब इस्पात की रिवेट छड़ों की विशिष्टि (दूसरा पुनरी- क्षण)	—	संख्या 1 फरवरी, 1974	पृष्ठ 13.1 के अन्त में एक दिप्पणी 1 जून, 1974 जोड़ी गई है।		
15. IS : 1169—1967 बिजली के पेजस- एस आरो 1720 टप वंडों और रेम्प्लेटरों की विशिष्टि विनाक 18 मई 1968 जून, 1974 (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 3 मई, 1974	मार्णी 1, 5, 10, 11, 12 और 15 का 1 मई, 1974 संशोधन किया गया है।		
16. IS : 1570 (भाग 5)—1972 यिक्वां इस्पात की सूचियां भाग 5 स्टेनलेस और ताप-प्रवरोधी इस्पात (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 मई, 1974	सारणी 2 और 3 का सोधन किया गया है। 1 प्रभ्रेल, 1974		
17. IS : 1715—1973 स्वतः पकड़ बाले टेपर के माप (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 प्रभ्रेल, 1974	पृष्ठ 2 पर वर्तमान कर्मीदल सूची के 1 फरवरी, 1974 स्थान पर नई सूची दी गई है।		
18. IS : 1990—1973 घ्यालों के लिए इस्पात के रिवेट और टेक छड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 फरवरी, 1974	सारणी 1 और 2 का संशोधन किया 1 मार्च, 1974 गया है।		
19. IS : 2029—1971 छलनेदार पानों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस आरो 2802 विनाक 29 सितम्बर 1973	संख्या 1 मार्च, 1974			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. IS : 2030—1971 धार्म पात्रों को विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एम ओ 1635 दिनांक 8 जूलाई 1972	संख्या 1 अप्रैल, 1974	गारणी 3 और 4 का संशोधन किया गया है।	गारणी 3 और 4 का संशोधन किया गया है।	1 अप्रैल, 1974
21. IS : 2073—1970 खामा हंडी-तिकड़ी कारों के लिए मरींगी तुर्जी की तैयारी में प्रयुक्त कार्बन इस्पात की काली छड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एम ओ 1555 दिनांक 24 जूलाई 1972	संख्या 1 मार्च, 1974	(1) खण्ड 1.1, 5.1 और 11.2 11 मार्च, 1973 का संशोधन किया गया है, और	(1) खण्ड 1.1, 5.1 और 11.2 11 मार्च, 1973 का संशोधन किया गया है, और	
22. IS : 2082—1965 भंडारणनुसार स्व-खल बिजली के पानी के होटरों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	—	संख्या 3 अप्रैल, 1974	(2) सारणी 1 और 5 का संशोधन किया गया है।	(1) खण्ड 4.1.1 (संशोधन संख्या 2 भी देखिए) के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	(1) खण्ड 4.1.1 (संशोधन संख्या 2 भी देखिए) के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।
23. IS : 2106 (भाग 18)—1973 हेलेक्ट्रोनिक और बिजली उपकरण के लिए परिवारीय परीक्षण भाग 18 लवण धूंध परीक्षण	—	संख्या 1 अप्रैल, 1974	संख्या 1 अप्रैल, 1974	(2) (पृष्ठ 7, खण्ड 4.2.1 (संशोधन संख्या 2 भी देखिए) इस खण्ड को हटा दीजिए, और यो प्रणाली की संख्या ठीक कर दीजिए।	(2) (पृष्ठ 7, खण्ड 4.2.1 (संशोधन संख्या 2 भी देखिए) इस खण्ड को हटा दीजिए, और यो प्रणाली की संख्या ठीक कर दीजिए।
24. IS : 2997—1964 हथा देने वाले बिजली के पंखों और रेम्प्लेटरों की विशिष्टि	एम ओ 664 दिनांक 5 मार्च 1966	संख्या 5 अप्रैल, 1974	खण्ड 13.1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	खण्ड 13.1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 अप्रैल, 1974
25. IS : 3084—1963 स्लेट पगिल की विशिष्टि	एम ओ 3772 दिनांक 4 दिसम्बर, 1965	संख्या 1 अप्रैल, 1974	(1) खण्ड 5.0 से 5.3 तक के स्थान पर 1 अप्रैल, 1974 नए खण्ड दिए गए हैं, और	(1) खण्ड 5.0 से 5.3 तक के स्थान पर 1 अप्रैल, 1974 नए खण्ड दिए गए हैं, और	
26. IS : 3451 (भाग 1)—1966 बुरुणों की देखभाल तथा रखरखाव की नियमिति : भाग 1 पैन सेट बुरुण	एम ओ 3065 दिनांक 15 अक्टूबर, 1966	संख्या 1 जून, 1974	(2) (पृष्ठ 4, खण्ड 9.1(ए) खण्ड 9.1(क) के बाद निम्नलिखित सामग्री जोड़ दीजिए, और यो मदों की क्रम संख्या ठीक कर दीजिए।	(2) (पृष्ठ 4, खण्ड 9.1(ए) खण्ड 9.1(क) के बाद निम्नलिखित सामग्री जोड़ दीजिए, और यो मदों की क्रम संख्या ठीक कर दीजिए।	
27. IS : 4057—1967 धातु के सांचे वाले बक्कड़ों के बेंच रेम्प्लेटरों की विशिष्टि	एम ओ 2654 दिनांक 5 अगस्त, 1967	संख्या 4 मार्च, 1974	(बी) "quantity packed number of spats and ply" खण्ड 3.4 का संशोधन किया गया है। 1 जून, 1974	(बी) "quantity packed number of spats and ply" खण्ड 3.4 का संशोधन किया गया है। 1 जून, 1974	
28. IS : 4218 (भाग 4) मीटरी पेट्रों की चूड़ियाँ भाग 4 सूट देने की प्रणाली	एम ओ 683 दिनांक 24 फरवरी, 1968	संख्या 1 मई, 1974	(1) खण्ड 4.5 के नीचे दी टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	(1) खण्ड 4.5 के नीचे दी टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1 मार्च, 1974
29. IS : 4327—1967 जलयानों में काम प्राप्त वाले बिजली के पंखों और रेम्प्लेटरों की विशिष्टि	एम ओ 2766 दिनांक 10 अगस्त, 1968	संख्या 3 जून, 1974	(2) खण्ड 13.1 का संशोधन किया गया है।	(2) खण्ड 13.1 का संशोधन किया गया है।	
30. IS : 4476—1967 इस्पात की फाउंड्रिंगों के लिए ब्रेन गे लटकने हाथ चालित गियरदार मैडिल की विशिष्टि	एम ओ 2036 8 जून 1968	संख्या 1 मार्च, 1974	आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दी गई है, और खण्ड 9 का संशोधन किया गया है।	आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दी गई है, और खण्ड 9 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1974
31. IS : 5099—1969 ट्रिवस्ट ड्रिल की सप्लाई की सकलीकी शर्तें	एम ओ 3542 दिनांक 25 दिसम्बर, 1971	संख्या 2 जूलाई, 1974	खण्ड 13.1 के बाद नई टिप्पणी जोड़ी गई है।	खण्ड 13.1 के बाद नई टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 जून, 1974
			(पृष्ठ 11, सारणी 2, स्लेम 2, ऊपर से मौतवी हंदराज) — '1195' के स्थान पर '1295' कर दीजिए।	(पृष्ठ 11, सारणी 2, स्लेम 2, ऊपर से मौतवी हंदराज) — '1195' के स्थान पर '1295' कर दीजिए।	
			खण्ड 5.9 के नीचे अनोपचारिक सारणी का संशोधन किया गया है।	खण्ड 5.9 के नीचे अनोपचारिक सारणी का संशोधन किया गया है।	1 जूलाई, 1974

1	2	3	4	5	6
32. IS : 5176—1969 तीन पान वाली सनकी डॉरियो और रस्सों की विशिष्टि	—	संख्या 1 जूलाई, 1974	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 जुलाई, 1974	
33. IS : 5372—1969 नालियों के लिए गावदुम बाहर (आई एस एम सी) की विशिष्टि	—	संख्या 1 प्रैल, 1974	खण्ड 1 और सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 प्रैल, 1974	
34. IS : 5446—1969 समांतर शैकों वाले अक रीमरों की विशिष्टि	एस एम 2110 दिनांक 29 मई, 1971	संख्या 1 मार्च, 1974	खण्ड 2 के नीचे की सारणी का संशोधन किया गया है।	1 मार्च, 1974	
35. IS : 5447—1969 मोर्स गावदुम शैकों के अक रीमरों की विशिष्टि	एस एम 3544 दिनांक 25 सितम्बर, 1971	संख्या 1 प्रैल, 1974	खण्ड 2 के नीचे की सारणी का संशोधन किया गया है।	1 प्रैल, 1974	
36. IS : 5996—1970 शूटी पट्टे के डकों की विशिष्टि	एस एम 3305 दिनांक 21 अक्टूबर, 1972	संख्या 1 जूलाई, 1974	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 जुलाई, 1974	
37. IS : 6015—1970 बेरियम हाइ-ड्राइसाइड की विशिष्टि	एस एम 3318 दिनांक 21 अक्टूबर, 1972	संख्या 1 जूलाई, 1974	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 जुलाई, 1974	
38. IS : 6067—1971 इम्कल के टाइप एक्स पानी के टेप्स की विशिष्टि	एस एम 120 दिनांक 13 जनवरी, 1973	संख्या 1 प्रैल, 1974	परिशिष्ट 'ए' का संशोधन किया गया है।	1 प्रैल, 1974	
39. IS : 6088—1971 ट्रांसफार्मरों के तेल से जल ताप विनियोग की विशिष्टि	एस एम 3056 दिनांक 27 अक्टूबर, 1973	संख्या 1 जून, 1974	(1) सारणी 1 और 2 का संशोधन किया गया है। (2) (पृष्ठ 11, सारणी 3) — वर्तमान सारणी के स्वाम इस संशोधन के पृष्ठ 2 की सारणी कर लीजिए।	1 जून, 1974	
40. IS : 6162(भाग 1)—1971 कागज लके एल्युमिनियम बालकों की विशिष्टि	एस एम 2802 दिनांक 29 सितम्बर, भाग 1 गोल चालक 1973	संख्या 1 मई, 1974	खण्ड 3. 1 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1974	
41. IS : 6680—1972 रेल छिपों के पट्टों की विशिष्टि	—	संख्या 1 मई, 1974	खण्ड 13. 1 के बाव एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 मई, 1974	

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, ९ बहादुरगाह जफर मार्ग, नई दिल्ली तथा उसके महमाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडी-गढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं. सी एम डी/13.5]
८० डॉ गुप्ता, उप-महानिदेशक

S.O. 2940.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard (s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
1	2	3	4	5	6
1.	IS : 320-1962 Specification for high tensile brass rods and sections (Revised)	S.O. 675 dated 29 Feb. 1964	No. 4 Jan. 1974	(Page 4, clause 1.1, Note 2)- Delete the note and re-designate 'Note 1' as 'Note'.	1 Jan. 1974

1	2	3	4	5	6
2.	IS : 374-1966 Specification for electric ceiling type fans and regulators (Second revision)	S.O. 1533 dated 29 Apr. 1967	No. 3 May, 1974	A note has been added after clause 12.1.	1 May, 1974
3.	IS : 410-1967 Specification for rolled brass plate, sheet, strip and foil (Second revisions)	S.O. 4633 dated 30 Dec. 1967	No. 2 Feb. 1974	Table 2 has been amended and new matter added in clause 9.3.	1 Feb. 1974
4.	IS : 841-1968 Specification for hand hammers (First revision)	S.O. 2766 dated 10 Aug. 1968	No. 1 Apr. 1974	(i) Clause 5.3 has been substituted by a new one and (ii) Fig. 1 has been amended.	1 Apr. 1974
5.	IS : 942-1966 Specification for 275-1/ min portable pump set for fire fighting (Revised)	S.O. 4023 dated 31 Dec. 1966	No. 2 Apr. 1974	The existing matter of clause 4.1.2.4 (c) has been substituted by new one.	1 Apr. 1974
6.	IS : 943-1966 Specification for 680-1/ min trailer pump for fire brigade use (First revision)	S.O. 913 dated 18 Mar. 1967	No. 2 Mar. 1974	The existing matter of clause 4.3.2. (c) has been substituted by new one.	1 Mar. 1974
7.	IS : 944-1966 Specification for 1800- min trailer pump for fire brigade use (First revision)	S.O. 913 dated 18 Mar. 1967	No. 2 Apr. 1974	The existing matter of clause 4.3.2. (c) has been substituted by new one.	1 Apr. 1974
8.	IS : 945-1966 Specification for 1800-1/ min motor fire engine (First revision)	S.O. 913 dated 18 Mar. 1967	No. 1 Apr. 1974	(i) Page 4, clause 2.3, line 2)-Substitute '17 m' for '17 km'. (ii) The existing matter of clause 4.7.2.(a)(3) has been substituted by New one and (iii) Appendix B has been amended.	1 Apr. 1974
9.	IS:946-1959 Specification for 3200-1/ min (or 700-gal/min) motor fire engine	S.O. 1037 dated 30 Apr. 1960	No. 1 June 1974	(i) The existing matter of clause 4.7-2 (c) has been substituted by new one and (ii) Appendix B has been amended	1 June 1974
10.	IS:947-1960 Specification for towing tender for trailer pump for fire brigade use	S.O. 814 Dated 15 Apr. 1961	No. 1 Mar. 1974	Appendix B has been amended.	1 Mar. 1974
11.	IS:948-1970 Specification for water tender type A, for fire brigade use (First Revision)	S.O. 1555 Dated 24 June 1972	No. 1 Mar. 1974	(i) Item 4 of appendix A has been substituted by new one (ii) A foot-note has been added at the bottom of the page 16	1 Mar. 1974
12.	IS:951-1969 Specification for combined foam and CO ₂ crash tender (first revision)	S.O. 3740 Dated 9 Oct. 1971	No. 1 Mar. 1974	(Page 25, Appendix A, item 2, col 3)-Substitute '20 lengths' for '24 lengths'	1 Mar. 1974
13.	IS:1148-1972 Specification for hot rolled steel rivet bars (Upto 40 mm diameter) for structural purposes. (Second revision).	—	No. 1 Feb. 1974	The existing composition of the panel, at page 2, has been substituted by new one.	1 Feb. 1974
14.	IS:1149-1973 Specification for high tensile steel rivet bars for structural purposes (Second revision)	—	No. 1 Feb. 1974	The existing composition of the panel, at page 2, has been substituted by new one.	1 Feb. 1974
15.	IS:1169-1967 Specification for electric pedestal type fans angulators (First revision)	S.O. 1720 Dated 18 May 1968	No. 3 Jun. 1974	A note has been added at the end of clause 13.1.	1 June 1974
16.	IS:1570 (Part V)-1972 Scheduled for wrought steels Part V Stainless and heat-resisting steels (First revision)	—	No. 1 May 1974	Tables 1, 5, 10, 11, 12 and 15 have been amended.	1 May 1974
17.	IS:1715-1973 Dimensions for self-holding tapers (First revision)	—	No. 1 Apr. 1974	Tables 2 and 3 have been amended.	1 Apr. 1974
18.	IS:1990-1973 Specification for steel rivet and stay bars for boilers (First revision)	—	No. 1 Feb. 1974	The existing composition of the panel, at page 2, has been substituted by new one.	1 Feb. 1974
19.	IS:2029-1971 Specification for ring spanners (First revision)	S.O. 2802 Dated 29 Sep. 1974	No. 1 Mar. 1974	Tables 1 and 2 have been amended.	1 Mar. 1974
20.	IS:2030-1971 Specification for Box Spanners. (First revision)	S.O. 1635 Dated 8 July 1972.	No. 1 Apr. 1974	Tables 3 and 4 have been amended.	1 Apr. 1974
21.	IS:2073-1970 Specification for Carbon steel black bars for production of Machined parts for general engineering purposes (First revision)	S.O. 1655 Dated 24 June 1972	No. 1 Mar. 1974	(i) Clauses 1.1, 5.1 and 11.2 have been amended and (ii) Tables 1 and 5 have been amended.	11 Mar. 1973

1	2	3	4	5	6
22.	IS:2082-1965 Specification for Storage type automatic electric water heaters (Revised.)	—	No. 3 Apr. 1974	(i) Clause 4.1.1. (See also Amendment No 2.) has been substituted by a new one and (ii) (Page 7, Clause 4.2.1 (See also Amendment No. 2)- Delete the clause and re-number the subsequent clauses accordingly.	1 Apr. 1974
23.	IS:2106 (Part XVIII)-1973 Environmental tests for electronic and electrical equipment Part XVIII Salt Mist Test.	—	No. 1 Apr. 1974	The existing composition of the panel, at page 2, has been substituted by new one.	1 Apr. 1974
24.	IS:2997-1964 Specification for air circulator type electric fans and regulators	S.O. 664 dated 5 Mar. 1966	No. 5 Apr. 1974	A note has been added after clause 13.1.	1 Apr. 1974
25.	IS:3084-1965 Specification for Pencil Slats.	S.O. 3772 dated 4 Dec. 1965	No. 1 Apr. 1974	(i) Clauses 5.0 to 5.1 have been substituted by a new one, and (ii) [Page 4, clause 9.1 (a)]-Add the following matter after 9.1 (a) and change the subsequent item numbers accordingly. (b) 'Quantity packed-number of slats and ply.'	1 Apr. 1974
26.	IS: 3451(Prt I)-1966 Code of practice for care and maintenance of brushes Part I Pan set Brushes.	S.O.3065 dated 15 Oct 1966	No. 1 Jun 1974	Clause 3.4 has been amended.	1 Jun 1974
27.	IS:4057-1967 Specification Carpenters, metal bodied bench planes.	S.O. 2654 dated 5 Aug. 1967	No. 4 Mar. 1974	(i) Note under clause 4.5 has been substituted by a new one. (ii) Clause 13.1 has been amended.	1 Mar. 1974
28.	IS:4218 (Pt. IV)-1967 ISO metric screw threads Part IV tolerancing system.	S.O. 683 dated 24 Feb. 1968	No. 1 May 1974	Fig. 1 has been substituted by a new one and clause 9 amended.	1 May, 1974
29.	IS:4327-1967 Specification for electric fans and regulators for use in ships.	S.O. 2766 dated 10 Aug. 1968	No. 3 Jun. 1974	A note has been added after clause 13.1.	1 June, 1974
30.	IS:4476-1967 Specification for Crane-suspended hand-operated geared lades for steel foundries.	S.O. 2036 dated 8 Jun. 1968	No. 1 Mar. 1974	(Page 11, Table 2, col 2, seventh entry from the top)-Substitute 1295 'for '1195'.	1 Mar. 1974.
31.	IS:5099-1969 Technical supply conditions for twist drills.	S.O. 3542 dated 25 Sep. 1971	No. 2 Jul. 1974	Informal table under clause 5.9 has been amended.	1 Jul. 1974
32.	IS:5176-1969 Specification for Hawser-Laid hemp line and ropes.	—	No. 1 Jul 1974	Table 1 has been amended.	1 Jul. 1974
33.	IS:5372-1969 Specification for Taper washers for channels (ISM).	—	No. 1 Apr. 1974	Clause 1 and Table 1 have been amended.	1 Apr. 1974
34.	IS:5446-1969 Specification for chucking reamers with parallel shanks.	S.O. 2110 dated 29 May 1971	No. 1 Mar. 1974	Table under clause 2 has been amended.	1 Mar. 197
35.	IS:5447-1969 Specification for chucking reamers with morse taper shanks.	S.O. 3544 dated 25 Sep. 1971	No. 1 Apr. 1974	Table under clause 2 has been amended.	1 Apr. 1974
36.	IS:5996-1970 Specification for cotton belting ducks.	S.O. 3305 dated 21 Oct. 1972	No. 1 Jul. 1974	Table 1 has been amended.	1 Jul. 1974
37.	IS:6015-1970 Specification for Barium Hydroxide.	S.O. 3318 dated 21 Oct. 1972	No. 1 Jul. 1974	Table 1 has been amended.	1 Jul. 1974
38.	IS: 6067-1971 Specification for water tender, type X for fire brigade use.	S.O. 120 dated 13 Jan 1973	No. 1 Jun 1974	Appendix A has been amended.	1 Apr. 1974
39.	IS: 6088-1971 Specification for Oil-to-water heat exchanges for transformers.	S.O. 3056 dated 27 Oct 1973	No. 1 Jan. 1974	(i) Table 1 and 2 have been amended (ii) (page 11, Table 3) Substitute the table on page 2 of this amendment for the existing table:	1 Jun 1974
40.	IS: 6162 (Part 1)-1971 Specification for paper-covered aluminium conductors Part I round conductor	S.O. 2802 dated 29 Sep 1973	No. 1 May 1974	Clause 3.1 has been amended	1 May 1974
41.	IS:6630-1972 Specification for Railway Carriage Fans.	—	No. 1 May 1974	A note has been added after clause 13.1	1 May 1974

Copies of these Amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110001 and its branch offices at Ahmedabad, Bangalore[Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

[No. CMD/13:5]
A.K. GUPTA,
Deputy Director.

का० आ० 2941.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रतिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के मध्यें यहाँ अनुसूची में विद्ये गये भारतीय मानकों के संशोधन जारी किये गये हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या संशोधित भारतीय मानक की जिस राजपत्र में भार- संशोधित मानक की संशोधन का संक्षिप्त विवरण संशोधन लागू होने की पदसंख्या और शीर्षक तीय मानक के तैयार संस्था और दिनांक होने की सूचना छपी थी विद्या होने की सूचना छपी थी विद्या और शीर्षक

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 177—1970 सूती जीत की विशिष्टि एस अ० 1277 (पुनराप्रकाशन)	संस्था 2 फरवरी, 1974 सारणी 1 और 3 का संशोधन किया 1 फरवरी, 1974 विनांक 27 मई 1972	संस्था 2 फरवरी, 1974 सारणी 1 और 3 का संशोधन किया 1 फरवरी, 1974 गया है।			
2. IS : 210—1970 भूरे लोहे की डली एस अ० 3542 वस्तुओं की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	संस्था 1 जून, 1974 (1) खण्ड 6.2 के स्थान पर नया खण्ड 1 जून, 1974 विनांक 25 सितम्बर 1971	संस्था 1 जून, 1974 (1) खण्ड 6.2 के स्थान पर नया खण्ड 1 जून, 1974 जोड़ा गया है।			
3. IS : 1170—1967 फेरोकोमियम की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संस्था 1 अप्रैल, 1974 सारणी 1 के भीचे एक टिप्पणी जोड़ी 1 अप्रैल, 1974 विनांक 20 जनवरी, 1968	संस्था 1 अप्रैल, 1974 सारणी 1 के भीचे एक टिप्पणी जोड़ी 1 अप्रैल, 1974 गई है।			
4. IS : 1258—1967 बैयोनेट नुसा विज्ञास के होल्डरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संस्था 1 अप्रैल, 1974 यह संशोधन माप संबंधी कुछ बातें स्पष्ट करने के लिये जारी किया गया है और इसमें रोमित सैम्बूल्डरों के लिये अज्ञालन-शीलता परीक्षण भी रखा गया है। एस अ० 287 विनांक 20 जनवरी, 1968	संस्था 1 अप्रैल, 1974 यह संशोधन माप संबंधी कुछ बातें स्पष्ट करने के लिये जारी किया गया है और इसमें रोमित सैम्बूल्डरों के लिये अज्ञालन-शीलता परीक्षण भी रखा गया है।			
5. IS: 1489—1967 पोर्टेंड नोट्सोलाना० एस अ० 4114 सीमेंट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संस्था 3 मई, 1974 खण्ड 6. 4 के स्थान पर नया खण्ड विद्या गया 1 मई, 1974 विनांक 11 अक्टूबर, 1969	संस्था 3 मई, 1974 खण्ड 6. 4 के स्थान पर नया खण्ड विद्या गया 1 मई, 1974 है।			
6. IS : 1786—1966 कंप्रीट प्रबलम के लिये ठंडी मरोड़ी इस्पात की सरिया की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	संस्था 4 जून, 1974 पाव टिप्पणी सहित खण्ड 3. 1 के स्थान पर 1 जून, 1974 विनांक 31 दिसम्बर, 1966	*संस्था 4 जून, 1974 पाव टिप्पणी सहित खण्ड 3. 1 के स्थान पर 1 जून, 1974 नया खण्ड तथा पाव टिप्पणी दी गई है।			
7. IS : 1856—1970 जारों में बुलाई कारों के लिये इस्पात की तार के रसों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संस्था 2 अप्रैल, 1974 (पृष्ठ 11, खण्ड 19. 1, पंक्ति 2) “18. 2 1 अप्रैल, 1974 से 18. 6” के स्थान “19. 2 से 19. 6” कर लीजिए। एस अ० 120 विनांक 13 जनवरी, 1974	संस्था 2 अप्रैल, 1974 (पृष्ठ 11, खण्ड 19. 1, पंक्ति 2) “18. 2 1 अप्रैल, 1974 से 18. 6” के स्थान “19. 2 से 19. 6” कर लीजिए।			
8. IS : 1943—1964 ए-ट्रिवल पटसन बोरों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	संस्था 5 विनांक 16 नवम्बर, 1974 सारणी 1 और 2 (दूसरा रिप्रिंट, नवम्बर, 1 फरवरी, 1972) का संशोधन किया गया है और एक नई पाव-टिप्पणी जोड़ी गई है। एस अ० 3951 विनांक 1964	संस्था 5 विनांक 16 नवम्बर, 1974 सारणी 1 और 2 (दूसरा रिप्रिंट, नवम्बर, 1 फरवरी, 1972) का संशोधन किया गया है और एक नई पाव-टिप्पणी जोड़ी गई है।			

*भा सा संस्था (प्रमाणन चिन्ह) योजना कार्यों के लिये यह संशोधन 1 जूलाई, 1974 से लागू हो जायेगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9. IS : 2347--1966 घरेलू पैशर कुकर एस नं 469 की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	दिनांक 11 फरवरी, दिसम्बर, 1973 1967	संख्या 5		(1) खण्ड 5.3 और 5.3.1 का संशोधन किया गया है। (2) परिशिष्ट 'सी' में खण्ड सी 1.1.1 तथा सी 1.1.2 के स्थान पर नए खण्ड जोड़े गये हैं। (3) खण्ड 5.3.1 के बाद नए खण्ड 5.3.2 और 5.4 जोड़े गए हैं; (4) खण्ड 5.4 कम संख्या तीक करके खण्ड 5.5 कर दी गई है। (5) खण्ड डी-1.3 के बाद नए परिशिष्ट 'ई' और 'एक' जोड़े गए हैं।	1 दिसम्बर, 1973
10. IS : 2830--1964 संरचना इस्पात एस नं 895 (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के दिनांक 20 मार्च लिये कार्बन इस्पात की सिलियों की विशिष्टि	1965	संख्या 4	मार्च, 1974	(1) मुख्य पृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3 शीर्षक; 1 मार्च, 1974 और खण्ड 0.3, 0.4, 1.1, 1.1.1, 4.1, 7.1.7.2, 8.1, 8.2, 9.1, और 9.2 (संशोधन संख्या 3 भी देखिए) — शीर्षक अथवा खण्डों में जहां भी शब्द 'billat' हो उसके स्थान पर 'billet, blooms and slabs कर लीजिए। (2) खण्ड 1.1 में नई सामग्री जोड़ी गई है।	
11. IS : 2831--1969 संरचना इस्पात एस नं 639 (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के दिनांक 21 फरवरी, जून, 1974 लिये कार्बन इस्पात की सिलियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1970	संख्या 1		(1) (मुख्य पृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3, शीर्षक और 1 जून, 1974 खण्ड 0.3, 0.5, 1.1, 1.1.1, 4.1, 6.2, 7.0, 7.1, 7.2, 8.1 और 8.2 में) शीर्षक और खण्डों में जहां भी शब्द 'billet' हो, के स्थान पर billet, blooms and slabs कर लीजिए। (2) खण्ड 1.1 में नई सामग्री जोड़ी गई है।	
12. IS : 3114--1965 डलबां लोहे के पाइप विकास की रीति संहिता।	दिनांक 30 जून, जुलाई, 1974 1966	संख्या 1		सारणी 1 के स्थान नई सारणी दी गई 1 जुलाई, 1974 है:	
13. IS : 3625—1971 एल्यूमिनियम के प्लग प्रकार के तकुरों पर उपयोग के लिये तांबे की नलियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	दिनांक 24 मार्च, 1974	संख्या 1	फरवरी, 1974	खण्ड 4.1.2 के स्थान पर माया खण्ड दिया 1 फरवरी, 1974 गया है।	
14. IS : 3735—1966 फैनबस जूतों के खब्बे के तल्लों की विशिष्टि	दिनांक 11 फरवरी, मार्च, 1974 1967	संख्या 1		(1) खण्ड 3.2.6 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) खण्ड 3.4.3 का संशोधन किया गया है। (3) पृष्ठ 6 और 8 पर क्रमशः (§) और (†) चिन्हांकित पाद-टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद-टिप्पणियां दी गई हैं।	
15. IS : 4392--1967 हाथ के बने नमदों की विशिष्टि	दिनांक 18 मार्च, 1968	संख्या 2	अगस्त, 1974	(पृष्ठ 13, खण्ड ए.०५.४, पंक्ति 5 (संशोधन संख्या, 1 भी देखिए) '3 प्रतिशत' के स्थान पर '0.1' एम कर लीजिए।	
16. IS : 4410(भाग-4)--1967 नदी एस नं 2578 थाटी योजनाओं से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली भाग 4 ड्राइंग	दिनांक 20 जुलाई, अगस्त, 1974 1968	संख्या 1		खण्ड 2.2 और 2.7 के स्थान पर नए खण्ड दिये गये हैं।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. IS : 4479—1967 घटन रिकार्ड एस ओ 2578 संख्या 1 (1) खण्ड 4.7.1, 4.8.1.3, 5.1.6, 1 जुलाई, 1974 करने और फिर बजाने के लिये चुनौतीय विनांक 20 जुलाई, 1974 5.4 और 5.6 का संशोधन किया गया है।	करने और फिर बजाने के लिये चुनौतीय विनांक 20 जुलाई, 1974 5.4 और 5.6 का संशोधन किया गया है।	1968			
18. IS : 4825—1968 प्रयोगशाला और एस ओ 1455 संख्या 1 (2) खण्ड 4.11 और 5.1.2.2 के संबंधी तापमापियों की विशिष्टि दिनांक 17 अप्रैल, अगस्त, 1974 स्थान पर नए खण्ड दिये गये हैं।	संबंधी तापमापियों की विशिष्टि दिनांक 17 अप्रैल, अगस्त, 1974	1969	(3) (पृष्ठ 11, खण्ड 5.1.1 (जे) पृष्ठ के अस्त में निम्नलिखित पाद टिप्पणी जोड़ सीजिए।		
19. IS : 4955—1968 घरेलू उपयोग के लिये संश्लेषी निर्माणकों की विशिष्टि एस ओ 1906 संख्या 1 (4) (पृष्ठ 12, (*) तारांकित के साथ पाद-टिप्पणी में) “पाद टिप्पणी के बाद निम्नलिखित पाद-टिप्पणी जोड़ सीजिए”	घरेलू उपयोग के लिये संश्लेषी निर्माणकों की विशिष्टि एस ओ 1906 संख्या 1	दिनांक 17 मई, 1969 जुलाई 1974	“specification for 625 mm calibration tape”		
20. IS : 4956—1968 औषधोगिक कार्यों के लिये संश्लेषी निर्माणकों की विशिष्टि एस ओ 2330 संख्या 1 (1) खण्ड 4.2.1 में नई सामग्री जोड़ी गई है। 1 अगस्त, 1974	ऐसी कार्यों के लिये संश्लेषी निर्माणकों की विशिष्टि एस ओ 2330 संख्या 1	दिनांक 14 जून, 1969 जुलाई 1974	खण्ड बी-4.5.2 और बी 5.4.2 का 1 जुलाई, 1974 संशोधन किया गया है।		
21. IS : 5031—1969 धातु में काट बनाने की प्रारिद्धियों की विशिष्टि एस ओ 436 संख्या 1 (2) (पृष्ठ 6, खण्ड 6.4)— “IS : 1830—1961” के स्थान पर “IS : 1830—1971” कर सीजिये।	धातु में काट बनाने की प्रारिद्धियों की विशिष्टि एस ओ 436 संख्या 1	दिनांक 7 फरवरी, मार्च 1970	(1) खण्ड 3 के स्थान पर यह खण्ड दिया 1 मार्च, 1974 गया है।		
22. IS : 5108—मार्स गाढ़म शैक वाली एस ओ 3542 संख्या 1 टिवस्ट ट्रिल की विशिष्टि दिनांक 25 सितम्बर, जून, 1974 (2) (पृष्ठ 6, खण्ड 6.4)— “IS : 1830—1961” के स्थान पर “IS : 1830—1971” कर सीजिये।	मार्स गाढ़म शैक वाली एस ओ 3542 संख्या 1 टिवस्ट ट्रिल की विशिष्टि एस ओ 3542 संख्या 1	दिनांक 25 सितम्बर, जून, 1974	(पृष्ठ 3, खण्ड 4, पंक्ति 3 के नीचे उत्तरण) — 1 जून, 1974 ‘195 मिमी (212 मिमी minus से 17 मिमी) के स्थान पर 197.5 मिमी (212 मिमी minus 14.5 मिमी) कर सीजिए।		
23. IS : 5104—1969 अन्तिमापी मोर्स एस ओ 3252 संख्या 1 गाढ़म शैक वाली टिवस्ट ट्रिल की विशिष्टि दिनांक 3 अक्टूबर, जून, 1974 (3) खण्ड 2 के नीचे सारणी में एक टिप्पणी जोड़ी 1 जून, 1974 गई है।	गाढ़म शैक वाली टिवस्ट ट्रिल की विशिष्टि एस ओ 3252 संख्या 1	दिनांक 3 अक्टूबर, जून, 1974	(पृष्ठ 3, खण्ड 4, पंक्ति 3 के नीचे उत्तरण) — 1 जून, 1974 ‘195 मिमी (212 मिमी minus से 17 मिमी) के स्थान पर 197.5 मिमी (212 मिमी minus 14.5 मिमी) कर सीजिए।		
24. IS : 5225—1969 अन्तिमापी एस ओ 89 संख्या 4 अन्तिमिलेशी की विशिष्टि दिनांक 10 जनवरी, जुलाई 1974 (4) (पृष्ठ 4, खण्ड 4.1 (ही) अस्त में 1 जुलाई, 1974 निम्नलिखित जोड़ सीजिए।	अन्तिमापी एस ओ 89 संख्या 4 अन्तिमिलेशी की विशिष्टि एस ओ 89 संख्या 4	दिनांक 10 जनवरी, जुलाई 1974	(ई) ‘A life of not less than 15 years in the open’		
25. IS : 6312(भाग-1)—1969 स्ट्रिंग- एस ओ 1509 संख्या 1 शैक नुमा पश्चवाली वाल्व (न लौटने वाले), की विशिष्टि एस ओ 1 इकहरे 1970 सारणी 3 और 4 का संशोधन किया गया है। 1 जुलाई 1974 कपाट के नमूने वाले।	स्ट्रिंग- एस ओ 1509 संख्या 1 शैक नुमा पश्चवाली वाल्व (न लौटने वाले), की विशिष्टि एस ओ 1 इकहरे 1970	दिनांक 35 अप्रैल, जुलाई 1974	(पृष्ठ 7, खण्ड ए 2, 4 (संशोधन संख्या 1 1 जुलाई, 1974 भी सीजिए) —		
26. IS : 5884—1970 रोएंडार ऊनी एस ओ 3542 संख्या 2 गलीजों की विशिष्टि दिनांक 25 सितम्बर, जुलाई 1974 (5) प्रतिशत के स्थान पर 0.1 एन कर सीजिए।	रोएंडार ऊनी एस ओ 3542 संख्या 2 गलीजों की विशिष्टि एस ओ 3542 संख्या 2	दिनांक 25 सितम्बर, जुलाई 1974	(पृष्ठ 7, खण्ड ए 2, 4 (संशोधन संख्या 1 1 जुलाई, 1974 भी सीजिए) —		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
IS : 5980--1970 बेस मेटरों को विशिष्ट	एग और 3305 दिनांक 21 अक्टूबर, 1972	संख्या 1	संख्या 1	(1) सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी 1 अप्रैल, 1974 (2) खण्ड 5, 2 का संशोधन किया गया है। (3) (पृष्ठ 2, खण्ड 5.5 ए 1.1 और ए 1.2) को हटा दीजिए। (4) (पृष्ठ 3, खण्ड ए-2)---इसको क्रम संख्या ए. 1 करके वर्तमान खण्ड के शीर्षक को बदलकर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Parallelism of Axes of centres with respect of buideways” (5) (पृष्ठ 3, आकृति 2, शीर्षक) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— ‘Checking of parallelism of Axes of centres with respect to buideways’	(1) सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी 1 अप्रैल, 1974 (2) खण्ड 5, 2 का संशोधन किया गया है। (3) (पृष्ठ 2, खण्ड 5.5 ए 1.1 और ए 1.2) को हटा दीजिए। (4) (पृष्ठ 3, खण्ड ए-2)---इसको क्रम संख्या ए. 1 करके वर्तमान खण्ड के शीर्षक को बदलकर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Parallelism of Axes of centres with respect of buideways” (5) (पृष्ठ 3, आकृति 2, शीर्षक) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— ‘Checking of parallelism of Axes of centres with respect to buideways’
28. IS : 6040--1972 परिशुद्धता बराबरों एस और 3163 के परीक्षण आर्ट 500 मिमी तक के विनांक 10 बनावर स्लिंग औवरबैड और केन्द्रों के बीच 3973 1500 मिमी तक के अन्तर वाक्षी बराबर	संख्या 1	संख्या 1	संख्या 1	(6) वर्तमान खण्ड ए-3 की क्रम संख्या को क्रम संख्या ए. 2. कर दी गयी है और उसके स्थान पर नया खण्ड विद्या गया है; और (7) नई क्रम संख्या बाले खण्ड ए. 2 के के बाद एक नया खण्ड ए. 3 जोड़ा गया है। (1) पृष्ठ 4, स्टम्प 2 में क्रम संख्या 11 के 1 अप्रैल, 1974 आगे दी गई वर्तमान आकृति के स्थान पर नई आकृति दी गई है और वर्तमान आंकड़ों के स्थान पर नये आंकड़े जोड़े गए हैं; और (2) (पृष्ठ 6, स्टम्प 3 के सामने क्रम- संख्या 3 में) ‘0.02’ के स्थान पर ‘0.01’ कर लीजिए। (1) (पृष्ठ पृष्ठ 1 और 3, शीर्षक में)--- 1 फरवरी, 1974 वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Indian Standard specification for Hot Rolled Steel sheet and strip for the manufacture of low pressure gas cylinders” (2) खण्ड 1.1, 3.1, 6.1.1, 6.2, 7.1.1, 7.2, 9.1, 10.1, 10.2, 11.1 और 12.1 के स्थान पर नये खण्ड दिये गये हैं। (3) पृष्ठ 5 पर *प्रक्रित और प्रक्रित 4 के स्थान पर नई टिप्पणियां दी गई हैं। (4) पृष्ठ 6 पर प्रक्रित वर्तमान पाद- टिप्पणी के स्थान पर नई पाद- टिप्पणी दी गई है। (5) नया खण्ड 2.2 जोड़ा गया है। (पृष्ठ 4, खण्ड 2.3, प्रक्रित प्रक्रित में)--- 1 फरवरी, 1974 प्रबद्ध “except for bonded bags” को हटा दीजिए।	(1) सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी 1 अप्रैल, 1974 (2) खण्ड 5, 2 का संशोधन किया गया है। (3) (पृष्ठ 2, खण्ड 5.5 ए 1.1 और ए 1.2) को हटा दीजिए। (4) (पृष्ठ 3, खण्ड ए-2)---इसको क्रम संख्या ए. 1 करके वर्तमान खण्ड के शीर्षक को बदलकर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Parallelism of Axes of centres with respect of buideways” (5) (पृष्ठ 3, आकृति 2, शीर्षक) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— ‘Checking of parallelism of Axes of centres with respect to buideways’
29. IS : 6240--1971 अल्पदाव गैस एस और 1549 सिलेण्डरों को बनाने के लिये गर्म विनांक 2 जून, 1975 वैलिट इस्पात की बदरों की विशिष्टि	संख्या 1	संख्या 1	संख्या 1	(1) (पृष्ठ पृष्ठ 1 और 3, शीर्षक में)--- 1 फरवरी, 1974 वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Indian Standard specification for Hot Rolled Steel sheet and strip for the manufacture of low pressure gas cylinders” (2) खण्ड 1.1, 3.1, 6.1.1, 6.2, 7.1.1, 7.2, 9.1, 10.1, 10.2, 11.1 और 12.1 के स्थान पर नये खण्ड दिये गये हैं। (3) पृष्ठ 5 पर *प्रक्रित और प्रक्रित 4 के स्थान पर नई टिप्पणियां दी गई हैं। (4) पृष्ठ 6 पर प्रक्रित वर्तमान पाद- टिप्पणी के स्थान पर नई पाद- टिप्पणी दी गई है। (5) नया खण्ड 2.2 जोड़ा गया है। (पृष्ठ 4, खण्ड 2.3, प्रक्रित प्रक्रित में)--- 1 फरवरी, 1974 प्रबद्ध “except for bonded bags” को हटा दीजिए।	(1) सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी 1 अप्रैल, 1974 (2) खण्ड 5, 2 का संशोधन किया गया है। (3) (पृष्ठ 2, खण्ड 5.5 ए 1.1 और ए 1.2) को हटा दीजिए। (4) (पृष्ठ 3, खण्ड ए-2)---इसको क्रम संख्या ए. 1 करके वर्तमान खण्ड के शीर्षक को बदलकर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Parallelism of Axes of centres with respect of buideways” (5) (पृष्ठ 3, आकृति 2, शीर्षक) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— ‘Checking of parallelism of Axes of centres with respect to buideways’
30. IS : 6340--1971 उच्चवस्त्रपोती- एस और 3255 इथाइलीन से बुने बोरों की विशिष्टि विनांक 24 नवम्बर, 1974 1973	संख्या 1	संख्या 1	संख्या 1	(1) (पृष्ठ 4, खण्ड 2.3, प्रक्रित प्रक्रित में)--- 1 फरवरी, 1974 प्रबद्ध “except for bonded bags” को हटा दीजिए।	(1) सारणी 2 के स्थान पर नई सारणी 1 अप्रैल, 1974 (2) खण्ड 5, 2 का संशोधन किया गया है। (3) (पृष्ठ 2, खण्ड 5.5 ए 1.1 और ए 1.2) को हटा दीजिए। (4) (पृष्ठ 3, खण्ड ए-2)---इसको क्रम संख्या ए. 1 करके वर्तमान खण्ड के शीर्षक को बदलकर निम्नलिखित कर लीजिए :— “Parallelism of Axes of centres with respect of buideways” (5) (पृष्ठ 3, आकृति 2, शीर्षक) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए :— ‘Checking of parallelism of Axes of centres with respect to buideways’

9 इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संख्या, मानक भवन, बहादुर और शाहजहां जाफर मार्ग, नई दिल्ली-110001 और उसके अहम वासाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना स्थित बाजार कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं० सी० एम० जी०/13: 5]

S.O.2941.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard (s) given in the Schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard No. amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 177—1970 Specification for cotton drills (Second Revision)	S.O. 1277, dated 27 May, 1972	No. 2 Feb., 1974	Tables 1 and 3 have been amended	1 Feb., 1974	
2. IS : 210—1970 Specification for grey iron castings (Second Revision)	S.O. 3542, dated 25 Sept., 1971	No. 1 June, 1974	(i) Clause 6.2 has been substituted by a new one, and (ii) [Page 4, foot-note with (*) mark]—Add the following foot note at the end : 'Deviations† for untoleranced dimensions of grey iron castings'.	1 June, 1974	
3. IS : 1170—1967 Specification for ferrochromium (First Revision)	S.O. 287, dated 20 Jan., 1968	No. 2 Apr., 1974	A note has been added under Table 1.	1 Apr., 1974	
4. IS : 1258—1967 Specification for bayonet lampholders (First Revision)	S.O. 287, dated 20 Jan., 1968	No. 1 Apr., 1974	This amendment is intended to clarify certain dimensional details and includes a test for non-flammability in the case of insulated lampholders.	1 Apr., 1974	
5. IS : 1489—1967 Specification for portland-pozzolana cement (First Revision)	S.O. 4114, dated 11 Oct., 1969	No. 3 May, 1974	Clause 6.4 has been substituted by a new one.	1 May, 1974	
6. IS : 1786—1966 Specification for cold twisted steel bars for concrete reinforcement (Revised)	S.O. 4023, dated 31 Dec., 1966	*No. 4 June, 1974	Clause 3.1 alongwith its foot-note has been substituted by a new one.	1 June, 1974	
7. IS : 1856—1970 Specification for steel wire ropes for haulage purposes in mines (First Revision)	S.O. 120, dated 13 Jan., 1973	No. 2 Apr., 1974	(Page 11, clause 19.1, line 2)— Substitute '19.2' to '19.6' for '18.2 to 18.6'.	1 Apr., 1974	
8. IS : 1943—1964 Specification for A-twill jute bags (Revised)	S.O. 3951, dated 16 Nov., 1964	No. 5 Feb., 1974	Tables 1 and 2 (of second reprint, November, 1972) have been amended and a new foot note added.	1 Feb., 1974	
9. IS : 2347—1966 Specification for domestic pressure cookers (Revised)	S.O. 469, dated 11 Feb., 1967	No. 5 Dec., 1973	(i) Clauses 5.3 and 5.3.1 have been amended; (ii) Clauses C-1.1.1 and C-1.1.2 of Appendix C have been substituted by new ones; (iii) New clauses 5.3.2 and 5.4 have been added after clause 5.3.1 ; (iv) Clause 5.4 has been re-numbered as clause 5.5; and (v) New Appendices 'E' and 'F' have been added after clause D-1.3	1 Dec., 1973	
10. IS : 2830—1964 Specification for carbon steel billets for re-rolling into structural steel (standard quality)	S.O. 895, dated 20 Mar., 1965	No. 4 Mar., 1974	(i) [First cover page, pages 1 and 3 title; and clauses 0.3, 0.4, 1.1, 1.1.1, 4.1, 7.0, 7.2, 8.1, 8.2, 9.1 and 9.2 (see also Amendment No. 3)]—Substitute the words 'billets, blooms and slabs' for the word 'billets' wherever these occur in the title and the clauses; (ii) New matter has been added in clause 1.1.	1 Mar., 1974	

* For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1 July, 1974.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
11. IS : 2831—1969 Specification for carbon steel billets for re-rolling into Structural steel (ordinary quality) (First Revision)	S.O. 639, dated 21 Feb., 1970	No. 1 June, 1974	(i) (First cover page, pages 1 and 3, title, and clauses 0.3, 0.5, 1.1, 1.1.1, 4.1, 6.2, 7.0, 7.1, 7.2, 8.1 and 8.2)—Substitute the words 'billets - blocks and slabs' for the word 'billets' wherever it occurs in the title and the clauses;	1 June, 1974	
12. IS : 3114—1965 Code of practice for laying of cast iron pipes.	S.O. 2246, dated 30 July, 1966	No. 1 July, 1974	(ii) New matter has been added in clause 1.1.	Table 1 has been substituted by a new one.	1 July, 1974
13. IS : 3625—1971 Specification for warp tubes for use on aluminium plug type spindles (First Revision)	S.O. 886, dated 24 Mar., 1973	No. 1 Feb., 1974	Clause 24.1.2 has been substituted by a new one.	1 Feb., 1974	
14. IS : 3735—1966 Specification for canvas shoes, rubber sole	S.O. 469, dated 11 Feb., 1967	No. 1 Mar., 1974	(i) Clause 3.2.6 has been substituted by a new one; (ii) Clause 3.4.3 has been amended; and (iii) Foot-notes at pages 6 and 8 with (£) and †marks respectively have been substituted by new ones.	1 Mar., 1974	
15. IS : 4392—1967 Specification for hand-made Namdhans	S.O. 1720, dated 18 May, 1968	No. 2 Aug., 1974	[Page 13, clause A-5.4, line 5 (see Amendment No.)] Substitute '0.1N' for '3 per cent'.	1 Aug., 1974	
16. IS : 4410 (Part IV)—1967 Glossary of terms relating to river valley projects Part IV Drawings	S.O. 3453, dated 28 Sept., 1968	No. 1 Aug., 1974	'Clauses 2.2 and 2.7 have been substituted by new ones'.	1 Aug., 1974	
17. IS : 4479—1967 Methods of measurements on magnetic tapes for sound recording and reproduction	S.O. 2578, dated 20 July, 1968	No. 1 July, 1974	(i) Clauses 4.7.1, 4.8.1.3, 5.1.6, 5.4 and 5.7 have been amended; (ii) Clauses 4.11 and 5.1.2.2 have been substituted by new ones; (iii) [Page 11, clauses 5.1.1 (J)] Add the following foot-note at the end of the page; and (iv) [Page 12, foot-note with an asterisk(*) mark)—Add the following foot-note after this foot-note : 'Specification for 6.25 mm calibration tape.'	1 July, 1974	
18. IS : 4825—1968 Specification for laboratory and reference thermometers	S.O. 1455, dated 19 Apr., 1969	No. 1 Aug., 1974	New matter has been added in clause 4.2.1.	1 Aug., 1974	
19. IS : 4955—1968 Specification for synthetic detergents for household use	S.O. 1906, dated 17 May, 1969	No. 1 July, 1974	Clauses B-5.4.2 and B-5.4.5.2 have been amended.	1 July, 1974	
20. IS : 4956—1968 Specification for synthetic detergents for industrial purposes	S.O. 2330, dated 14 June, 1969	No. 1 July, 1974	Clauses B-5.4.4.2 and B-5.4.5.2 have been amended.	1 July, 1974	
21. IS : 5031—1969 Specification for metal slitting saws	S.O. 436, dated 1 Feb., 1970	No. 1 Mar., 1974	(i) Clause 3 has been substituted by a new one, and (ii) (Page 6, clause 6.4)—Substitute 'IS : 1830-1971' for 'IS : 1830—1961'.	1 Mar., 1974	
22. IS : 5103—1969 Specification for twist drills, Morse taper shanks.	S.O. 3542, dated 25 Sept., 1971	No. 1 June, 1974	(Page 3, example under clause 4, line 3) Substitute '197.5 mm (212 mm minus 14.5 mm)' for '195 mm (212 mm minus 17 mm)'.	1 June, 1974	
23. IS : 5104—1969 Specification for twist drills, oversize Morse taper shank	S.O. 3252, dated 3 Oct., 1970	No. 1 June, 1974	A Note has been added at the end of the table under clause 2.	1 June, 1974	
24. IS : 5225—1969 Specification for rain gauge, non-recording	S.O. 89, dated 10 Jan., 1970	No. 4 July, 1974	[Page 4, clause 4.1 (d)]—Add the following at the end : (e) A life of not 'less than 15 years in the open.'	1 July, 1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
25. IS : 5312 (Part I)—1969 Specification for swing check type reflux (non-return valves) Part I Single Door Pattern	S.O. 1509 dated, 25 Apr., 1970	No. 1 July, 1974	Tables 3 & 4 have been amended.	1 July, 1974	
26. IS : 5884—1970 Specification for tufted wool carpets	S.O. 3542, dated 25 Sep., 1971	No. 2 July, 1974	[Page 7, clause A-2.4 (see Amendment No. 1), line 5]—Substitute '0.1 N' for '3 percent'.	1 July, 1974	
27. IS : 5980—1970 Specification for bench centres	S.O. 3305, dated 21 Oct., 1972	No. 1 Apr., 1974	(i) Table 2 has been substituted by a new one, (ii) Clause 5.2 has been amended; (iii) (page 2, clauses 5.5, A-1.1 and A-1.2)—Delete; (iv) (Page 3, clause A-2)—Re-number it as 'A-1' and substitute the following for the existing clause heading : 'Parallelism of Axes of Centres with Respect to Guideways'; (v) (Page 3, Fig. 2, caption)—Substitute the following for the existing caption : 'Checking of Parallelism of Axes of Centres with Respect to Guideways' (vi) The existing clause A-3 has been re-numbered as clause A-2 and substituted by a new one; and (vii) New clause A-3 has been added at the end of re-numbered clause A-2.	1 Apr., 1974.	
28. IS: 6040—1972 Test chart for precision lathes—lathes with swing over bed up to 500 mm and distance between centres up to 1,500 mm.	S.O. 3163, dated 10 Nov., 1973	No. 1 Apr., 1974	(i) The existing figures at page 4, col 2, against Sl. No. 11 has been substituted by a new one, and (ii) (Page 6, col 8, against Sl. No. 3)—Substitute '0.01' for '0.02.'	1 Apr., 1974	
29. IS : 6240—1971 Specification for hot rolled steel, sheets for the manufacture of low pressure gas cylinders	S.O. 1549, dated 2 June, 1973	No. 1 Feb., 1974	(i) (First cover page, pages 1 and 3, title)—Substitute the following for the existing title : Indian Standard Specification for Hot Rolled Steel Sheet and Strip for the Manufacture of low pressure gas cylinders'; (ii) Clauses 1.1, 3.1, 6.1.1, 6.2, 7.1.1, 7.2., 9.1, 10.1, 10.2, 11.1 and 12.1 have been substituted by new ones ; (iii) Existing foot-notes on page 5 with '*' and '†' have been substituted by new ones ; (iv) Existing foot-note on page 6 with '†' mark has been substituted by a new one; and (v) New clause 2.2 has been added.	1 Feb., 1974	
30. IS : 6340—1971 Specification for high density polyethelene woven sacks.	S.O. 3255, dated 24 Nov., 1973	No. 1 Feb., 1974	(Page 4, clause 2.3, last line)—Delete the words ' (except for bonded bags)'.	1 Feb., 1974	

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110001 and its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

नई विस्ती, 14 अगस्त, 1975

का० आ० 2942—समय समय पर संस्थाएँ भारतीय मानक संस्था (प्रमाणपत्र विभाग) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपरिवियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-4266, 4389, 4390, 4439, 4441, 4442 और 4443 जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, कर्म द्वारा अपना नाम बदल देने के कारण 1 अगस्त, से रद्द कर दिये गये हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंस द्वारी का नाम और पता	रद्द किये गये लाइसेंस के अधीन वस्तु तत्संबंधी भारतीय मानक प्रक्रिया	(4)	(5)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. सी एम/एल-4266 20-3-1975	श्री इंटरप्राइज सी-4, इंडस्ट्रियल इस्टेट वारंगल-7	बी एच सी घूलन पाउडर छाप : 'श्री बी एच सी 10 प्रतिशत बी पी'	IS : 561—1972 श्री एच सी घूलन पाउडर की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	
2. सी एम/एल-4389 23-5-1975	"	श्री डी टी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण छाप : 'श्री डी टी 50 प्रतिशत चूर्ण डी पी'	IS : 585—1961 श्री डी टी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण की विशिष्टि	
3. सी एम/एल-4390 23-5-1975	"	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव छाप : 'श्री एस्ट्रिन 22 प्रतिशत ई सी'	IS : 1310—1958 एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	
4. सी एम/एल-4439 16-6-1975	"	मालाबियोन घूलन पाउडर छाप : 'श्री मालाबियोन'	IS : 2568—1973 मालाबियोन घूलन पाउडर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	
5. सी एम/एल-4441 20-6-1975	"	डी डी टी पायसनीय तेज द्रव— छाप : 'श्री डी डी एल'	IS : 633—1956 डी डी टी पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	
6. सी एम/एल-4442 20-6-1975	"	एण्डोसल्फेन घूलन पउडर छाप : 'श्री डान 4 प्रतिशत कार्बेरिल घूलन पाउडर'	IS : 4322—1967 एण्डोसल्फेन घूलन पाउडर की विशिष्टि	
7. सी एम/एल-4443 20-6-1975	"	कार्बेरिल घूलन पाउडर छाप : 'श्रीविन डस्ट'	IS : 7122—1973 कार्बेरिल घूलन पाउडर की विशिष्टि	

[सी एम/एल-55 : 4266]
ए० के० गृष्णा, उप-महानिदेशक

New Delhi, the 14th August, 1975

S.O. 2942.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licences No. CM/L—4266, 4389, 4390, 4439, 4441, 4442 and 4443 particulars of which are given below have been cancelled with effect from 1 August 1975 due to change in the name of the firm :—

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standard
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. CM/L-4266 20-3-1975	Shree Enterprises, C-4, Industrial Estate, Warangal-7	BHC DP Brand:—'SHREE BHC 10% DP'	IS : 561—1972 Specification for BHC DP (Third Revision).	
2. CM/L—4389 23-5-1975	-do-	DDT Water dispersible powder concentrates Brand:—'SHREE DDT 50% WDP'	IS : 565—1961 Specification for DDT Water dispersible powder concentrates.	
3. CM/L-4390 23-5-1975	-do-	Endrin emulsifiable concentrates Brand:—'SHREE ENDRIN 20% EC'	IS : 1310—1958 Specification for endrin emulsifiable concentrates.	
4. CM/L-4439 16-6-1975	-do-	Malathion DP Brand:—'SHREE MALATHION'	IS : 2568—1973 Specification for malathion DP (First Revision).	
5. CM/L-4441 20-6-1975	-do-	DDT EC Brand:—SHREE To L	IS : 633—1956 Specification for DDT EC	
6. CM/L—4442 20-6-1975	-do-	Endosulphan DP Brand:—'SHREEDAN 4% DUST'	IS : 4322—1967 Specification for Endosulphan DP	
7. CM/L-4443 20-6-1975	-do-	Carbaryl DP Brand:—'SHREEVIN DUST'	IS : 7122—1973 Specification for Carbaryl DP	

[CMD 55 : 4266]
A. K. GUPTA, Dy. Director General

शिक्षा तथा समाज कल्याण मन्त्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1975

का० आ० 2943.—केन्द्रीय मिशिल सेवा कर्गीकरण, नियन्त्रण और अधीन (मिशम, 1965 के नियम 34 के माध्य पड़े जाने वाले नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम 2 के खण्ड (ख) तथा नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एवं द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व शिक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या एम० आ० 2509 दिनांक 10 अक्टूबर, 1960 मे निम्नलिखित और अधिक संशोधन करते हैं, अर्थात् —

उपर अधिसूचना की अनुसूची मे —

(1) भाग-2 सामान्य केन्द्रीय सेवा, श्रणी-3,

“राष्ट्रीय स्वस्थता कोर निवेशालय” के मामने वर्तमान प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधिया प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् —

“उप-मन्त्रिव/उप-शिक्षा सलाहकार,

राष्ट्रीय स्वस्थता कोर,

समापन मैल,

शिक्षा तथा समाज कल्याण मन्त्रालय (शिक्षा विभाग) ”।

(2) भाग-2 सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रणी-4,

“राष्ट्रीय स्वस्थता कोर निवेशालय” के कालम-2 के अन्तर्गत, वर्तमान प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधिया प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् —

“उप-मन्त्रिव/उप शिक्षा सलाहकार,

राष्ट्रीय स्वस्थता कोर, समापन सैल,

शिक्षा तथा समाज कल्याण मन्त्रालय, (शिक्षा विभाग) ”।

[म० सी० 11011/1/75-एन० एक० सी०]

(कुमारी) पौ० एम० शकुन्तला, अध्यक्ष सचिव

शिक्षान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, 15 मई, 1975

का० आ० 2944.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय मिशिल सेवा (कर्गीकरण, नियन्त्रण और अधीन) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व वैश्वानिक अनुग्रहान और सांस्कृतिक कार्य समाजान्य की अधिसूचना स० का० आ० 2054, तारीख 9 मित्तम्बर, 1959 मे निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् —

उपर अधिसूचना मे,—

(क) “भाग 2--साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3” शीर्षक और तद्धीन प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित शीर्षक और प्रविधियों द्वारा जाती है, अर्थात् —

“भाग-2--साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 3

सेवा का वर्णन

नियुक्त प्राधिकारी

गास्त्रया अधिरोपित करने के लिए सक्षम भागील प्राधिकारी

प्राधिकारी और ऐसी शास्त्रियों जो वह

नियम 11 मे की मद सद्याओं के प्रतिनिवेदण

से अधिरोपित कर सकता है

प्राधिकारी शास्त्रिया

1

2

3

4

5

भारतीय बनस्पति विज्ञान संबोधण

सभी पद (तकनीकी, वैज्ञानिक और अनुसंचितीय)

भारतीय प्राणी विज्ञान

संवर्धण

सभी पद (तकनीकी, वैज्ञानिक और अनुग्राहितीय)

कार्यालयों के प्रधान

कार्यालयों के प्रधान

सभी

संयुक्त निवेशक

(ख) “भाग 3--साधारण सेवा, वर्ग 4” शीर्षक और तद्धीन प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित शीर्षक और प्रविधियों द्वारा जाती है, अर्थात् —

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE
(Department of Education)

New Delhi, the 22nd August, 1975

S.O. 2943.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Education, (No S.O. 2509, dated the 10th October, 1960, namely :—

In the Schedule to the said notification :—

(1) in Part II—General Central Service, Class III, under Columns 2 and 3, for the entries against “National Fitness Corps Directorate”, the following entries shall be substituted, namely :—

“Deputy Secretary/Deputy Educational Adviser, National Fitness Corps Closure Cell, Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education)”,

(2) in Part II—General Central Service, Class IV, under columns 2 and 3, for the entries against “National Fitness Corps Directorate”, the following entries shall be substituted, namely :—

“Deputy Secretary/Deputy Educational Adviser, National Fitness Corps Closure Cell, Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education)”,

[No. C. 11011/1/75-NFC]

(MISS) P. S. SAKUNTALA, Under Secy.

"भाग 3—माध्यराण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 4

सेवा का वर्णन	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्त्रियां अधिरोपित करने के लिए सभाम अपील प्राधिकारी
		प्राधिकारी और ऐसी शास्त्रियां जो वह (नियम 13 में की मद संख्याओं के प्रति- निर्देश से) अधिरोपित कर सकता है।
	प्राधिकारी	शास्त्रियां
भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण	कार्यालयों के प्रधान	कार्यालयों के प्रधान सभी संयुक्त निदेशक
सभी पद भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण सभी पद	कार्यालयों के प्रधान	कार्यालयों के प्रधान सभी उप निदेशक

[सं० 16-93/74-सर्व० 3]

महताम सिंह, उप सचिव

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 15th May, 1975

S.O. 2944.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs, No. S. O. 2054, dated the 9th September, 1959, namely:—

In the said notification,—

(a) for the heading Part II—General Central Service, Class III, and the entries thereunder, the following heading and entries shall be substituted, namely:—

“Part—II General Central Service Class III

Description of Service	Appointing authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose with reference to item numbers in rule 11		Appellate authority
		Authority	Penalties	
1	2	3	4	5
BOTANICAL SURVEY OF INDIA :				
All posts (Technical, Scientific & Ministerial)	Heads of Offices	Heads of Offices	All	Joint Director.
ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA				
All posts (Technical, Scientific & Ministerial)	Heads of Offices	Heads of Offices	All	Senior Deputy Director.”

(b) for the heading “Part III—General Service, Class IV” and the entries thereunder, the following heading and entries shall be substituted, namely:—

“Part III—General Central Service, Class IV

Description of Service	Appointing authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose (with reference to item numbers in rule 13)		Appellate authority
		Authority	Penalties	
1	2	3	4	5
BOTANICAL SURVEY OF INDIA:				
All posts	Heads of Offices	Heads of Offices	All	Joint Director
ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA:				
All posts	Heads of Offices	Heads of Offices	All	Deputy Director”

[No. F 16-93/74-Sur-3]
MAHTAB SINGH, Dy. Secy.

हृषि श्रीर सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1975

का० आ० 2945.—धनिया श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1964 में श्रीर संशोधन करने के लिए कलियन नियमों का, जिन्हें केन्द्रीय सरकार, हृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्तावना करती है, निम्नलिखित प्रारूप, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उसके द्वारा प्रभावित होने की सम्भावना है और सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस विन की समाप्ति के पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप नियमों की आवत किसी भी व्यक्ति से, इस प्रकार विनिर्दिष्ट प्रबंधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किसी भी आधेयों या सुक्षयों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम धनिया श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1975 है।

2. धनिया श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1964 में, विद्यमान अनुसूची 2 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, मार्गात् :—
“अनुसूची 2”

धनिया के शीजों का श्रेणी नाम और स्वालिटी परिभाषा

श्रेणी नाम	विशेष लक्षण	सामान्य लक्षण
	बाहु पदार्थ विभक्त बीज धृत हुए, काले सिकुड़े हुए और नर्म (वजन में (वजन में अधिक- (वजन में अधिक- हो चुके बीज अपश्व बीज (वजन अधिकतम प्रति- तम प्रतिशत) तम प्रतिशत) और कीटबोधित में अधिकतम शत) बीज (वजन में प्रतिशत) अधिकतम प्रति- शत)	
1	2	3
विशेष	1. 5	10.00
उत्तम	3.00	20.00
मध्यम	7.00	30.00
विभक्त	7.00 30 प्रतिशत से अधिक	4.00
		3.00
		10.00
		(ग) कोरिंग्डम सेटाइबम एल के रूप में बानस्पति के रूप से शात पौधे के मुख्य गए परियोग फल, (ब) दृश्य फलों, जीवित कीट प्रसन और हानिकारक बाहु पदार्थ तथा फल- दार गन्ध से रहित, और
		(ग) किस्म/प्रकार के प्रभिलक्ष- णिक आमाप, आहुति, स्वाद, रंग और सौरभ के साधारणतः सूख होने।

परिभाषाएँ :—

- “बाहु पदार्थ” से भूल, गैल, पत्थर, मिट्टी, वृत्त, भूसा, तृण या कोई अन्य बाहु पदार्थ अभिप्रेत है।
- “विभक्त बीजों” से ऐसे फल अभिप्रेत हैं, जो लम्बाई में विभक्त हैं।
- “धृत हुए और काले हो चुके बीजों” से ऐसे फल या विभक्त फल अभिप्रेत हैं, जो धृत हो गए या काले हो चुके हैं जिससे वस्तुतः स्वालिटी प्रभावित हुई है।
- “कीट बोधित बीज” से ऐसे फल या विभक्त फल अभिप्रेत हैं, जो धूनों या अन्य कीटों द्वारा आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से बेक्षित कर दिए गए या आ लिए गए हैं।
- “सिकुड़े हुए श्रीर अपश्व बीज” से ऐसे फल अभिप्रेत हैं, जो पूर्णतया विकसित नहीं हुए हैं।

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 12th Aug., 1975.

S.O.2995:—The following draft of certain rules further to amend the Coriander Grading and Marking Rules, 1964, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is hereby published, as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of forty five days from the publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Coriander Grading and Marking (Amendment) Rules, 1975.

2. In the Coriander Grading and Marking Rules, 1964, for the existing Schedule II, the following Schedule shall be substituted, namely:—

“SCHEDULE-II”

GRADE DESIGNATION AND DEFINITION OF QUALITY OF CORIANDER SEEDS (DHANIA).

Grade designation	Special Characteristics					General Characteristics.
	Extraneous matter (per centage by weight maximum)	Splits seeds (percentage by weight maximum)	Damaged blackened seed and insect bored seeds (percentage by weight maximum)	Shriveled and immature seeds (percentage by weight maximum)	Moisture (percentage by weight maximum)	
1	2	3	4	5	6	7
Special . . .	1.5	10.00	1.00	1.00	10.00	Coriander seeds shall be (a) the dried mature fruits of the plant botanically known as <i>Coriandrum sativum</i> L.
Good . . .	3.00	20.00	2.00	2.00	10.00	(b) free from visible mould, live insect infestation and harmful foreign matter and musty odour, and
Fair . . .	7.00	30.00	4.00	3.00	10.00	(c) shall generally conform to the characteristic size, shape, taste, colour and aroma of the variety/type.
Splits . . .	7.00	More than 30 per cent	4.00	3.00	10.00	

Definitions:— 1. “Extraneous matter” means dust, dirt, stones, earth, stalks, chaff, straw or any other foreign matter.

2. “Splits Seeds” means fruits which have split longitudinally.

3. “Damaged and blackened Seeds” means fruits or split fruits, which are damaged or blackened, materially affecting the quality.

4. “Insect bored Seeds” means fruits or split fruit which are partially or wholly bored or eaten by weevils or other insect.

5. “Shriveled and immature Seeds” means fruits which are not properly developed”.

[F. 13-1/75-A.M.]
R. N. BAKSHI, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

ग्रादेश

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1975

का० ना० 2946.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस से उपर्युक्त अनुसूची में विनियित विवादों के बारे में कोल माइस्स प्रयोगिक लिमिटेड की खांडा कॉलिंगरी की नाम कजोरा जामशाद यूनिट, डाकघर, उत्तरा, जिला वर्द्धवान के प्रबन्धतान से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मोगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करना चाहती है;

प्रत. ग्रव, ग्रीष्मोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के बाद (अ) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का

प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीष्मोगिक अधिकारण, कल-कर्ता को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

क्या कोल माइस्स प्रयोगिक लिमिटेड की खांडा कॉलिंगरी की नामकरण जामशाद यूनिट डाकघर, जिला वर्द्धवान के प्रबन्धतान की इससे उपर्युक्त अनुसूची में उल्लिखित वैगत लोडरों को 13-12-1974 से नियो-जित करने से इन्कार करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची के हकदार है?

अनुसूची

क्रम सं० नाम

- श्री गोसाई बोउरी
- श्री लालू बोउरी
- श्री हरि दास बोउरी

क्रम सं०	नाम
4.	श्री शोना बोउरी
5	श्री बुधन बोउरी
6.	श्री प्रवाल बोउरी
7	श्री बादल बोउरी
8	श्री पंच बोउरी
9	श्री बुद्धेन बोउरी
10.	श्री अकन बाकदी
11.	श्री नकुल बाबनी
12.	श्री बाइपति बाकदी
13.	श्री रामेश्वर हरिजन
14.	श्री अनिल बोउरी
15	कुतुरी बोउरी
16	श्री गाधीरी
17.	श्री शिवाराम बोउरी
18.	श्री बोनी बोउरी
19.	श्री मुभदा बोउरी
20.	श्री नन्दारानी बोउरी
21.	श्री रूप चन्द नुनिया
22.	श्री ईश्वर दत्त
23.	श्री जादू हरिजन
24.	श्री मोंगली बोउरी
25.	श्री खोदु मिया
26.	श्री अमीर मिया
27.	श्री तूफानी मिया
28.	श्री रमजाम मिया
29	खान मोहम्मद
30.	बनेश्वर लोहा
31.	श्री अशार्फ कानू
32.	श्री पूजा बोउरी
33.	श्री रवि शकर बोउरी
34.	श्री नीरेन बोउरी
35.	श्री मुशोन धीबर
36.	श्री बूदान बाकदी
37.	श्री कालोमाहाली
38.	श्री धीरेन बोउरी
39.	श्री गुजरा कोरा
40.	श्री जम्बा बोउरी
41.	श्री गोदी बोउरी
42.	श्री बिदु बोउरी
43.	श्री दुलाली बोउरी
44.	श्री पंचराम लोहार
45.	श्री महेन्द्र मोदी
46.	श्री चन्दबली बोउरिन
47.	श्री नाथन
48.	श्री पाचू
49.	श्री बोडी राम राजबोर
50.	श्री धर्मराज
51.	श्री राम
52.	श्री नन्द किशोर
53.	श्री बुदु

क्रम सं०	नाम
54	श्री शोभी
55	श्री नीलमणि
56	श्री कलामणि
57.	श्री कलाबती
58.	श्री बालाहि
59	श्री वाशी
60	श्री नरोन
61	श्री दानी बोउरी
62.	श्री फुलमणि, माझी
63	श्री मुखदेव भुइया
64	श्री श्री जानी भुइया
65	श्री हृष्ण भुइया
66	श्री शुक्र भुइया
67.	श्री सोहागी भुइया
68	श्री रोपिक मिया
69.	श्री राधे भुइया
70	श्री कालीपदा कोरा
71	श्री विपसा भुइया
72	श्री उषा बोउरी
73	श्री मुदात बोउरी
74	श्री कुणी बोउरी
75.	श्री परद्युमेकर यादव
76.	श्री मुलमाई धिमल
77.	श्री कनाई गोरा
78.	श्री मामरु धिमल
79	श्री हेमलाल गोडे
80.	श्री महितर कमाल
81	श्री धानु कूट
82	श्री किकबी कुल्लू
83	श्री सावित्री तेली
84	श्री अहिला ठाकुर
85.	श्री जैलमाली केवट
86	श्री भुरीमाली करोरे
87.	श्री राजकुमारी केवट
88.	श्री जामुल तेली
89.	श्री मुकाई तेली
90	श्री जागली गोरा
91.	श्री वैधमल केवट
92	श्री राम बालक प्रमाद
93.	श्री धर्मगज
94	श्री छवि माहाली
95	श्री बोजली माहाली
96	श्री सिंगंजी माझी
97.	श्री छत्रि माझन
98	श्री कोंसल्या माझी
99.	श्री पोयबाशी माहाली
100	श्री सीता राम

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 18th July, 1975.

S. O. 2946:—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Nag's Kajora Jambad Unit of Kandra Colliery of the Coal Mines Authority Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

Whether the action of the management of Nag's Kajora Jambad Unit of Kandra Colliery of the Coal Mines Authority Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan, in refusing to employ the Wagon Loaders mentioned in the Annexure hereto, with effect from 13-12-1974, is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

SCHEUDLE

S. No.	Name
1.	Shri Gosai Bouri.
2.	Latu Bouri
3.	Haridas Bouri
4.	Sona Bouri
5.	Budhan Bouri
6.	Probal Bouri
7.	Badal Bouri
8.	Panchu Bouri
9.	Basudev Bouri
10.	Akal Bakdi.
11.	Nakul Badkhi.
12.	Baipati Bakdi.
13.	Rameshwar Harijan.
14.	Anil Bouri.
15.	Kuturi Bouri.
16.	Gandhari.
17.	Sibaram Bouri.
18.	Boni Bouri.
19.	Subhadra Bouri.
20.	Nandarani Bouri.
21.	Rupchand Muniya.
22.	Iswar Dutta.
23.	Ghatu Harijan.
24.	Mongli Bouri.
25.	Khodu Mia.
26.	Amir Mia.
27.	Tufani Mia.
28.	Ramjam Mia.
29.	Khan Mohammed.
30.	Dhaneswar Loha.
31.	Asrafi Kanu.
32.	Pucha Bouri.
33.	Rabisankar Bouri.
34.	Niren Bouri.
35.	Sushen Dhibar.

S. No.	Name
36.	Budan Bakdi.
37.	Kale Mahali
38.	Dhiren Bouri.
39.	Gujra Kora.
40.	Champa Bouri.
41.	Gadi Bouri.
42.	Bidu Bouri.
43.	Dulali Bouri.
44.	Pancharam Lohar.
45.	Mahendra Modi.
46.	Chandrabali Bourin.
47.	Nathan.
48.	Pachu.
49.	Chodiram Rajoor
50.	Dharamraj.
51.	Sriram.
52.	Nandkishore.
53.	Budhu.
54.	Jhomri.
55.	Nilamani.
56.	Kalamani.
57.	Kalabati.
58.	Balgji.
59.	Bashi.
60.	Naren.
61.	Dani Bouri.
62.	Fulmani Majhi
63.	Sukhdev Bhula.
64.	Kali Bhula.
65.	Krishna Bhula.
66.	Sukra Bhula.
67.	Sehagi Bhulia.
68.	Ropik Mia.
69.	Radhe Bhulia.
70.	Kalipada Kora.
71.	Dipsa Bhulia.
72.	Usha Bouri.
73.	Sudat Bouri.
74.	Khushi Bouri.
75.	Paramasankar Yadav.
76.	Jhulbhai Dhimal.
77.	Kanai Gora.
78.	Samru Dhimal.
79.	Hemlal Gode.
80.	Sahittar Kamal.
81.	Dhanu Koot.
82.	Kichby Kullu
83.	Sabitri Teli.
84.	Ahilla Thakur.
85.	Chaitmali Kewat.
86.	Bhuribhati Gore.
87.	Rajkumari Kewat.
88.	Jamul Teli.
89.	Bhukai Teli.
90.	Jangli Gora.
91.	Baithmal Kewat.
92.	Rambalak Prasad.
93.	Dharmuraj.
94.	Chabi Mahali.
95.	Bejali Mahali.

S. No.	Name
96.	Shri Swigunj Majhi.
97.	" Chabi Majhan.
98.	" Konasallya Majhi.
99.	" Paybashi Mahali.
100.	" Sitaram.

[No. L-19011/1/75/D.III.B.]

आदेश

नहीं विश्वासी, 23 जुलाई, 1975

क्रा० आ० 2947.—मैसर्स डालमिया दावरी सीमेण्ट लिमिटेड, चर्की दावरी, जिला भिवानी, हरियाणा के प्रबन्धसंकार से सम्बद्ध नियोजकों और उनकी कंकर बदानों में नियोजित उनके कर्मकारों ने, जिनका प्रतिनिधित्व डालमिया दावरी सीमेण्ट कंपनी में स्वयं नियन्त, चर्की दावरी करती है, श्रीद्वयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (2) के प्रवीन संयुक्त रूप से केन्द्रीय सरकार को आवेदन किया है कि वह उनके बीच विवादात् श्रीद्वयिक विवाद को उक्त आवेदन में उद्दिष्ट और इससे उपावद अनुसूची में उद्धृत विषयों के बारे में किसी अधिकरण को निर्देशित करें;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि आवेदन करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्ष के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं;

अतः, अब, श्रीद्वयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक श्रीद्वयिक अधिकरण गठित करसी है, जिसके पीछासीन प्रधिकारी श्री ओ० पी० शर्मा होंगे, जिनका प्रबन्धालय फरीदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायित्वित्यन के लिए

प्रत्यक्षी

उन व्यक्तियों, जिन्होंने डालमिया दावरी सीमेण्ट्स कंपनी में स्वयं नियन्त, चर्की दावरी के साथ तारीख 5 अगस्त, 1969 को हुए समझौते के अनुसार कार्यभार प्रहृण किया और उन व्यक्तियों, जो उक्त समझौते से पहले से ही कार्य कर रहे थे, के बीच परस्पर ज्येष्ठता क्षमा होनी चाहिए और उन व्यक्तियों की, जिन्होंने तारीख 5 अगस्त, 1969 के समझौते के अनुसार कार्य-भार प्रहृण किया है, पिछली बीतन विवाद, यदि कोई हों, क्या होनी चाहिए?

[संख्या एल-29011/74/74-एल० आ०-4/डी.ओ०-3 बी]

ORDER

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2947.—Whereas the employees in relation to the management of Messrs Dalmia Dadri Cement Limited, Charkhi Dadri, District Bhiwani, Haryana, and their workmen employed in their Kankar quarries represented by Dalmia Dadri Cement Factory Men's Union, Charkhi Dadri, have jointly applied to the Central Government under sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), for reference to a Tribunal of an industrial dispute that exists between them in respect of the matters set forth in the said application and reproduced in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government is satisfied that the persons applying represent the majority of each party;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri O. P. Sharma as

Presiding Officer, with headquarters at Faridabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

What should be the interse seniority amongst those who joined the work in pursuance of the Settlement dated the 5th August, 1969 entered into with Dalmia Dadri Cements Factory Men's Union, Charkhi Dadri and those who were already working prior to the said Settlement and what should be the past increments, if any, to workers who have joined in pursuance of the Settlement dated the 5th August, 1969?

[No. L-29011/74/74-LRIV/D. OIIIB]

आदेश

क्रा० आ० 2948—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद अनुसूची में विनियिष्ट विषयों के बारे में श्री गोपी लाल खान स्वामी, शापिंग सेंटर, कोटा, जिला बूंदी, राजस्थान की बुधपुरा बलूआ पत्तर की खान के प्रबन्धसंकार से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीद्वयिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायित्वित्यन के लिए निर्देशित करना चाहीय समझती है;

अतः, अब, श्रीद्वयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 2क के प्रवीन संयुक्त केन्द्रीय सरकार श्रीद्वयिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायित्वित्यन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या श्री गोपीलाल पुल श्री प्रह्लाद राय प्रबद्धाल, शापिंग सेंटर, कोटा, बूंदी जिला राजस्थान की बुधपुरा बलूआ पत्तर की खान में नियोजित कर्मकार, किन्हीं सबेतन राष्ट्रीय और स्थीरहारी प्रबन्धकालियों की मंजूरी के हकदार हैं? यदि हाँ, तो किन प्रबन्धकालियों के लिए और किस बर्ष से?

[संख्या एल-29011/49/75-डी-3 बी]

ORDER

S.O. 2948.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Budhpura Sand Stone Mine of Shri Gopilal Mine Owner, Shopping Centre, Kota, District Bundi, Rajasthan, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE

Whether the workmen employed in Budhpura Sand Stone Mine of Shri Gopilal, son of Shri Prahalad Rai Agarwal, Shopping Centre, Kota in the District of Bundi, Rajasthan, are entitled for grant of any paid national and festival holidays? If so, for what holidays and from which year?

[No. L-29011/49/75/D. III.B]

क्रा० आ० 2949.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद मनुसूची में विनियोग विषयों के बारे में भैसर्स जयपुरिया चाइना क्लै माइन्स (प्राइवेट) लिमिटेड की रेकामन चाइना क्लै माइन्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 4 गणेश चन्द्र एंड बैंग्नू, कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मोंगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अत, अब, ग्रीष्मोंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के अन्त (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीष्मोंगिक अधिकरण (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

मनुसूची

ज्या भैसर्स जयपुरिया चाइना क्लै माइन्स (प्राइवेट) लिं., की रेकामन चाइना क्लै माइन्स (प्रा०) लिं., कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र का, श्री रेसोहेम्ब्रम, भूतपूर्व पम्प चालाकी को 11-4-1975 से सेवा से हटाना न्यायोचित था? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल-29011/94/75-डी० आ० 3वी]

ORDER

S.O. 2949.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Raikaman China Clay Mines (Private) Limited of Messrs Jaipuria China Clay Mines (Private) Limited, 4 Ganesh Chandra Avenue, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Raikaman China Clay Mines (Private) Limited of Messrs Jaipuria China Clay Mines (Private) Limited, Calcutta was justified in removing from service Shri Renso Hembram Ex-Pump Khalasi with effect from 11-4-1975? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-29011/94/75-D.O. IIIB]

ग्रामेश

नई दिल्ली, 24 जूलाई, 1975

क्रा० आ० 2950.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद मनुसूची में विनियोग विषयों के बारे में भैसर्स ग्रॉन इंडिया स्टोन कम्पनी की माल पहाड़ी मजूरकों स्टोन माइन, पाकुर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच इससे उपायद मनुसूची 2 में विनियोग विषयों के बारे में एक ग्रीष्मोंगिक विवाद विद्यमान है;

ग्रोर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अत, अब, ग्रीष्मोंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के अन्त (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीष्मोंगिक अधिकरण संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करता है।

मनुसूची

ज्या भैसर्स ग्रॉन इंडिया स्टोन कम्पनी की माल पहाड़ी मजूरकों स्टोन माइन, पाकुर के प्रबन्धतंत्र की, मालपहाड़ी मजूरकों स्टोन माइन में श्री श्याम कुनाई, मशीन मजूर की सेवाएं, 27 जनवरी, 1975 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार, किस अनुतोष का हकदार है?

[सं. एल-29011/93/75/डी०-3 थी]

[एस० एच० एस० ग्राम्यर, अनुभाग अधिकारी] (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 24th July, 1975

S.O. 2950.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Malpahari Majoorkola Stone Mine of Messrs All India Stone Company, Pakur, and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2 Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Malpahari Majoorkola Stone Mine of Messrs All India Stone Company, Pakur in terminating the services of Shri Shyama Kunai, Machine Mazdoor, in the Malpahari Majoorkola Stone Mine with effect from 27th January, 1975 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-29011/93/75/DIIIB]

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

ग्रामेश

नई दिल्ली, 21 जूलाई, 1975

क्रा० आ० 2951.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद मनुसूची 1 में विनियोग विषयों के बारे में लियति 12 नौ-भारकों के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच इससे उपायद मनुसूची 2 में विनियोग विषयों के बारे में एक ग्रीष्मोंगिक विवाद विद्यमान है;

ग्रोर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

भ्रतः, अब, ग्रोवोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की द्वारा 10 की उपचारा (1) के अंडे (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केल्वीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की द्वारा 7क के अधीन गठित केल्वीय सरकार ग्रोवोगिक अधिकरण सेवा 2, मूम्हाई को स्थायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची-1

- (1) मैसर्स एजेंसिया कार्मिशियल मरिटिमा, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (2) मैसर्स एजेंसिया भल्द्रामेंटिना प्राइवेट लिमिटेड, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (3) मैसर्स चौगूल ब्रवर्स, मोर्मुगोवा बन्दरगाह (गोआ)।
- (4) मैसर्स वासोदर मंगलजी एंड कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (5) मैसर्स एजेंसियाओं वेरीटा एंड सन्स वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (6) मैसर्स माखावो एंड संस, एजेंट्स एंड स्टीविंग्स प्रा० लि० वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (7) मैसर्स गोसालिमा शिपिंग प्रा० लि०, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (8) मैसर्स लिमा लिटाओं एंड कम्पनी, मोर्मुगोवा बन्दरगाह (गोआ)।
- (9) मैसर्स मोर्मुगोवा नावेगादोरा लिमिटेड, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (10) मैसर्स राजाराम बी० रेडिंग, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (11) मैसर्स बी० एस० सालगामोकर एंड ब्रदर्स प्रा० लि०, वास्को-दा-गामा (गोआ)।
- (12) मैसर्स बी० एस० डेम्पो एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मोर्मुगोवा बन्दरगाह (गोआ)।

अनुसूची-2

- (क) क्या अनुसूची-1 में विनियिष्ट मोर्मुगोवा बन्दरगाह के नीमरकों का अपने मुख्य फोरमेनों, फोरमेनों, सहायक फोरमेनों, पर्यवेक्षकों, लिपिकों और शोबल रक्काओं को विविया सप्लाई न करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संवंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?
- (ख) क्या अनुसूची 1 में उल्लिखित मोर्मुगोवा बन्दरगाह के नीमरकों की अपने मुख्य फोरमेनों, फोरमेनों, सहायक फोरमेनों, पर्यवेक्षकों दीलीलिपकों को जब वे विश्राम अवस्थि के दौरान शिकायत कार्यविधि के लिए पूल कार्यालय में उपस्थित होने के लिए बुलाए जाते हैं, अतिकालिक भत्ता और सवारी अर्च संदर्भ न करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संवंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[सं. एस-36011(4) 75-डी-4(ए)]

ORDER

New Delhi, the 21st July, 1975

S.O. 2951.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of 12 Stevedores at Mormugoa Harbour (Goa) specified in the Schedule I annexed hereto and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule II hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial

Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE I

1. Messrs Agencia Commercial Maritima, Vasco-da-Gama (Goa).
2. Messrs Agencia Ultramarina Private Limited, Vasco-da-Gama (Goa).
3. Messrs Chowgule Brothers, Mormugoa Harbour (Goa).
4. Messrs Damodar Mangalji and Company (Private) Limited, Vasco-da-Gama (Goa).
5. Messrs Elesbao Pereira and Sons, Vasco-da-Gama (Goa).
6. Messrs Machado and Sons, Agents and Stevedores Private Limited, Vasco-da-Gama (Goa).
7. Messrs Gosalia Shipping Private Limited, Vasco-da-Gama (Goa).
8. Messrs Lima Leitao and Company, Mormugoa Harbour (Goa).
9. Messrs Mormugoa Navegadora Limited, Vasco-da-Gama (Goa).
10. Messrs Rajaram V. Redij, Vasco-da-Gama (Goa).
11. Messrs V. M. Salgaocar and Brothers Private Limited, Vasco-da-Gama (Goa).
12. Messrs V. S. Dempo and Company Private Limited, Mormugoa Harbour (Goa).

SCHEDULE II

- (a) Whether the Stevedores of Mormugoa Harbour specified in Schedule I are justified in not supply uniforms to their Chief Foremen, Foremen, Assistant Foremen, Supervisors, Tally Clerks and Showel Keepers? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?
- (b) Whether the Stevedores of Mormugoa Harbour mentioned in Schedule I are justified in not paying overtime allowance and conveyance charges to their Chief Foremen, Foremen, Assistant Foremen, Supervisors and Tally Clerks when they are required to attend the Pool Office for grievance procedure during the period of their rest? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

[No. L-36011(4)/75-D-IV(A)]

New Delhi, the 19th August, 1975

S.O. 2952.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Armen George and Company (Private) Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th August, 1975.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

PRESENT :—

SHRI E. K. MOIDU . . . PRESIDING OFFICER.
Reference No. 11 of 1975

PARTIES:

Employers in relation to the management of Messrs Armen George and Company (Private) Limited, Calcutta.

AND
THEIR WORKMEN

APPEARANCES:

On behalf of Employers :— Shri B. N. Ash, Advocate.

On behalf of Workmen :— Shri H. L. Roy, Advocate.

State : West Bengal

INDUSTRY : Port & Dock

AWARD

By Order No. L-32012/19/74-PD/CMT/D-IV (A) dated 25th January, 1975, the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Messrs Armen George and Company (Private) Limited, Calcutta, and their workmen, to this Tribunal for adjudication. The reference reads as follows :—

"Whether the termination of services of Shri Santosh Kumar Mukherjee, 'Zetty Clerk' employed under Messrs Armen George and Company (Private) Limited from 19-7-1974 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. The workman contended that his services had been terminated without any valid reason with effect from 19-7-1974 while he was working as a Zetty clerk under the management and, therefore, he states that he should be reinstated in service.

3. The management, on the other hand, contended that the union which espoused the cause of the workman had no representative character and that the workman's dispute had been permanently settled on 9-1-1975 on payment of his arrears of wages, gratuity, etc. in the presence of Shri M. L. Sen Gupta, Referee, West Bengal Shops & Establishment, when the workman's application for wages came up for consideration. So, according to the management, there is no industrial dispute in existence to be adjudicated upon.

4. The reference came up for hearing today. The Advocate of the workman filed an application for adjournment. That application has been dismissed by a separate order of today's date. The workman and the union are, therefore, declared ex parte. The Advocate however did not participate in the proceeding. In the absence of the Union Secretary as well as the workman the employer's Agent was examined as witness. He proved the employer's case against the workman. He produced Ext. M-4, receipts under which a total sum of Rs. 2,728.76 P. was paid to the workman in full settlement or acceptance of the termination of his service with effect from 20th July, 1974. The workman had affixed his signatures on all these receipts. The settlement is also the subject-matter of Ext. M-5 letter addressed to Sri M. L. Sengupta, Referee. Ext. M-2 is the application and Ext. M-3 is the summons issued to the employers by the Referee, West Bengal Shops & Establishment. It was when the petition came up for hearing that the settlement was arrived at. There is no evidence contrary to the evidence of the employer's agent. His evidence has, therefore, to be accepted. It is to be held on the basis of the evidence that the dispute with the workman had been fully and finally settled on his acceptance of termination of service with effect from 20-7-1974. There is, therefore, no industrial dispute to be adjudicated upon in this reference.

5. In the result, the settlement of the industrial dispute with the workman having been established in the case the reference is rejected.

Dated, Calcutta,
The 7th August, 1975.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

[No. L. 32012/19/74-P&D/CMT/D.IV (A)]

New Delhi, the 20th August, 1975

S.O. 2953.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th August, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

Reference No. CGIT-2 of 1973

PARTIES :

Employers in relation to the Bombay Port Trust, Bombay,
AND
Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. K. Shetty, Legal Adviser with
Shri R. S. Bhate, Jr. Asstt. Legal Adviser, B.P.T.

For the Workmen—Dr. S. Maitra and Shri V. R. Balgi,
General Secretary, B.P.T. General Workers' Union.

PRESENT:

Shri S. K. Shetye, General Secretary, B.P.T. Employees' Union.

STATE : Maharashtra.

INDUSTRY : Major Ports and Docks.

Bombay, dated 15th July, 1975

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment have by their order No. L-31011/1/73/P&D dated 24th April, 1973 made in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the following schedule :

SCHEDULE

"1. Having regard to the fact that the selection has to be made on the basis of seniority-cum-suitability, whether the manner in which selection was made by the Bombay Port Trust management to the posts of Mobile Crane Supervisor (Operative) was fair and proper ?

2. Whether the claim that the conversion of posts of Mobile Crane Driver, Grade II into those of Mobile Crane Supervisor (Operative) had curtailed the promotional opportunities available to Mazdoors and, therefore, it was illegal to have effected the conversion without issuing a notice of change under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947, is correct?"

2. After the receipt of the reference, notices were issued to the parties for filing their respective statements. The B.P.T. General Workers' Union by its statement of claim has submitted that by a Resolution No. WB-21(7)/69 dated 28-3-70 the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) decided that the unanimous and majority recommendations of the Wage Board on matters covered by its terms of reference should be accepted subject inter alia to the following :

"Any existing anomalies regarding the pay scales of employees of various Ports and also such other anomalies/difficulties that may arise in the course of the implementation of the new wage structure evolved by the Wage Board in the first instance be discussed informally between the parties and settled at the Port level. The Government will consider the question of setting up suitable Bi-Partite or Tri-Partite machinery for dealing with any issues that remain unresolved."

3. Consequent to this decision the Unions had submitted various anomalies and the Bombay Port Trust Employees' Union had raised the question of anomalies regarding the Mobile Crane Driver's scale of pay of Gr. I and Gr. II and claimed that the Wage Board had created an anomaly by prescribing a lower scale of pay for the mobile crane drivers. The demand of the B.P.T. Employees' Union was that the scale of pay for mobile crane drivers Grade II and Grade I should be as follows :

Grade II—Rs. 150-4-170-5-195-EB-6-225-7-281.

Grade I—Rs. 170-5-190-8-270-10-300-EB-10-330-12-366.

4. The B.P.T. General Workers' Union has stated that there are in all 92 mobile crane drivers grade II and 90 mobile crane drivers grade I. It is the case of the mobile crane drivers that the duties and responsibilities and qualifications needed by the drivers grade I and II are same except the fact that grade I drivers are given a training for a month to operate forklifts having a capacity of 3-1/2 tons and above and mobile cranes having 3-1/2 tones to 15 tones capacity. According to this union the training of one month can easily be given to all mobile crane drivers and therefore there was no need for having two distinct categories of Gr. I and II. The Union has stated that the mobile crane drivers are of opinion that the two cadres of grade I and II should be abolished and there can be one cadre mobile crane driver with the scale of pay of Rs. 170-5-190-8-270-10-300-EB-10-330-12-366. This has been claimed by it before the Anomaly Committee also. It is the case of the B.P.T. General Workers' Union that as the above demand had the backing of almost the entire strength of the mobile crane drivers the Port Trust Administration decided to deny the drivers their rightful claim and engineered a settlement between the Port Trust and the B.P.T. Employees' union. According to the B.P.T. General Workers' Union the B.P.T. Employees' Union had not entered into the agreement officially or legally. It is further submitted that the settlement was not arrived at under Rule 58 of the Industrial Disputes (Central) Rules and therefore cannot be considered as a memorandum of settlement under the Industrial Disputes Act binding on mobile crane drivers. Thereafter the Trustees passed a Resolution No. 671 dated 2-5-1972 by which it was decided to create 11 posts of mobile crane supervisor (operative) in the scale of Rs. 170—290. Then on the 15th July 1972 the Diesel Engineer informed the mobile crane drivers by a notice that persons should apply for the post of Mobile Crane Supervisor in the grade of Rs. 170—190. It is further stated that several notices were issued in August and September, 1972 calling upon the mobile crane drivers to appear before the Selection Committee for interview for the post of mobile crane driver, supervisor (operative). It is alleged that the examination of mobile crane drivers and the interview for the post of mobile crane driver supervisor (operative) was not considered to have been conducted justly and fairly, in consequence of which the Secretary, Transport and Dock Workers' Union made a representation to the Chief Mechanical Engineer with a copy to the Personnel Officer, Bombay Port Trust. It is also alleged that after the selections were made the In-charge of the Mobile Crane Section Shri Q. H. Taufiq had held interviews. Some of those who had been selected by the Selection Committee were it is stated disapproved by Shri Taufiq as the persons selected had not the approval of the B.P.T. Employees' Union. Therefore after the B.P.T. General Workers' Union demanded the cancellation of the promotions already made and to start discussions with this union to determine whether the posts of mobile crane supervisor (operative) were at all required. The mobile crane drivers thereafter started direct action, and the Port Trust had requested the Regional Labour Commissioner to take the dispute in conciliation. It was recorded by the Port Trust that the B.P.T. General Workers' Union had made a demand that promotions to posts of mobile crane supervisor (operative) should be cancelled. The union has asserted that it is an undeniable fact that it is the mazdoors' working with the maintenance and repairing staff who alone are able to enter the channel of driver mechanic, assistant chargeman and chargeman and mazdoors working with the crane drivers are able to aspire for the post of crane driver grade II, Driver Grade I and heavy lift crane driver. Under the T.R. under reference it was decided that with the creation of the posts of mobile crane driver Gr. II will be abolished. The union has further submitted that it was mandatory that before passing the resolution T.R. No. 671 of 2-5-1972 the Chairman, Bombay Port Trust should have notified the proposals on the notice board in the language understood by the majority of the mobile crane staff and called for objections, if any, to the proposals. It is the case of the union that no such action was taken, and the action of the Port Trust in reducing the promotional opportunities of the mazdoors to the extent of the number of mobile crane supervisors (operative) created violating the requirements of section 9(a) of the Industrial Disputes Act. The union has further submitted that the creation of the posts of mobile crane supervisor (operative) is an attempt to deny to the mobile crane drivers their rightful claim before the Anomaly Committee that has been appointed by the Government of India. The union has in conclusion prayed that considering the fact that higher scale of pay for the drivers is being sought before the Anomaly Committee it was not at all necessary to create the posts of mobile crane supervisor (operative). It has sub-

mitted that considering all the facts including the fact that Shri Taufiq held a special interview the selection made for the posts of mobile crane drivers (supervisor) was not fair and proper and should therefore be revoked with effect from the date from which the promotions were given to the individuals; that the abolition of equivalent number of posts of mobile crane driver grade II reduces the promotional opportunities of the mazdoors of the mobile crane section and therefore it was not legal or correct to introduce the change without meeting the requirements of section 9(a) of the Industrial Disputes Act and should, therefore, be revoked from the date from which the posts of mobile crane supervisor (operative) were created. It is finally submitted that as the mobile crane driver Grade II and grade I are opposed to the creation of the posts of mobile crane supervisor (operative) there is need to abolish the said posts from the date on which they were created to ensure industrial peace.

5. The Bombay Port Trust in their written statement have submitted that arising out of a demand made by the B.P.T. Employees' union an agreement was arrived at on 29th April, 1972 between the Bombay Port Trust and the Bombay Port Trust Employees' Union to convert the 15 Posts of mobile crane driver grade II into those of mobile crane supervisors (operative) and to fill the latter posts from among the heavy lift crane drivers and mobile crane drivers in the mobile crane section on the basis of seniority-cum-suitability the suitability being determined by an appropriate test to be prescribed by the Chief Mechanical Engineer, Bombay Port Trust. It is further stated that by Resolution No. 671 dated 2nd May, 1972 the employers also approved of the proposal to create the said posts of mobile crane supervisor (operative) as agreed with the B.P.T. Employees' Union. The agreement provided for the creation of 15 posts of mobile crane supervisors (operative) in lieu of an equivalent number of posts of mobile crane drivers grade II with a proviso that so long as two shift working was in force only 11 posts were to be upgraded. Applications were invited and tests were taken and eight were selected and appointed to the post of mobile crane supervisor (operative) with effect from 9-10-1972. This was objected to by the B.P.T. General Workers' Union which has led to the present reference.

6. It is submitted that the scales of pay of mobile crane drivers grade I and grade II have been fixed after careful examination of the duties and responsibilities attached to the posts and if the union is seeking to have them revised on grounds of anomaly it is at liberty to do so before the Committee constituted for the purpose. It is averred that the agreement with the B.P.T. Employees' Union is legal as that union represented the mobile crane drivers. Applications were called for the posts of mobile crane supervisor operative and 32 candidates showed willingness to appear for interview and after the interview only 8 candidates were found suitable against the 11 vacancies of mobile crane supervisor (operative). The Diesel Engineer, Mobile Crane Section, also stated that of the 7 mobile crane drivers grade II who had applied only 4 were found suitable. It was felt that the poor response to appearing for the selection might have been due to the fact that the drivers for promotion as supervisors were not eligible for piece-rate earnings. It was considered that if the mobile crane drivers Grade II were promoted as supervisors they would not be able to discharge their responsibility efficiently as they had no experience or opportunity of operating the mobile cranes which is available to the drivers, grade I and drivers, heavy lift and therefore they will not be able to efficiently supervise and exercise control over the crane drivers, grade I and heavy lift crane drivers or to take decisions where they have to deal with situations involving breakdowns/accidents to mobile cranes.

7. Regarding the allegations made about Shri Taufiq it is stated that Shri Taufiq had certain doubts to clear in respect of the selections that were to be made for the post of mobile crane supervisors (operative) and it was for this reason that Shri Taufiq did not take part in the conclusions arrived at by the committee. The Port Trust has denied the allegation that the second interview was held at the instance of the Secretary, B.P.T. Employees' Union with a view to ensure that only the persons approved by the union are selected for the posts of mobile crane supervisors (operative). It is stated that all the mazdoors of the section have a common seniority and can aspire for promotion to any of the higher posts available in the mobile crane section provided they have requisite minimum qualification and pass the prescribed test. It is the case of the employers that with the creation of posts of mobile crane supervisors (operative) and the surrender

of an equivalent number of posts of mobile crane driver Grade II, the total number of promotional posts has remained unaltered and since all the mazdoors have a common seniority, the claim by the union that their promotional opportunities have been curtailed is not borne out by the facts and in fact contrary to facts. It is the case of the employers that the simultaneous creation of 11 posts of mobile crane supervisor (operative) and abolition of mobile crane driver Grade II in the Mobile Crane Section they introduced no change in the conditions of service attracting the provisions of section 9A read with the fourth Schedule of the Industrial Disputes Act, 1947. It is further contended that creation of additional promotional opportunities does not amount to change and without prejudice it is submitted that a notice is required to be given only if the employers make any adverse change. It is further submitted that even assuming that a notice of change was necessary the letter of the B.P.T. No. L/GEE-E-(u) 1543 dated 29th April, 1972 to the B.P.T. Employees' Union representing the workmen was a notice to the workmen themselves. The employers have stated that at the time the agreement was arrived at with the B.P.T. Employees' Union it was their bona fide belief that the workmen of the Mobile Crane Section were represented by the B.P.T. Employees' Union only and not by the B.P.T. General Workers' Union. It is further submitted that the notice No. MCD/1-Notice/1136 dated 15-7-1972 is proof positive of the fact that the employers had brought to the notice of all workmen concerned that the selection to the post of mobile crane supervisor (operative) was within their knowledge. The employers have asserted that in selecting the workmen for the mobile crane supervisors (operative) from amongst mobile crane drivers Grade I and the drivers, Heavy lift the principle of seniority-cum-suitability has been observed. Finally, it is submitted that the action of the employers in creating the posts of mobile crane supervisors (operative) and the simultaneous abolition of an equivalent number of posts of mobile crane drivers grade II was bona fide and was in the larger interests of the entire working class of the mobile crane section of the employers.

8. The Bombay Port Trust Employees' Union which claims to represent an overwhelming majority of workmen of the mobile crane section has submitted its statement of claim which is generally in the nature of supporting the statement of the Bombay Port Trust.

9. It is submitted that this union did not find anything objectionable or illegal in the selection made and the employers agreed for adjudication merely to remove the misconception from the minds of some of the senior drivers of mobile crane section of the employers. It is the case of this union that the creation of posts of mobile crane supervisors (operative) does not debar any union from asking higher scale of pay and also extension of piece rated scheme to this category which it is at present actually agitating. It has supported the statement of the employers that no notice of change was necessary as this was beneficial to the workers and agreed to by the union representing the workmen of the mobile crane section. It is the case of this union that there was nothing wrong in the promotion of 8 mobile crane drivers grade I to the posts of mobile crane supervisors (operative) on the basis of seniority-cum-suitability. According to the union the B.P.T. General Workers' Union was also convinced of this after their discussion with the Chairman of the Bombay Port Trust. It is the contention of this union that selection of 8 candidates for filling the vacancies of mobile crane supervisors (operative) was made by the Chief Mechanical Engineer on the basis of seniority-cum-suitability from amongst mobile crane drivers grade I. This union it is stated had demanded that promotional posts should be created for the mobile crane drivers having regard to the fact that crane drivers in other ports had promotional avenues and the Wage Board for Port and Dock Workers of Major Ports in India had recommended that promotional opportunities of various categories should be reviewed by the respective port authorities. The Bombay Port Trust considered the demand of the union and created 11 posts of mobile crane supervisors (operative).

10. The Bombay Port Trust has submitted a written statement in reply to the statement of claim of the B.P.T. Employees' Union in which it has admitted most of the state-

ments made by this union. It is stated that the letter addressed by the Transport and Dock Workers' Union to the Chief Mechanical Engineer, Bombay Port Trust does not object to the creation of posts of mobile crane supervisors (operative) by the Bombay Port Trust and the simultaneous abolition of equal number of mobile crane drivers grade II. According to the employers what the Transport and Dock Workers' Union wanted to know was as to why the mobile crane drivers grade II, were found not suitable to the higher post of mobile crane supervisors (operative).

11. The Bombay Port Trust General Workers' Union has examined Shri C. M. Rane who has deposed that he is working in the Port Trust since 22 years. According to him he has worked as grade II driver since 1956 and now he is grade I. He says that his union had demanded the pay scale of Rs. 150/- to Rs. 281/- for grade II driver, and Rs. 170/- to Rs. 366/- for grade I driver and the same pay had been demanded by the B.P.T. Employees' Union before the C. C. Committee and the Central Wage Board for Port and Dock Workers. He has deposed that a demand had been made by the B.P.T. Employees' Union in 1966 creating promotional posts for driver grade I and grade II but actually in 1972 certain posts were created by resolution by the Port Trust, and they did not ask for the scale of Rs. 170-290. He has stated that the workers did not sign any agreement authorizing Shri Vaidya, B.P.T. Employees' Union to enter into an agreement with the Port Trust for creating the post of mobile crane supervisor (operative). He has deposed that when they demanded the scale of Rs. 170-366 for driver Grade I it was not possible for them to demand a scale of Rs. 170-290 for a supervisor. A list of 10 items was exhibited on the notice board for which test was to be taken but did not specify what exactly will be the nature of work for which the test is to be given. Eight persons were promoted to the post of mobile crane supervisor. From the date of promotion no particular work was being taken from the promotees.

12. WW-2 B. J. Sonawane has deposed that he is working in mobile crane for the last 17 years and he has signed the declaration ex-W-1 and nobody compelled him to do so. Ex-W-3 the notice was displayed on the notice board and Ex-W-1A was not shown to him at any time. He had not asked at any time for the post of mobile crane supervisor in the scale of Rs. 170-290. Out of the 99 first grade drivers 90 are members of the B.P.T. General Workers' Union and out of 186, 181 are the members of the B.P.T. General Workers' Union (second grade drivers). Out of 111 third grade drivers, 105 are members of the B.P.T. Workers' Union. He alongwith five others collected the membership subscription, whose name are noted in the register. He has stated that the supervisors are not performing the duties notified in the notice exhibit W-8. He admits that they had asked for the mobile crane driver grade II the scale of Rs. 150-281 and for the drivers grade I they had demanded the scale of Rs. 170-366, but they never accepted the grade of Rs. 170-290 for the supervisor.

13. EW-1 Shri Quazi Hasan Taufiq has filed his affidavit on behalf of the employers and he was examined by the management. He states that there are three grades of drivers in mobile crane section, driver grade I, driver grade II and heavy lift crane driver. Before the present dispute was raised by the B.P.T. General Workers' Union, most of the workers owned allegiance to the B.P.T. Employees' Union. Since a long time there were negotiations for creating higher supervisory posts for these drivers as well as the drivers working in the hydraulic section and accordingly 15 posts of mobile crane supervisors operative for 3 shift working and 11 posts for two shift working were created. He has stated that the mobile crane drivers 1st and 2nd grade are in receipt of piece-rate premium: 15 posts of mobile crane drivers were converted to mobile crane supervisors and 8 of them filled in. The grades of heavy-lift crane drivers and mobile crane supervisors operative were not much different except that the latter was Rs. 20/- higher; so while filling it was thought that they might not get enough response from the first grade and heavy lift driver and in the Trustees Resolution there was no mention that second grade drivers would not be eligible for the post. Hence applications were invited from all the drivers of the mobile crane section to fill up the vacancy of the mobile crane supervisor operative. According to the witness the post of mobile crane supervisor operative was created for settling the dispute locally and also to give his judgment in case of accidents. He has deposed that since

the mobile crane driver grade II did not have the operating experience of actual operation of a mobile crane it was thought that it would not be proper to promote a second grade driver to mobile crane supervisor operative, although they had passed the tests.

14. In this reference two issues arise for adjudication. The first is "Having regard to the fact that the selection has to be made on the basis of seniority-cum-suitability whether the manner in which selection was made by the Bombay Port Trust management to the posts of mobile crane supervisor (operative) was fair and proper?" and I shall deal with this issue presently.

15. Various arguments are advanced before me by the representative of the workmen challenging the selection made by the management to the post of mobile crane supervisor (operative). It is submitted that under the I.R. dated 29th April, 1972 the posts of mobile crane supervisors (operative) was to be created and the list of duties of the supervisors (operative) was given in the annexure B Ex-W-2.

16. It is argued by the representative of the management that according to Ex-W-3 dated 15-7-1972 applications were invited for the posts of mobile crane supervisors in the grade of Rs. 170-290 among the existing employees of this section working in the capacity of H.L. Crane driver, driver 1st grade and driver 2nd grade. The applications were to be submitted to the Head Time-keeper of the section on or before 24-7-1972 and the details of the duties to be carried out by the mobile crane drivers were furnished in the statement displayed sideby and the employees were invited for interview for the posts of mobile crane supervisor under exhibit W-4 dated 26-8-1972, 29-8-1972, 30-8-1972, 2-9-1972, 12-9-1972 and 16-9-1972. It appears from Ex-E-1 that eight persons were recommended by the Selection Committee out of the list at page 28 of Ex-E-1. The representative of the workmen argues that the second grade drivers who were also invited and although they had passed the test were not recommended by the Selection Committee as per orders of the superintending Engineer (mechanical) as noted in Ex-E-1. It is contended by the representative of the B.P.T. General Workers' Union that these three persons were unjustly overlooked by the Chief Mechanical Engineer and therefore the selection of the mobile crane drivers should be set at naught and the entire selection was not legal and proper.

17. On the other hand the representative of the management argued that under section 23 of the Bombay Port Trust Act, 1879, the power of appointing, promoting, granting leave, to suspending, finding, reducing or dismissing or of disposing of any other question relating to the services of, the employees of the Board including the power of dispensing with the services of any such employee otherwise than by reason of such employee's own misconduct, shall be exercised in the case of employees whose maximum monthly salary exclusive of allowance is less than one thousand rupees, by the Chairman and in every other case by the Board. The Chairman can delegate to the head of the department all or any of his powers in respect of the employees of that department whose monthly maximum salary exclusive of allowance does not exceed three hundred and fifty rupees. It is contended that under exhibit E-6 dated 18-6-1970 the delegation of powers of appointment was granted to the Chief Mechanical Engineer and the Chief Mechanical Engineer under the powers vested in him has sanctioned the promotion of 8 drivers grade I to the posts of mobile crane supervisors (operative). It is further urged that as the mobile crane drivers grade II did not have the experience of driving heavy cranes and did not possess the operating experience of a mobile crane it was thought that it would not be proper to promote a 2nd grade driver to mobile crane supervisor (operative), and accordingly instructions were given to fill up the vacancies only from and among the mobile crane drivers 1st grade and heavy lift drivers. It is submitted that the selection had to be made on the basis of seniority-cum-suitability and the manner in which the selection was made by the Port Trust management to the posts of mobile crane supervisor (operative) was fair and proper, and it cannot be challenged.

18. The question that has therefore to be first answered is whether the manner in which the selection was made by the Bombay Port Trust management to the posts of mobile crane supervisor (operative) was fair and proper and it was made on the basis of seniority-cum-suitability. It is seen from

Ex-E-1 that eight persons were selected by the Selection Committee consisting of Sarvashri M. G. Nanhas and G. Nagasundaram and they were :—

1. Shri Rangai Sahebdin.
2. Shri Sk. Abdulla Sk. Usman.
3. Shri Arjun Savla Maske.
4. Shri M. S. Gawas.
5. Shri R. S. Deoraj Naidu.
6. Shri Fakir Mohamed Ebrahim.
7. Shri Mahadeo D. Rane.
8. Shri Pardumansingh.

Rangai Sahedbin was appointed on 7-4-1971 and got C in English and B in Vernacular and General in the test and passed. Sk. Abdulla Sk. Usman was appointed on 11-7-1944 and got B in English, Vernacular and General and passed. Arjun Salva Maske was appointed on 7-6-1949 and secured B in all and passed. Mahadeo Sakharam Gawas who was appointed on 23-8-1949 and got B in all and passed. Deoraj Naidu who was appointed on 23-8-1949 got B in English and Vernacular and A in General and passed. Fakir Mohamed Ebrahim who was appointed on 1-6-1942 got B in all and had also passed the test. M. D. Rane who was appointed on 1-4-1946 got C in English and B in Vernacular and General and had also passed the test. Parsumansingh who was appointed on 14-12-1953 got B in English and Vernacular and A in General and had passed the test. The other candidates mentioned in Ex-E-1 except three had failed and therefore they were not selected by the Selection Committee. Not a word is said in the evidence of either WW-1 or WW-2 against the manner in which the selection was made. In this evidence WW-1 has stated that he appeared before the Committee for the purpose of appearing for test. He has deposed that the post of supervisor should have been given to drivers on the basis of seniority but somebody spread humours that junior employees were also eligible and therefore he applied for the post. He admits that the senior mobile crane drivers demanded that the post of mobile crane supervisors should be given to the drivers on the basis of seniority of service. In further cross-examination he has stated that the maximum of the scale of pay of the first grade driver is lower than the maximum of the post of mobile crane supervisor. He cannot say whether he or his colleague would get the post of MTS. If the higher officer wishes one of his colleagues would get a chance of promotion as MTS operator. He has further asserted that because there is uncertainty of drivers grade I and II getting the post the post of supervisor should not be there. WW-2 testifies that he was tested and promoted as second grade driver. If he was to be promoted test will be taken and he will not be promoted if he fails in the test. If he wanted the post of mobile crane supervisor he would be subjected to the test. He further narrates that if he does not want the supervisory post nobody can force him to take that post. Further he details that the post of supervisor should be given to mobile crane drivers on the basis of seniority only. Since the Port Trust did not select the mobile crane drivers merely on the basis of seniority they raised a dispute through the B.P.T. General Workers' Union. He admits that the mobile crane supervisors are not paid on piece-rate premium and it is true that on their promotion the drivers may lose at times depending upon the piece-rate premium available to the drivers at any given time. Therefore there is absolutely no evidence tendered on behalf of the workmen to indicate that the selection was not done in a proper and legal manner. The only insistence of WW-1 and WW-2 was that the posts of supervisors should not be created and promotions should be made directly on the basis of seniority alone.

19. EW-1 has deposed that applications were invited from all the drivers of the mobile crane section to fill up the vacancy of the mobile crane supervisor operative. The post of mobile crane supervisor operative was created for settling the dispute locally and also to give a chance. Applications were invited. Tests were held and nothing can be said against the selection of eight persons mentioned in Ex-E-1 and in the absence of any evidence to the contrary it cannot be concluded that their selection was not fair and proper, so far as the eight persons were concerned.

20. But there was absolutely no cogent argument advanced for disregarding the names of three grade II drivers who according to the annexure exhibit E-1 had also passed the test. They are Shri C. S. Rane, Joseph Pascal Vaz and Mohan Singh. C. S. Rane who was appointed on 10-12-1953 had secured B in English and Vernacular and A in general and had passed the test. Pascal Vaz and Mohan Singh had secured B in English, Vernacular and General, and had also passed. But the selection committee appears not to have recommended these names as per the orders of the Superintending Engineer. EW-1 says in his evidence that since mobile crane drivers grade II did not have the experience of actual operation of a mobile crane it was thought that it would not be proper to promote a second grade driver to mobile crane supervisor operative. Accordingly instructions were given to the diesel engine mobile crane section to fill up the vacancies only from and among the mobile crane drivers first grade and heavy lift drivers. Though some second grade drivers passed the test they were not promoted according to the witness for the reasons stated above. Prior notices were served on all concerned before the tests were held and the B.P.T. Employees' Union did not play any role in the matter of selection of the mobile crane drivers.

21. There does appear to be absolutely no logical reason for ignoring the claims of the three grade II drivers referred to above who had passed the test. It cannot be disputed that the Chief Mechanical Engineer was delegated the powers under exhibit E-6 by the Chairman in the matter of promotion. But then if the grade II drivers were not found fit for promotion there was hardly any occasion or necessity for inviting the applicants. As a matter of fact exhibit W-1A dated 29th April, 1972 which is a letter written by the Personnel Officer of the Bombay Port Trust to the General Secretary of the B.P.T. General Workers' Union on the subject of promotional opportunities for crane drivers of hydraulic establishments and mobile crane section does not make any distinction between mobile crane drivers grade I and grade II. Not only were applications invited from grade II drivers but they were asked to appear for the test and grade II drivers mentioned above had passed the requisite test. It is stated by EW-1 in his evidence that he sought instructions from the Chief Mechanical Engineer and Diesel Engineer and accordingly the promotions were effected. He has added that he took oral instructions from the C.M.E. It is really astonishing that in such matters oral instruction should be sought by EW-1 from the Chief Mechanical Engineer. In exhibit E-1 there is a note to the effect that the three grade II drivers referred to above were not recommended as per orders of the Superintending Engineer (Mechanical). But the Superintending Engineer is not examined to prove that he had received any instructions from the Chief Mechanical Engineer. When persistently questioned at the time of arguments to produce any written instructions of the Chief Mechanical Engineer to the Superintending Engineer to the effect that the grade II drivers should not be recommended by the Selection Committee the representative of the management expressed his inability to do so and said they were all oral instructions. There is not a whisper in the evidence of the EW-1 that oral instructions were given by the Chief Mechanical Engineer to the Superintending Engineer not to recommend the names of 2nd grade mobile crane drivers to the posts of mobile crane supervisors (operative). Further having delegated the powers to the Selection Committee to select candidates the Chief Mechanical Engineer was in no way authorized to issue instructions that grade II drivers should not be recommended when no such distinction is made either in the Trustees Resolution dated 29th April 1972 and in exhibit W-1A. At the time of inviting applications no such reservation was made that only grade I drivers should be considered for appointment as mobile crane supervisors operative. In these circumstances the three grade II drivers C. S. Rane, Joseph Pascal Vaz and Mohan Singh who had passed the test and qualified for the post of mobile crane supervisor operative along with eight others could not have been validly ignored on any ground. There does not appear to be anything against them so far as their seniority and suitability is concerned.

22. The crucial question therefore that poses for consideration is whether in view of this the entire selection for the posts of mobile crane supervisors operative should be set aside. The answer is clearly in the negative. As pointed out supra nothing is said against the manner in which the selection was made. They are selected purely on the basis

of seniority-cum-suitability. No allegation is made by the workmen that their selection was improper. It would therefore be a travesty of justice to set aside the entire selection of the eight drivers and to penalise them. I therefore, hold on issue No. 1 that having regard to the fact that the selection has to be made on the basis of seniority-cum-suitability the manner in which selection was made by the Bombay Port Trust management to the posts of eight mobile crane supervisors (operative) was fair and proper. However, the withholding of the promotion of the 2nd grade drivers C. S. Rane, Joseph Pascal Vaz and Mohan Singh to the posts of mobile crane supervisor operative after they have been selected was not fair and proper especially as nothing has been shown against them and they will be deemed to have been promoted to the posts of mobile crane supervisor operative from the date the eight others were promoted and to the benefits flowing therefrom.

23. I shall now take up for consideration issue No. 2 which pertains to the question whether the claim that the conversion of posts of mobile crane driver grade II into those of mobile crane supervisor (operative) had curtailed the promotional opportunities available to mazdoors and therefore it was illegal to have effected the conversion without issuing a notice of change under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947, is correct ?

24. I must confess that the adjudication of this issue is perplexing and has caused me great anxiety as it bristles with immense difficulties. It is the claim of the workmen in their statement of claim that there are in the mobile crane section 171 mazdoors working with the crane drivers and six heavy lift crane drivers. The mazdoors working along with the mobile cranes can aspire to avail of these promotional opportunities under the existing channel of promotion. It will be seen from the channel of promotion ; in annexure I that the outdoor mazdoors working alongwith the crane drivers can aspire to become mobile crane driver grade II, then mobile crane driver grade I and thereafter heavy lift crane driver. On the other hand the mazdoors working indoor under the driver mechanic or the motor mechanics of mobile crane section can aspire to become driver mechanic, assistant chargeman or chargeman. Though technically the mazdoors of the mobile crane section indoor and outdoor are considered to be one category for all practical purposes it is not so because mazdoors who do not work with the repairing staff or maintenance staff as it is shown are not able to pick up knowledge of repairing combustion engines (petrol or diesel) and, therefore they cannot appear for a test which they must pass before they can be appointed either as a motor mechanic or as a driver mechanic. It is further maintained that the conditions of service of all class III, Class IV employees working as artisans, unskilled, semi-skilled or skilled or highly skilled are laid down in the Bombay Port Trust Regulations for their non scheduled staff and Rule 2 provides that before making any amendment to the said rules the Bombay Port Trust shall inform the workman concerned by a notice on the notice board on the proposed amendment and shall consider any objection or suggestion that may be made thereto within 21 days of such notice. It was incumbent on the Port Trust to have notified the proposals on the notice board in the language understood by the majority of the mobile crane staff and called for objections if any to the proposals. Unfortunately no such action was taken. Thus the action of the Port Trust resulted in reducing the promotional opportunities of the mazdoors to the extent of the number of mobile crane supervisors (operative) created violating the requirements of section 9(a) of the Industrial Disputes Act.

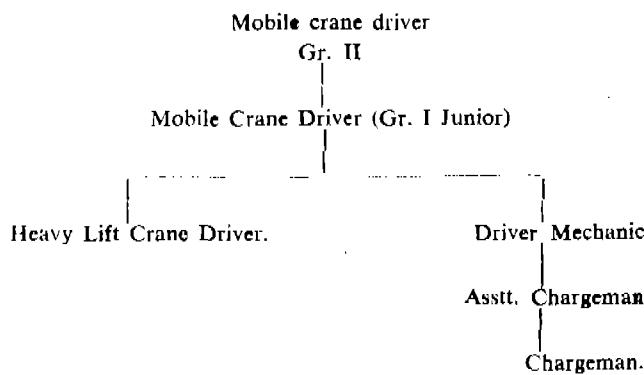
25. On the other hand it is pointed out by the management that they had at the time of the dispute 159 mazdoors who work either along with artisans or along with drivers operating mobile cranes and or wherever unskilled assistance is required to be provided in the section. All the mazdoors of the section have a common seniority and can aspire for promotion to any of the higher posts available in the mobile crane section provided they have requisite minimum qualifications and pass the prescribed test. The channel of promotion at present in force as far as driver mechanics and drivers are concerned is shown in the copy of the notice of change issued by the Port Trust under their letter dated 20th September, 1960. It is stated that the mazdoors can aspire for any of the higher posts in the mobile crane section provided they qualify and pass the requisite test. According

to the longstanding practice obtained in the mobile crane section a mazdoor after recruitment is placed in the day shift for a few months to familiarise him with the working of the entire section, thereafter he is put on shift duties either along with mobile crane drivers Grade 1 and Heavy lift Crane Drivers or to assist the artisans working in the shifts for attending to breakdowns of the mobile vehicles. The senior mazdoors are posted permanently in the day shift along with the artisans for major repair work in the garage. Whenever a vacancy of mazdoor in the permanent day shift arises a senior mazdoor from the shift duties is transferred to the day shift and the newly recruited mazdoor after his familiarisation period in the day is posted to shift duties. It is mentioned that the Bombay Port Trust General Workers' Union has been agitating against these transfers and accordingly the transfer which was due to be effected in the month of June 1973 has been held in abeyance as the union desired to discuss this matter with the Chairman. After a detailed discussion by the Chairman with the union it was decided that the union's objection to the transfers is not tenable and the transfers should be restarted and it is stated that written orders were awaited to put into effect the transfers of mazdoors which were suspended from June 1973. It is further submitted that as the mazdoors posted on shift duties have opportunities of working with crane drivers on operational duties and also with artisans on repairs/maintenance work they can acquire the requisite training and if they make the necessary efforts to improve their skill they can qualify for promotion either as drivers or as artisans; that mazdoors have been promoted as artisans and drivers and in fact the number of mazdoors who have passed the test of mobile crane driver Grade II from the garage staff is more than those from the operational staff. Further, with the creation of posts of mobile crane supervisors (operative) and the number of posts of mobile crane driver, Grade II, the total number of promotional posts has remained unaltered and since all the mazdoors have a common seniority the claim by the union that their promotional opportunities have been curtailed is not borne out by facts. The management has submitted that it is not correct to state that the mazdoors working with the maintenance and repairing staff alone are able to enter into the channel of driver mechanic, assistant chargeman and chargeman and that mazdoors working with the crane drivers are able to aspire for the post of crane drivers. It is again asserted that all mazdoors have a common seniority and can aspire for promotion either as artisans or as drivers or to fill other posts like muccadam, greasers, nowgance and electric platform truck drivers, which obtain in the section. It is the submission of the management that by the simultaneous creation of 11 posts of mobile crane supervisors (operative) and abolition of equal number of posts of mobile crane driver grade II in the mobile crane section they introduced no change in the conditions of service attracting the provisions of section 9A read with the fourth schedule of the Industrial Disputes Act, 1947. The 11 posts of mobile crane supervisors (operative) created vide T.R. No. 671 of 2-5-1972 are open to the mazdoors and other workmen of the said section for being promoted subject to their passing the prescribed tests. No change was introduced in the conditions of service of the mazdoors and creation of additional promotional opportunities according to the employers does not amount to change having regard to the meaning of the term "change" used in the context of section 9A of the said Act. It is the submission of the employers that notice under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947, is required to be given only if the employers make any adverse change in the conditions of service of the workmen. As in the present case they have only improved the promotional chances of the mazdoors it does not amount to change in the conditions of service. Even assuming without admitting that a notice of change was necessary the employers have stated that the mazdoors should be deemed to have been given the requisite notice of change when they wrote their letter of 29th April, 1972 to the B.P.T. Employees' Union setting out their proposals for the creation of the posts of mobile crane supervisors (operative) and the abolition of an equivalent number of posts of mobile crane drivers grade II. At the material time the B.P.T. Employees' Union was representing the workmen of the mobile crane section and the letter dated 29th April, 1972 to the B.P.T. Employees' Union representing the workmen was a notice to the workmen themselves and therefore they have substantially complied with the provisions of section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947.

26. Not a single mazdoor has been examined by the workmen to prove as to how the mazdoors have been deprived of their promotional opportunities by the creation of the posts of mobile crane supervisors (operative). WW-1 and WW-2 who were examined have not in their evidence protested against the creation of these posts. They have merely stated that the promotion to these posts should be on the basis of seniority. It is stated by EW-1 in his evidence that the posts of mobile crane drivers 1st and 2nd grade were converted into mobile crane supervisors and 8 of them were filled in and the grades of crane drivers heavy lift and mobile crane supervisors operatives were not much different except that the latter was getting Rs. 20/- higher. It is also in his evidence that for the 15 posts of mobile crane supervisors the B.P.T. will have to spend Rs. 10,000/- per annum; mazdoors after passing prescribed test can be promoted to posts of 2nd grade driver, 2nd grade driver to 1st grade driver and then to the mobile crane supervisor operative. Since the total number of posts of mobile crane supervisors operative plus heavy lift crane driver plus 1st grade driver plus 2nd grade driver remains unaltered the promotional opportunities are in no way affected. Mazdoors have also other promotional opportunities in the section and there had been a substantial increase of higher posts in the mobile crane section and as such there is no possibility of any reduction of promotional opportunities. If the posts of mobile crane supervisors are not continued and are surrendered it will cause retrenchment of mazdoors and there will be no increase in the promotional opportunities. The mazdoors according to EW-1 can be promoted to skilled artisans like, carpenter, tinsmith, turner, vulcaniser, driver, mechanic etc., so also they can become motor lorry driver as well as mobile crane driver grade II. Mazdoor can also be promoted as nowgane, greaser and also from nowgane to mukadam and platform truck driver. The mazdoors in the mobile crane section have different avenues of promotion in the section itself. Witness has deposed that it is true that a mazdoor unless he possesses heavy vehicle driving licence cannot be considered for the purpose of promotion to the post of mobile crane driver, it is true that besides the driving licence the mazdoor is required to possess particular height and weight and thereafter he is subjected to test. WW-2 who started his life as a mazdoor has stated that he was tested and promoted as a second grade driver in the scale of Rs. 150-225. If he is to be promoted as a first grade driver a test will have to be taken. Similarly he will not be promoted if he fails in the test and for every promotion he will have to pass a test.

27. It is very strenuously argued by Dr. Maitra representing the B.P.T. General Workers' Union that the abolition of 15 posts of mobile crane drivers grade II and their conversion into Mobile Crane Supervisors (operative) will cause great hardship to the mazdoors for they cannot look forward for immediate promotion. It is contended that if the Port Trust was so magnanimous in creating the posts of mobile crane supervisors (operative) and they wanted to provide promotional opportunities to the mazdoors they could have done so by independently creating the posts instead of abolishing the posts of grade II drivers. This argument at first sight may look attractive but leaves me unconvinced. It is not that every mazdoor can aspire to become grade II driver unless he possesses the requisite qualification and passes the test. Undoubtedly by the abolition of the 15 posts of mobile crane drivers grade II the immediate chances for promotion have become obscure. But in the long run they stand to gain. For after all when a person first enters service he does not wish to stagnate and looks for incentives for reaching higher posts in the cadre. The creation of the posts of mobile crane supervisor operative provides an incentive to the mazdoor and removes frustration. If the post of mobile crane supervisor is not created then there will only be post of crane driver at the apex. There will be no further avenue of promotion to him. As pointed out by EW-1 in his evidence the posts of mobile crane supervisors are very necessary in the interest of smooth and efficient working of the mobile crane section. As aptly pointed out in T.R. No. 671 of 1972 there is at present no proper arrangement for expeditiously dealing with the situations arising from breakdowns, delays in shifting, provision of relief and for supervising greasing and gland tightening and for settling elementary disputes arising from piece-rate working, and it was for this reason that they had decided to create the posts of mobile crane supervisors (operative). There is no substance in the argument of the representative of the B.P.T. General Workers' Union

that the fact of the creation of the posts of mobile crane supervisors was not notified. Notice No. MCD/1/Notice/1136 dated 15-7-1972 was displayed on the notice board inviting applications for the posts of mobile crane supervisors. It is true that according to exhibit W-9 the Port Trust notified its intention to change the conditions of service of the workmen with effect from 15-10-1960. The change proposed to be effected was that the existing channel of promotion of the mobile crane drivers will be bifurcated as follows:—



and no notice was given in this case to the B.P.T. General Workers Union under Section 9A.

28. But the question that arises is whether a notice of change was necessary in this case. In my opinion it was not because it does not strictly change the conditions of service but merely provides for promotional opportunities although it does abolish certain posts of grade II drivers thereby temporarily depriving them of immediate promotion. But even if section 9A is applicable it does not in any manner assist the workmen. It is clear from section 9A that the requirement of a notice to workmen would arise only if they are likely to be affected prejudicially and a change in the conditions of service contemplated by the section should be understood in that sense. It is not intended to cover a case where the proposal is, for instance, to change the pay scales or to better the other terms by a unilateral decision of the employer. The object of the section is to prevent a unilateral action on the part of the employer changing the conditions of service to the prejudice of the workmen. Here in the case even if it is presumed to be a change in the condition of service it is not altered to the detriment of the workmen and therefore I am convinced that the omission to give a notice of change under section 9A in regard to the conversion of mobile crane drivers grade II to mobile crane supervisors operative cannot be said to be illegal. It will be apposite at this stage to refer to Ex-U-4 T.R. No. 600 dated 7-5-1974 wherein this very union viz., The Bombay Port Trust General Workers' Union which had represented the operating cadre amongst the B.P.T. Railway staff had demanded the creation of five posts of Assistant Station Master Grade II in the scale of Rs. 250-475, 16 more posts of train clerks in the scale of Rs. 170-366 and to abolish simultaneously 24 posts of number taker in the scale of Rs. 150-281 which is in the lowest category. This proposal was accepted by the Port Trust. Therefore it does not lie in the mouth of the Union to complain about the abolition of the 15 posts of mobile crane drivers grade II and the creation of 15 higher posts of mobile crane supervisors operative. It will be further clear from Ex-U-1 to U-3 that in the past when certain higher posts were created certain intermediate posts were abolished. I therefore hold on issue No. 2 that the conversion of the posts of mobile crane driver grade II into those of mobile crane supervisor (operative) has not curtailed the promotional opportunities available to the mazdoors and it was not illegal to have effected this conversion without issuing a notice of change under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947.

29. The reference is answered accordingly.

30. No order as to costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer

[No. I. 31011/1/73-P&D/D-IV(A)]

New Delhi, the 20th August, 1975

S.O. 2954.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust, Bombay and their workmen which was received by the Central Government on the 18th August, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/13 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bombay Port Trust,

AND

their workmen.

APPEARANCES :

For the employers—Shri R. K. Shetty, Legal Adviser.

For the workmen—Dr. S. Maitra, General Secretary, B.P.T. General Workers' Union.

STATE : Maharashtra. INDUSTRY : Major Ports & Docks.

Bombay, the 25th July, 1975

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, have, by their Order No. I-31011/6/74-P&D dated 18th April 1974, issued in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust and their workmen in respect of the subject matter specified in the following schedule:—

SCHEDULE

"Whether the changes notified by the Bombay Port Trust in its Notice of change in Service Conditions dated 13th September, 1973 in the matter of posting of electricians under the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Islands, for attending to navigational electric lights (including leading lights, buoys and beacons) at and around Butcher Island are justified and should be implemented? If not, how should the postings of the said electricians for the said work should be regulated?"

2. After the receipt of the reference notices were issued to the parties to file their written statements. The B.P.T. General Workers' Union has by its statement of claim stated that prior to 1st January 1969 the work of attending to the beacon lights leading lights and lighted buoys used to be attended to by the employees of the Electrical Establishment, Northern Division and not by the Establishment Engineer, Marine Oil Terminal; that all the work which used to be attended to by the Engineer, Northern Division, Electrical Establishment, was transferred by the employers to the Engineer, Marine Oil Terminal with effect from 1st January 1969 and the work of attending to the aforesaid lights was continued to be entrusted to the juniormost electrician at Butcher Island as was the case when it was under the Engineer, Northern Division, for which purpose the juniormost electricians were retained permanently in the day shift. It is further stated that after some lapse of time the juniormost electricians were placed in the day and night shifts for the purpose of rotating them and one who happened to be in the day shift was asked to attend to the navigational lights, the buoy lights and beacon lights etc. The Union has further submitted that in accordance with the terms of an award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay,

in Ref. No. CGIT-18 of 1968 in an industrial dispute raised by the B.P.T. Employees' Union in respect of the electricians of the Marine Oil Terminal Butcher Island the Chief Mechanical Engineer, Bombay Port Trust started rotating the electricians between Trombay and Butcher Island but the practice of requiring the junior most electricians to attend to the navigational lights, beacon lights, buoy lights whenever such work arose was continued. It is the union's case that both the junior and senior electricians when posted for duty at Butcher Island are required to be paid 8 hours normal wages and 4 hours overtime wages at twice their total emoluments; that it is only when they are transferred in accordance with the award in CGIT-18 of 1968 to Pir Pau and Trombay Manifold that the electricians etc., are placed on duty for fixed eight hours and are able to earn overtime only when such necessity arises and with the sanction of the appropriate authority. Thus it is contended that when an electrician is placed for duty at Pir Pau he suffers monetary loss of 4 hours overtime wages payable at twice the rate of his total emoluments.

3. It is asserted by the B. P. T. General Workers' Union that the work of attending to the beacon lights, navigational lights and buoy lights was being carried out traditionally all over the port area by the juniormost electricians of the electrical establishment, Northern Division from the time when such lights were installed. The union has stated that exigency, efficiency or requirements of work had never necessitated the posting of senior electricians to attend the navigational lights etc. In support it is stated that even after the implementation of the award in Ref. No. CGIT-18 of 1968 the old practice was continued which goes to show that so far as the employers are concerned there had never been any need to post or call upon the senior electrician to attend to such work. The B.P.T. General Workers' Union has stated that according to the admission of the employers the notice of change was introduced in response to a demand by the B.P.T. Employees Union which goes to show that there was no requirement of efficiency or exigency. As such according to this union the placement of senior employees would amount to wastage of highly skilled persons to attend to replacement of bulbs, insulating connections etc. Finally the union has submitted that this Tribunal should direct that the juniormost electricians who were successfully carrying out this work for several decades should be directed to attend to the work of the navigational lights, beacon lights or buoy lights as and when such work arises. The union has submitted along with its statement of claim copies of the correspondence which ensue between it and the Chairman of the Port Trust and the failure report of the Conciliation Officer (Central).

4. The B.P.T. Employees' Union has by its statement of claim submitted that the principles of equity, justice and fair play fully justify the demand of the union for rotation of the Staff having the same designation, pay scale and qualifications and common seniority and the posting of junior electricians only to attend to the beacon lights, navigational leading lights and buoys at Butcher Island is wrongful. It has submitted that the principle of rotation even beyond shifts and to various places has been accepted by the Administration and it has been upheld in the award in CGIT-18 of 1968 in the case of electricians, wiremen and assistant wiremen. It is further stated that against this award the B.P.T. General Workers' Union filed a Writ Application in the High Court of Bombay which was dismissed and the award was confirmed.

5. It is further stated that the administration has in consultation with the unions decided to effect rotation of workmen at their various places of work and in their shifts unless in a particular case the rotation could not be effected for compelling administrative, operational or other equally valid reasons to be recorded in writing by the Head of the Administration. It is stated that this was unanimously approved by the trustees vide T. R. No. 1581 of 1972 and in pursuance of the said T.R. a notice of change dated 2-1-1973 was issued by the Secretary B.P.T. incorporating the intention to effect rotation of the staff. This Union has submitted that the contention of the other union that the senior electricians should not be posted to attend to navigational lights including leading lights buoys and beacons at and around Butcher Island is not at all justified. In support the B.P.T. Employees' Union has placed reliance on a letter dated 26.9.1973 from the Secretary, B.P.T. to the General Secretary, B.P.T. General Workers' Union and copies to the Regional Labour Commissioner wherein the Secretary has categorically stated that the reluctance on the part of the senior electricians

to agree to attend to this work is not justified. According to this union the General Secretary B.P.T. General Workers' Union has realised the justness and fairness that only the junior most electricians should not be permanently posted for the said work and he had agreed for the rotation in consequence whereof one electrician from the other union and one from this union were sent in turn to attend to navigational lights including leading lights, buoys and beacons at and around Butcher Island for some time but later the other union withdraw from the arrangement without any valid reason. It is finally submitted that the B.P.T. General Workers' Union has not raised any valid objections to the notice of change except giving a threat of resorting to direct action and it has prayed that the Tribunal should be pleased to order that the notice of change dated 13-9-1973 be implemented and the postings of the electricians be made as per the procedure detailed therein.

6. The Bombay Port Trust by their written statement has submitted that the demand of the B.P.T. Employees' Union about rotation should be conceded and the demand of the B.P.T. General Workers' Union opposing such rotation and demanding that only the juniormost of the electricians working at the Marine Oil Terminal, Butcher Island should be posted for the said work is unreasonable and should be rejected. It is stated that to concede the demand of the B.P.T. Employees' Union for introduction of a regular scheme by rotation of electricians working under the said Engineer at the Marine Oil Terminal, Butcher Island they had issued a notice of change dated 13th September 1973 under section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947. While the B.P.T. Employees' Union welcomed the change the B.P.T. General Workers' Union opposed it with the result that it assumed the character of an interunion rivalry between the two unions and the change could not ultimately be introduced. The matter was thereafter taken up in conciliation by the Regional Labour Commissioner (Central) which ended in failure. According to the employers the short point for decision in this dispute is whether the change contemplated in the annexure to the said notice of change is justified or not. It is stated that the electric navigational lights around marine oil terminal, Butcher Island totalling 11 numbers were brought under the control of the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Island with effect from 1-1-1969 under the orders issued by the Chief Mechanical Engineer of the employers; that prior to 1-1-1969 the work of attending to electric navigational lights around Marine Oil Terminal Butcher Island was being carried out by the electrical foreman, Northern Division. It is stated that prior to taking over the above work—one electrician 2nd grade—juniormost of the category at Butcher Island—was promoted as electrician 1st grade with effect from 6-11-1968 and posted permanently in the day shift during which period only repairs to the navigational lights are carried out.

Before the promotion the incumbent Shri Edward Fonseca had given an undertaking that he will carry out all the work as assigned to him by the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Island including the maintenance of the navigational lights throughout the year. It is stated that later on two juniormost electricians 1st grade posted at Butcher Island verbally requested the Engineer, Marine Oil Terminal to rotate them in day and night shifts. While this request was agreed to it was made clear that the juniormost electrician in the day shift would attend to navigational lights, and suitable undertakings were taken from five electricians. It is stated that from this it will be evident that there was a practice of deputing a juniormost electrician in the day shift at Marine Oil Terminal, Butcher Island, for attending to navigational lights barring exceptional occasions of mutual convenience between the electricians. The employers have stated that it was the B.P.T. General Workers' Union which had raised the dispute in Ref. No. CGIT-18 of 1968 and the award which went against the union was challenged in the Bombay High Court by way of a Special Civil Application which was also disposed of in favour of the employers. It is stated that even after the implementation of the award which required periodical rotation of electricians, wiremen and assistant wiremen between Trombay manifold and the Marine Oil Terminal, Butcher Island the practice of posting the juniormost electrician in the day shift for attending to navigational lights was continued without any complaint from the staff.

7. It is stated that for the first time the B.P.T. Employees' Union raised the present dispute at the discussions held in the office of the Chief Mechanical Engineer on 31-8-1971 regarding non-posting of senior electricians available in the

day shift to attend to the work of navigational lights. It was the contention of the B.P.T. Employees' Union that all electricians available in the day shift at Marine Oil Terminal Butcher Island, should be deputed for the repairs work of navigational lights in turns. Subsequently discussions were arranged with the B.P.T. General Workers' Union by the Chairman of the Bombay Port Trust to evolve an amicable solution acceptable to both the union. The Chairman made it clear that it would make for a good administration if all electricians available at the Marine Oil Terminal, Butcher Island in the day shift were sent in regular turns for attending to the work of repairs to the navigational lights. According to the employers the present system of rotation is working satisfactorily and is considered equitable and they have submitted that it should be confirmed by way of an award to avoid any further disputes and inter-union rivalries between the unions.

8. It is the submission of the employers that all scheduled and non-scheduled staff of the Chief Mechanical Engineer's Department working at the Marine Oil Terminal, Butcher Island, except Engineer, M.O.T., Assistant Electrical Foreman, Clerical and Timekeeping Staff work in 12 hours day and night shifts; that when in day shift they are entitled to 4 hours overtime including lunch hour and when in night shift they are entitled to 5 hours overtime; that the electricians when posted at Trombay manifold in accordance with the award in Ref. No. CGIT-18 of 1968 are normally required to work in a shift of 8 hours and are given overtime as per exigencies of work. It is stated that due to exigencies of work, shortage of staff etc., these electricians also get overtime as revealed from the records. In these circumstances the union's statement that they suffer monetary loss of 4 hours overtime payable at twice the rate is not accepted as correct.

9. The statement of the B.P.T. General Workers' Union that all over the Port Trust area juniormost electricians of electrical establishment Northern Division have been attending to beacon lights, navigational lights, buoy lights etc., all these years is denied. Except for 11 navigational lights around Butcher Island being looked after by the Electrical Foreman, Electrical Establishment, Northern Division the other navigational lights are gas operated and looked after by light-house mechanic attached to Fitting and Machineshop B.P.T. Workshops. Even at that time there was no practice existing with the electrical foreman northern division to depute junior or senior employees and the available staff in the test room attached to the electrical establishment northern division was being deputed for carrying out the work. While the employers have not disputed the fact that even after the implementation of the award in Ref. No. CGIT-18 of 1968 the old practice of posting the juniormost electrician available in the day shift at Marine Oil Terminal, Butcher Island did continue they have stated that it is advisable to rotate all the electricians for attending to the work of navigational lights so that inconvenience and hardships for going to the light in choppy sea is evenly shared by all the employees in the same category. The employers support the plea of the B.P.T. Employees Union for rotation on the ground that it is not only equitable but is in practice and has been found to be working satisfactorily. While it is admitted that the work on the beacon lights is not of a highly skilled nature, it is stated that it is important work which has to be carried out in the midst of the sea and hence experienced senior electricians will be in a position to do the job in a more satisfactory manner. The employers have stated that while the work of say changing a bulb may be quite an easy job, the manner in which it has to be done and the proper co-ordination as well as precautions required to ensure that the work is done systematically, a senior electrician is considered to be more capable. In these circumstances it is submitted that the request of the union to post only juniormost electricians for attending to electric navigational lights should be rejected, as such a demand is discriminatory and would lead to avoidable frictions among the members of the staff in the same category.

10. In reply to the statement of claim of the B.P.T. Employees Union the employers have submitted that the statement that the juniormost electrician was being wrongly posted to attend to beacon lights is not accepted. It is their case that the work of attending to electrical navigational lights around Marine Oil Terminal, Butcher Island was looked after right from the commissioning of these lights upto 31-12-1968 by the Electrical Foreman, Electrical Establishment, Northern Division; that with effect from 1-1-1969 this work was trans-

ferred to the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Island, as per orders issued by the Chief Mechanical Engineer's Department of the employers. It is stated that the Engineer M.O.T. desired the services of a Grade I electrician for this purpose and accordingly the juniormost electrician grade II was promoted to the post of electrician grade I and posted in permanent day shift with a clear undertaking that he will carry out all the works assigned to him by the Engineer, M.O.T. including the maintenance of all the electrical navigational lights around Butcher Island and it was due to this that the practice of posting the juniormost electrician for attending to the navigational lights became established. As per the award in Ref. No. CGIT-18 of 1968, electricians, wiremen and assistant wiremen are being rotated between Butcher Island and Trombay Manifold at regular intervals. The employers however state that this award does not lay down any general principle of rotation and cannot be applied to all sections regardless of the facts and circumstances of each. According to the employers after the implementation of this award it was not possible to post any one electrician in the permanent day shift at the M.O.T. Butcher Island as periodical rotation of electricians between Butcher Island and Trombay Manifold was mandatory under the said award. Hence only a workable arrangement could be evolved by deputing the juniormost electrician from amongst those who were available for the day shift at Marine Oil Terminal, Butcher Island. This led to some of the electricians who had originally never carried out this work having been required to be deputed to attend to the navigational lights.

11. With regard to the submission of this union about the reference to T.R. No. 1581 of 1972 and the notice of change issued by the employers in pursuance thereof the B.P.T. has denied that the principle underlying the T.R. could be applied to all sections regardless of the feasibility of such rotation. The employers have no objection to depute electricians for attending to navigational lights in rotation so that the workload is shared by all electricians equally. The employers also do not envisage any administrative or operational difficulties in effecting rotation of all electricians for attending to the work of navigational lights. It is stated that during one of the meetings held by the General Manager with the Labour Unions it was agreed by the General Secretary, B.P.T. General Workers' Union to depute one senior electrician available in the day shift at M.O.T. Butcher Island for attending to this work by way of a compromise. This suggestion however could not be implemented and later on it is stated that the B.P.T. General Workers' Union backed out of their commitment. Finally it is stated that it is not true that the junior electricians are deprived of the opportunity to gain wider experience by subjecting them to do only one type of work as after the implementation of the Award in Reference No. CGIT-18 of 1968 all electricians are periodically rotated between Butcher Island and Trombay Manifold and they get equal opportunities to attend to various types of electrical equipments and installations.

12. The question that arises for determination in this reference is whether the changes notified by the Bombay Port Trust in its notice of change in service conditions dated 13th September, 1973 in the matter of posting of electricians under the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Island, for attending to navigational electric lights (including leading lights, buoys and beacons) at and around Butcher Island are justified and should be implemented.

13. It is not open to controversy that the electric navigational lights around Marine Oil Terminal, Butcher Island totalling 11 in number as per annexure 'A' to the written statement of the employers were brought under the control of the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Island, with effect from 1-1-1969 under the order issued by the Chief Mechanical Engineer. Prior to 1-1-1969 the work of attending to electric navigational lights around Marine Oil Terminal, Butcher Island was being carried out by the electrical foreman, Northern Division. All the work which used to be attended to by the Engineer, Northern Division, Electrical Establishment was transferred by the employers to the Engineer Marine Oil Terminal with effect from 1st January 1969 and the work of attending to the aforesaid lights was continued to be entrusted to the juniormost electrician at Butcher Island as was the case when it was under the Engineer, Northern Division and for this purpose the juniormost electrician were retained permanently in the day shift. After some lapse of time the juniormost electricians were placed in two shifts i.e. one in the day shift and one in the night shift so that they could be rotated between day

and night shift and one who happened to be in the day shift was asked to attend to the navigational lights, buoy lights, the beacon lights etc.

14. It is contended by the representative of the B.P.T. General Workers' Union that the work of attending to the beacon lights, navigational lights and buoy lights was being carried out traditionally all over the port area by the junior-most electricians of the electrical establishment, Northern Division for all these years that the port is functioning or from the time when such lights were installed. Exigencies of work or efficiency of work or requirements of work had never necessitated the posting of senior electricians from the Electrical Establishment of the Engineer, Northern Division, Chief Engineer's Department, to attend to the navigational lights etc. It is asserted that the very fact that even after the implementation of the award in Ref. No. CGIT-18 of 1968 this age old practice was continued goes to show that there had never been any need to post or call upon the senior electrician to attend to such work. The representative of the B.P.T. General Workers' Union invites my attention in support of his contention to the written statement filed by the Bombay Port Trust who have stated in paragraph 5 of their written statement that even after the implementation of the award which required periodical rotation of electricians wiremen and assistant wiremen between Trombay Manifold and Marine Oil Terminal, Butcher Island, the practice of posting the juniormost electrician in the day shift for attending to navigational lights was continued without any complaint from the staff. Further the B.P.T. in paragraph 7 of their written statement have stated that the electrical foreman electrical establishment, northern division was looking after only 11 Nos. electric navigational lights around Butcher Island and the other navigational lights are gas operated and looked after by lighthouse mechanics attached to the fitting and machineshop, B.P.T. Workshops. They further go on to say that it is correct to say that even after the implementation of the award in Ref. No. CGIT-18 of 1968, the old practice of posting the juniormost electrician available in the day shift at M.O.T. Butcher Island did continue so long as the work was going on smoothly. It is argued that it is admitted that the work of the beacon lights is not of a highly skilled nature. The representative of the B.P.T. General Workers' Union further argues that in such a situation it will be a wastage of skill if senior technicians are posted to do this work which does not require any skilled labour.

15. On the other hand the B.P.T. Employees' Union supports notice of change dated 13th September 1973 as being equitable.

16. Having given my earnest consideration to the contentions advanced before me by the representative of the B.P.T. General Workers' Union, I am unable to sustain his objections to the notice of change dated 13th September 1973. It is true that it is admitted in the written statement of the Bombay Port Trust that in the past junior electricians were allotted the work of repairs and maintenance of navigational lights which is not a highly skilled work and this practice continued smoothly and without any complaint. But that cannot be a justification for continuing this practice. For the purpose of attending to navigational electric lights (including leading lights, buoys and beacons) at and around Butcher Island the electricians have to face the hazards of the sea and it is not a pleasant job. It will therefore be highly irrational if this unpleasant job is to be undertaken only by junior electricians. The junior and senior electricians are on the same scale of pay and an invidious distinction will be made if this work is only allotted to junior electricians. It may be pointed out here that this principle of rotation was accepted even in the previous award in Ref. No. CGIT-18 of 1968 wherein the notice of change dated 2-1-1973 was to the effect that the employees will be rotated at regular intervals at their various places of work and in their shifts unless in a particular case the rotation cannot be effected for administrative, operational or other equally valid reasons to be recorded in writing by the Head of the Department. Therefore this principle of rotation has already been accepted in the past.

17. I, therefore, hold that the changes notified by the Bombay Port Trust in its notice of change in service conditions dated 13th September 1973 in the matter of posting of electricians under the Engineer, Marine Oil Terminal, Butcher Island, for attending to navigational electric lights (including leading lights, buoys and beacons) at and around Butcher

Island are justified and should be implemented except to the extent of paragraph 3 thereof. Paragraph 3 as it stands at present provides as follows :—

"In the case of absence of the electrician grade I who is required to attend to the said work on a particular day as per the roster, the senior-most electrician present and available at Butcher Island on the said day will be required to carry out the said work provided he has not already been detailed for the said work in the week in question, in which case, the next senior-most electrician present and available on the said day at Butcher Island will carry out the work and so on. A separate register will be maintained by the Engineer, M.O.T. Butcher Island recording therein the date on which such substitution has been done."

When there is no distinction between the junior and senior electricians in the matter of rotation it will not be fair to burden the seniormost electricians present to attend to the said work in the absence of electrician grade I. Any electrician present at Butcher Island on the said day will be required to carry out the said work. Paragraph 3 of the notice of change will therefore be modified as follows :—

"In the case of absence of the electrician grade I who is required to attend to the said work on a particular day as per the roster any electrician present and available at Butcher Island on the said day will be required to carry out the said work provided he has not already been detailed for the said work in the week in question in which case any other electrician present and available on the said day at Butcher Island will carry out the work and so on. A separate register will be maintained by the Engineer M.O.T. Butcher Island recording therein the date on which such substitution has been done."

Except for the modification in paragraph 3 of the notice of change as above the rest of the paragraphs of the notice of change dated 13th September 1973 are sustained.

The reference is answered accordingly.

No order as to costs.

B. RAMILAI, KISHEN, Presiding Officer

[No. L-31011/6/74-P&D/D-IV(A)]

New Delhi, the 20th August, 1975

S.O. 2955.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Therapeutics Chemical Research Corporation, Margao, Goa and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th August, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY.

Reference No. CGIT-2/4 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs. Therapeutics Chemical Research Corporation, Margao (Goa).

AND
their workmen.

APPEARANCES :

For the employers.—Shri S. K. Bagoji Rao, Accountant.

For the workman.—Shri S. D. Pawooskar.

STATE : Union Territory of INDUSTRY : Major Ports and
Goa. Docks.

Bombay, dated the 31st July, 1975

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour have in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act 14 of 1947) by their order No. L-36012/9/73-P&D dated 19th February, 1974 referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Messrs. Therapeutics Chemical Research Corporation, Margao (Goa) and their workmen in respect of the subject matter specified in the following schedule :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs. Therapeutics Chemical Research Corporation, Margao (Goa) in dismissing their workman Shri Shaik Mohidin, Assistant Sampler, from service is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. After the receipt of the order of reference, notices were issued to the parties for filing statement of claim and written statement. The workman by his statement of claim has submitted that he was employed by the management as an Assistant Sampler in their establishment at Marmagao Harbour with effect from 28th January, 1965 and subsequently confirmed as such. He has stated that the management abruptly and illegally terminated his services by letter dated 23-2-1970 after which he raised an industrial dispute which was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay and the reference was marked as CGIT-2/7 of 1971. According to the workman the Tribunal's award in the above dispute held his termination to be illegal and asked the management to reinstate him in service with continuity of service immediately with the arrears of back wages in full. Actually he was reinstated 10 months after the passing of the award and he had to approach the Regional Labour Commissioner (C) time and again to get his arrears of back wages. The workman has further submitted that the management is not in the habit of paying wages regularly to its workmen including himself. It is the case of the workman that his reinstatement to his original post with continuity of service and with full back wages has caused much annoyance to the management and the management was waiting for an opportunity to dismiss the workman from service.

3. The short facts of the present dispute as stated by the workman are as follows :

4. On 28-3-1973 the Vasco office in charge gave a memo to the workman alleging that he was negligent on duty; it is alleged that the said officer in charge told the workman that he would be issued two more such memos and then his services will be terminated. This perturbed the workman as a result of which he sent a strong reply to the management. On receipt of this reply the management it is alleged threatened the workman of dire consequences if he pursued the question of his back wages. The management then terminated his services with effect from 24-4-1973. It is submitted by the workman that he has not been informed either in writing or orally of the alleged irregularity in duties spoiling the relation between the management and other staff. It is further submitted that the management has not held a domestic enquiry for investigating the alleged charges in accordance with the rules of natural justice and that they adopted an arbitrary procedure in terminating his services abruptly. The management has not acted in good faith and therefore their action is mala fide. The workman protested against his illegal and arbitrary dismissal from service and raised an industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco da Gama and after the failure of the conciliation and the submission of the report to the Government the dispute was referred for adjudication to this Tribunal. The workman has finally submitted that since his termination of service was illegal, invalid and mala fide he should be reinstated with full wages from the said date i.e. 24-4-1973.

5. Although several adjournments were granted to facilitate the management to file their written statement in reply they

did not do so. The matter was then fixed for hearing at Goa on 8th July, 1975 and it was adjourned to the 10th July at the request of the management to enable them to file their written statement. On the 10th July, 1975 it was reported by the representative of the management that a settlement of the dispute was likely to be reached and therefore wanted time till the end of July, 1975. The Advocate for the workman had no objection to this provided a settlement was reached before the end of the month. The employers did not file their written statement and it was made clear to them that no further opportunity would be given to them to file their written statement. It was also made clear to both parties at the hearing that if the settlement is not submitted before this Tribunal before 28-7-1975 an award would be made in the dispute on the basis of the available record.

6. A perusal of the record shows that the workman was employed by the respondents as an assistant sampler and his services were terminated on 23-2-1970. He raised an industrial dispute in connection therewith and it was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay. My learned predecessor gave an award in that dispute—Ref. No. CGIT-2/7 of 1971, directing the reinstatement of the workman and to pay him back wages from the date of termination of service till the date of reinstatement i.e. 22-11-1972, which was effected ten months after the passing of the award.

7. Subsequent to this, it transpires that a memo was served on the workman on 28-3-1973 in the following terms :—

Sub : s.s. Grand Prite I/Ore and
Ferro Manganese Shipment.

"You were instructed to carry out the crushing work of I/Ore and F/M ore, but we got surprising result of F/M Barges Shivanand of 14/3, Banga Jyoti of 15/3 Ganga Jyoti of 16/3 and I/Ore sample No. 11 Barges Betal of 17/5 Betal of 18/3 and ANIL 20-3-73 which I feel have come due to your negligence in carrying out the I/ore and F/M ore crushing work.

So please give me necessary explanation why the surprising result come within four days on receipt of this memo."

8. The workman gave his explanation on 1-4-1973 denying the allegations, and on 24th April, 1973 the management sent an order of termination to the workman in the following terms :—

"This is to inform you that the explanation given by you for our memo dated 28-3-1973 is unsatisfactory also it is observed that you are not attending the duties properly and causing inconvenience to the Management as well as spoiling the relations between the Management and the other staff. It is observed that you are involved in mischief, spoiling the reputation of the firm, hence the management has decided to dismiss you and you are dismissed with immediate effect."

This notice was received by the workman as is evident from his letter dated 28-4-1973 wherein he has challenged his dismissal and refuted the allegations made in the letter. A copy of this letter was endorsed to the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco da Gama and the Regional Labour Commissioner (Central) Bombay wherein he has sought their help in recovering them the management his arrears of back wages and his salary for the months of March and April, 1973 and reinstate him. As the management failed to reinstate the workman and pay him the back wages the workman approached the Assistant Labour Commissioner by his letter dated 7-5-1973. The matter was then taken up in conciliation which ended in failure/report was submitted to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, by the Assistant Labour Commissioner (Central) Vasco da Gama on 13th December, 1973. Thereafter the dispute was referred for adjudication to this Tribunal on 19th February, 1974.

9. The first point that arises for determination is whether the action of the management in dismissing Shri Shaik Mohidin, Assistant Sampler, from service is justified. As stated supra, the management has not filed any written statement in this reference although several opportunities were given to them to do so. The management has not also intimated to this Tribunal about any settlement arrived at between the Parties as agreed at the hearing in Goa on 10-7-1975. If any settlement was arrived at the parties were to intimate the same to this Tribunal by the 28th July, 1975. To day is the 31st July, 1975 and nothing has been received, nor has any intimation been received that a settlement is being filed. In these circumstances there is no other alternative for me but to make an award on the basis of the material before this Tribunal as intimated to the parties and as agreed by them at the hearing on 10-7-1975.

10. The dismissal from service of the workman by the management cannot at all be sustained. No charges were levelled against the workman and he was not given an opportunity to meet the charges. The allegations made in the memo dated 28-3-1973 have nothing in common with the grounds of termination of service stated in the letter of the management dated 24-4-1973. No enquiry was conducted by the management and in the most uncere monious has to the workman was dismissed from service without observing the principles of natural justice. No record has been placed before this Tribunal about any enquiry having been held before the dismissal of the workman. I therefore hold that the action of the management of Messrs. Therapeutics Chemical Research Corporation, Margao (Goa) in dismissing their workman Shri Shaik Mohidin Assistant Sampler from service is not justified.

11. The next question for consideration is as to what relief the workman is entitled. As the workman has been dismissed from service without any charge-sheet and without an enquiry having been conducted to give the workman an opportunity to defend himself the proper relief in this case could be the relief of reinstatement. I therefore direct that the management will reinstate the workman in his post of Assistant Sampler with all back wages from the date of his dismissal to the date of his reinstatement within thirty days of the publication of this award in the official gazette. Award is made accordingly.

The workman will be entitled to Rs. 50 as costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer.

[No. L-36012/9/73-P&D/D-IV(A)]
NAND LAL, Section Officer, (Spl.)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 23 जूलाई, 1975

का० आ० 2956.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाध्यक्षी में विनियोगों के बारे में पूर्व वास्तविक्या कोलियरी, डाकघर वांजोर जिला धनबाद के प्रवन्धनतंत्र में सम्बद्ध नियोगकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीयोगिक विवाद विश्वासन है;

और केन्द्रीय गवर्नर उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहनीय समझनी है;

आ० अ० 2956.—केन्द्रीय विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपाध्यक्षा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का व्योग करने द्वारा, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत गठित केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिविभाग, मध्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

ग्रन्तीयों

कवा मैनर भारत फोकिंग कोल लिमिटेड की पूर्व वास्तविक्या कोलियरी, डाकघर वांजोर जिला धनबाद के प्रवन्धनतंत्र की श्रीमती

वास्तविक्या रेसी, तेल प्रवाय (गान्धार) मजदूर को 23 जूले, 1975 में याग में रोकने को कार्रवाई आवश्यित है? यदि नहीं, तो उनका कार्रवाई किंवा अनुसूची का हकदार है?

[संख्या एन्स-2012/129/7-प्र०-१० आय०-२ फ०-३(प)]

ORDER

New Delhi, the 23rd July, 1975

S.O. 2956.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Basseriya Colliery, Post Office Bansjora, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE

Whether the action of the management of East Basseriya Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad, in stopping Shrimati Badami Devi, Oil Supply Mazdoor, from work from 25th June, 1974 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-2012/129/74/LRII/D-III.A]

ग्रादेश

नई दिल्ली, दिनांक 30 जूलाई, 1975

का० आ० 2957.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाध्यक्षी में विनियोगों के बारे में मैमर्स टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड की जामादोबा कोलियरी के टेकेदार मैमर्स आपर इन्डास्ट्रीज एंड इंडिया, लिमिटेड, डाकघर जामादोबा, जिला धनबाद के प्रवन्धनतंत्र के मस्तक्य नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीयोगिक विवाद विश्वासन है;

प्रौद्योगिक विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, अब, श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपाध्यक्षा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के प्रवन्धन गटिंग केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिविभाग, मध्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

ग्रन्तीयों

कवा मैमर्स टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड की जामादोबा कोलियरी के टेकेदार मैमर्स आपर इन्डास्ट्रीज एंड इंडिया लिमिटेड, डाकघर जामादोबा, जिला धनबाद के प्रवन्धनतंत्र का, धी आ० एम० भरकार, शाट फायरर को 31 दिसम्बर, 1971 से पदब्रहुत करना चाहिया है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है?

[संख्या एन्स-20012/100/75-ड०-३ प०]

ORDER

New Delhi, the 30th July, 1975

S.O. 2957.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Thapar Intrafor Company of India Limited, Contractor, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE

Whether the management of Messrs Thapar Intrafor Company of India Limited, Contractor, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, is justified in dismissing from service Shri R. S. Sarcar, Shot Firer, with effect from the 31st December, 1974? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-20012/100/75/D.III A]

आवेदन

का० आ० 2958.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायक भनुमती में विनियिष्ट विवरों के बारे में मैसर्स टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड की जामादोबा कॉलियरी के डेकेडार मैसर्स थापर इन्ड्राफार कम्पनी आफ ईडिया लिमिटेड, आकबर जामादोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धताल से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मोगिक विवाद विद्यमान है;

और, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायालिंगम के लिये नियंत्रित करता बाधकीय समझती है;

अतः, अब, ग्रीष्मोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के बड़ (अ) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीष्मोगिक प्रविधिकरण संचया 2, धनबाद को न्यायालिंगम के लिये नियंत्रित करती है।

ग्रन्तीकारी

क्या मैसर्स टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड की जामादोबा कॉलियरी के डेकेडार—मैसर्स थापर इन्ड्राफार कम्पनी आफ ईडिया लि०, आकबर जामादोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धताल का, श्री कृष्ण दुबे, टिप्पण स्टेफन एटेंडेण्ट की 31 विसंवर, 1974 से पदन्वान करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस ग्रन्तीकार का हक्कार है?

[संचया एल-20012/101/75-डी० III-ए०]

एल० के० नारायण, ग्रन्तीकारी (विशेष)

ORDER

S.O. 2958.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employ-

69 GI/75-12

ers in relation to the management of Messrs Thapar Intrafor Company of India Limited, Contractor, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE

Whether the management of Messrs Thapar Intrafor Company of India Limited, Contractor, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, is Justified in dismissing from service Shri Krishna Dubey, Tipping Station Attendant, with effect from the 31st December, 1974? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-20012/101/75/D. III A]

L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 26th August, 1975

S.O. 2959.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workman, which was received by the Central Government on the 21st August, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

REFERENCE NO. 40 OF 1975

In the matter of an industrial dispute u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act., 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of South Govindpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sonardih, Dist. Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri J. Singh, Senior Personnel Officer.

On behalf of the workmen.—Shri S. Dasgupta, Joint General Secretary, Colliery Mazdoor Sangh.

PRESENT:

Shri K. K. Sarkar, Judge, Presiding Officer

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dhanbad, 16th August, 1975

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P. O. Sonardih, District Dhanbad and their workmen, by their order No. L-20012/2/75/DIIIA dated 15th April, 1975 referred the same to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication on the issue as in the schedule below :

THE SCHEDULE

"Whether the management of South Govindpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sonardih, Dist. Dhanbad, are justified in dismissing Shri Subhash Chandra Bhatia, Attendance Clerk and Shri Nandji Singh, Bill Clerk, with effect from 14-9-74? If not, to what relief are the said workmen entitled?"

After the receipt of the order of reference from the Government of India written statement was filed by the workmen. The case proceeded along its course and ultimately on 31-7-75 both the parties appeared and filed a joint petition of compromise settling the industrial dispute amicably. The settlement appears to have been duly signed by the Joint General Secretary, Colliery Mazdoor Sangh on behalf of the workmen besides the concerned workmen themselves and by the Sub-Area Manager Govindpur Sub-Area on behalf of the employers. The terms of the settlement appears to be beneficial to the parties and nothing stands in the way of an award being passed thereon as prayed for in the memorandum of settlement.

In the result, I pass an award in respect of the industrial dispute referred to on terms as embodied in the joint petition of compromise (settlement) which do form part of the award as Annexure A.

K. K. SARKAR, Judge, Presiding Officer,

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT DHANBAD

Reference No. 40 of 1975

Employers in relation to South Govindpur Colliery

AND

Their workmen represented by Colliery Mazdoor Sangh

Joint Petition of Compromise Settlement

The humble petitioners, on behalf of the parties above-named, most respectfully pray :—

1. That the parties concerned in the present dispute have arrived at an amicable settlement of the dispute on the terms stated below :—

TERMS OF SETTLEMENT

(a) The management agrees to reinstate Shri Subhash Chandra Bhatia and Shri Nandji Singh in the post they had been holding before their dismissal, within fifteen days of their reporting for resumption of duty to the Sub Area Manager, Govindpur Sub Area. The management shall however, have the right to post him in any colliery within the Govindpur Sub Area.

(b) It is agreed by the parties that the workmen named above shall report for duty to the Sub Area Manager, Govindpur Sub Area, within fifteen days from the date of this settlement, failing which they or any of them shall forfeit the right of employment.

(c) The management agrees that the period of idleness from the date of their dismissal to the date of their or resumption of duty shall be treated as leave without pay and the continuity of their service shall be maintained.

(d) It is agreed that the workmen concerned shall have no claim on account any back wages for the period of their idleness as specified in para (c) above.

(e) The management agrees to pay cost of Rs. 100/- (Rupees one hundred only) to the Union on the date of settlement.

2. The humble petitioners pray that the Hon'ble Tribunal may graciously be pleased to approve of the terms of settle-

ment stated above and pass an award in terms thereof.

For the Workmen :

S. DAS GUPTA, Jt. General Secy.

For the Management :

1. Sub Area Manager,
Govindpur Sub Area.

Workmen :

1. Nandji Singh
2. Subhash Ch. Bhatia

[No. L-20012/2/75-DII A]

Dated 31-7-75 L. K. NARAYANAN, Section Officer, (Spl.)

आदेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1975

का. ना. 2960.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायक अनुसूची में विमिदिल्ट विषयों के बारे में इंडियन एयर लाइंस के प्रबन्ध-तत्व से सम्बद्ध विषयोंको और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीखोगिक विवाद विचारान है;

प्रोर, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्याय निर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

प्रतः, प्रब, श्रीखोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 को उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रीखोगिक अधिकरण, विली को व्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

व्या इंडियन एयर लाइंस, नई दिल्ली के प्रबन्धतत्व का 17 जून, 1974 से श्री मुख्तियार सिंह की सेवाओं को समाप्त करना व्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुसूच का हकदार है?

[संख्या एस०-11012(2)/75-डी०-२ (वी०)]

ORDER

New Delhi, the 25th July, 1975

S.O. 2960.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Indian Airlines and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE

Whether the management of the Indian Airlines, New Delhi is justified in terminating the services of Shri Mukhtiar Singh with effect from 17-6-1974? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L. 11012(2)/75-D.2(B)]

प्राप्तेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1975

का० आ० 2961 :—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायदृश्यमत्ति में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारी जल परियोजना, डाकघर अणुशक्ति, बरास्ता कोटा के प्रबन्धतत्त्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहती यह समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिस के पीठासीन अधिकारी श्री उपरेश नारायण माधुर होगा, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद की उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

प्राप्तेश्य

क्या भारी जल परियोजना, डाकघर अणुशक्ति, बरास्ता कोटा के निर्माण प्रबन्धक की नीचे वर्णित कर्मकारों की 27 जुलाई, 1974 (अप्रैल) से छंटनी करने की कार्रवाई न्यायोचित थी? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुतोष के द्वारा हृक्षित हैं?

- (1) श्री बाजाराम सिंह
- (2) " जमक लाल
- (3) श्री धंबर लाल
- (4) श्री बजरंग लाल
- (5) श्री तुलसी राम
- (6) श्री शरीफ भली
- (7) श्री शमशेर भली

[संख्या एल०-42012(36)/74-एल० आर० 3/टी०-२-टी०]

ORDER

New Delhi, the 26th July, 1975

S.O. 2961.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Heavy Water Project, Post Office Anushakti, Via-Kota and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Updesh Narain Mathur shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDELE

Whether the action of the construction manager, Heavy Water Project, Post Office Anushakti, Via-Kota, in retrenching the undermentioned workmen with effect from the 27th July, 1974 (afternoon) was justified? If not, to what relief are these workmen entitled?

- (1) Shri Bajaram Singh.
- (2) Shri Jhamak Lal.
- (3) Shri Bhanwarlal.
- (4) Shri Bajarang Lal.

- (5) Shri Tulsi Ram.
- (6) Shri Sharif Ali.
- (7) Shri Shamsher Ali.

[No. L-42012(36)/74-LR.III/D.IIB]

प्राप्तेश्य

का० आ० 2962.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायदृश्यमत्ति में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में केन्द्रीय लोक नियमण विभाग, भारी जल परियोजना, डाकघर अणुशक्ति, बरास्ता कोटा के प्रबन्धतत्त्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहती यह समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० नरसिंह राव होगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

प्राप्तेश्य

क्या न्यूक्लियर फ्यूल कम्प्लेक्स भौला भली, हैदराबाद के प्रबन्धतत्त्व का यह मानना कि श्री आर० टी० काला, हेल्पर 'B' ने 5-10-1974 के पूर्वाह्न से अपना नियोजन छोड़ दिया है, और उसे नियोजन में लेने से इन्कार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हृक्षित है?

[संख्या एल०-42012(10)/75-टी० 2 टी०]

ORDER

S.O. 2962.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Nuclear Fuel Complex, Moula Ali, Hyderabad and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Narasing Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDELE

Whether the management of Nuclear Fuel Complex, Moula Ali, Hyderabad, is justified in treating Shri R. P. Kala, Helper 'B' to have abandoned his employment with effect from the forenoon of 5-10-1974; and in refusing to take him in employment? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L—42012(10)/75-D.IIB]

प्राप्तेश्य

का० आ० 2963.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायदृश्यमत्ति में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में केन्द्रीय लोक नियमण विभाग,

नई दिल्ली के प्रबन्धनालय से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मोनिक विवाद विवरण है;

ग्रीष्म केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, प्रब, ग्रीष्मोनिक विवाद प्रबन्धनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के बाहर (ब) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रबन्धनियम की धारा 7-क के प्रतीत गठित ग्रीष्मोनिक अधिकारण, विल्लो को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

मनुसूची

“क्वा निर्भाण प्रभाग लंभ्या 6 केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के गूतपूर्व कर्मचारी भी जाम लाल की सेवाओं का 15-3-1974 से समाप्त किया जाना न्यायनिर्णय है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष के हकदार हैं?

[संख्या एल—42012(3)/74-एल० प्रार०-3/झी० २(बी)]

हरबंस बहादुर, प्रनुभाग अधिकारी (विषेष)

ORDER

S.O. 2963.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Central Public Works Department, New Delhi and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the termination of services of Shri Sham Lal, ex-employee of the Construction Division No. VI, Central Public Works Department, New Delhi, with effect from 15-3-1974 is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L-42012(3)/74-LR.III/D.2(B)]

HARBANS BAHADUR, Section Officer (Spl.)

प्राप्ति

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1975

का० प्रा० 2964.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाध्य अनुसूची में विविहित विवरणों के बारे में ग्रिंडलैंस बैंक लिमिटेड, कलकत्ता के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मोनिक विवाद विवरण है;

ग्रीष्म केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, प्रब, ग्रीष्मोनिक विवाद प्रबन्धनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के बाहर (ब) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रबन्धनियम की धारा 7-क के प्रतीत गठित ग्रीष्मोनिक अधिकारण, कलकत्ता, को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

मनुसूची

क्वा ग्रिंडलैंस बैंक लिमिटेड, कलकत्ता के प्रबन्धनालय द्वारा निर्देशित निम्नलिखित 13 द्वाइटर उन्हीं मजदुरियों, जिनमें भी ग्रीष्मोनिक अधिकारों के हकदार हैं जिनका उपयोग उक्त बैंक के प्रत्ये द्वाइटर करते हैं, यदि हो, तो किस तारीख से ग्रीष्मोनिक अधिकारण तक?

1. मक्सूद अहमद
2. मुहम्मद याकूब
3. करीमउल्लह खान
4. मुहम्मद सुबीमान
5. सारेस
6. शंकर लाल शाह
7. मुहम्मद धंसार
8. मुहम्मद निजामुद्दीन
9. जोसेफ कॉम्प्लिस
10. अन्वेषार मुमार
11. अली मुहम्मद
12. एस० एम० रहमान
13. हयात मुहम्मद

[सं० एल० 12011/15/75/झी० २/ए]

प्रार० कुंजितापदम्, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 26th July, 1975

S.O. 2964.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Grindlays Bank Limited, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the following 13 Drivers employed by the Management of Grindlays Bank Limited, Calcutta are entitled to the same wages, allowances and other facilities enjoyed by the other drivers of the said Bank? If so, from what date and to what extent?

1. Maksood Ahmed.
2. Md. Yakub.
3. Kari Mullah Khan.
4. Md. Suleman.
5. Lowrance.
6. Shankar Lal Shah.
7. Md. Ansar.
8. Md. Nizamuddin.
9. Joseph Francis.
10. Chandeshwar Kumar.
11. Ali Mohammad.
12. S. M. Rahman.
13. Hayat Mohammad.

[No. L-12011/15/75/DII/A]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

आवेदन

मई विल्सनी, 31 जुलाई, 1975

का० आ० 2965.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में मैसर्स हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के राउरकेला स्टील प्लाष्ट के स्वामित्वाधीन, सिंहभूम जिले में बाराजामदा स्थित, इस्पात मैगनीज माइन, डाकघर राउरकेला, जिला सुन्दरगढ़ के प्रबन्धनात्मक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकार—श्री मो० रहीम के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अब: अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के अन्त (ब) द्वारा प्रदत्त विवितवारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद, को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

या मैसर्स हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के राउरकेला स्टील प्लाष्ट के स्वामित्वाधीन, सिंहभूम जिले में बाराजामदा स्थित, इस्पात मैगनीज माइन, डाकघर राउरकेला, जिला सुन्दरगढ़, उड़ोसा राज्य, के प्रबन्धनात्मक को 23 अक्टूबर, 1974 से श्री मो० रहीम हस्ता यान चालक की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित थी? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[संख्या एल-27012/5/74-एल-आर०-4/टी 4 (बी)]

ORDER

New Delhi, the 31st July, 1975

S.O. 2965.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ispat Manganese Mine situated at Barajamda in the District of Singhbhum, owned by Rourkela Steel Plant of Messrs Hindustan Steel Limited, Post Office Rourkela, District Sundergarh and their workman Shri Md. Rahim in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Ispat Manganese Mine situated at Barajamda in the District of Singhbhum, owned by Rourkela Steel Plant of Messrs Hindustan Steel Limited, Post Office Rourkela, District Sundergarh, Orissa State, was justified in terminating the services of Shri Md. Rahim, Light Vehicle Driver with effect from the 23rd October, 1974?

If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[No. L-27012/5/74-LR-IV-D-IV(B)]

आवेदन

मई विल्सनी, 21 जुलाई, 1975

का० आ० 2966.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में मैसर्स हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के राउरकेला स्टील प्लाष्ट के स्वामित्वाधीन, सिंहभूम जिले में बाराजामदा स्थित, इस्पात मैगनीज माइन, डाकघर राउरकेला, जिला सुन्दरगढ़ के प्रबन्धनात्मक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकार—श्री मो० रहीम के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अब: अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के अन्त (ब) द्वारा प्रदत्त विवितवारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद, को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

1. क्या लौह अयस्क खनन उद्योग सम्बन्धी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए, मैसर्स रत्न लाल ताराचन्द की घाटकुरी लौह अयस्क वानों के रेजिंग टेकेदार—श्री कमलजीत सिंह श्राहलुबालिया, डाकघर बाबिल, जिला केमोजार की, उनके द्वारा नियोजित व्यक्तियों को, उठाये गये लौह अयस्क के लिए प्रति बरस 4' 3-1/2" x 5' 3-1/2" x 13 या 25 चैनफुट के लिए 2.75 रुपये और 2.50 रुपये जो दर से संदाय करने की कार्रवाई न्यायोचित थी? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

2. क्या लौह अयस्क खनन उद्योग सम्बन्धी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए, मैसर्स रत्न लाल ताराचन्द की घाटकुरी लौह अयस्क वानों के रेजिंग टेकेदार—श्री कमलजीत सिंह श्राहलुबालिया, डाकघर बाबिल, जिला केमोजार की, मजदूरी के रूप में श्री धनेश नायक, बटर मैरियर को 3/- रुपये प्रति दिन, श्री राठो चम्पिया, यस्कीन बिलकर को 3.50 रुपये प्रति दिन और श्री जोगेन, औकीदार को 3/- रुपये प्रतिदिन और श्री गुरमा, कम्बैसर ड्राइवर को 4.5 रुपये प्रति सप्ताह की दर से संदाय भुगतान करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[संख्या एल-26011/19/74-एल-आर०-4/टी-4/टी]

भूपेन्द्र माथ, अनुभाग अधिकारी (विवेष)

ORDER

New Delhi, the 21st July, 1975

S.O. 2966.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employer to Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising Contractor of Ghatkuri Iron Ore Mines of Messrs Rattan Lal Tarachand, Post Office Barbil, District Keonjhar and his workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

- Whether the action of Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising Contractor of Ghatkuri Iron Ore Mines of Messrs Rattanlal Tarachand, Post Officer Barbil, District Keonjhar in paying @ Rs. 2.75 and Rs. 2.50 per box 4' 3 $\frac{1}{2}$ ' X 5' 3 $\frac{1}{2}$ ' X 13 or 25 Cubic feet of Iron Ore raised, to the miners employed by him, keeping in view the recommendations of the Central Wage Board for Iron Ore Mining Industry is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?
- Whether the action of Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising Contractor of Ghatkuri Iron Ore Mines of Messrs Rattanlal Tarachand, Post Office Barbil, District Keonjhar in paying as wages @ Rs. 3.00 per day to Shri Dhanesh Naik, Water Carrier, @ Rs. 3.50 per day to Shri Ratho Champia, Machine Driller and Rs. 3.00 per day to Shri Jogen, Chowkidar and @ Rs. 45.00 per week to Shri Gurua, Compressor Driver, keeping in view the recommendations of the Central Wage Board for Iron Ore Mining Industry is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

[No. L-26011/19/74-LR-IV/D-IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1975

का. ० आ० २९६७.—केन्द्रीय सरकार, चूनापत्थर और डोलोमाईट खान अम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का ६२) की धारा १० के अनुसरण में, विलीय वर्ष १९७४-७५ के दौरान उक्त अधिनियम के अधीन वित्तपोषित अपने कियाकलारों का वृत्त देते हुए उस वर्ष के लेखाविवरण के साथ निम्नलिखित रिपोर्ट प्रकाशित करती है:—

भाग-१

साक्षात्:—चूनापत्थर और डोलोमाईट खान अम कल्याण निधि, चूना पत्थर और डोलोमाईट खान अम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 के अधीन गठित की गई थी, जिसमें किसी खान में उत्पादित उतने चूनापत्थर और डोलोमाईट पर, जितना चूनापत्थर और डोलोमाईट खानों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए—

- (1) किसी कारखाने के अधिकारी को विक्रय किया जाता है या अन्यथा व्ययन किया जाता है; या
- (2) ऐसी खान के स्वामी द्वारा सीमेंट, लोहा या इस्पात के निनिमण से संबंधित किसी प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाता है।

यथास्विसि, चूनापत्थर या डोलोमाईट पर एक रुपया प्रति भीटरी टन से अनधिक की दर से उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण और संग्रहण की व्यवस्था की गई है। उद्ग्रहण की वास्तविक दर बोस पैसे प्रति भीटरी टन है। उपकर के आगम मुद्रण: चूनापत्थर या डोलोमाईट खानों में नियोजित व्यक्तियों के लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार, रोगों के निवारण और विकितस्त्रीय सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार तथा जीवनस्तर का, जिसके अन्तर्गत आवास और पोषण आदि भी सम्मिलित हैं, सुधार के लिए उपयोग में लाए जाते हैं।

2. प्रशासनिक सुविधा के लिए देश के ऐसे पक्षहर राज्यों को, जिसमें चूनापत्थर और डोलोमाईट खाने हैं, पांच प्रदेशों में बोट दिया गया है और कोयला, अध्रक तथा लौह व्यापक खनकों के लिए उसी प्रकार के कल्याण संगठनों के प्रधान कल्याण आयुक्तों और राज्य सरकारों के कुछ अधिकारियों को अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के

प्रबंधन के लिए कल्याण और उपकर प्राधुक्तों के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रदेशों का आवंटन निम्न प्रकार है:

क्रम प्रदेश का मुख्यालय	सम्मिलित राज्य	वह अधिकारी जिसे कार्यान्वयन किया गया है
१. जबलपुर	मध्य प्रदेश और उप कोयला खान कल्याण महाराष्ट्र	आयुक्त, जबलपुर, मध्य प्रदेश।
२. भुवनेश्वर	उड़ीसा, पश्चिमी भ्रम आयुक्त, उड़ीसा। बंगल, आसाम	और मेघालय
३. करमा	बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर	आयुक्त, करमा, बिहार।
४. भीलवाड़ा	राजस्थान और गुजरात भीलवाड़ा, राजस्थान।	
५. बंगलौर	कर्नाटक, तमिल-नाडू और व्यापक खान, कल्याण प्रदेश	लौह व्यापक खान, कल्याण विभाग

विभिन्न प्रदेशों में अधिनियम के प्रबंधन के लिए व्यवस्था की जा रही है।

१९७४-७५ के दौरान विभिन्न प्रदेशों में चूनापत्थर और डोलोमाईट खनकों के लिए निम्नलिखित कल्याणकारी सुविधाओं की व्यवस्था भी गई:

विकित्सा सुविधाएँ:—राजस्थान में तीन प्रापुर्वीक औषधालयों के लिए मंजूरी दी गई है जिसमें से एक में कार्य आरम्भ हो चुका है और अन्य दो में शीघ्र ही कार्य आरम्भ हो जाएगा। गुजरात में डुंगरखुर के लिए एक एलोपीथिक प्रापुर्वीक सुविधालय की भी मंजूरी दी गई। मध्य प्रदेश में मैसर्स सतना सीमेंट वर्क्स को अपने औषधालय के विस्तार के लिए सहायक अनुदान मंजूर किया गया है। 25,000 रु का सहायक अनुदान, सतना सीमेंट वर्क्स, सतना (मध्य प्रदेश) में चूनापत्थर और डोलोमाईट खान कर्मकारों के लिए एक रोगी-वाहन के क्रय के लिए, सरकार द्वारा मंजूर किया गया है। चूनापत्थर और डोलोमाईट खानों में कार्य करने वाले सतना सीमेंट वर्क्स के कर्मकारों के लिए औषधालय सेवाएं सुधारने के लिए सहायक अनुदान के रूप में 14,000 रु की राशि भी सरकार ने मंजूर की है। बिहार के करमा प्रदेश में यहां व्यवस्थाएँ, प्रधक खान कल्याण निधि, करमा में यक्षमा रोगियों के लिए सम्या आरंभित की गई है।

चूनापत्थर और डोलोमाईट खनकों के लिए खातक और गम्भीर बुर्जटना स्कीम में, जो वर्ष के दौरान मंजूर की गई थी, चूनापत्थर और डोलोमाईट खानों में खातक और गम्भीर बुर्जटना से आहत व्यक्तियों को विशीय प्रापुर्विधाएँ देने के लिये व्यवस्था की गई है। इस स्कीम के अन्तर्गत विहार के करमा प्रदेश में वर्ष १९७४-७५ के दौरान दो मासों में संवाद किया गया था।

प्रौद्योगिक और मनोरंजन सुविधाएँ:—चूनापत्थर और डोलोमाईट खानों के कर्मकारों के पुत्रों और पुत्रियों को छावनवृत्तियों देने के लिये स्कीम मंजूर की गई है, जिसमें चूनापत्थर और डोलोमाईट खानों में नियमित रूप से नियोजित कर्मकारों के पुत्रों और पुत्रियों को छावनवृत्तियों देने की व्यवस्था की गई है। उन्हीं कल्याण आयुक्तों के अधीन मन्त्र उसी प्रकार के संगठनों

बस-वलविधि एककों की गदायना से चूनापत्तर और डोलोमाइट खानों के कर्मकारों के बिंदु वलविधि प्रदर्शनों का प्रबन्ध किया गया था। प्रत्येक प्रदेश में पृथक यूनिट व्यवहार के लिये प्रबन्ध किए जा रहे हैं। सरकार ने मध्य प्रदेश के जबलपुर प्रदेश में प्रथम चूनापत्तर और डोलोमाइट खान कल्याण कर्मकार फुटबाल टूर्नामेंट के लिये 15,000 रु. मंजूर किए हैं।

आवास सुविधाएँ :

निम्न लागत आवास स्कीम, जो लौह अयस्क खानों में प्रचलित है, इस संगठन को विस्तारित कर दी गई है। मैसर्स सतना सीमेंट वर्स, सतना (मध्य प्रदेश) की ग्रहीत खानों के कर्मकारों के लिये निम्न लागत आवास स्कीम के मध्येत 200 कमानों के निर्माण के लिए सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है।

भाग-2

वर्ष 1974-75 की सेवा-विवरणी			
1-4-1974	को अंतर्भूत	3,81,510 रु.	(1974-75 के अंतिम प्राक्कलनों के अनुसार)
वर्ष 1974-75	के दौरान प्राप्तियाँ	25,00,000 रु.	
वर्ष 1974-75	के दौरान अय	3,31,000 रु.	
31-3-1975	को अंतर्भूत	25,50,510 रु.	
	नेह दिल्ली, 21 अगस्त, 1975		

भाग-3

वर्ष 1975-76 की प्राप्तियाँ और अय के प्राक्कलन	
प्राक्कलित प्राप्तियाँ	50,07,000 रु.
प्राक्कलित अय	16,45,000 रु.

[जेड-16016/2/75-एम-बी-०]
पी० के० सेन, अबर सचिव

New Delhi, the 25 August, 1975

S. O. 2967.—In pursuance of Section 10 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act 1972 (62 of 1972) the Central Government hereby publishes the following report giving an account of its activities financed under the said Act during the financial year 1974-75 together with a statement of accounts for that year:

PART—I

General:—Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund was constituted under the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act 1972 which provides for levy and collection of a cess on so much of limestone and dolomite produced in any mine,

- (i) as is sold or otherwise disposed of to the occupier of any factory, or
- (ii) as is used by the owner of such mine for any purpose in connection with the manufacture of cement, iron or steel,

to promote the welfare of the persons employed in limestone and dolomite mines at a rate not exceeding one rupee per metric tonne. The actual rate of levy is, however, twenty paise per metric tonne, the proceeds of the cess are utilised mainly for the improvement of public health and sanitation, prevention of diseases and provision and improvement of medical facilities and improvement of standards of living conditions, including housing and nutrition etc., of a persons employed in the limestone of dolomite mines.

2. For administrative convenience, the fifteen States, having limestone and dolomite mines in the country have been grouped into five regions and some of the existing welfare Commissioners under the sister Welfare Organisations for Coal, Mica and Iron

ore Miners and some officers of State Governments have been appointed as Welfare and Cess Commissioners for the enforcement of the Act and the rules made thereunder. The allocation of the regions is as under:—

S. No.	Head quarters States covered Work entrusted to the region.
1. Jabalpur	Madhya Pradesh and Dy. Coal Mines Welfare Commissioner, Jabalpur, Madhya Pradesh.
2. Bhubaneswar	Orissa, West Bengal, Assam and Meghalaya, Labour Commissioner, Orissa.
3. Karma.	Bihar, Uttar Pradesh, Haryana and Jammu and Kashmir, Dy. Mica Mines Welfare Commissioner, Karma Bihar.
4. Bhilwara.	Rajasthan and Gujarat, Mica Mines Welfare Commissioners, Bhilwara, Rajasthan.
5. Bangalore.	Karnataka, Tamil Nadu and Andhra Pradesh, Iron Ore Mines Welfare Commissioner, Bangalore, Karnataka.

The machinery for the enforcement of the Act is being set up in the various regions.

The following welfare facilities have been provided for limestone and dolomite miners in various regions during 1974-75.

Medical facilities:—In Rajasthan three Ayurvedic Dispensaries have been sanctioned, of which one has since started functioning while the other two will start functioning shortly. An allopathic dispensary for Dungarpur in Gujarat was also sanctioned. In Madhya Pradesh grant-in-aid has been sanctioned to Messr Satna Cement Works for extension of their dispensary. Grant-in-aid amounting to Rupees 25,000/- has been sanctioned by the Government for the purchase of an ambulance van for limestone and dolomite mine workers of Satna Cement Works, Satna (Madhya Pradesh). Government has also sanctioned a sum of Rs. 14,000/- as grant-in-aid for improving the dispensary services for workers of Satna Cement Works working in limestone and dolomite mines. In the Karma region of Bihar, beds have been got reserved for the T. B. patients in T.B. Hospital, Mica Mines Welfare Fund, Karma.

Fatal and Serious Accident Scheme for the Limestone and Dolomite miners which was sanctioned during the year provides for the grant of financial benefits to the victims of fatal and serious accident in limestone and dolomite mines. Under this scheme payment was made in two cases during the year 1974-75 in Karma region of Bihar.

Educational and Recreational facilities:—Scheme for the award of scholarships to the sons and daughters of workers in limestone and dolomite mines has been sanctioned which provides for the grant of scholarships to the sons and daughters of regular workers employed in the limestone and dolomite Mines.

Cinema shows to the workers in limestone and dolomite mines were arranged with the help of Mobile Cinema Units of the other sister Organisations under the same welfare Commissioners. Arrangements are being made to purchase separate units in each region. Government has sanctioned Rs. 15,000/- for the first limestone and Dolomite Mines Welfare workers Football Tournament in Jabalpur region in Madhya Pradesh.

Housing Facilities—The low Cost Housing Scheme which is in Iron Ore Mines has been extended to this Organisation. Sanction for the construction of 200 houses under the low Cost Housing Scheme for workers of captive mines of messrs Satna Cement Works Satna (Madhya Pradesh) has been accorded by the Government.

PART-II

Statement of Accounts for the year 1974-75.

	Rs.
Opening balance as on 1-4-74	3,81,510 (As per Final
Receipts during the year 1974-75	25,00,000 Estimates
Expenditure during the year	
1974-75	3,31,000 1974-75)
Closing balance as on 31-3-1975	25,50,510

PART-III

Estimates of Receipts and Expenditure for the year 75-76

	Rs.
Estimated Receipts	50,07,000 (Budget Estimates
Estimated Expenditure	16,45,000 1975-76)

[NO Z-16016/2/75-M. V.]

P. K. SEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1975

S.O. 2968.—कारबाने का द्वारा 87 द्वारा प्रदत्त ग्राहकों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० मा० 2620 तारीख 21 सितम्बर, 1974 के अनुक्रम में इधियन ग्राहक कार्यालय, लिमिटेड (मार्केटिंग डीवीजन, अर्मानपुर-कानपुर-9 को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 4 अप्रैल 1925 से 3 अप्रैल, 1976 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देता है।

2. पुर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन है, अवधि—

(1) उक्त कारबाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके द्वारा यह कारबाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्रूप में और ऐसी विविधियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम (विविध) विविध, 1950 के अधीन उक्त अवधि के संबंध में उसके द्वारा दी जानी थी।

(2) निगम द्वारा, उक्त अधिनियम की द्वारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई नियोजक, या इस नियम प्राप्तिकृत नियम को कोई अन्य पदधारी—

- (i) उक्त अवधि की बाबत द्वारा 44 की उपधारा (1) के अधीन दी गई किसी विवरणी में अन्तिमिक्त विविधियों को सत्यापित करते या
- (ii) यह अधिनियमित करते कि क्या उक्त अवधि की बाबत, कर्मचारी राज्य बीमा (विविध) विविध, 1950 द्वारा यथापूर्वक रजिस्टर और अभिलेख रखे गए थे, या
- (iii) यह अधिनियमित करते कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन कावरों को नकदी और बस्तु के रूप में पाने का हकदार बना रहता है जिसको व्यापार में रखते हुए इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है; या
- (iv) यह अधिनियमित करते कि इस अवधि के द्वारा, जब उक्त कारबाने के संबंध में ऐसे उपबन्ध प्रवृत्त हो, अधिनियम के उपबन्धों में से किसी का अभुवासन किया गया था, के प्रयोगमार्ग—

(क) प्रधान या अव्यवस्थित नियोजक से यह प्रेषण करते कि वह उसे ऐसी सूचना दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवस्थित नियोजक के अधिसूचनाधीन किसी कारबाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तिमुक्त समय पर प्रवेश करने और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारतसाधान कर रहा हो, ऐसी प्रेषण करते कि ऐसे लेके, बहियों और अन्य दस्तावेजें, जो व्यक्तियों के नियोजन और मजदुरी के संदर्भ से संबंधित हों, ऐसे नियोजन या अन्य पदधारी की प्रस्तुत करें, और उनकी परीक्षा करते के लिए उसे अनुशासन करें या उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान या अव्यवस्थित नियोजक उसके अधिकारी या सेवक, या ऐसे कारबाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसरों में पाए गए किसी व्यक्ति की या किसी ऐसे व्यक्ति की, जिसके बारे में उसे नियोजन या अन्य पदधारी के पास यह विवास करने का युक्तिमुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करते; या

(घ) ऐसे कारबाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, सेक्वेन्चरी या अन्य वस्तावेज की प्रतियां तैयार करने या उससे उद्धरण लेने के लिये सक्त होगा।

[सं० एस० 38017/8/74 एच० 1]

व्यापारात्मक शायप

इस मामले में छूट को पूर्वार्थी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि कारबाने को छूट प्रदान करते के लिए महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सिफारिश विलम्ब से, प्राप्त हुई थी। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि वे परिस्थितियां, जिसमें कारबाने को मूल रूप में छूट प्रदान की गई थी, भवी तक भी जारी है और कारबाना छूट के लिए पाल है।

New Delhi, the 21st August, 1975

S.O. 2968.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2620 dated the 21st September, 1974, the Central Government hereby exempts the Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division), Arampore Kanpur-9 from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 4th April, 1975, upto and inclusive of the 3rd April, 1976.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to:—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or Servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory establishment, office or other premises.

[No. S. 38017(8)/74-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Director General, Employees' State Insurance Corporation for the grant of exemption to the factory was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption, still persist and the factory is eligible for exemption.

का० शा० 2969.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) को धारा 88 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० शा० 1130 तारीख 25 मार्च, 1975 के अनुक्रम में भारत सरकार के उद्देश्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, विस्तारण केन्द्र कोयन्डूर के निपन्नित स्थापना कार्यक्रमों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 7 अगस्त, 1974 से 6 अगस्त, 1976 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिये छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन है, अर्थात्:—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित किए गए हैं एक रजिस्टर रखेगा जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों का नाम और पदावधान दर्शित किए जाएंगे।
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसे फायदे प्राप्त करते रहेंगे, जिससे उस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवर्तन की तारीख से पूर्व संदर्भ अधिकारों के प्रधार पर पाएं जाएंगे।

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिये अभिवाय यदि पहले ही संक्षत कर दिया गया हो वापस नहीं किया जायगा।

- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस प्रवधि की बाबत जिसके द्वारा यह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रवधि कहा गया), ऐसी विवरणियां ऐसे प्रवधि में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (विविध) विनियम, 1950 के अधीन उक्त प्रवधि के संबंध में उसकी और से हीजानी थी।
- (5) नियम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का कोई अन्य पदधारी जो इस निमित्त प्राप्तिकृत किया गया हो—
 - (i) उक्त प्रवधि की बाबत धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन दी गई किसी विवरणी में अन्तर्विष्ट विशिष्टियों को सत्यापित करने; या
 - (ii) यह अभिनिविषत करने कि क्या उक्त प्रवधि की बाबत, कर्मचारी राज्य बीमा (विविध) विनियम, 1950 द्वारा अपारेक्षित रजिस्टर और अभिनिविषत रखे गए थे, या
 - (iii) यह अभिनिविषत करने कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा किए गए उन कायदों को सकारी और वस्तु के रूप में पाने का हक्कावार बना रहता है जिसको व्यान में रखते हुए इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है या
 - (iv) यह अभिनिविषत करने कि क्या उक्त प्रवधि के द्वारा, जब उक्त कारखाने के संबंध में ऐसे उपबन्ध प्रवृत्त हो, अधिनियम के उपबन्धों में से किसी का अनुपालन किया गया था, के प्रयोजनार्थ—
 - (क) प्रधान या प्रब्ल्यवहित नियोजक से यह प्रेक्षा करने कि वह उसे ऐसी सूचना दे जो वह अवश्यक समझे थे
 - (ख) ऐसे प्रधान या प्रब्ल्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तियुक्त समय पर प्रवेश करने और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारसाधन कर रहा हो, ऐसी प्रेक्षा करने कि वह लेख बहियां और अन्य दस्तावेजों, जो व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित हों, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी को प्रस्तुत करे, और उनकी परीक्षा करने दे या उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
 - (ग) प्रधान या प्रब्ल्यवहित नियोजक उसके अधिकर्ता या सेवक, या ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाए गए किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त नियोजक या अन्य पदधारी के पास यह विवाद करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करें; या
 - (घ) ऐसे कारखाने, स्थापना कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखाब्धी या प्रब्ल्यवसायेज की प्रतियां लैपार करने या उससे उद्धरण लेने के लिये सक्षत होगा।

[सं० एस० 38014/12/74-एष-1]

स्थ १३०४८ का ज्ञापन

इस ज्ञापने में छूट को पूर्वाधीनी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि इस कारखाने को छूट की स्वीकृति के कर्मचारी राज्य बीमा निगम के महा निवेशक की सिफारिश विलम्ब से प्राप्त हुई थी। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि वे परिस्थितियाँ प्रभी तक भी जारी हैं जिनमें कारखाने को मूल रूप में छूट प्रदान की गई थी और कारखाना छूट दिए जाने के लिए पात्र है।

S.O. 2969.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1130 dated the 25th March, 1975, the Central Government hereby exempts the regular establishment personnel of the Government of India, Extension Centre, Coimbatore belonging to the Ministry of Industry and Civil Supplies from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 7th August, 1974, upto and inclusive of the 6th August, 1976.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contribution paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employers in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provision of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory, be empowered to :—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/12/74-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Director General, Employees State Insurance Corporation for the grant of exemption to the factory was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption.

नई विल्सी, तारीख 26 अगस्त, 1975

का० आ० 2970.—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि भारत सरकार मुद्रणालय कौराटटी, तिचूर जिला (केरल राज्य) के कर्मचारियों को अम्य प्रकार से बंसी ही प्रसुविधाएँ प्राप्त हैं, जिनकी कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन व्यवस्था की गई है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 3465, तारीख 11 दिसम्बर, 1974 के अनुक्रम में और कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के पश्चात्, उपर वर्णित कारखाने को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 6 जुलाई, 1975 से 5 जुलाई, 1976 तक, जिसमें यह बिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और प्रबंधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों पर है, प्रथात्—

- (1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस प्रबंधि की बाबत जिसके द्वारा वह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रबंधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रकार में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो उसे कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त प्रबंधि के संबंध में देनी थीं।
- (2) निगम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का कोई अन्य पदधारी जो इस नियम प्रविधित किया गया हो—
 - (i) उक्त प्रबंधि की बाबत धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन वी गई किसी विवरणी में वी गई विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थः या
 - (ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थः या उक्त प्रबंधि की बाबत, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा प्रयोगित, रजिस्टर और प्रभिलेख रखे गए थे : या
 - (iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थः क्या कर्मचारी नियोजक द्वारा नक्ती और वस्तु के रूप में दिए जाने वाले उन कायदों को पाने के अब भी दुकादार हैं जिनके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट वी जा रही है : या

(iv) यह अधिनियम करते कि क्या उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के कोई उप-बन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे उपबन्धों का प्रनुपालन किया गया था, निम्नलिखित के लिये सशक्त होगा, अर्थात्:—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे वे सूचनाएं दे जो उपरोक्त निरीक्षक या अन्य अधिकारी द्वारा आवश्यक समझी जाएं; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिकारी-धीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तियुक्त समर्थन पर प्रवेश करना और उसके भारताधिक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष सेवा अद्वितीय और अन्य वस्तावेजें, जो अतिक्रमों के नियोजन और भारतीय के संबंधित हों, प्रस्तुत करें, और उसे उनकी परीक्षा करने दें या उन्हें जैसी वे आवश्यक समझे वैसी जानकारी दें; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक उसके अधिकारी या सेवक या किसी ऐसे व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाया जाए या जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विवाद करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह व्यक्ति कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबहु या अन्य वस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें से कोई उद्धरण उतारना।

[सं. एस. 38017/7/74-एच० आर०]

आवश्यक स्थापन

इस मामले में छूट को पूर्वोत्तीर्ण प्रभाव देना आवश्यक हो गया है। अर्थोंकि कारखाने को छूट प्रदान करने के लिए महा-निवेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सिफारिश देर से प्राप्त हुई थी। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को मूल रूप में छूट प्रदान की गई थी, अभी तक भी जारी हैं और कारखाना छूट के लिए पात्र है।

New Delhi, the 26th August, 1975

S.O. 2970.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the Government of India Press, Karatty; Trichur District (Kerala State) are otherwise in respect of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3465 dated the 11th December, 1974, the Central Government after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 6th July, 1975, upto and inclusion of the 5th July, 1976.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory, be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

[No. S-38017/7/74-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Director General, Employees State Insurance Corporation for the grant of exemption to the factory was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption.

का० आ० 2971.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, कृषि और सिंचाई मंत्रालय के अधीन एकीकृत मीन उद्योग परियोजना, एमानुष्यम के हिम एवं-हिमीकरण संयंत्र, कर्मशाला और स्लिपवे, इसेक्ट्रिक अनुभाग, संसाधन अध्युदाग और जिगर अनुभाग में के नियमित कर्मचारियों के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये उक्त अधिनियम के प्रवृत्तन से छूट देती है।

2. उपरोक्त छट निम्नलिखित शर्तों पर है, अर्थात्:-

- (1) पूर्णोक्त कारखाना, जहाँ कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाधिकार दिखाए जाएंगे।
- (2) इस छट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखियाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनके कि वे इस अधिसूचना में दी गई छट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सबत्त अभियायों के बाहार पर हक्कदार हो गए हों।
- (3) छट प्राप्त अवधि के लिए, यदि कोई अभियाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किए जाएंगे।
- (4) उक्त कारखाने के नियोजक को, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान वह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवृत्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणीया और ऐसे प्रकृति में और ऐसी विविधियों सहित ऐजनी होंगी जो उक्तके द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि की बाबत अपेक्षित हों।
- (5) नियम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन, नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम का इस निम्नित प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, निम्नलिखित प्रयोजनों के लिये अर्थात्:-

 - (i) उक्त अवधि की बाबत, धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन दी गई किसी विवरणीय में दी गई विवरणीयों को सत्यापित करने के लिए; या
 - (ii) यह अधिनियित करने के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिये रखे गए थे या नहीं; या
 - (iii) यह अधिनियित करने के लिये कि कर्मचारी नियोजक द्वारा नकद में और वस्तुरूप में दी जाने वाली उन प्रमुखियों के अग्रभी भी हक्कदार हैं या नहीं; जिनके प्रतिकूल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छट दी जा रही है; या
 - (iv) यह अधिनियित करने के लिए कि क्या उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के कोई उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे उपबन्धों का अनुपालन किया गया था, निम्नलिखित के लिये संशरक्त होगा—
 - (क) प्रधान या आसन्न नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे वह जानकारी दे जो उपरोक्त निरीक्षक या अन्य अधिकारी द्वारा आवश्यक समझी जाए; या
 - (ख) ऐसे प्रधान या आसन्न नियोजक अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापना कार्यालय या अन्य परिसर में उचित समय पर प्रवेश करता और उसके भार-साधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह ऐसे निरीक्षक या अन्य अधिकारी के समक्ष, व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से सम्बन्धित लेखा बहिया या अन्य वस्ताबेज पेश करे और उसे उनकी परीक्षा करने दे या उन्हें वे आवश्यक जानकारी जो वे आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान या आसन्न नियोजक, उसके अधिकारी या सेवक या किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापना, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या किसी ऐसे व्यक्ति की जिस के बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य अधिकारी को वह विश्वास करने का उचित कारण हो कि वह व्यक्ति कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापना, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखा-बही या अन्य वस्ताबेज की नकल तैयार करना या उसमें से ऐसी अंग उतारना।

[सं. एस-38014(16)/74-एस-माई०]

S.O. 2971.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees in Ice-cum-Freezing Plant, Workshops and shipway, Electronic section, proceeding section and Gear section of the Integrated Fisheries project, Ernakulam under the Ministry of Agriculture and Irrigation from the operation of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior the date from which exemption granted by this notification operates ;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014(16)/74-HI]

का० आ० 2972.—कर्मचारी राज्य दीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 का प्रस्तुत करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भूतपूर्व थम और उत्तर्वास मंत्रालय (थम और रोजगार विभाग) की प्रधिसूचना सं० का० आ० 2763, तारीख 27 मई, 1971 में निम्नलिखित संयोगधन करती है, प्रार्थना :—

उक्त प्रधिसूचना में “धारा 4 के छान्द (व) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा तत् प्रयोजनार्थी केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघों से परामर्श करके, नामनिर्दिष्ट” शब्दों के प्रत्याहैत मध्य 26 के सामने “प्रतिरिक्त महा सचिव” शब्दों के स्थान पर “महा सचिव” शब्द रखे जाएंगे ।

[सं० पी० य० 16012/7/75-एच० आई०]
जे० सी० सरसेना, भवर सचिव

S.O. 2972.—In pursuance of section 4 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2763, dated the 27th May, 1971, namely :—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the Central Government under clause (f) of section 4 in consultation with organisations of employers recognised by the Central Government for the purpose),” in the entry against item 26, for the words “Additional Secretary General”, the words “Secretary General” shall be substituted.

[F. No. U-16012(7)/75-HI]
J. C. SAXENA Under Secy.

New Delhi, the 28th August, 1975

S.O. 2973.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Dhanbad in the Industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st August, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 2 of 1972

In the matter of an industrial dispute u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Hazaribagh.

AND

Their workmen

Reference : Government of India, Ministry of Labour, No. L-12012/37/72-LR III dated the 29th June, 1972.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri D. K. Sinha, Branch Manager, State Bank of India, Patna.

On behalf of the workmen.—Shri G. K. Verma, Secretary, State Bank of India Employees Union, Patna.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Banking

Dhanbad, the 14th August, 1975

AWARD

In this Order of reference which was sent by the Government of India, Ministry of Labour to this Tribunal for adjudication of the industrial disputes, two issues were framed as below :

1. Whether the action of the management of the State Bank of India, Hazaribagh in terminating the services of Shri Rajendra Prasad, Cashier w.e.f. 6th September, 1969 is justified,

2. If not to what relief is he entitled.

2. The case of the union in short is that the concerned workmen Shri Rajendra Prasad was appointed as a Cashier in the State Bank of India, Hazaribagh branch on 23-9-1966. It is alleged that the services of Shri Rajendra Prasad was terminated by order dated 6th September, 1969 on the ground that he could not compete at the examination held prior to 2nd March, 1969. It is further contended that the termination of services of the concerned workman was unjustified being both illegal and malafide. The case of the Bank in short is that the concerned workman was appointed as a Cashier at the Hazaribagh branch on 23-9-1966 on a purely temporary basis. It is alleged that the concerned workmen appeared in the Clerk-typist test held in 1967 and in 1968 but he could not compete in such tests. Another written test was held on 2nd March, 1969 for recruitment of Clerk-typist and as the concerned workman did not appear in that test his services were terminated w.e.f. 6th September, 1969.

3. The admitted position is that Shri Rajendra Prasad an Honours graduate was appointed as a cashier in the Hazaribagh branch of the State Bank of India on 23-9-1966 and his services were terminated by an order dated 6-9-1969. The concerned workman was no doubt appointed as temporary cashier but from the statements of temporary appointment as filed by the Bank (Ext. M. 13) it appears that he was working in permanent vacancy which was to be filled up. The initial appointment letter of Shri Rajendra Prasad is marked Ext. M4 from which it appears that he was appointed as a temporary money tester at Hazaribagh branch for a period of 7 days from 23-9-1966 to 30-9-1966. Admittedly the term of appointment of the concerned workman was extended from time to time and from Ext. M. 3 which is another letter it appears that his term was extended upto 16-3-1968. The other letters extending the term of the appointment of the concerned workman have not been filed but the admitted fact remains that since the date of his initial appointment till the date of termination of his services, the term of appointment of the concerned workman was extended one after another and he put in a continuous services of 35 months in the Bank before his services were terminated. So it is a case where the services of a cashier who had served for about 35 months continuously were terminated. Why this is so ? The management has given their own reasons leading to the termination of the services of the concerned workman. First it is submitted that a written and typing test was held at Dhanbad centre being unit No. 14 on 29-1-1967 under the regional recruitment scheme for filling up permanent vacancies for the post of clerk typist. The concerned workmen appeared at the above test and also appeared at the interview subsequently held. The Dhanbad Agent sent the papers relating to the written and typing test along with the assessment of interview to the local Head Office at Calcutta for their final approval. In course of scrutiny of the answer books

of the candidates at the local Head Office of the State Bank of India at Calcutta, several striking and odd similarities were detected in answers given by Shri Rajendra Prasad and by another candidate viz., P. K. Das indicating that unfair means were adopted by the said candidate or unfair assistance as was received by them from a common sources and accordingly none of the candidates were considered suitable for selection for permanent appointment. Let us first apply our mind to this allegation of the Bank. The learned representative of the State Bank of India who urged the case before me draws my attention to the papers said to be the answer papers of Rajendra Prasad. The first answer is a letter written by Shri Rajendra Prasad as a candidate to the Health Officer of the Municipal Corporation. The second answer of the candidate is an essay of superstition. It is submitted from the side of the Bank that the answer paper regarding a letter to the Health Officer is quite unsatisfactory but the answer on the essay "superstition" is in very good English in all respects. My attention is also drawn to the remark said to have given by the scrutinising authority in the local Head Office, Calcutta which is to the effect that the essay is not original one and "appears to have adopted unfair means". This was the opinion of the scrutinising authority of the answer papers at Calcutta and I have nothing to say at this stage on the remarks given by the Calcutta local Head Office about the answer papers of Shri Rajendra Prasad. Admittedly there is nothing positive to show at this stage that Shri Rajendra Prasad adopted unfair means in the test. I presume that when a recruitment test was held by the Agent of the Dhanbad branch for Clerk-typist appointment the Bank must have had their due invigilation in the examination hall so that no unfair means could be adopted by any candidate who appeared at the test. If that were so, chances of obtaining unfair means at the examination centre are rather remote. Then again it appears that Shri Rajendra Prasad was an Honours Graduate and being so it may be unreasonable to think that it was beyond his competence to write an essay which he had written in the test. Then the answer paper of Shri P. K. Das who was also a candidate in the examination have also been produced before me. The English essay as written by Shri P. K. Das in the test is on "Rolling stone gathers no moss". Accordingly the answer paper of Shri Rajendra Prasad and P. K. Das cannot be said to be same. Then my attention is drawn to some answer to general knowledge question of the above two candidates and it does not appear to me that their answers to the general knowledge questions are same. There may be some similarities in the answer papers of the above candidates but if the both candidates give the correct answers the answers are necessarily to be same. Be that as it may, as I have already stated I do not like to interfere with the assessment made by the Calcutta local Head Office of the Bank on the merits of the two candidates who appeared at the test among others for recruitment of clerk-typist post. The case of the Bank is that Shri Rajendra Prasad appeared at the second test held on 14th July, 1968, for recruitment of clerk-typist at which he fared very badly and as a result he was not called for interview. The concerned workman has denied having appeared in the second test held on the 14th July, 1968. The Bank produced papers in connection with the first test held in 1967. But they have not produced anything before me in respect of the alleged second test said to have been held on 14-7-1968 and there is no reason for non-production of the same. So the Bank has failed to prove that the concerned workman appeared in the second test held on 14-7-68 in which he fared very badly. As to the reasons why the services of Shri Rajendra Prasad were terminated, the case of the Bank is that the Hazaribagh branch of the State Bank of India was instructed to terminate the services of those temporary employees who had not been selected on the basis of the result of the written test and typing test held on 14-7-68 unless they had appeared at the written examination for recruitment of clerk-typist held on 2nd March, 1969 and was not subsequently called for an interview. Shri Rajendra Prasad did not appear in the written test held on 2nd March, 1969 and accordingly his services were terminated from 6 September, 1969. The Bank mainly relies on three letters marked Ext. M. 14, M. 15 and M. 19, in support of their case. I am to examine them one by one. Ext. M. 14 is a letter No. 108 of 1966 from the Deputy Secretary and Treasurer to the agents of all Bengal Circle branches. It is admitted that at that time the local Head Office of the State Bank of India was at Calcutta and so the State Bank branches situated either in Bengal or in Bihar came under the agents known as Bengal circle branches. The policy as laid down in the Ext. M. 14 is that all existing temporary employees in clerical and cash department who have put in an

aggregate service of 9 months or more should be given an opportunity to appear in the written test and interview and if they secure minimum qualifying marks they will be offered permanent appointment; in case they fail to secure the minimum qualifying marks in the next test in which they are permitted to appear their temporary appointments should be terminated at the expiry of the relative term of appointment. It further stipulates that no persons should be future be continued in temporary employment in any capacity for periods aggregating more than 9 months. It would appear from Ext. M. 15 para (ii) that the above orders (Ext. M. 14) were issued in March, 1966. The appointment of Shri Rajendra Prasad was in the latter part of September, 1966. So para 1, 2 and 3 of Ext. M. 14 being meant for those who were already in services in March, 1966, do not squarely apply in the case of Rajendra Prasad who, as already said, was appointed in September, 1966. Para (iv) of Ext. M. 14, however, applies in the case of Rajendra Prasad. What para (iv) says, it says that in future all temporary employees in clerical and cash department who have put in an aggregate services of 3 months or more would be called for a written test and interview for permanent appointment in the Bank. The next circular from the Deputy Secretary and Treasurer to all the branches of Bengal circles is Ext. M. 15. This circular is in clarification of the first circular (Ext. M. 14) which were not properly understood by some offices. In para 1 of Ext. M. 15 it is stated that temporary employees who have put in more than 9 months aggregate services should be absorbed in permanent appointment if they possess a minimum acceptable standard for which they have already been given an opportunity to appear at the written test and those who have secured 30 per cent marks in the written test and 35 per cent marks in aggregate will be deemed to have reached the minimum standard. If the candidates fail to come up to the minimum standard his services were to be terminated on the expiry of the period of his appointment. In para 11 of the Ext. M. 14 it has been clearly stated that the above instructions would apply only to temporary employees who have put in an aggregate services of 9 months or more at the time of the original instructions i.e. in March, 1966 and not to all temporary employees of the Bank appointed subsequently. In March, 1966 Shri Rajendra Prasad was not in the services of the Bank and so the above instruction do not apply in his case. In para (iv) of Ext. M. 15 it is stipulated that all such temporary clerks and cashier who have put in an aggregate service of 3 months or more will be permitted to appear for the written test and interview and their appointment will depend on their performance in the written test and interview. Para (iv) of Ext. M. 15 corresponds to para 4 of Ext. M. 14 which apply to candidate who have been appointed after March, 1966. Ext. M. 19 is another letter dated 21-2-1969 from the Deputy Secretary and Treasurer to all agents of branches in Bengal circle. This circular is in reference to para iv of circular No. 306 of 1966. It is stipulated therein that all temporary clerks and cashier who have put in aggregate service of 3 months or more are sometimes required to work continuously against vacancies and that all such temporary employees who have put in at least 3 months services and who have not been afforded opportunity to appear for written test and interviews for absorption in the permanent cadre may be contained in service until such time as their suitability otherwise for permanent appointment is adjudged on the basis of their performance at a written test and interview. In para 2 of Ext. M. 19 it is stipulated that the agents of all branches should afford temporary employees an opportunity to appear for the written test and interview within the stipulated periods of 9 months of temporary services, and such employees may continue beyond 9 months only if there are compelling reasons for the test and interview not being held. Ext. M. 19 is therefore in modification of the earlier circulars which are Ext. M. 14 and M. 15. The difference between the two appears to be that in Ext. M. 14 and M. 15 it was stipulated that temporary employees who have been put in 3 months continuous service or more should be allowed to appear at the test before expiry of 9 months of their continuous service and no one should be kept in temporary services beyond 9 months. Whereas Ext. M. 19 stipulates that all temporary employees who have put in at least 3 months services and who have not been afforded an opportunity to appear in the written test and interview may be continued in services until such time as their suitability or otherwise for permanent appointment is adjudged on their performance at the written test and interview. In other words unlike the previous two circulars Ext. M. 19 does not stipulate that no temporary employee should be allowed to continue after expiry of 9 months of their services. They can continue even more than 9 months

for some reason or other the test and interview for them could not be held. The last letter from the regional Manager, State Bank of India, Patna is dated 30-8-1969 to the agent of the State Bank of India, Dhanbad which is marked Ext. M 6. It is on the basis of this letter that Shri Rajendra Prasad appears to have been dismissed with effect from 6th September, 1969. It appears therefore that certain temporary employees were appointed as clerk-typist and they were advised to be appointed. The name of Rajendra Prasad does not appear in this list of selected candidates of clerk-typist. In para 8 of this letter it is noted that the services of temporary employees who have not been selected for appointment as clerk-typist should immediately be terminated unless they have appeared at the examination in connection with the recruitment of clerk-typist under regional recruitment scheme on 2nd March, 1969 and were called for interview the results of which were to be communicated shortly. The case of the Bank is that Rajendra Prasad failed to complete in the test held in 1967 for recruitment of clerk-typist. Their further case is that Shri Rajendra Prasad appeared in the test of clerk-typist held in 1968 but fared badly to be absorbed as permanent clerk-typist. I have already discussed and held that the Bank has failed to adduce satisfactory evidence that the concerned workman appeared in the written test for clerk-typist in 1968. Admittedly, Shri Rajendra Prasad did not appear in the written test held in 2nd March, 1969 for recruitment of clerk-typist. If, however Shri Prasad was a clerk and he failed to appear at the written test for the recruitment of clerk-typist held on 2nd March, 1969, then the services of the concerned workman could have been terminated according to the para 8 of Ext. M 6. But the case will be otherwise as it will be presently seen. Shri Rajendra Prasad was a temporary cashier and not a clerk in the sense in which it has been understood by the Bank in its different circulars quoted above. The question remains if a temporary cashier fails to complete in the written test for recruitment of clerk-typist held in 1967 or if he does not appear or if he did not appear in the written test held on 2nd March, 1969 for the recruitment of clerk-typist, whether his services as temporary cashier should be terminated. We get a picture of the position from the written statement filed by either side in this case. In paragraph 8 or the written statement the workmen have alleged that no examination for the post of cashier was ever held after 23rd September, 1966 and before 6th September, 1969 i.e. during the whole period of his service with the Bank. In para 3 of their rejoinder the workmen alleged that no examination for the post of cashier was ever held while the workman was in service. Then in para 7 of the rejoinder the workmen plead that the concerned workman was never a clerk-typist but he was appointed as a cashier and no test for the post of cashier was ever held during the terms of employment in the Bank. Then again in para 10 of their rejoinder the workmen plead that the examination for the post of clerk-typist has no concern with the post of cashier which was held by the concerned workman. Then I come to the Bank's averment. In para 5 of their written statement the Bank contends that according to the Bank's rules and regulations permanent appointment in the clerical cadre could only be made on the basis of overall performance of candidates at the written and typing tests and interview, and in the cashier cadre on the basis of written test and interview unless the post is that of cashier-cum-clerk-typist in which case candidates are also required to appear at a typing test. It is further stated that appointment to the cadre of cashiers are made only on the recommendations of the Head Cashier on his accepting the risk and responsibilities for the acts and intromissions of the candidates selected for appointment for the post of cashiers on the basis of written test and an interview to be taken by a Committee of which the Head Cashier is a member. In para 18 of written statement in the last line the Bank states that the concerned workman could not have been absorbed on permanent basis to the post of cashier when the recruitment test at which he appeared was that of a clerk-typist. The clear position that arises out of the averments of the parties in their written statements is that there are two sets of examination for absorption of temporary clerks and cashiers in permanent vacancies—one is a written test and another is written test and interview for absorption of temporary cashier in permanent vacancies. It is not that if a person passes the clerk-typist recruitment test he will be absorbed as a cashier and conversely if a man passes a written test for cashier he will be absorbed in the vacancies of a clerk-typist. Though the concerned workman was working as a temporary cashier in a permanent vacancy of cashier he chose to appear in the clerk-typist recruitment test in 1967 and according to the Bank as he could not succeed he was not permanently absorbed as a clerk-typist.

The fact remains that the concerned workman was not able to compete in the clerk-typist examination, but his services were not terminated and he went on working as a temporary cashier for more than two years after that. Of course if the concerned workman though working as a temporary cashier took the earliest opportunity of getting him absorbed in any cadre for safety reasons it appears that he was entitled to do so, as though he was a cashier he was allowed to sit in clerk-typist test. The simple fact after his failure to compete in the clerk-typist test the concerned workman was allowed to continue as cashier goes to show that until he fails to compete in the cashier test in which he was continuing, he may continue as a cashier. The Bank has failed to show me anything either rules or circulars or any other thing from which it can be held that if a cashier fails to appear at clerk-typist test his services will be terminated. I think that it does not require any rule or circular but it is simple arithmetic that a cashier is to pass cashier's test and clerk will pass the clerk's test. The Bank has also failed to show before me that they had any specific instructions from their Head Office to the effect that as Shri Rajendra Prasad failed to appear in the clerk-typist test held on 2nd March, 1969 his services should be terminated. The Bank it appears takes their main stand regarding dismissal of the concerned workman on a letter from the Head Office which is marked Ext. M 6. I have gone through the letter of the Head Office which carries me nowhere regarding the dismissal of the concerned workman. This is letter by which all the branches of the Bank were intimated about the names of the candidates who had passed the clerk-typist test and who on the strength of their success were placed in different branches of the Bank. Para 8 of Ext. M6 is significant in the sense that it gives a guide line to the Bank that those employees meaning clerical staff who had not passed the clerk-typist test so far and who had not also appeared in the clerk-typist test held on 2nd March 1969 should be dismissed. I do not understand how the State Bank of India, Hazaribagh could rope in Rajendra Prasad with the directive or guide line as stated in para 8 of Ext. M6. Rajendra Prasad was a temporary cashier in the beginning and he continued to be a temporary cashier till and viz till he was dismissed after putting in 35 months of continuous service as cashier of the Bank. By no stretch of imagination I can accept the Bank's contention that the guide line in Ext. M6 which are meant for clerk-typist, could be squarely applied in the case of the concerned workman. Then a question arises what were the chances open to the concerned workman for absorption as a permanent cashier. The simple answer is that chances open to him were to sit and compete in a test held for recruitment of cashier. The higher authorities of the Bank also emphasized in their letter which are Ext. M14, M15 and M. 19 that the clerk should be afforded to sit in clerical examination and the cashier should be given chance to sit in cashiers examination. Even at the cost of reiteration I may refer to some relevant portion of the Exts. referred to above. In para 4 of Ext. M14 the Deputy Secretary and Treasurer of the local Head Office intimated all the agents of all the State Bank of India branches that in future all temporary employees in clerical and cash department who have put in an aggregate service of 3 months or more would be called for the written test and interview for permanent appointment in the Bank. Then by their last letter before me the Calcutta Head Office of the Bank which is marked as Ext. M19 called upon the Branch Manager that they should afford temporary employees an opportunity to appear for the relative written test and interview within the stipulated period of nine months of temporary service and such employees may continue in service beyond nine months only if there are very compelling reasons for the test and interview not being held. The words *relative* written test is important in that it means that there is one kind of test for the recruitment of clerk-typist and there is another kind of test for the recruitment of cashier and clerks and cashiers should be afforded opportunity to sit in their relative tests. Was Rajendra Prasad afforded unfortunately to appear in the cashier's written test as per the circulars mentioned above? The case of the workmen and the evidence of the concerned workman who is examined WW.1 is that no written test for recruitment of cashier was ever held by the Bank during whole period of his service as a cashier i.e. the period of about 35 months. Nowhere within the four corners of written statement of the employers have they denied the above assertions of the concerned workman. The Bank Manager of Hazaribagh Bank Shri D. P. Mukherjee who has been examined before me as MW1 nowhere states in his evidence that a written test was held for the recruitment of cashier within the 35 months of services of the concerned workman or he was afforded opportunity to sit in such examination.

From the evidence on record the only thing which I can accept is that neither any written test for the recruitment of cashier was held for any opportunity afforded to the concerned workman to appear in such a test during the whole service period. It is the case of employers that the concerned workman could have easily applied to the Bank to hold a written test and to allow him to appear in the test. I am afraid this too much to expect of an insignificant person like Rajendra Prasad who was a temporary cashier in the Bank. By the circular of the Head Office it was imperative on the branches that they should within a certain period hold the test and communicate the result thereof to the Head Office. After that I do not know how to blame a temporary cashier for not insisting on the Bank to hold a written test for him. I think the less said about, the better. I may incidentally take up a simple point which has been oft-repeated by the Bank in their pleadings and arguments before me that the concerned workman was *purely* temporary cashier and the same has been sought to be strengthened by the fact that his term of appointment was extended from time to time. It appears that initially Rajendra Prasad was *purely* temporary cashier and was appointed only for 9 days. If however his term of appointment was extended for a few days or for a few months for a particular job of limited nature I could have understood that he was a *purely* temporary cashier. But as things stand his term of employment was extended from days to weeks, from weeks to months, from months to year, from one year to two years, from two years to about three years when he was chucked off. Should I say that Rajendra Prasad was appointed on a *purely* temporary basis and his term was extended for performance of particular job or a limited nature of job. I think not. Moreover the Bank by their own admitted documents has accepted the position that Shri Rajendra Prasad was not a *purely* temporary cashier. In the lists of appointment (Ext. M 13) the name of Rajendra Prasad as a temporary cashier has been shown against permanent vacancy of cashier to be filled up. In other words though temporary cashier Shri Rajendra Prasad was working in the permanent vacancy of a Cashier. Shri G. K. Verma, Secretary of the Union referred to me to the relevant subject matter appearing in Sastri Award and which has been pleaded in their written statement. Now it appears from para 13 of their written statement that the definition given to the term "temporary employee" in para 508 (c) of the Award of the All India Industrial Tribunal (Bank Disputes) known as Sastry Award which is as follows :—

"Temporary employee means an employee who has been appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature; or who is employed temporarily as additional employee in connection with a temporary increase in work of a permanent nature".

If we go by the Sastry Award as stated in the written statement of the workmen, by no stretch of imagination can Shri Rajendra Prasad be said to be a temporary employee. Shri G. K. Verma submits that the concerned workman by virtue of his long continuous service in the Bank should automatically be confirmed as cashier but enough material has not been placed before me in the court in support of his above contention. Be that as it may, the case of the concerned workman does not suffer for that. The plain thing therefore boils down to this that in keeping with the direction contained in the circular Ext. M. 14, M. 15, and mainly with the circular Ext. M. 19, Shri Rajendra Prasad should have been given an opportunity to sit in the cashier's written test for his absorption as permanent cashier and so long that examination could not be arranged he was required to be continued in his job as a cashier.

4. A point was taken on the side of the Bank that after termination of his services Rajendra Prasad filed a suit in the Court of Additional Munsif, Hazaribagh for declaration that the notice terminating the services of the plaintiff is illegal and unjustified and without jurisdiction that the plaintiff has right to hold the post in which he is working and that the plaintiff's services has not been terminated. It appears that the learned Munsif dismissed the suit on contest with cost. Thereafter it appears that Rajendra Prasad filed an appeal against the judgement and decree of the learned Munsif to the District Judge, Hazaribagh but ultimately he withdrew the appeal on the ground that it was a fit case for Labour Tribunal. The certified copies of the civil suit and withdrawal petition are on record. It is submitted from the side of the employers that the civil court

judgement has set at rest the entire matter and this matter cannot be reagitated again in the industrial court. Now I have to refer here to the civil laws in this respect though I am administering now industrial law. At first, the relationship of master and servant can be based on a contract of service. If there is a breach of contract of service it cannot be enforced by specific performance under the Specific Relief Act or under the Indian Contract Act in the same way as the contract of appointment itself cannot be so enforced by specific performance. An aggrieved party where there has been a breach of contract of service can only approach the civil court for a declaration that the termination of service is unlawful and for damages for breach of contract. The Civil Court cannot give him any relief of reinstatement in service. Industrial law, however, gives something more than what an aggrieved employee can get in the civil court. Under the industrial law an industrial court is vested with the powers to reinstate a person in his job when there is improper dismissal or termination of service. This the industrial court can do by virtue of special provision in the Industrial Disputes Act. It will, therefore, be seen that civil court exercises one kind of jurisdiction and the industrial court exercises a different kind of jurisdiction in respect of matter as stated above. Without prejudice to judgement of the civil court I think that by virtue of special provision in the Industrial Disputes Act, this Tribunal has the powers to adjudicate upon the industrial dispute referred to me with an issue as to what relief the workman is entitled to in case his termination from service is found unjustified. In view of the above I do not find anything wrong in the industrial court adjudicating on this subject.

5. Briefly therefore the failure to compete or non-appearance at the clerk-typist examination by Shri Rajendra Prasad does not disqualify him to appear in the cashier recruitment test nor does it make him liable to be dismissed from service as a cashier. His cadre was a cashier's cadre for which a separate examination was to be held and he given an opportunity to sit and compete in that examination. According to the directions of the Head Office Ext. M. 19 even when a temporary employee be he a clerk or cashier has put in for more than 9 months service should be continued in service until such time as their suitability or otherwise for permanent appointment is adjudged on the basis of their performance at the written test and interview. This is last say in the matter and the State Bank of India, Hazaribagh cannot gloss over it. There is, therefore, no legal authority on the State Bank of India to terminate the services of Shri Rajendra Prasad temporary cashier for 35 months without judging his suitability on the basis of written test and interview which was not held by them.

6. The action of the State Bank of India, Hazaribagh branch being found unjustified, the question arises what relief he is entitled to. As the termination of his services was unjustified, surely the concerned workman should be reinstated in his job as temporary cashier. Thereafter the Bank should hold a written test according to their rules to adjudge the suitability or otherwise of the concerned workman for permanent appointment in the post of cashier. As the termination of service of the concerned workman was unjustified, he will be deemed to be continuing in service as a temporary cashier and he is entitled to full back wages with continuity of service, after adjustment of emoluments which the concerned workman might have received, if any, by employment elsewhere.

7. In the result, I find that the action of the management of the State Bank of India, Hazaribagh in terminating the services of Shri Rajendra Prasad, Cashier with effect from the 6th September, 1969 is not justified. He be reinstated in his job as temporary cashier. Thereafter the Bank should hold a written test according to their rules to adjudge the suitability or otherwise of the concerned workman for permanent appointment in the post of cashier. As the termination of service of the concerned workman was unjustified, he will be deemed to be continuing in service as a temporary cashier and is entitled to full back wages, after adjustment of emoluments which the concerned workman might have received, if any, by employment elsewhere, with continuity of service.

This is my award.

K. K. SARKAR, Presiding Officer,
[No. L 12012/37/72-LR III]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

विज्ञापन और आवास मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त, 1975

का. आ. 2974.—जल (प्रदूषण की रोकथाम तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) की धारा 51 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शरीकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, 22, अलीपुर, रोड, पा. बा. नं. 1492, दिल्ली-6 से सम्बद्ध प्रयोगशाला को केन्द्रीय जल प्रयोगशाला क्षेत्र समेत गये कार्यों का नियंत्रण करने हेतु केन्द्रीय जल प्रयोगशाला के समूह में निश्चय करती है।

[सं. क्रू. 15015/6/74-इ. पी. सी.]
मीर नसरुल्लाह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING
New Delhi, the 25th August, 1975

S.O. 2974.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 51 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974), the Central Government hereby specifies the Laboratory attached to the National Institute of Communicable Diseases, 22, Alipore Road, Post Box No. 1492, Delhi-6, as a Central Water Laboratory to carry out the functions entrusted to the Central Water Laboratory under the said Act.

[No. Q-15015/6/74-EPC]
MIR NASRULLAH, Jt. Secy.

